HVS/LG/12/29-6-2K

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 जून, 1999

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 25 जून, 1999

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(1)1
घोषणाएं—	
(क) अध्यक्ष द्वारा	(1)15
(ख) सचिव द्वारा	(1)16
बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना	(1)17
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(1)18
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(1)19
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज-पत्र	
समितियों की रिपोर्ट पेश करना—	
(i) हरियाणा में किसानों द्वारा कथित आत्महत्या पर समिति की रिपोर्ट पेश करना	(1)20
(ii) विशेषाधिकार मामलों के सम्बन्ध में विशेषाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना	(1)20
(क) श्री भजन लाल, भूतपूर्व एम०एल०ए० के विरुद्ध	(1)20
(ख) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रकाशक तथा मुद्रक के विरुद्ध	(1)21

मूल्य : 136

विश्वास मत प्रस्ताव (1)22
श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा (1)22
अध्यक्ष, पंजाब विधान सभा का स्वागत (1)28
श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की
सूचनाओं पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)28
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)30
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा (1)50
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)51
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा (1)53
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)53
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा (1)56
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)56
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
मुख्य मंत्री द्वारा (1)63
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)63
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
मुख्य मंत्री द्वारा (1)66
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)66
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा (1)67
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)68
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
लोक निर्माण मंत्री द्वारा (1)77
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)77
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
मुख्यमंत्री द्वारा (1)84
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)85
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—
श्री सम्पत सिंह द्वारा (1)107
विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ) (1)107
बिल्ज—
(i) दि हरियाणा रूरल डिवैल्पमैंट (अमैंडमैंट) बिल, 1999 (1)119
(ii) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 1999 (1)120

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 25 जून, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble members, now a minister will make the obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी तबीयत ठीक नहीं है, यदि आप इजाजत दें तो मैं बैठ कर बोल लूं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप बैठकर बोल लें।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन और इस अधिवेशन के बीच में बहुत से साथी हमको छोड़ कर चले गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि कारगिल में जो लड़ाई चल रही है उसमें हमारे बहुत से जवान पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए शहीद हो गए हैं।

आप्रेशन विजय के शहीद

अध्यक्ष महोदय, यह सदन कारगिल तथा दूसरे क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए शहीद होने वाले भारत के वीर जवानों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है।

इन रण-बांकुरों ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा अपने जीवन का जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसके लिए हर भारतवासी इनका सदैव कृतज्ञ रहेगा और भारत मां का मस्तक सदा गर्व से ऊंचा रहेगा। मां के आंचल की लाज रखने वाले इन लाडलों के बलिदान का कोई ऋण नहीं चुका सकता।

हरियाणा की माटी में ही वीरता रची-बसी है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आन्दोलन से लेकर आज तक इस प्रदेश के वीर सेनानियों ने सदा ही मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। आज भी देश की सशस्त्र सेनाओं में 12 प्रतिशत जवान हरियाणा के हैं, जो देश की आन, बान और शान को कायम रखने के लिए हर प्रकार की कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हमारे सेनानियों की वीरता और बलिदान एक मिसाल है।

[श्री बंसी लाल]

चल रहे आप्रेशन विजय के दौरान अब तक प्रदेश के 40 जवान शहीद हो चुके हैं। इन महान् शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :—

1. नायब सूबेदार लाल सिंह, गांव गुवाणी (महेन्द्रगढ़)
2. सूबेदार रणधीर सिंह, गांव बलकरा (भिवानी)
3. हवलदार जय प्रकाश, गांव दिसलपुर (झज्जर)
4. ब्रगेडियर अमरदीप, गांव बांध (पानीपत)
5. सिपाही सुरेश कुमार, चरखी (भिवानी)
6. नायक ऋषि पाल, गांव सोमाली खुर्द (पानीपत)
7. नायक बीरेन्द्र सिंह, गांव गढ़ी रूपल (महेन्द्रगढ़)
8. लांस/हवलदार राम कुमार, गांव देवावास (भिवानी)
9. नायक एस०एस० हुड्डा, गांव सांघी (रोहतक)
10. सिपाही रविन्द्र सिंह, गांव रोहणा खरखौदा (सोनीपत)
11. सिपाही मनजीत सिंह, गांव कांसपुर (अम्बाला)
12. सी०क्यू०एम०एच० हंसराज, गांव झाल (रिवाड़ी)
13. हवलदार राम सिंह, गांव रामपुरा (महेन्द्रगढ़)
14. नायक सत्यपाल, गांव सिहौर (महेन्द्रगढ़)
15. लांस/हवलदार लछमन सिंह, गांव महलाणा (सोनीपत)
16. हवलदार विजय सिंह, गांव पुठर (पानीपत)
17. नायक भीम सिंह, गांव पिनाणा (सोनीपत)
18. सिपाही कृष्ण कुमार, गांव टरकांवाली (सिरसा)
19. राइफलमैन प्रवेश कुमार, गांव मुखाला (करनाल)
20. सिग्नलमैन विनोद कुमार, गांव जैतपुर (झज्जर)
21. राइफलमैन जसबीर सिंह, गांव सिस (रोहतक)
22. लांस नायक शाम सिंह, गांव निलौठी (झज्जर)
23. ब्रगेडियर सुरिन्द्र सिंह, गांव सुवाणा (झज्जर)
24. ब्रगेडियर मनोहर लाल, गांव ढाणी दुलत (फतेहाबाद)
25. ब्रगेडियर सुखबीर सिंह, गांव रुखी (सोनीपत)
26. लांस नायक राजकुमार, गांव रावलधी (भिवानी)
27. हवलदार सिधकाम, गांव पुर (भिवानी)
28. लांस नायक राजबीर सिंह, गांव लाखन माजरा (रोहतक)

29. हवलदार राज सिंह, गांव रतेड़ा (भिवानी)
30. सिपाही आशिष कुमार, गांव धिमाण (जीन्द)
31. सिपाही कुलदीप सिंह, गांव मेहराणा (भिवानी)
32. ब्रिगेडियर परविन्दर सिंह, गांव उन्हाणी (महेन्द्रगढ़)
33. सिपाही गुलाब सिंह, गांव बस्ला (करनाल)
34. बी०एस०एफ० के डिप्टी कमांडेंट, सुखबीर सिंह यादव, गांव कुतुबपुर (रिवाड़ी)
35. आई०टी०बी०पी० के डिप्टी कमांडेंट जॉय लाल, पंचकूला
36. आई०टी०बी०पी० के हवलदार खजान सिंह, गांव धुंगड़ा जाट (महेन्द्रगढ़)
37. बी०एस०एफ० के असिस्टेंट कमाण्डेंट आजाद सिंह दलाल, गांव जाखौदा (झज्जर)
38. हवलदार नवीन कुमार मेहता, मॉडल टाऊन, यमुनानगर
39. मेजर विनय चौधरी, जीन्द
40. सिपाही भोपाल सिंह, गांव ढ़ाणी (भिवानी)

इनके साथ-साथ देश के तमाम अन्य प्रदेशों से भारतीय सेनाओं और अर्ध-सैनिक बलों के जिन वीर-कर्मियों ने देश की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है, उनका स्मरण करते हुए हमें अत्यन्त शोक के साथ-साथ गर्व का अनुभव भी होता है।

यह सदन इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत्-शत् नमन करता है और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सुमेर चन्द भट्ट, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष श्री सुमेर चन्द भट्ट के 18 मार्च, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 दिसम्बर, 1933 को हुआ। उन्होंने एम०ए० तथा एल०एल०बी० की डिग्री प्राप्त की। वह 1977 तथा 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1982-86 के दौरान हरियाणा सरकार की '20 सूत्री कार्यक्रम उच्चाधिकार प्राप्त समिति' के उपाध्यक्ष तथा 1993-96 के दौरान 'शिवालिक विकास बोर्ड' के उपाध्यक्ष भी रहे। वह 1991 से 1996 तक हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

ठाकुर मोहन लाल, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री ठाकुर मोहन लाल के 18 अप्रैल, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

[श्री बंसी लाल]

वह 1967 में सोनीपत हल्के से हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होंने राज्य मंत्री के पद पर भी कार्य किया। वह अनेक सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुये थे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक तथा विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन डॉ० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य के 7 मई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 फरवरी, 1906 को देहरादून में हुआ। उन्होंने 13 साल की अल्पायु में ही स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेना शुरू कर दिया। वह कई बार जेल गये। वह 1951 में करनाल से लोक सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा योग्य सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य राव जसवन्त सिंह के 12 मार्च, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 30 नवम्बर, 1928 को हुआ। वह स्नातक थे। वह 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से देश एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी कबीर अहमद हाजी के 10 मई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1902 में हुआ। वह व्यवसाय से कृषक थे। वह 1972 तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उनकी समाज सेवा में गहरी रुचि थी।

उनके निधन से देश एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री पद्मकान्त त्रिपाठी, पत्रकार

यह सदन श्री पद्मकान्त त्रिपाठी, पूर्व सम्पादक 'दैनिक ट्रिब्यून' के 7 अप्रैल, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 18 अक्तूबर, 1927 को हुआ। उन्होंने एम०ए० की डिग्री प्राप्त की। वह पिछले 4 दशकों से पत्रकारिता से जुड़े रहे। वह 'दैनिक ट्रिब्यून' के संस्थापक सम्पादक थे। उन्होंने 'जनसत्ता', 'जागरण', 'इण्डियन एक्सप्रैस' तथा 'करंट' के लिए भी कार्य किया।

उनके निधन से देश ने एक प्रख्यात पत्रकार खो दिया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पानीपत तेल शोधक कारखाने में हुई आग दुर्घटना

यह सदन 7 मई, 1999 को पानीपत के भारतीय तेल निगम के तेल शोधक कारखाने में आग दुर्घटना से हुए लोगों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

भू-स्खलन दुर्घटना

यह सदन मार्च, 1999 में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में हुई भू-स्खलन दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के प्रति गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पद्मश्री गुरू हनुमान, भारतीय कुश्ती के द्रोणाचार्य

यह सदन भारतीय कुश्ती के द्रोणाचार्य पद्मश्री गुरू हनुमान के 24 मई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 मार्च, 1901 को राजस्थान के झुंझनू जिले में हुआ। उनका बचपन का नाम विजय पाल था। उनकी कुश्ती में गहरी रुचि थी। उन्होंने 1940 से कुश्ती में प्रशिक्षण देना शुरू किया तथा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के कई पहलवान तैयार किये। उन्हें अनेक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक प्रख्यात कुश्ती प्रशिक्षक तथा पहलवान की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के पर्यटन राज्य मंत्री श्री रामभजन अग्रवाल के भाई श्री ओम प्रकाश अग्रवाल तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य चौधरी धीरपाल सिंह की माता श्रीमती कलावती के हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं कारगिल तथा दूसरे क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए शहीद होने वाले भारत के वीर जवानों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं। इन रण-बांकुरों ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है, इसके लिए हर भारतवासी इनका सदैव कृतज्ञ रहेगा और भारत मां का मस्तक सदा गर्व से ऊंचा रहेगा। मां के आंचल की लाज रखने वाले इन लाडलों के बलिदान का कोई ऋण नहीं चुका सकता। हरियाणा की माटी में ही वीरता रची-बसी है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आन्दोलन से लेकर आज तक इस प्रदेश के वीर सेनानियों ने सदा ही मातृ भूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। आज भी देश की सशस्त्र सेनाओं में सबसे अधिक शहीद हरियाणा के हैं। जो देश की आन, बान और शान को कायम रखने के लिए हर प्रकार की कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हमारे सेनानियों की वीरता और बलिदान एक मिसाल है। आप्रेशन विजय के दौरान अब तक प्रदेश के 40 जवान शहीद हो चुके हैं। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। जिस प्रदेश और देश के लोग अपने शहीदों को भूल जाते हैं, वह देश बर्बाद हो जाता है।

पंजाब में अगर किसी शहीद की डैड बाडी आई तो पंजाब के मुख्य मंत्री स्वयं उनके घर श्रद्धांजलि देने गए और उनके परिवार के लोगों को नौकरी देने का वायदा किया और उनको आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। राजस्थान में जिस शहीद की डैड बाडी आई तो वहां के मुख्य मंत्री ने स्वयं उनकी चिता को अग्नि प्रदान की और एक-एक मरब्बा जमीन का दिया। बिहार के मुख्य मंत्री और वहां के सर्वेसर्वा लालू प्रसाद ने वहां पर जाकर फूल अर्पित किए और हरेक के परिवार को 10-10 लाख रुपए दिए। इसी तरह से यू०पी० के मुख्य मंत्री ने भी प्रत्येक जवान के परिवार को 10-10 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की और उनके परिवार के बच्चों को मुफ्त शिक्षा, अगर कोई नौकरी लायक है तो उसको नौकरी देने का आश्वासन दिया और जब तक उनके परिवार में कोई कमाने लायक नहीं हो जाता तब तक 5 हजार रुपए की राशि माहवार देने की घोषणा की है और जिन सैनिक परिवारों ने कर्जा लिया हुआ था उनका सारा कर्जा माफ किया लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के उन जवानों की इतनी अनदेखी की गयी कि शुरू-शुरू में उनकी जो डैड बॉडी आयी तो उस समय एक पुलिस का कांस्टेबल तक भी उनकी चिता को अग्नि देते वक्त मौजूद नहीं था। हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री को इस प्रकार की कोताही नहीं करनी चाहिए थी और उनको स्वयं वहां पर जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री ने उनकी शहादत के प्रति चन्द अल्फाज भी नहीं कहे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते होंगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको यह भी नहीं पता कि जिस विषय पर मैं बोल रहा हूं उस पर चर्चा नहीं की जाती है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणवी लोगों का सिर उस वक्त शर्म से झुक गया जब हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह के घर के आगे नारनौल जाने के लिए कारों के काफिले के साथ ऐसे ही निकल जाते हैं और वे उनके प्रति चन्द अल्फाज भी व्यक्त नहीं करते हैं। अध्यक्ष महोदय, वह बहुत बड़ा गांव है। उनके दाह संस्कार के समय वहां पर 50 हजार लोग उपस्थित थे। (शोर एवं व्यवधान)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जसवन्त सिंह) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य सदन को गुमराह कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, शोक प्रस्तावों पर इस तरह की बातें नहीं की जातीं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो सदन में कहा है उसे मैं झूठ तो नहीं कहूंगा लेकिन वह असत्य जरूर है। (शोर एवं व्यवधान) जो इन्होंने कहा है उससे ज्यादा दुःखदायी बात कोई और नहीं हो सकती। (शोर एवं व्यवधान) हर गांव में हर जगह पर जवानों के अंतिम दाह संस्कार के समय में हमारी सरकार के सदस्य गए हैं। यह इनका बोलने का कोई तरीका नहीं है।

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से हस्तबद्ध प्रार्थना है कि जिस विषय पर अब चर्चा की जा रही है कम से कम उस विषय में तो राजनीति न लपेटें।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप यही अनुरोध इनसे भी करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है स्पीकर की गैलरी में भी तालियां बज रही हैं ? मैं शोक प्रस्तावों पर बोल रहा हूं इसलिए इस बात का सदन के इन सम्मानित साथी को ज्ञान होना चाहिए और फिर बात करनी चाहिए।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो बात असत्य होगी उसको तो हम यहां पर कहेंगे ही। ये ज्ञान की बात करते हैं लेकिन मुझे पता है तभी मैं यहां पर बात कह रहा हूं। मैंने आपसे नहीं पूछना है बल्कि अध्यक्ष महोदय से पूछना है। अगर ये यहां पर असत्य बात कहेंगे तो हम उनको यहां पर कहेंगे ही। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, श्रद्धांजलि देते वक्त वोटिंग नहीं होती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं एक बार पुनः आप सभी से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि श्रद्धांजलि देते वक्त वक्ता को भी तथा और मैम्बर्ज को भी कम से कम संयम तो रखना चाहिए और इस मामले में राजनीति नहीं लानी चाहिए। राजनीति करने का और भी बहुत टाईम है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिन शहीदों ने अपना सर्वस्व कुर्बान करके अपने प्राण न्यौछावर करके इस देश का मान और सम्मान बढ़ाया हो उन शहीदों की याद में अगर हम इस प्रकार की गलत प्रथा कायम करेंगे तो यह बहुत ही गलत बात होगी। हरियाणा प्रदेश में आज यह चर्चा का विषय है और जब हम इस तरह की बातें सुनते हैं तो हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। अध्यक्ष महोदय, जो बातें बीती हैं मुझे उनका उल्लेख करना निहायत जरूरी है। अगर मैं इनका उल्लेख नहीं करूंगा तो फिर मैं अपने फर्ज और दायित्व से कोताही करूंगा। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहिए कि ये जो भी बात यहां पर करें वह आपके माध्यम से करें यह नहीं होना चाहिए कि जो जी में आया वही खड़े होकर कह दिया। अगर स्पीकर की गैलरी से भी तालियां बजेंगी तो फिर क्या होगा। इसलिए मेरा आपसे कहना है कि आप इनको कहें कि इनको कम से कम सदन की गरिमा को तो बरकरार रखना चाहिए। हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं जिन्होंने अपने प्राण न्यौछावर करके इस देश की सरजमीं को छुड़ाने के लिए शहादत दी। अगर उन शहीदों को हम भूल जायेंगे और उनके प्रति संवेदना के चन्द अल्फाज भी नहीं कह सकेंगे तो इस देश के प्रति कौन प्राण न्यौछावर करेगा ? अध्यक्ष महोदय, किस प्रकार से हरियाणा सरकार की तरफ से कभी एक लाख रुपये की घोषणा की जाती है तो कभी दो लाख रुपये की घोषणा की जाती है और उसमें भी ऑफिसर, ज्वाईंट कमीशनड ऑफिसर, हवलदार और सिपाही में फर्क रखा जाता है। अध्यक्ष महोदय, गोली ऑफिसर को भी मारती है, गोली सिपाही को भी

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

मारती है, जंग के मैदान में सिपाही और औफिसर में कोई फर्क नहीं होता, सब लोगों के साथ एक समान सलूक किया जाना चाहिये। उन शहीदों के प्रति हमें अपना सब कुछ कुर्बान करना चाहिये। अगर हमारे पास कुछ भी नहीं है तो कहीं से कर्ज लेकर के भी उनकी मदद करनी चाहिये। हम अपनी कुर्सी को कायम रखने के लिये करोड़ों रुपये बर्बाद करते हैं तो उन शहीदों के लिये भी हमें दिल खोल कर आर्थिक मदद देनी चाहिए। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन शहीदों के प्रति जिन्होंने इस देश की आन और मान-सम्मान के रक्षार्थ अपनी शहादत दी है, उनके चरणों में श्रद्धा के चन्द सुमन उस कवि के मुताबिक अर्पित करता हूं जो कवि कह रहा था कि एक माली बाग से फूल तोड़ रहा था और माली जब फूल तोड़ने लगा तो फूल रो पड़ा। माली ने कहा मैं तुझे दुल्हे के सेहरे में सजाऊंगा, फूल तब भी रो पड़ा, माली ने कहा कि मैं तुझे राजा के ताज में सजाऊंगा फूल तब भी रोया, माली ने कहा मैं तुझे भगवान के मन्दिर में भगवान के चरणों में अर्पण करूंगा फूल तब भी रो पड़ा, तब माली ने पूछा कि ऐ फूल तेरी इच्छा क्या है ? तब उस फूल ने कहा कि— ऐ माली जब तू मुझे अपने पौधे से तोड़ ही रहा है तो मुझे उस रास्ते पर बिखेर देना जिस रास्ते पर चल कर कोई देश भक्त अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये अपने प्राण न्यौछावर करे ताकि उसके चरणों के स्पर्श से मेरे जीवन का मोक्ष हो सके। उन शहीदों के प्रति अगर हम अनदेखी करेंगे तो हम अपने फर्ज से कौताही करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी श्रद्धा के सुमन उन शहीदों के चरणों में अर्पित करते हुये भगवान से प्रार्थना करूंगा कि परमात्मा हमें सद्बुद्धि दे ताकि हम उनके बलिदानों को याद रख सकें।

अध्यक्ष महोदय, श्री सुमेर चन्द भट्ट हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष थे, मेरी साथ वाली जगह पर बैठने का उनको अवसर मिलता रहा और अध्यक्ष महोदय, उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर जब कभी बैठने का अवसर मिला, उन्होंने इस कुर्सी की गरिमा को बरकरार रखने में अपनी तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ी थी, इसीलिये आज हम उनकी याद में उनकी उस बात के लिये उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस पद की गरिमा बरकरार रखना निहायत जरूरी है और श्री सुमेर चन्द भट्ट ने कभी किसी को नेम नहीं किया, कभी किसी सदस्य को सदन से निष्कासित नहीं किया, कभी मुख्य मंत्री की कुर्सी की तरफ टेढ़ी निगाह से नहीं देखा, कभी दूसरों पर कटाक्ष नहीं किये। अध्यक्ष महोदय, जो संसार में आता है उसको जाना पड़ता है और जो जाते हैं उनके प्रति श्रद्धांजलि के अल्फाज इस्तेमाल किये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जाना हमें भी पड़ेगा, जाना फकीर चन्द जी को भी पड़ेगा और आपको भी जाना पड़ेगा। हम इस सदन में तब भी होंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करने का जब समय आयेगा तो वो सारी बातें जो इस सदन में घटी हैं उनका उल्लेख करना निहायत जरूरी होगा। आपकी आत्मा जहां कहीं भी होगी, रो कर के शायद अपने आप को कोसेगी। मैं श्री सुमेर चन्द भट्ट को अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से श्रद्धा के चन्द सुमन अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, ठाकुर मोहन लाल इस सदन के सदस्य थे और हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री रहे। मैं उनके प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भी संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, डा० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी भूतपूर्व संसद सदस्य थे, सांसद के तौर पर उनकी कई उपलब्धियां थी, उनका नाम भी रहते सृष्टि तक बरकरार रहेगा। मैं उनके प्रति भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, राव जसवन्त सिंह हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे हैं उनसे मेरे व्यक्तिगत तौर पर अच्छे संबंध रहे हैं वे एक अच्छे पार्लियामैन्टेरियन एवं योग्य वक्ता थे, नेक इंसान थे। मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से उनके प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

चौधरी कबीर अहमद हाजी हरियाणा विधान सभा के सदस्य थे। हमारे इस सदन के वरिष्ठ सदस्य चौधरी खुर्शीद अहमद जी के वालिद थे। उन्होंने बतौर विधायक विधान सभा में अहम भूमिका निभाई थी। उनके मरणोपरान्त हरियाणा प्रदेश में काफी बड़ी संख्या में लोग उनकी शोक सभा में उपस्थित हुये। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्री पदम कान्त त्रिपाठी एक अच्छे पत्रकार व संपादक थे। उनका इस देश के प्रति बहुत भारी योगदान है उनके प्रति मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं। इसी तरह से पानीपत तेल शोधक संयंत्र में लगी आग में जो लोग इस संसार को छोड़कर चले गए हैं उनके प्रति मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं व दिवंगत आत्माओं के प्रति शोक व्यक्त करता हूं। इसी प्रकार से भू-स्खलन की बहुत सी दुर्घटनाएं घटी हैं उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, पदमश्री हनुमान की चर्चा जगजाहिर है। वे कुश्ती की एक महान विभूति थे आज भी उनके असंख्य चेले हैं जो उस पुरानी प्रथा को बरकरार रखे हुए हैं। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। हमारे इस सदन में श्री राम भजन अग्रवाल जी के भाई श्री ओम प्रकाश अग्रवाल व श्री धीर पाल सिंह विधायक जी की माता जी श्रीमती कलावती के दुखद निधन पर अपनी व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से शोक व्यक्त करता हूं।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर-अनुसूचित जाति) : सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने परम्परा के अनुसार जो शोक प्रस्ताव सामने रखा है, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से इस शोक प्रस्ताव और संवेदना के बीच में शामिल होने के लिए खड़ी हुई हूं। सबसे पहले तो मैं कारगिल व दूसरे क्षेत्रों के बारे में जिक्र करना चाहूंगी। वहां पाकिस्तानी घुसपैठियों के साथ वीरता से लड़ते हुए जिन जवानों ने कुर्बानी दी है जिनके नाम क्र० संख्या एक से चालीस तक इस शोक प्रस्ताव में अंकित हैं उन सबके परिवारों के साथ उस गहन शोक में शामिल होकर उनके प्रति अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। इन रणबांकुरों ने भारत की आन-बान और शान रखने के लिए जिस प्रकार से अपनी कुर्बानी दी है उन पर गर्व भी करती हूं कि उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर करके भी अपनी भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है। हरियाणा की धरती को इन रणबांकुरों पर नाज है उसकी माटी में वीरता रची है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आंदोलन में और देश की सीमाओं की रक्षा करने में सशस्त्र सेनाओं में हरियाणा प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज भी सेना में और प्रदेशों के मुकाबले हरियाणा के जवान टोटल 12 प्रतिशत हैं जो कि अपने आप में बहुत बड़ी संख्या है और इस बात के लिए कृत संकल्प हैं कि जब भी देश पर विषम परिस्थितियां आई तो अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश की आन बान और शान को बचाया। मैं गहरे मन से उन माताओं के हृदय की भावनाओं का ध्यान और उन जवान विधवाओं का ध्यान करती हूं तो मुझे ऐसा लगता है कि उनको जो सहायता राशि दी गई है वह पर्याप्त नहीं है। यह मैं कोई राजनीति से प्रेरित होकर नहीं कह रही हूं क्योंकि उन्हें जिस ढंग से राशि और सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस कमी को जरूर पूरा करेगी, ताकि वे लोग जो इस देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर गये हैं और उन्हीं के बलिदान से हम रात को आराम की नींद सोते हैं और दिन भर का कामकाज आराम से करते हैं। उन्होंने सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा की। इसलिए उनके लिए जितना कुछ भी किया जाये वह बहुत थोड़ा रहेगा। हमें उनके परिवारों के लिए ज्यादा से ज्यादा राशि अनुदान के लिए देनी चाहिए और उनके

[श्रीमती करतार देवी]

परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी अवश्य देनी चाहिए और बार विडोज को जो सुविधा दी जा सकती है उनको अवश्य दी जानी चाहिए। यही उन शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री सुमेर चन्द भट्ट हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष थे। 20 सूत्री कार्यक्रम उच्चाधिकार प्राप्त समिति के उपाध्यक्ष और शिवालिक विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष भी रहे। सबसे बड़ी बात तो यह है कि लाला लाजपत राय के नेतृत्व में वे सर्वेन्ट ऑफ पीपलज सोसायटी के लाइफ सदस्य थे और उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जिसके लिए हमारे देश को बड़ा नाज है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में न केवल वे आदर्श युद्ध लड़े थे बल्कि देश को आजाद कराने के लिए भी उनका बड़ा योगदान रहा है। उनका इतना लम्बा राजनीतिक जीवन था परन्तु उनकी पत्नी से बात करने पर पता चला कि उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। ऐसे आदमी के आदर्श जीवन से हमें सबक सीखना चाहिए। उन्होंने अपना सारा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वे एक योग्य प्रशासक थे। 20 प्वायंट प्रोग्राम की समिति बनाई थी उस समिति का सदस्य होने का मुझे भी गौरव प्राप्त हुआ था। वे हर मामले की इतनी गहराई से छानबीन करते थे चाहे वह सिंचाई की योजना हो चाहे दूसरी कोई योजना हो। वे इतने लालायित होते थे कि हर काम को मानव सेवा समझ कर किया करते थे। उनके निधन से न केवल एक योग्य प्रशासक और अनुभवी विधायक से हमें वंचित होना पड़ा है बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व की कमी हो गई है जोकि मानव सेवा के लिए समर्पित थे। उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना प्रकट करती हूं।

ठाकुर मोहन लाल, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री थे। उनके दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करती हूं। 1967 में सोनीपत विधानसभा सीट से सदस्य चुनकर आये और राज्य मंत्री बने। वे जो भी कार्य किया करते थे तो लोगों में उनके प्रति संतोष और विश्वास पैदा होता था। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डा० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य जिन्होंने छोटी सी उम्र में स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेना शुरू किया था और 1951 में करनाल से लोकसभा के लिए चुने गये उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा योग्य सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। मैं राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करती हूँ उनके निधन से देश एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित रह गया है। उनके इलाके के लोगों को उनके निधन से गहरा धक्का लगा है और उनको हमेशा उनकी याद रहेगी। उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से चौधरी कबीर अहमद हाजी जो इस विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे और भाई खुर्शीद अहमद के पिता भी थे। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाई खुर्शीद अहमद और उनके शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। चौधरी कबीर अहमद हाजी कृषि का कार्य करते थे। उनके अन्दर धार्मिक आस्था बहुत ही गहरी थी। वे अपनी खेती के कार्य में बहुत ही ज्यादा रुचि लेते थे। उनके निधन से देश एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। एक बार फिर से मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके शोक संतप्त परिवार विशेष तौर से भाई खुर्शीद अहमद, जो इस सदन के सदस्य हैं के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

इसी तरह से श्री पद्मकांत त्रिपाठी, पत्रकार जिनका निधन 7 अप्रैल, 1999 को हुआ है उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। उनकी जीवनी पढ़ने से पता चलता है कि वे एक प्रख्यात पत्रकार थे। वे "दैनिक ट्रिब्यून" के संस्थापक सम्पादक थे। इसके अलावा उन्होंने "जनसत्ता", "जागरण", "इण्डियन एक्सप्रैस" तथा "करंट" के लिए भी काम किया था। इससे साफ जाहिर होता है कि उनके निधन से देश ने एक प्रख्यात पत्रकार खो दिया है। उनके निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करती हूं और मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दोबारा से उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, 7 मई, 1999 को पानीपत के भारतीय तेल निगम के तेल शोधक कारखाने में आग दुर्घटना में जिन गरीब लोगों का निधन हुआ है उनके परिवार के सदस्यों के प्रति भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। इसी तरह से मार्च, 1999 को उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में भू-स्खलन दुर्घटनाओं में जो लोग मारे गये उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। पद्मश्री गुरू हनुमान जी के निधन पर मुझे गहरा शोक है। वे भारतीय कुश्ती के द्रोणाचार्य कहलाते थे। उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। वे राजस्थान में पैदा हुए। कुश्ती के क्षेत्र में उन्होंने बहुत ही ज्यादा नाम कमाया, बहुत सी जगहों पर आज भी उनके शिष्य हैं और मुझे यह कहते हुए गर्व होता है एक दलित परिवार में पैदा होकर उन्होंने अपनी मेहनत और योग्यता से इतना बड़ा मुकाम हासिल किया। जिस समय उनकी मृत्यु हुई उस समय उनकी आयु 90 वर्ष से भी अधिक थी लेकिन फिर भी वे अपने कार्य में बहुत ज्यादा रुचि लेते थे। उनकी मृत्यु भी एक दुर्घटना में हुई इससे लगता है कि वे अपने कार्य के प्रति बहुत ही ज्यादा आस्था रखते थे। उनके निधन से देश एक प्रख्यात प्रशिक्षक तथा पहलवान की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं एक बार फिर से अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ मैं हरियाणा के पर्यटन मंत्री भाई रामभजन अग्रवाल के भाई श्री ओम प्रकाश अग्रवाल तथा इसी सदन के सदस्य चौधरी धीरपाल सिंह की माता श्रीमती कलावती के हुए दुःखद निधन पर दिवंगतों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। मैं भाई रामभजन अग्रवाल और चौधरी धीरपाल सिंह जी को कहना चाहूंगी की कुदरत का यह नियम है कि जो इस संसार में पैदा होता है उसे एक दिन जाना पड़ता है। सभी के लिए यह दिन आता है, कब आ जाये यह भी नहीं पता। इसलिए जो हमारा छोटा सा जीवन है उसको हम अच्छाई के काम में लगायें। इस बात को ध्यान में रखकर भलाई के कार्य करें ताकि हमें यह जो मनुष्य-जीवन मिला है, उसको सार्थक कर सकें तथा इसे देश, प्रदेश व समाज के लिए अवश्य इस्तेमाल कर सकें। ओम् शांति।

श्री राम विलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों कारगिल में हरियाणा के लगभग 40 जवानों की शहादतें हुई हैं जिनकी सूची इस सदन में पढ़कर सुनाई गई। स्पीकर सर, आप भी उस इलाके से संबंध रखते हैं, जहां के जवानों की शहादतें हुई हैं। भिवानी जिले के आपके चुनाव-क्षेत्र-मुंढाल खुर्द से कई शहादतें हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिला भिवानी, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव, रोहतक तथा जींद ही नहीं बल्कि हरियाणा के हर जिले से शहादतें हुई हैं। आज कारगिल, द्रास, व बटालिक क्षेत्रों में 11 कुमाऊं, 18 ग्रेनेडियर, 4 जाट और 6 राजपूताना रैजिमैंट्स लड़ाई लड़ रही हैं।

[श्री राम विलास शर्मा]

अध्यक्ष महोदय, हमारा शहीदों के शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर जाना हुआ। धामलावास गांव के असिसटैंट कमांडेंट-सुखबीर सिंह यादव की शहादत हुई। उनके पार्थिक शरीर को लेकर उनकी पत्नी सुधा यादव व उनका छोटा भाई-रणबीर सिंह यादव, जो इन्फैंटरी का जवान है तथा "चीता हैलीकाप्टर" चलाता है, धामलावास गांव में आए। किसी समय भारत सरकार के गृहमंत्री के साथ शहीद-सुखबीर सिंह यादव सरकारी डियूटी पर रहे हैं। उनकी विधवा पत्नी-सुधा यादव व उनका छोटा भाई-रणबीर सिंह यादव भारत सरकार के गृहमंत्री-श्री लाल कृष्ण आडवानी जी को मेरे साथ मिलने के लिए गए। जब रणबीर सिंह यादव वापिस जाने लगा तो गृहमंत्री जी ने उन से कहा कि दाह-संस्कार की रस्म पूरी होने के बाद ही आप जाएं। इस पर रणबीर सिंह यादव ने कहा कि ऐसे दुःखद अवसर पर मैं अपनी भाभी को अकेले नहीं छोड़ सकता था, इसलिए उनके साथ आया हूं, इसके साथ ही मैं संकल्प करके आया हूं तथा अपने कमांडिंग ऑफिसर को यह निवेदन करके आया हूं कि यह "चीता हैलीकाप्टर" मेरे सिवाय अन्य कोई जवान नहीं उड़ाएगा। इसलिए मैं वहां अभी जाऊंगा और घाटी को घुसपैठियों से खाली कराऊंगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के गांव गुवाणी बादशोद (महेन्द्रगढ़) के नायब सूबेदार-लाल सिंह यादव की शहादत हुई। गुवाणी गांव के 44 जवान इस समय द्रास क्षेत्र में लड़ाई लड़ रहे हैं। हम उन के घर गए। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में एक खेड़ी-तलवाना गांव है, इस गांव में आपके रिश्तेदार भी हैं। इस गांव के 200 जवान इस समय द्रास क्षेत्र में लड़ाई लड़ रहे हैं। गांव सिहौर (महेन्द्रगढ़) के नायक सत्यपाल यादव की शहादत हुई। उनके घर हम गए। अध्यक्ष महोदय, 50 जवान अकेले सिहौर गांव से द्रास क्षेत्र में लड़ाई लड़ रहे हैं। चरखी (भिवानी) से सिपाही सुरेश कुमार की शहादत हुई। पानीपत के गांव सोनाली खुर्द से नायक ऋषि पाल त्यागी की शहादत हुई। कुरुक्षेत्र के कस्तान बाली की शहादत हुई। मेरे हल्के के गांव धुंगड़ा जाट से आई०टी०बी०पी० के हवलदार खजान सिंह की शहादत हुई। खजान सिंह के 3 भाई आज भी द्रास क्षेत्र में लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी विधवा पत्नी और उनके फौजी पिता से हमारी बातचीत हुई। उस समय जो बहिनें शोक-संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर आई हुई थीं, उनको शहीद की विधवा पत्नी ने कहा कि यदि आंख से आंसू टपक गया तो मेरे पति की शहादत बेकार जाएगी। अध्यक्ष महोदय, 4 जून को हम महामहिम राज्यपाल महोदय से मिले तथा उनसे प्रार्थना की कि जिस प्रकार से सभी राज्यों में शहीदों के सम्मान में उनके परिजनों को, उनके आश्रितों को रोजगार व सहायता राशि मुहैया करवाई जा रही है, इसी प्रकार से हरियाणा में भी शहीदों के परिजनों को रोजगार व सहायता राशि दी जानी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने 4 तारीख को ही शाम को घोषणा की कि हरियाणा के जवानों ने अपनी पुरानी परम्परा को बनाए रखा है। अध्यक्ष महोदय, गांव झाल (रिवाड़ी) से हंसराज की शहादत हुई। उनके पिता जब कफन उठाकर अपने बेटे की लाश को देखने लगे तो लोग उनसे कहने लगे कि क्या देख रहे हो, आपके बेटे का शरीर तो बम से टुकड़े-टुकड़े हो चुका है। इस पर हंसराज के पिता ने कहा कि मैं उनके शरीर का कोई और हिस्सा नहीं देख रहा हूं, मैं तो उनकी छाती देख रहा हूं कि मेरे बेटे की छाती में ही गोली लगी है, पीठ में तो नहीं लगी है। इस प्रकार का मनोबल आज हरियाणा के जवानों व उनके परिजनों में देखने को मिलता है। आज जो शहीद इस संसार से, यह कहकर चले गए कि "अब तो खुश रहना अहले वतन, अब हम सफर करते हैं", उनकी शहादत को, उनकी देश के प्रति जिम्मेदारी को मैं हरियाणा की जनता की ओर से, भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस औगस्ट हाऊस में नमन करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा चौधरी खुर्शीद अहमद जी के अब्बा जान, 1982 में विधान सभा सदस्य चुने जाने पर मेरा उनके साथ रहने

का सौभाग्य रहा है। इस उम्र में भी वे चलते-चलते कभी रुके नहीं। जब मैं उनके साथ इस हाउस का सदस्य था तो मुझे उनके साथ कई बार दूसरे प्रदेशों में कमेटी का सदस्य होने के नाते दौरे पर जाने का अवसर मिला है। चौधरी कबीर जी की वेशभूषा देहाती रहती थी, आज वे इस संसार में नहीं रहे। चौधरी खुर्शीद अहमद जी के सिर से पिता का साया उठ गया है। यह तो सभी को पता है कि जब मां-बाप का साया सिर से उठ जाता है तो एक तरह से संसार का अंत हो जाता है। उनकी मृत्यु के बाद मैं उनके गांव चौधरी खुर्शीद अहमद जी के साथ गया था। एक अच्छे व्यक्ति का संसार से चले जाने का सभी को दुख होता है। मैं परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे और साथ ही साथ प्रार्थना करता हूं कि चौधरी खुर्शीद अहमद और उनके परिवार को शक्ति प्रदान करे ताकि वे इस दुःख को आसानी से सहन कर सकें।

राव जसवंत सिंह भी इस हाउस के सदस्य रहे हैं। वे कप्तान अजय सिंह के चाचा थे। उनके निधन पर भी मैं अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री सुमेरचन्द भट्ट जी भी इस संसार से चले गए। वे भी इस महान सदन के सदस्य रहे और इस औगस्ट हाउस के डिप्टी स्पीकर रहे। वे बड़े अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे। वे एक बहुत ही व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। उनके निधन पर भी मैं शोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय ठाकुर मोहन लाल जी भी इस संसार में नहीं रहे। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक तथा विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

धीरपाल जी की माता भी अब इस संसार में नहीं रही। एक पूज्य मां का साया उठ जाना बहुत ही दुख की बात है। एक मां जो कितने कष्ट सह कर इस संसार में लेकर आती है, उसके चले जाने का जो दुख एक बेटे को होता है वह सहन से बाहर की बात है।

श्री रामभजन अग्रवाल के भाई ओम प्रकाश अग्रवाल भी अब इस संसार में नहीं रहे। उनके निधन पर भी मैं शोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय डॉ० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, जो पार्लियामेंट के मैंबर थे, अब इस संसार में नहीं रहे। उन्होंने मात्र 13 साल की आयु में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना शुरु कर दिया था। वे करनाल से लोक सभा के सदस्य चुने गए थे। हम भी दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, पानीपत तेल शोधक कारखाने में आग लगने से जिन लोगों की मृत्यु हुई उनके प्रति भी हम हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय श्री पद्मकांत त्रिपाठी, एक महान पत्रकार थे। उनके निधन का भी हमें दुःख है। वे एक प्रख्यात पत्रकार थे। मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में हुई भू-स्खलन में जो लोग मारे गए उनके प्रति भी हम शोक प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय पद्म श्री गुरु हनुमान भी आज इस संसार में नहीं रहे वाकई कुश्ती के द्रोणाचार्य थे। वे कुश्ती सिखाते-सिखाते इस संसार से चले गए। पूरी निष्ठा के साथ कुश्ती के प्रति समर्पित थे।

[श्री राम बिलास शर्मा]

उन्होंने बहुत से बच्चों को अर्जुन पुरस्कार दिलवाया। वे स्वयं कुश्ती करते थे। उन्होंने हरियाणा के बहुत से नौजवानों को कुश्ती का अच्छा खिलाड़ी बनाया। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे।

अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो शहीदों के परिवारों को सहायता देने के लिए जो फण्ड बनाया है उसमें लोग बढ़-चढ़ कर भाग लें ताकि जो जवान देश की सीमा के लिए लड़ रहे हैं उन्हें भी यह अहसास हो कि हमारे पीछे भी सारा हरियाणा खड़ा है। उनकी हौंसला अफजाई के लिए हमें इस फण्ड में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में फिर मैं सभी दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दिवंगत व्यक्तियों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं, मैं भी अपने आप को उनकी भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं। आज सारा भारत और विशेष रूप से हम हरियाणा वासी उन शहीदों के प्रति नमन करते हैं जिन्होंने मां भारती को जीवित रखने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, जिन्होंने अपना रक्त बहाकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए, देश की स्वतन्त्रता, मान-मर्यादा को रखने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। इस दौरान हरियाणा में और विशेष कर दक्षिणी हरियाणा प्रदेश में जहां से जैसा कि रामबिलास शर्मा जी कह रहे थे कि मेरा और शर्मा जी का सम्बन्ध है, में भारी क्षति हुई है। लेकिन जिन माताओं की गोद खाली हुई है, जिन बहनों के सुहाग चले गए, जिन बच्चों के सिर से साए चले गए उसके लिए हमारा यह नैतिक कर्त्तव्य बनता है कि हम यथाशक्ति उन परिवारों की अधिक से अधिक हर प्रकार से सहायता करें। कितने लोग शहीद हुए। चौधरी जगन नाथ जी, दादरी के विधायक सतपाल सांगवान, बाढड़ा के विधायक, नरेन्द्र सिंह तथा हमारे सभी साथी उन शहीदों के घरों में गए। लेकिन एक घटना ने तो मुझे झकझोर कर रख दिया, यह घटना हम सभी के लिए आंखें खोलने वाली चीज है वहां के हवलदार रामकुमार के पूज्य पिता जिनकी उम्र 80 साल थी, उस आदमी का धैर्य, आत्मिक बल देखकर श्रद्धा से मस्तक नमन को हुआ। वहां हजारों की संख्या में लोग इकट्ठे थे। उस व्यक्ति ने कहा कि मैंने अपने परिवार के सभी आने वाले लोगों को कहा है कि मेरे घर में कोई आदमी आंसू न बहाए। उसका लड़का अकेला लड़का था और उसका अपना लड़का भी फौज में है जिसका छोटा लड़का आठवीं का विद्यार्थी है और लड़की की उम्र 15-16 साल की है, उस वीर की पत्नी को देखकर तो दिल और दहक गया। उसने कहा कि मेरे पति कहा करते थे कि मैं देश के लिए शहीद हूंगा लेकिन मेरे शहीद होने पर किसी की आंखों में आंसू न आए बल्कि मेरी शहादत पर खुश हों। यह कोई छोटी बात नहीं है, कहने और करने में बड़ा अन्तर होता है। मैं अपनी तरफ से सभी शहीदों के प्रति नमन करता हूं तथा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्माओं को शान्ति दे और उनके परिवारों को इस महान क्षति को बर्दाश्त करने की शक्ति दे तथा हमें भी साहस और हिम्मत दें कि हम उन परिवारों की यथाशक्ति मदद कर सकें।

श्री सुमेर चन्द भट्ट 1991 से 1996 तक इस महान सदन के सदस्य थे, वे हमारे उपाध्यक्ष थे। वे एक नेक व्यक्ति थे, उनके जाने से एक महान प्रशासक और अनुभवी विधायक से जो स्थान रिक्त हुआ है, उस दिवंगत आत्मा के प्रति शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

ठाकुर मोहन लाल जो हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री थे, के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

15.00 बजे डा० वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनकी आत्मा को शांति दे तथा उनके परिवार को इस क्षति को बर्दाश्त करने की शक्ति दे। राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के पूर्व सदस्य के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के पूर्व सदस्य और हमारे विधायक साथी चौधरी खुर्शीद अहमद के पूज्य पिता थे। उनके निधन पर मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेवात में उनका अपना एक विशिष्ट स्थान था। उनके जाने से उनके परिवार को और भाई खुर्शीद अहमद को मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करे। श्री पदमकान्त त्रिपाठी, पत्रकार के निधन पर मैं अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

पानीपत तेल शोधक कारखाने में हुई आग दुर्घटना में लोगों का जो दुःखद निधन हुआ उसके प्रति मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं तथा उन आत्माओं के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। भू-स्खलन दुर्घटना में हरियाणा, पंजाब हिमाचल तथा उत्तर प्रदेश के जिन लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा उन दिवंगत आत्माओं के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। पद्मश्री गुरू हनुमान भारतीय कुश्ती के द्रोणाचार्य तथा अद्वितीय प्रतीक थे। उन्होंने लगभग 60 वर्ष तक इस देश को विश्व विख्यात पहलवान देने में अभूतपूर्व योगदान दिया है। यह देश उनकी सेवाओं को कभी भी भुला नहीं पाएगा। आज इस महान व्यक्ति की सेवाओं से यह देश वंचित हो गया है। मैं इस महान विभूति के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं तथा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। इसी सदन के विधायक तथा राज्य मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल के भाई ओम प्रकाश अग्रवाल तथा हरियाणा विधान सभा के हमारे साथी चौधरी धीरपाल जी की माता श्रीमती कलावती के दुःखद निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं तथा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा उनके परिवारों को इस महान क्षति को बर्दाश्त करने की शक्ति दे।

मैं शोक संतप्त परिवारों को इस सदन की सहानुभूति तथा संवेदना सम्प्रेषित कर दूंगा।

अब मैं आप सभी से निवेदन करूंगा कि सभी माननीय सदस्य दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अपनी-अपनी सीटों पर खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण करने की कृपा करें।

(इस समय दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदस्यों ने खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

घोषणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा—

(i) सभापतियों की सूची

Mr. Speaker : Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Panel of Chairperson :—

[Mr. Speaker]

1. Shri Narpender Singh.
2. Shri Somvir Singh.
3. Shri Balwant Singh Maina.
4. Shri Ganeshi Lal.

(ii) याचिका समिति

Mr. Speaker : Hon'ble Members, under Rule 303(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Committee on Petitions :—

1. Shri Faqir Chand Aggarwal, Deputy Speaker, Ex-Officio Chairperson.
2. Shri Narpender Singh, Member
3. Shri Somvir Singh, Member
4. Smt. Kartar Devi, Member
5. Shri Siri Kishan Hooda, Member

(ख) सचिव द्वारा—

Mr. Speaker : Now, the Secretary will make announcement.

Secretary : Sir , I beg to lay on the table of the House, a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its Sessions, held in September, 1995, July, 1998 and January-February, 1999 and have since been assented to by the *President/Governor.

September, Session, 1995

*1. The Haryana School Education Bill, 1995.

July Session, 1998

1. The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1998.

*2. The Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill, 1998.

January-February Session, 1999

1. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1999.
2. The Haryana Lokpal (Amendment) Bill, 1999.
3. The Punjab Excise (Haryana Amendment) Bill, 1999.
4. The Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, 1999.

5. The Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, 1999.
6. The Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 1999.
7. The Punjab Schedule Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Amendment) Bill, 1999.
8. The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1999.
9. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1999.
10. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) amendment Bill, 1999.

बिजनैस एडवाजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, I report the time table fixed by the Business Advisory Committee in regard to various business.

"The Committee met on Thursday, the 24th June, 1999 at 5.00 P.M. in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that on Friday, the 25th June, 1999 the Assembly shall meet at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of the Business entered in the list of Business for the day.

The Committee also recommends that the business on Friday, the 25th June, 1999 be transacted by the Sabha as follows :—

Friday, the 25th June, 1999 (2.00 P.M.)

1. Obituary References.
2. Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.
3. Motion under Rule 15.
4. Motion under Rule 16.
5. Papers to be laid/re-laid.
6. Presentation of Report of the Committee on Alleged Suicides Committed by the Farmers in Haryana.
7. Presentation of two preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of final Reports thereon.
8. Motion regarding seeking of Vote of Confidence by the Chief Minister.
9. Legislative Business, if any.
10. Any other business."

डा० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, बी०ए०सी० में भारतीय जनता पार्टी के नेता श्री राम बिलास शर्मा जी का नाम नहीं रखा है, इस पर हमें बड़ा भारी औब्जैक्शन है।

श्री अध्यक्ष : बहन कमला वर्मा जी, जो बता रही हैं इस बारे में श्री फकीर चन्द अग्रवाल जी ने भी बताया था परन्तु बाय दैट टाईम नोटिफिकेशन हो चुकी थी। इसके लिए मैंने फकीर चन्द जी के सामने खेद प्रकट कर दिया था। यह किसी तरह से चूक रह गई। आईन्दा से नहीं होगी।

Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Question is—

> That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 15.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr Speaker : Motion moved—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Question is—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Minister of State for Parliamentary Affairs will move the motion under Rule 16.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die.*

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die.*

Mr. Speaker : Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die.*

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गये/पुनः रखे गये कागज़-पत्र

Mr. Speaker : Now, a Minister will lay/re-lay the papers on the Table of the House.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to lay on the Table—

The Haryana Rural Development (Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 1 of 1999).

The Haryana General Sales Tax (Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 2 of 1999)

Sir I beg to re-lay on the Table—

The Power Department Notification No. S.O. 106/H.A. 10/98/S/23, 24, 25/98, dated the 14th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O. 111/H.A. 10/98/S. 55/98, dated the 16th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

Sir, I also beg to lay on the Table—

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 35/H.A. 20/73/S. 64/99, dated the 31st March, 1999 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1999 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

[Shri Attar Singh Saini]

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 47/H.A. 20/73/S. 64/99, dated the 18th May, 1999 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1999 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

समितियों की रिपोर्ट पेश करना—

(i) हरियाणा में किसानों द्वारा कथित आत्महत्याओं पर समिति की रिपोर्ट पेश करना

Mr. Speaker : Now the Chairperson (Deputy Speaker) of the Committee on Alleged suicides Committed by the Farmers in Haryana will present the Report of the Committee.

Sh. Faqir Chand Aggarwal, Deputy Speaker (Chairperson, Committee on Alleged Suicides Committed by the Farmers in Haryana) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on alleged suicides committed by the farmers in Haryana.

(ii) विशेषाधिकार मामलों के संबंध में विशेषाधिकार समिति के प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(क) श्री भजन लाल भूतपूर्व एम०एल०ए० के विरुद्ध

Mr. Speaker : Now Shri Narpender Singh, M.L.A., Chairperson, Committee of Privileges will present the Fifth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against Shri Bhajan Lal, Ex.-M.L.A. and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the press lobby/lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him wilfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Shri Narpender Singh (Chairperson, Privileges Committee) : Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against Shri Bhajan Lal, Ex-M.L.A. and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the Press Lobby/Lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him wilfully and

deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

(ख) इंडियन एक्सप्रेस के संवाददाता, सम्पादक, प्रकाशक तथा मुद्रक के विरुद्ध

Mr. Speaker : Now Shri Narpender Singh, Chairperson, Committee of Privileges will present the Fifth Preliminary Report of the Committee, on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against the Correspondent, Editor, Publishers and Printers of the Indian Express for publishing the statement of Shri Bhajan Lal, Ex-M.L.A. containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act has lowered the prestige and dignity of the Chair in the eyes of the public in the issue of Indian Express dated 22-11-1996.

Shri Narpender Singh (Chairperson, Privileges Committee) : Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against the Correspondent, Editors, Publishers, and Printers of the Indian Express for publishing the statement of Shri Bhajan Lal, Ex-M.L.A. containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act as lowered the prestige and dignity of the Chair in the eyes of the public in the issue of Indian Express dated 22-11-1996,

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

विश्वास प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon. members now the Hon'ble Chief Minister will move the motion for seeking confidence in the House. (Interruptions)

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to move—

That this House expresses its confidence in the Council of Ministers.

अध्यक्ष महोदय और उपाध्यक्ष महोदय को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा :

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह मोशन मूव करने से पहले मेरी सबमिशन है कि हमने स्पीकर के खिलाफ एक रैजोल्यूशन दिया है। मैं उसके मुतल्लक पूछना चाहता हूं कि उसके बारे में क्या फैसला हुआ है।

श्री अध्यक्ष : आप कृपा बैठिए उसके बारे में मैं आपको बता देता हूं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जिस किसी स्पीकर के खिलाफ ऐसा रैजोल्यूशन आ जाए तो उस स्पीकर की यह जिम्मेदारी होती है कि वह चेयर छोड़कर चला जाए। (शोर) हमने आपके खिलाफ रैजोल्यूशन दिया है इसलिए आप चेयर छोड़कर चले जाएं।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए। एक मिनट बैठिए मैं अभी बता देता हूं। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अगर अध्यक्ष के खिलाफ रैजोल्यूशन मूव हो जाए तो सम्मानजनक ढंग से चेयर छोड़कर चले जाना चाहिए। इसका फैसला आप नहीं करेंगे। कायदे कानून के मुताबिक आपको चले जाना चाहिए।

विकास एवं पंचायत मंत्री (श्री कंवल सिंह) : कायदे कानून की बात चौटाला जी कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जिसको यह नहीं पता कि सरपंच को सस्पैंड पंच करते हैं या कैसे होता है वह कायदे कानून की बात कर रहा है। मैं यह बात अध्यक्ष महोदय आपसे कह रहा हूं कि इसका फैसला आप नहीं कर पाएंगे। आपको तो इस कुर्सी से उठना पड़ेगा। आप सम्मानजनक ढंग से इस चेयर को छोड़ दें ताकि इस पर कोई दूसरा बैठ सके। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Sampat Singh : First of all, you decide that motion.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं यही कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ रैजोल्यूशन मूव हो चुका है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सभी माननीय सदस्यों से मेरा नम्र निवेदन है कि वे बैठें। मैंने चौटाला साहब को भी दो बार निवेदन कर लिया है। इनकी बात मैंने सुन ली है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरी बात आपने सुनी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ रैजोल्यूशन मूव हो चुका है। आप इधर-उधर क्यों देख रहे हैं ? आप मेरी तरफ देखिये। मैं आपसे बात कर रहा हूं, कायदे के मुताबिक आप मेरी तरफ देखिये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है आप मेरी तरफ देखिये, मैं आपकी तरफ देखूंगा। I request you to please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं आपसे यह कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ एक रेजोल्यूशन मूव कर दिया है तो उसका फैसला आप नहीं कर पाएंगे। इसलिए आप कृपया सम्मानजनक ढंग से इस सम्मानित कुर्सी को छोड़ दें आपको हाऊस प्रीजाईड करने का कोई हक नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय हाऊस को प्रीजाईड करें और वे ही इसका फैसला करेंगे। उसके बाद ही विश्वासमत पर डिस्कशन करें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मुझे निवेदन करना है।

श्री अध्यक्ष : विज साहब, आप बैठ जाएं। मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे श्री चौटाला जी को अपनी बात कहने दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं आपसे यह कह रहा हूं कि इस सदन को आपके ऊपर कतई विश्वास नहीं है क्योंकि आपका रवैया पक्षपातपूर्ण रहा है।

Mr. Speaker : Chautala ji, your opinion is not the opinion of the House. आपके कहने से सदन नहीं होता। आप अपनी बात कह सकते हैं। सारे सदन की बात कैसे कह सकते हैं ? मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) मेरा चौटाला साहब से निवेदन है कि वे अपनी बात संक्षिप्त रूप में कहें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, स्पीकर के खिलाफ हमने एक रेजोल्यूशन मूव किया है कि स्पीकर का रवैया बड़ा ही पक्षपातपूर्ण रहा है। नैतिकता के तौर पर स्पीकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। पिछले तीन सालों में आपका कार्यकलाप यहां जाहिर हो रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात कहिये वरना मुझे यह कहना पड़ेगा कि जो कुछ आप कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन सालों में आपका रवैया पक्षपातपूर्ण रहा है और आपने अपने पद की गरिमा को बिगाड़ करके रख दिया है।

श्री अध्यक्ष : आपका रैजोल्यूशन मेरे पास आया है। (विघ्न) आप सभी मेरी बात सुनिए। चौटाला साहब आप बैठिये। मेरे पास परसों एक रैजोल्यूशन आया है जो स्पीकर को हटाने के लिए है। कल मेरे पास एक दूसरा रैजोल्यूशन आया है जो उपाध्यक्ष को हटाने के लिए है। दुर्भाग्यवश यह मसला

[श्री अध्यक्ष]

एक बार नहीं यहां पर तो चौथी बार आ रहा है और हमारे माननीय सदस्य रामबिलास शर्मा जी जो उस समय शिक्षा मंत्री के रूप में यहां थे उन्होंने एक बार नहीं कई बार बड़े इफैक्टिव ढंग से यह बात बताई थी। मैं उस बात से पूर्ण रूप से सहमत हूं कि स्पीकर के खिलाफ जब भी कोई रिमूवल का मोशन लाया जाए तो कांस्टीच्यूशन के आर्टीकल 179(सी) में यह क्लीयर लिखा हुआ है कि उसके लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। जब तक 14 दिन का नोटिस न हो (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सदन तो एक दिन का है फिर नोटिस को 14 दिन कैसे हो सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये, You are nobody to guide me. जब तक नोटिस दिए 14 दिन नहीं हो जाते मैं और आप कुछ नहीं कर सकते। हम कांस्टीच्यूशन ऑफ इंडिया को अमैंड नहीं कर सकते। यह शक्ति न मुझ में है और न ही आप में है और न ही सदन को यह शक्ति है। श्री रामबिलास शर्मा जी ने तीन फरवरी, 1999 को हाउस में बड़े पुरजोर शब्दों में यह कहा था। यह हाउस का रिकार्ड है कि रिमूवल ऑफ स्पीकर के लिए 14 दिन का नोटिस चाहिए। अगर 14 दिन का नोटिस नहीं होता है तो वह अन-कांस्टीच्यूशनल होगा। मैं भी यह मानता हूं कि पिछली बार ऐसा कहा गया था चौटाला साहब को पता नहीं क्या हो गया वे यह रिमूवल का रैजोल्यूशन चौथी बार लेकर आये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, सैशन एक दिन का हो तो नोटिस 14 दिन का कैसे दे सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप लोग बैठिये, मेरी बात सुनो। सदन का जो यह विशेष अधिवेशन हो रहा है यह * * * * के आदेश पर महामहिम राज्यपाल महोदय ने बुलाया है। यह अधिवेशन चाहे एक दिन का हो या फिर 14 दिन का हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, आप कह रहे हैं कि * * * * के आग्रह करने पर महामहिम राज्यपाल महोदय ने यह विशेष अधिवेशन बुलाया है। हमने तो आग्रह नहीं किया।

श्री अध्यक्ष : जो यह अधिवेशन बुलाने में * * * * * वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आपने कहा कि * * * * पर यह अधिवेशन बुलाया है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : इस विषय पर कोई चर्चा नहीं होगी। Mr. Om Parkash Chautala and Shri Ram Bilas Sharma both of you know, that the Constitution is supreme. हम कांस्टीच्यूशन की धारा में अमैंडमैंट नहीं कर सकते। चौधरी संपत सिंह जी आप बैठिये। इस बात पर कोई चर्चा नहीं होगी। ये दोनों मोशन रिजैक्टिड हैं और इस पर no discussion can be held.

श्री अनिल विज: स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने की इजाजत दी थी। स्पीकर साहब, मैंने भी 5 अन्य मैम्बर्ज के साथ उपाध्यक्ष महोदय को हटाने के लिए रैजोल्यूशन दिया है उसे भी टेक अप किया जाए।

(At this stage, many members rose to speak)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : I would request all the members to take their seats. Hon'ble members, I have received a notice of Resolution for the removal of Speaker given notice of by Shri Om Parkash Chautala and 27 other members of Haryana Vidhan Sabha. As the notice does not fulfil the requirement of notice period of 14 days, as required under Article 179(c) of the Constitution of India, therefore, I have disallowed this notice.

Hon'ble members, I have received a notice of Resolution for the removal of Deputy Speaker given notice of by Shri Anil Vij and 5 other members of Haryana Vidhan Sabha. As the notice does not fulfil the requirement of notice period of 14 days, as required under Article 179 (c) of the Constitution of India, therefore, I have disallowed this notice.

Both these notices are null and void as per the provisions of the Constitution.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, प्लीज आप बैठिये। The Constitution is supreme.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात तो कह सकता हूं। (शोर)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब खुद ही बोले जा रहे हैं और दूसरों को बोलने नहीं देते जबकि सदन में सभी सदस्यों को बोलने का अधिकार है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज आप सभी लोग बैठिये। विज साहब, आपको भी बोलने का अवसर दिया जायेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने अभी कहा था कि इण्डियन नैशनल लोकदल और भाजपा के आग्रह करने पर- - -

श्री अध्यक्ष : जो बात आप कह रहे हैं वह मैं पहले ही सदन की कार्यवाही से निकलवा चुका हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम राज्यपाल महोदय से इसलिए मिलने गए थे * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ श्री ओम प्रकाश चौटाला जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम ने राज्यपाल महोदय को लिखकर दिया है कि मौजूदा स्पीकर निष्पक्ष नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आप लिखकर दे सकते हैं, यह आपका हक है, इस हक को कोई नहीं रोक सकता है। लेकिन इस प्रकार से आपके लिखने का कोई मतलब नहीं है। Mr. Chautala, you are not the master of this House. You are not to guide this House. (Noise & Interruptions)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं मास्टर तो भले ही न हूं लेकिन जिसका जैसा रवैया हो, उसको तो अभिव्यक्त कर सकता हूं। (शोर एवं विघ्न)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, अभी श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने आपके प्रति अविश्वास की बात कही जिसका आपने संविधान की धाराओं के मुताबिक बिल्कुल सही जवाब दिया है। इस बात को श्री ओम प्रकाश चौटाला जी भी जानते हैं। श्री ओम प्रकाश चौटाला जी का सबसे ज्यादा विरोध तो इस बात से है कि आपने हरियाणा विकास पार्टी के विधायकों को अपने घर पर खाना खिलाया। स्पीकर सर, अगर झगड़ा खाना खाने का ही है तो आज आप इन को खाने पर बुला लीजिए, कल को भारतीय जनता पार्टी वालों को बुला लीजिए। मेरे ख्याल से खाना खाने पर इतना झगड़ा नहीं करना चाहिए। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यह कहना चाहूंगा कि मेरे बारे में आपको जो नोटिस सर्व हुआ है, उसको आपने रिजैक्ट कर दिया है। इस के बाद भी श्री अनिल विज कुछ कहना चाहते हैं। अगर वे कुछ कहना चाहते हैं तो उन को सुनने के बाद मेरी बात भी सुन ली जाए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : जहां तक नोटिसिज की बात है, दोनों नोटिसिज डिसअलाउ किए जा चुके हैं। (शोर) Now, I request Mr. Anil Vij to speak. (Noise). Nothing is to be said about the notices.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के इतिहास में पहली बार किसी डिप्टी स्पीकर का ऐसा रवैया देखने को मिला है कि जब भारतीय जनता पार्टी के विधायक मौजूदा सरकार से समर्थन वापसी के संबंध में राज्यपाल महोदय को मिलने गए तो उपाध्यक्ष महोदय भी उनके साथ गए। उनका यह रवैया पक्षपातपूर्ण है। (शोर) अखबार में यह फोटो छपा है, इसको देखिए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, फोटो तो छपते रहते हैं। मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप कृपया बैठिए। (शोर)

Mr. Deputy Speaker : Speaker Sir, there is a difference between the Speaker and the Deputy Speaker. Deputy Speaker has right to vote whereas the Speaker has no right to vote. (Noise & Interruptions)

Shri Anil Vij : Mr. Speaker, Deputy Speaker cannot take part in the activities of any party. (Noise & Interruptions)

Mr. Deputy Speaker : Sir, I can go anywhere.

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी से निवेदन है कि आप सभी बैठिये। मैंने एक बात बड़े स्पष्ट शब्दों में कही है कि रिमूवल का नोटिस चाहे स्पीकर के खिलाफ है या डिप्टी स्पीकर के खिलाफ है वे दोनों नल एण्ड वाइड हैं और अन कान्स्टीच्यूशनल हैं। इसलिए those notices have been disallowed.

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिये। मेरा कहना यह है कि 14 दिन का जो नोटिस है उसको कन्डम किया जाये और इस पर बहस शुरु करवाई जाये। (शोर)

श्री अध्यक्ष : विज साहब आप बैठिये।

श्री उपाध्यक्ष : मैं विज साहब आपसे यह जानना चाहता हूँ कि वह कौन सा रूल है जिसके तहत डिप्टी स्पीकर गवर्नर साहब के पास नहीं जा सकता। आप वह रूल बताएं। Deputy Speaker can go wherever he wants to go. He can cast his vote under Article 189 of the Constitution.

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात तो कहने दीजिए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिये। गोदारा जी अपनी बात कहेंगे।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : स्पीकर साहब मेरी आपसे प्रार्थना है कि आज का जो सैशन है वह न हलदोरा और न बी०जे०पी० के कहने पर बुलाया गया है। आज का सैशन तो गवर्नर साहब के कहने पर बुलाया गया है। आज और कोई सब्जैक्ट नहीं है। केवल एक शब्द "कान्फीडेंस" का यह सैशन है। इसलिए सी०एम० साहब ने जो प्रस्ताव फोर कान्फीडेंस के लिए रखा है उस पर ही हाउस के अन्दर चर्चा हो। इसके अलावा और कार्यवाही की बात नहीं है। अब यह आपने देखना है कि इसे आप चाहे दो मिनट चलाएं या 10 बजे तक चलाएं। यह आपने देखना है। यहां पर नोकान्फीडेंस की बात नहीं है कि जिस पर बहस हो। इसलिए मेरी तो यही प्रार्थना है कि आप इस (कांफीडेंस प्रस्ताव) पर वोटिंग करवा लें। It is only Motion of Confidence.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, अभी गोदारा साहब ने एक बात कही कि आज का सैशन कांफीडेंस के लिए है और इस पर बहस की आवश्यकता नहीं है। हम यह चाहेंगे कि सरकार (सी०एम० साहब) यह बताएं कि किन हालात की वजह से यह "कांफीडेंस" का मोशन लाना पड़ा या ऐसे कौन से पोलिटिकल हालात थे जिनकी वजह से आज के सैशन की आवश्यकता पड़ी। चीफ मिनिस्टर साहब कांफीडेंस सीक करने की अपनी अचीवमेंट्स बताएंगे। He will have to tell something to the House कि मैं इसलिए कांफीडेंस सीक कर रहा हूं। इस पर यह कहना कि इस पर डिसकशन की आवश्यकता नहीं है, बात नहीं बनती। स्पीकर साहब इससे तो सरकार की यह मंशा जाहिर होती है कि वह डिसकशन नहीं चाहती They cannot face discussion. स्पीकर साहब हाउस को कनडैक्ट किसने करना था, वह आपने करना था। जब आपने कनडैक्ट करना था तो पहली बात यह आती है कि स्पीकर खुद किस इन्टेग्रिटी से हैं, उनके खिलाफ किसी को शक या डाउट तो नहीं है। यही कारण था कि हम गवर्नर महोदय से मिले। Speaker Sir, you are the custodian of the House.

Shri Sat Pal Sangwan : Speaker Sir, ...

Shri Sampat Singh : Speaker Sir, he is speaking without your permission. Sir, I may be allowed to conclude.

Mr. Speaker : Mr. Sangwan, please let him complete first.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं बड़ी सभ्य भाषा में कह रहा हूं कि आप हाउस के कस्टोडियन हैं और जैसा कि गोदारा साहब ने कहा कि इस पर डिसकशन की जरूरत नहीं है।

Mr. Speaker : No no, Professor Sahib, there is no difference in it. आप स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं और वे डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। दोनों एक ही जगह खड़े हैं और दोनों ही अनकांस्टीच्यूशनल हैं।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मेरा दोष यह है कि मैं अनपढ़ों की जमात में आ गया हूं। (विघ्न)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : हमारे यहां आप से भी ज्यादा पढ़े हुए लोग बैठे हैं।

अध्यक्ष पंजाब विधान सभा का स्वागत

श्री अध्यक्ष : हमारे बीच पंजाब के माननीय अध्यक्ष अटवाल साहब विशेष दीर्घा में आए हैं हम उनका सदन की कार्यवाही देखने के लिए आने पर स्वागत करते हैं।

अध्यक्ष महोदय और उपाध्यक्ष महोदय को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, गोदारा साहब ने जो बात कही कि इस डिसकशन की कोई जरूरत नहीं, यह कोई महत्वपूर्ण मोशन नहीं है। ये जो अविश्वास प्रस्ताव आए हैं ये दोनों ही बराबर हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब जहां तक मैं कस्टोडियन वाली बात कह रहा था कि क्योंकि आपकी चेयर है, आप आदेश दें कि किसको बोलना है, किसको नेम करना है, किसको सस्पैंड करना है, किसको कितना टाइम देना है, यह सब आपको देखना है। बार-बार यह कहना कि इस पर डिसकशन की जरूरत नहीं। यह बात ठीक नहीं है। हम आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव अपनी खुशी से नहीं लाए बल्कि लोगों की भावनाओं को देखकर लाए हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, please take your seat. No more discussion on it. (Interruptions) : Please take your seat.

लोक निर्माण (भवन एवम् सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि आज एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने के लिए हम यहां इकट्ठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं 8 साल से इस सदन में आ रहा हूं। जितनी यहां पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हुई है ऐसी भीड़ मैंने पहले कभी नहीं देखी। जैसा कि हमें बताया गया है कि टेलीविजन के माध्यम से इस देश की जनता यह देख रही है कि सदन के अन्दर हम क्या चर्चा करते हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्य अपनी बात कहें लेकिन सदन का समय बरबाद न करें। यहां पर कोई ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए ताकि हरियाणा की जनता अफसोस करे कि हमारे चुने हुए नुमायन्दे कैसा व्यवहार करते हैं। यहां जितने भी माननीय सदस्य हैं उनको अपनी बात कहने का अधिकार है। आप लोगों को जो हमसे नाराजगी है वे बातें आपको कहने का अधिकार है। यहां हर सदस्य अपनी बात कह सकता है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो आपसे प्रार्थना की थी उसका एक बैकग्राउण्ड है। हमारे महामहिम के पास हमारे बी०जे०पी० के आदमी गए और उन्होंने कहा कि हम अपनी स्पोर्ट विदड्रा करते हैं। उन्होंने और कुछ नहीं कहा (विघ्न) उन्होंने कहा कि हमने अपनी स्पोर्ट वापिस ले ली तो महामहिम की यह ड्यूटी बन जाती है, उनका यह फर्ज बन जाता है कि जो पार्टी सरकार का समर्थन कर रही थी उसने स्पोर्ट विदड्रा कर ली है तो आज यह सरकार बहुमत में है या नहीं। उन्होंने अपने सी०एम० को बुला कर कहा कि आप हाउस के अन्दर वोट ऑफ कान्फिडैंस लें। This is the

only thing. There is nothing to speak and there is nothing to ask. इसमें और कोई बात नहीं थी केवल वोट ऑफ कान्फिडैंस लेना है अगर ये नो कान्फिडैंस लाते तो और बात होती।

Shri Sampat Singh : But this is everything, Sir.

श्री मनी राम गोदारा : उन्होंने कहा कि वोट ऑफ कान्फिडैंस की बात हाउस के अन्दर होगी। सरकार के जो स्पोर्टर थे उन्होंने कहा कि स्पोर्ट विदड्रा कर ली है। आज सरकार बुहमत में है या नहीं है यह केवल फिगर की बात है और कोई बात नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी मनी राम गोदारा जी इस सम्मानित सदन के सदस्य हैं और पार्लियामैंट के मैम्बर भी रह चुके हैं। सदन के नेता अगर वोट ऑफ कान्फिडैंस सीक करते हैं तो सर्वप्रथम इनको बताना पड़ेगा कि तीन साल के अर्से में इस सरकार की अमुक पोलीसी रही है। (विघ्न) इसके दृष्टिगत ही सदन का मुझ में विश्वास है अगर नहीं तो क्यों नहीं है। मैं गोदारा साहब को भी बताना चाहूंगा कि अभी पीछे राष्ट्रपति के निर्देशानुसार इस देश के मौजूदा प्रधान मन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी यही कहा गया था कि आप कान्फिडैंस सीक करें क्योंकि ऑल इण्डिया डी०एम०के० ने सरकार से अपना समर्थन वापिस ले लिया है। इसी बात पर वहां पर हाउस में तीन दिन धुंआधार बहस चली। अभी भी आप यह बात कह रहे हैं। हर पक्ष के आदमी को वहां पर बोलने का मौका दिया गया और करीब 50 से अधिक लोगों ने उस बहस में भाग लिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप यह बताइये कि बहस की तारीखें कौन कौन सी थीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : 15-16 तथा 17 तारीख को बहस हुई। मैं यह बात भी बता दूंगा कि इस बहस में कौन-कौन लोग बोले। मैं यह भी बता दूंगा कि इस बहस में स्पीकर का क्या रोल रहा था। आज हमारे बीच में अटवाल साहब जी बैठे हुए हैं और मुझे उम्मीद है कि आप आज संयम से काम लेंगे और कम से कम मर्यादा का तो ख्याल रखेंगे और निष्पक्ष रह कर काम करेंगे। कल की तो भगवान जाने।

श्री अध्यक्ष : मैं हमेशा ही संयम में रहा हूं तथा निष्पक्ष रह कर ही कार्य किया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मनी राम गोदारा जी ने जो अपनी बात कही उसके मायने चौधरी सम्पत सिंह जी गलत समझे। गोदारा साहब का इशारा यह था कि आज का जो मुद्दा है वह विश्वास प्रस्ताव पर बहस होनी है। गोदारा साहब का मतलब यह था कि बहस करके गिनती करनी है या गिनती करने के बाद बहस करनी है। अगर ये गिनती करके बहस करना चाहें तो कर लें और अगर पहले बहस कर के गिनती करना चाहते हैं तो वह भी कर सकते हैं। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी कह रहे थे वे इस बात के लिए कहना चाहते हैं जो आपने मोशन रिजैक्ट कर दिया है शायद उस पर बहस चाह रहे हैं। आज यह जो हालात पैदा हुए हैं आप चाहें तो इस पर बहस करवा लें हम संकोच नहीं करते हैं। हम तो यह कहते हैं कि जिस ने बोलना है बोल ले। हम भी बोलेंगे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये अपने आपको बहुत सीनियर मैम्बर समझते हैं। मैं बैठा हुआ इनकी स्पीचिज सुन रहा था। ये आपकी इन्टेग्रिटी पर डाउट कर रहे हैं। आपने इनके साथ ऐसा क्या कर दिया, कहां से इन्टेग्रिटी डाउट फुल वाली बात आ गई। जो ये ऐसी बात कर रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब आज जो यह स्टेज आई है वह हमारे एक साथी द्वारा जयललिता का पार्ट अदा करने के कारण आई है। जब इनकी सैन्टर में सरकार गिरी तो इन्होंने कहा कि हमारे नेता का क्या कसूर है। हम भी यही कहेंगे कि हमारे नेता का क्या कसूर है। स्पीकर सर, जिसने जयललिता का पार्ट अदा किया है हम उसको नहीं बोलने देंगे। (विघ्न) (इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। चौधरी सतपाल सांगवान जी, आप भी बैठ जाएं।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, एक तरफ तो यह कह रहे हैं कि हमारे नौजवान शहीद हो रहे हैं और दूसरी तरफ ये माला डाल कर आते हैं। (विघ्न)

श्री रामबिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दो मोशंज के बारे में आपने स्वयं फर्माया कि वे रिजैक्ट कर दिए हैं। चौधरी मनीराम गोदारा जी ने फर्माया कि यह सदन एक विशेष परिस्थिति होने पर बुलाया गया है। आप उस पर बहस करवाएं। सांगवान साहब को जितना गाली गलोच देना है उस वक्त दे लें। अध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब और डिप्टी स्पीकर साहब के खिलाफ जो मोशन था वह चर्चा के बाद रिजैक्ट कर दिया गया है। अब जो मुख्यमंत्री जी ने कांफिडैंस मोशन सदन में रखा है उस पर चर्चा करवाएं। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, मेरा टोपिक बहुत जरूरी है। (विघ्न) एक तरफ तो हमारे नौजवान कारगिल में शहीद हो रहे हैं और दूसरी तरफ ये चार लाख की माला पहन कर आ रहे हैं। (विघ्न) एक तरफ तो जवान शहीद हो रहे हैं और ये क्या करते फिर रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) 16.00 बजे सांगवान साहब, आप बैठिए। (विघ्न) आप कृपया अपनी सीट पर बैठें। जब आपका कांफीडैन्स मोशन पर बोलने के लिए नाम आएगा तब आप अपनी बात कहें। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी अब अपनी अपनी सीटों पर बैठें। Please come to the point. (Noise & Interruptions).

विश्वास प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Motion moved—

That this House expresses its Confidence in the Council of Ministers.

Now Mr. O.P. Mahajan will speak.

आबकारी एवं कराधान मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो आज यहां पर विश्वास प्रस्ताव सदन के अंदर रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, ये तो इंडीपैंडैन्ट एम०एल०ए० हैं। अगर यह बहस एच०वी०पी० की तरफ से शुरु हो तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्ष : नहीं, नहीं, अब ओमप्रकाश महाजन ही बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह की बात तो ठीक है। सरकार तो एच०वी०पी० की है जबकि ये तो इंडीपैंडैंट एम०एल०ए० हैं।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं भी सरकार का ही एक हिस्सा हूं। (विघ्न)

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, अभी जो माननीय साथियों ने कहा कि ओमप्रकाश महाजन तो इंडीपैंडैंट एम०एल०ए० हैं और बहस की शुरूआत एच०वी०पी० की तरफ से होनी चाहिए। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अभी यह तो एक इनकी तरफ से छोटा सा जवाब है। अगर ये लोग इनके जवाब से संतुष्ट नहीं होंगे तब हमारे और महारथी जवाब देंगे।

श्री ओम प्रकाश महाजन : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता द्वारा रखे गए विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आज मेरा सिर सदन में शर्म के मारे झुक रहा है। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्ष : इस डिसकशन के लिए दो घंटे फिक्स किए गए हैं। दो घंटे का मतलब यह है कि एक मैम्बर को बोलने के लिए डेढ़ मिनट मिलते हैं।

श्री ओम प्रकाश महाजन : सर, मैं चार पांच मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा सिर आज इसलिए शर्म से झुक रहा है कि जो लोग सिद्धान्त की बात करते हैं यानी मेरे मायके वाले बी०जे०पी० के लोग। (विघ्न) इन्होंने अपने उस साथी की पीठ में छुरा घोंप दिया जिसके साथ इन्होंने पांच साल निभाने का वायदा किया था। (विघ्न) सिद्धांत की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सिद्धांतहीनता को देखकर मेरा सिर शर्म से झुक गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी विधायक गण और मंत्री गण से प्रार्थना है कि वे आराम से सुने भी और अपनी बात आराम से कहें भी।

श्री ओम प्रकाश महाजन : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ यह कह रहा था कि जो पार्टी सिद्धांत की बात करती है उसकी सिद्धांतहीनता की इससे ज्यादा और मिसाल क्या हो सकती है कि उन्होंने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिये सारी मर्यादा को ताक पर रख कर अपने उस साथी की पीठ में छुरा घोंपा है जिसका साथ निभाने की वे 5 साल की बात करते थे। अध्यक्ष महोदय, इसके पीछे एक ही बात है और वह बात आज सारा देश जानता है कि चौटाला साहब के पास चार लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने श्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्थन दे रखा था और समर्थन देते-देते न जाने इन दोनों के बीच में क्या नाचाकी हुई अथवा इनकी कोई बात नहीं मानी गई और क्या हुआ, श्री चौटाला ने समर्थन वापिस ले लिया। जब समर्थन वापिस लिया तो चौटाला साहब जो कि इस वक्त हाउस में बैठे नहीं हैं, ने कहा कि बी०जे०पी० सांप से भी बुरी बला है। इन्होंने बी०जे०पी० और कांग्रेस के लिये सांप नाथ और नाग नाथ शब्द प्रयोग किये और कहा कि कांग्रेस पार्टी तो चिमटे से छूने वाली पार्टी भी नहीं है फिर न जाने अलाद्दीन का चिराग बी०जे०पी० ने श्री चौटाला को कैसे दे दिया कि जब पार्लियामैन्ट में कान्फीडैंस के लिये वोटिंग हुई तो अलाद्दीन के चिराग ने श्री चौटाला की नज़रों में बी०जे०पी० को दूध का धुला बना दिया। स्पीकर सर, परमात्मा नाम की शक्ति है और ईश्वर सब कुछ देखता है। जो किसी दूसरे के लिये गड्ढा खोदता है तो परमात्मा उसको माफ नहीं करता है। जिन लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट देने की बात कही थी जैसे कि मायावती जी और सोज़ जी, इन लोगों ने भी उन्हें वक्त पर वोट नहीं दिया। इसलिये बी०जे०पी० वाले न घर के रहे न घाट के रहे। न खुदा मिला, न विसाले सनम, न इधर के रहे न उधर के रहे। इसलिये मैं इन चार लोकसभा सदस्यों के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी तो अपने कैरेक्टर से फिसल गई और उनकी सरकार गिर गई, इन चार लोगों का समर्थन भी किसी काम न आया। लेकिन मैं शाबाशी देता हूं चौधरी सुरेन्द्र सिंह को जिनको यह पता था कि इस समर्थन के बदले में हमारे पिता की सरकार को भी ये लोग नुकसान पहुंचा सकते हैं फिर भी उन्होंने कहा कि मैं धोखा नहीं दूंगा और बी०जे०पी० को अपना समर्थन जारी रखा। इसलिये मैं चौधरी सुरेन्द्र सिंह को शाबाशी देता हूं। (शोर) अभी विपक्ष के नेता श्री शर्मा जी जो इस वक्त हाउस में बैठे नहीं हैं, कह रहे थे कि वे कारगिल के शहीदों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं। हमें भी उनके प्रति उतनी ही सहानुभूति है जितनी कि उनको है बल्कि पूरे देश को उनके प्रति सहानुभूति है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिये अपने प्राण न्यौछावर किये। आज सारा देश उनके सामने नतमस्तक है लेकिन क्या ये दोनों

[श्री ओम प्रकाश महाजन]

पार्टियां इस बात का जवाब दे सकेंगी कि जब कारगिल के अन्दर हमारी भारतीय सेना जूझ रही हो, दुश्मनों से लोहा ले रही हो और हरियाणा के जिलों में वहां से अर्थियां रोजाना आ रही हों, उस वक्त जब ऐसी घटनाएं घट रही हों और कारगिल की लड़ाई में जो शहीद हो रहे हों उनके परिवारों के आंसू दिखाई पड़ने की बजाये इनकी पार्टियों के वर्कर लड्डू बांट रहे हैं तो क्या यह वक्त लड्डू बांटने का था जब कारगिल के अन्दर हमारे देश के जवान भारत माता की रक्षा के लिये लड़ रहे हैं और शहीद हो रहे हैं। इस तरह लड्डू बांटने के काम तो फिर भी हो सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहता हूं। (शोर) एक बात पक्की है कि हमारे देश के अन्दर जो बुजुर्ग हुये हैं उन्होंने एक बात कही है कि जो आदमी भरी थाली को ठोकर मारता है तो भरी थाली उसको ठोकर मारती है। इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है। मैं पूरे हाउस में यह बात कह रहा हूं कि इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है और भरी थाली इनको ठोकर मार रही है। इस सरकार का कुछ नहीं बिगड़ने वाला है। यह सरकार तो फिर भी चलेगी और अगले दो साल पूरे करेगी। लेकिन ये थोड़ा सा देख लें कि इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है और असल में चौटाला साहब को एक बहुत बड़ी तकलीफ है और वह तकलीफ यह है कि हमारे हरियाणा के नेता और हमारी सरकार के मुखिया चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की जनता से वायदा किया था कि 30 जून से 24 घंटे बिजली देंगे। अभी 30 जून आई नहीं है अभी पांच दिन बाकी हैं और इनके मन में यह बात थी कि अगर 24 घंटे बिजली मिल गई जो कि कोई और 20 साल में नहीं ला सकता था वह ये लोग 3 साल में लाकर दिखा रहे हैं जबकि बजट बहुत कम है और पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने पर 750 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है उसके बावजूद भी तीन साल के अल्प काल में वह करिश्मा करके दिखाया है और आने वाली 30 जून से गांव की हर गली से लेकर झोपड़ी में भी 24 घंटे बिजली का लट्टू जलेगा तो इनको तकलीफ यह थी कि यदि यह सरकार चल गई और 30 जून आ गई और जनता ने इनकी बिजली देने की बात देख ली और दो साल में इन्होंने और विकास के काम कर लिए तो किस मुंह से ये जनता के सामने जाएंगे इनकी चिन्ता यह थी।

डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ ऑर्डर है। मैं कहना चाहता हूं कि जो उपलब्धियां आज तक हासिल कर ली हैं वह बताएं। जो बातें अभी होनी हैं उनका क्या चर्चा है। ये यह बताएं कि कितनी शराब बन्द की है ? बल्कि शराबबंदी की आड़ में इन्होंने लोगों को क्रिमिनल बनाया है। हरियाणा प्रदेश के कितने लोगों को इन्होंने बर्बाद किया है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, हम भारतीय संस्कृति को मानने वाले हैं और ऋषि मुनियों के सिद्धांत पर विश्वास रखते हैं। हमारी आत्मा यह कहती है कि जो काम हम किसी के लिए करें उसे पहले अपने लिए सोच लें। जयललिता ने भारतीय जनता पार्टी से जब समर्थन वापस लिया तो इन भारतीय जनता पार्टी वालों ने मेरे मायके वालों ने कौन सी ऐसी गाली है जो इस्तेमाल न की हो, ये बताएं कि जयललिता का क्या कसूर था। अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से पोस्टर छपवाए कि इस आदमी का क्या दोष था ? तो क्या ये यह बताएंगे कि चौधरी बंसी लाल जी का क्या दोष था ? मैं तो यही बात कहूंगा कि "तमन्ना तो यही थी कि तेरे पहलू में दम निकले, जिन्हें हम देवता समझे वह पत्थर के सनम निकले"।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, उधार के लिए शब्द ये क्यों बोल रहे हैं हालत यह हो गई है कि इनको गालियां देने वाले नहीं मिल रहे हैं। इनका तो ये हाल है कि "जब रंज बूतों ने दिया तो खुदा याद आया"। ये लड़की तो हमारे घर से निकाली हुई है।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, जो सर्वे हुआ है उसमें 67 परसैंट पुरुषों व 33 परसैंट महिलाओं में से साठ प्रतिशत लोगों ने इनके कदम को गलत बताया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, सदन के समक्ष सदन के नेता ने विश्वास मत अर्जित करने का प्रस्ताव रखा, अच्छा होता कि सदन के नेता अपनी कुर्सी पर होते। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता की तरफ से रखे गये विश्वास प्रस्ताव के विरोध में बोल रहा हूं। डैमोक्रेटिक सैट-अप में जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता जनार्धन से जो चुनावी वायदे करके आते हैं, सत्ता प्राप्ति के बाद उन्हें उन चुनावी वायदों को निभाना होता है और यह उनकी नैतिक जिम्मेवारी बन जाती है। मौजूदा सदन में हविपा-भाजपा गठबन्धन को इस प्रदेश की जनता ने मैनडेट दिया था और उसी मैनडेट के आधार पर इन लोगों ने अपनी सरकार बनाई थी। चूंकि जनता जनार्धन ने हविपा-भाजपा को मैनडेट दिया था इसलिए हमने उनको अवसर प्रदान किया कि जनता जनार्धन से किए हुए वायदे पूरे करें। अध्यक्ष महोदय, तीन साल के अर्से में हमने इस सरकार के खिलाफ कभी भी अविश्वास का प्रस्ताव नहीं लाया। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा हविपा-भाजपा गठबन्धन की सरकार को प्रदेश की जनता ने मैनडेट दिया था और आज चूंकि उसके एक घटक भारतीय जनता पार्टी को भी मौजूदा सरकार पर विश्वास नहीं रहा और उसने इस सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। इसलिए नैतिकता के आधार पर इस सरकार की जिम्मेवारी बन जाती थी कि मुख्य मंत्री महोदय अपने पद से त्याग पत्र दे देते और सरकार को छोड़कर चले जाते। इस प्रकार की प्रथा इस देश में कायम रही है। जब श्री चन्द्रशेखर जी प्रधान मंत्री थे तो कांग्रेस पार्टी ने यह इशारा किया था कि हम आपका साथ छोड़ने जा रहे हैं तो उन्होंने अपने पद से तुरन्त त्याग पत्र दे दिया था। लेकिन दुर्भाग्य हरियाणा प्रदेश के लोगों का है कि ऐसे लोगों के हाथों में सत्ता आई है जिनके मुखिया का नैतिकता से थोड़ा भी वास्ता नहीं है। अगर उस व्यक्ति में नैतिकता लेश मात्र भी होती तो उसे मुख्य मंत्री पद छोड़ देना चाहिये था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल का जो एमरजेंसी का युग आया था और एमरजेंसी में चौधरी बंसी लाल द्वारा जो-जो काम किए गये थे उनके लिए सरकार बदलने के बाद, रैड्डी कमीशन मुकरर हुआ था। अध्यक्ष महोदय, रैड्डी कमीशन 1977 में हाउस के मौजूदा लीडर चौधरी बंसी लाल के खिलाफ कायम हुआ था उसकी फाइंडिंग, उसकी रिपोर्ट में पढ़ रहा हूं, 30 नवम्बर, 1977 को पहली बार और 22 जून, 1978 को आखिरी बार उस रैड्डी कमीशन की रिपोर्ट आई थी। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, चौटाला साहब हमारी पहले की कमियों का जिक्र कर रहे हैं, जिनका यहां कोई मतलब नहीं है। कभी ये कहते हैं कि 1977 में यह हुआ, कभी कहते हैं 1986 में यह हुआ। इनको ऐसा नहीं कहना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब यह तो इनकी अपनी मर्जी है कुछ भी बोलें। मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि सदन के अंदर कोई भी सदस्य असंसदीय भाषा का प्रयोग न करें और न ही व्यक्तिगत रूप से कटाक्ष करें ताकि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चलती रहे। सभी सदस्य मेहरबानी करके इन हालात से बचें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब बोल रहे हैं और सांगवान साहब बीच-बीच में खड़े हो जाते हैं, क्या यह ठीक है। आप इस बारे में रूलिंग दें, क्या यह प्वाइंट आफ आर्डर नहीं बनता। चौटाला साहब रैड्डी कमीशन की फाईंडिंग पढ़ रहे हैं इसमें प्वाइंट ऑफ आर्डर कहां से आ गया।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, क्या वे जो चाहें बोलेंगे ?

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछ रहा हूं कि क्या यह प्वाइंट आफ आर्डर बनता है या नहीं बनता ?

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, सांगवान साहब इन्फर्मेशन सीक करना चाहते हैं। चौटाला साहब आप बोलिये।

श्री नृपेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, चौटाला साहब के ब्यान पर मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेता के बोलते ही प्वाइंट आफ आर्डर आ जाता है। क्या प्वाइंट आफ आर्डर के ऊपर प्वाइंट आफ आर्डर बनता है ?

श्री अध्यक्ष : नृपेन्द्र जी प्वाइंट आफ आर्डर पर प्वाइंट आफ आर्डर नहीं बनता, प्लीज आप बैठिये।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, आप रूलिंग दें कि प्वाइंट आफ आर्डर पर क्या प्वाइंट आफ आर्डर बनता है ?

श्री अध्यक्ष : मैंने भी उनको आपकी ही बात कही है लेकिन पता नहीं आपका ध्यान कहां पर है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा ध्यान तो आप में है। (विघ्न)

श्री नृपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने हाऊस को मिस-लीड किया है, इन्होंने कहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नृपेन्द्र जी प्लीज आप बैठिये। चौटाला साहब आप बोलिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैं हाऊस में जो भी तथ्य प्रस्तुत करूंगा वे सही प्रस्तुत करने की कोशिश करूंगा लेकिन बिना वजह से रोका-टोकी होगी तो इससे सदन का समय बरबाद होगा और हाऊस में आपस में कटुता पैदा होगी। यह कोई अच्छी बात नहीं है और न ही हाऊस में अच्छी रिवायत कायम होगी। अध्यक्ष महोदय, शायद मेरे साथी को इस बात का ज्ञान नहीं है कि 1977 की ज्यादतियों के खिलाफ जगमोहन रेड्डी कमीशन की नियुक्ति हुई थी। अध्यक्ष महोदय, यह कमीशन केंद्र की सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था और जग जाहिर है कि यह कमीशन श्री बंसी लाल जी की ज्यादतियों के खिलाफ लाया गया था। इस कमीशन की रिपोर्ट आई हुई है, वह मैं हाऊस में पढ़कर सुनाता हूं कि किन-किन गलत कामों के प्रति फैसला दिया गया है जो श्री बंसी लाल जी की सरकार के समय में हुए थे। रिपोर्ट में लिखा है कि बसों की बाडी बनाने का काम आजाद बोडी बिल्डर, जयपुर, रायल बाडी बिल्डर और मारूति को दिया गया था। कानून कायदे सारे छोड़ करके बसों की बॉडी बनाने का काम दिया गया था। उसमें बहुत बड़ा घपला हुआ था, यह रेड्डी कमीशन की अपनी एक फांईडिंग है। अध्यक्ष महोदय, पुरथल की 50 एकड़ जमीन घनश्याम दास गोयल को सारे कायदे कानून तोड़ करके दी गई और जान करके वह जमीन इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट के रूप में बदल दी गई। डी०सी०एम० की दरखास्त भी साथ थी लेकिन उसकी दरखास्त पैंडिंग छोड़ दी जिसकी वजह से डी०सी०एम० को मजबूर होकर दूसरी जगह जमीन लेनी पड़ी। प्रभुदयाल डाबड़ी वाला जिसे आप टी०सी०आई० का मालिक कह लीजिए या प्रोपराईटर कह लीजिए, जो कि घनश्याम दास

गोयल का नजदीकी रिश्तेदार था उनको फरीदाबाद के सैक्टर-15-ए के अंदर रजिस्ट्री के हिसाब से 3000 गज जमीन रैजीडैंशियल प्लॉट की दी गई।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट-ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से श्री ओम प्रकाश चौटाला जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पिछले 3 साल में हविपा-भाजपा गठबंधन की सरकार इस प्रदेश में रही है। आज हमारे भाजपा के साथियों ने हम से अपना नाता तोड़ लिया है। मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से अनुरोध करना चाहूंगा कि पुराने इतिहास में जाने की बजाए इन पिछले 3 सालों का लेखा-जोखा इस सदन में प्रस्तुत करें। अगर हम ने इस पीरियड में कोई गलत काम किया हो तो उसकी सदन में चर्चा करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे फाजिल दोस्त ने प्वाएंट ऑफ आर्डर रखा है, मैं इस में जाना नहीं चाहता हूं। इस वक्त मैं चौधरी बंसी लाल के मुख्य मंत्रित्वकाल की सारी बातें बताना चाहूंगा जिनकी बेकाइदगियों के खिलाफ रैड्डी कमीशन का गठन हुआ जिस ने इस व्यक्ति के खिलाफ अपनी फांईडिंग दी है। हम तो यह सोचते थे कि शायद इन्होंने अपनी पुरानी आदतें बदल दी होंगी क्योंकि जब ये घुमकर पहली बार इस सदन में आए थे तो इन्होंने कहा था कि अब मैंने अपनी पुरानी आदतें बदल ली हैं। इसलिए मैं थोड़ी सी इनकी पुरानी बैकग्राउंड बता रहा हूं। इतना ही नहीं मैं आप सभी की आज के ताजा हालात की चर्चा करते हुए तसल्ली कर दूंगा। इन्होंने 3,000 गज जमीन फरीदाबाद के रैजिडैंशियल सैक्टर-15-ए में इंडस्ट्री लगाने हेतु सारे कायदे-कानून तोड़कर दी थी, इनका यह कदम कतई गलत था। इसी प्रकार से टी०सी०आई० के बारे में ताजा स्थिति सुन लीजिए। आपके पड़ौस में बिजली मंत्री बैठे हुए हैं। श्री ओम प्रकाश महाजन जी ने कहा कि चौधरी बंसी लाल जी 30 जून, 1999 से पूरे हरियाणा प्रदेश को 24 घंटे बिजली देने जा रहे हैं। मैं बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने तो चुनावों से पूर्व यह भी कहा था कि मेरी सरकार बनने के बाद मैं प्रदेश के अंदर 24 घंटे बिजली दे दूंगा, सस्ती बिजली दूंगा, 24 घंटे में ट्यूबवैल्स के कनैक्शंज दूंगा। उनकी ये सब बातें व्यावहारिक नहीं हैं। कोई भी मुख्य मंत्री 24 घंटे में ट्यूबवैल का कनैक्शन नहीं दे सकता। इसके लिए एक लम्बा प्रोसैस होता है। सर्वप्रथम इसके लिए दरख्वास्त देनी होती है, उसके बाद जांच-पड़ताल होती है, फिर इसकी टैस्ट-रिपोर्ट बनती है, उसके बाद सिक्योरिटी जमा होती है, फिर फासला नापा जाता है, फिर खंभे व तार लगाए जाते हैं तथा ट्रांसफार्मर आदि लगाया जाता है। इस सारी प्रक्रिया को पूरा करने में कुछ समय लग जाता है। लेकिन मुख्य मंत्री का पद हथियाने के लिए इन्होंने तो 24 का आंकड़ा पकड़ लिया है। इनके मुख्य मंत्री बनने के बाद आज आप सभी देख रहे हैं कि प्रदेश के अंदर बिजली की यह स्थिति है कि 24 घंटे की बजाए 4 घंटे बिजली मिलती है। बिजली सस्ती मिलने की बजाए 4 गुना महंगी मिलती है। जहां तक 24 घंटे में बिजली के कनैक्शन देने की बात है, इस बारे में इस सदन में सवाल पूछा गया तो सरकार की तरफ से यह जवाब आया कि नए कनैक्शन देने की बजाए 15,000 से अधिक कनैक्शन काटे गए हैं। 30,000 से अधिक तो घरों के कनैक्शन काटे गए हैं। चौधरी बंसी लाल जी की यह काटा-पीटी की पुरानी आदत है। इन्होंने बिजली का निजीकरण किया। हिन्दुस्तान के इतिहास में कोई ऐसी मिसाल नहीं मिल सकती कि ऐसे अवसर पर जब इन्होंने एक अहम निर्णय लिया यानि कि बिजली का निजीकरण किया उस समय समूचा विपक्ष सदन में उपस्थित नहीं था। फिर भी इन्होंने बिजली का निजीकरण कर दिया। इन्होंने बिजली का निजीकरण यह कहकर किया कि बिजली में सुधार किया जायेगा। श्री ओम प्रकाश महाजन जी ने भी कहा कि आने वाली 30 जून से हरियाणा में 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन अभी तक ऐसे आसार नजर नहीं आ रहे हैं कि वे 30 जून से 24 घंटे बिजली दे पाएंगे। मैं बताना चाहूंगा कि 143-143 मैगावाट के फरीदाबाद में 2 गैस पॉवर प्लांट्स लगने थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपकी पार्टी को बोलने के लिए 33 मिनट का समय दिया गया है। इस हिसाब से इस समय में चाहे आप अकेले ही बोल लें अथवा अपनी पार्टी के दूसरे साथियों को भी बोलने का मौका दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपके पास कहने को कुछ और तो है नहीं। आप मेरी ये बातें सुन लो, आपके काम की बातें हैं। आप हमेशा ही तो इस कुर्सी पर रहने वाले नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष : भगवान् न करे, मैं आपके कदमों पर चलूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम तो चाहते हैं कि परमात्मा आपको जीवित रखे ताकि आप अपने * * * को देख सकें।

श्री अध्यक्ष : जो शब्द इन्होंने इस्तेमाल किया है उसको रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम तो आपकी लम्बी उमर की कामना करते हैं। (विघ्न) महाजन साहब ने यहां पर बिजली की चर्चा की थी, इसलिए मुझे इस बारे में कुछ बोलना पड़ा है। मैं सदन के ध्यान में लाना चाहूंगा कि इनकी 143-143 मैगावाट की जो दो गैस पावर यूनिट तैयार होनी थी वह इनके हिसाब से मई में तैयार हो जानी चाहिए थी लेकिन वे आज तक तैयार नहीं हो पाई हैं। (विघ्न) आप बाद में बोल लेना। एक यूनिट जो 143 मैगावाट की है उसकी टरबाईन में खराबी आ गई है। इस बारे में जो इनके टैक्नीकल विशेषज्ञ हैं, उनका मत है। (विघ्न)

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से एक बात कहना चाहता हूं कि किसी माननीय सदस्य के प्रति ये व्यक्तिगत तौर पर कोई बात न कहें और न ये किसी को झिड़की दें। हम भी झिड़की का जवाब झिड़की से दे सकते हैं लेकिन स्पीकर साहब आप हमें रोक देते हैं। स्पीकर साहब यदि ये आगे इस तरह से झिड़की भरे शब्दों में अपनी बात कहेंगे तो फिर हम भी उसी भाषा में इनको जवाब देंगे और फिर हम आपके रोकने से भी रुकेंगे नहीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि 143 मैगावाट की जो दूसरी यूनिट है उसका टरबाईन रुटल टूट चुका है इसलिए वह सितम्बर से पहले तैयार नहीं हो पायेगी।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी) : 143 मैगावाट की जो दो यूनिट थीं उनमें से एक तो चालू हो चुकी है और दूसरी अगस्त तक चालू हो जायेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस चीज का मैं जिकर कर रहा था वह यह थी कि मै० सोफीमेंट जो फ्रांस की फर्म है उसको ठेका देना चाहिए था लेकिन इन्होंने सिस्टर कनसर्न को ठेका दिया है। यह ठेका सारे कायदे कानून तोड़ कर दिया है।

श्री अत्तर सिंह सैनी : उसको कायदे कानून के मुताबिक ठेका दिया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कायदे कानून के हिसाब से तो फ्रांस की एक कम्पनी सोफीमेंट है, उसको ठेका दिया जाना चाहिए था। लेकिन इस फर्म को ठेका देने की बजाय टी०सी०आई० की जो सिस्टर कनसर्न "भारुका" है उसको ठेका दिया गया है। जबकि फ्रांस की जो सोफीमेंट फर्म है वह पहले नम्बर पर आती थी। सरकार के जो पावर सैक्रेटरी कुरैशी साहब हैं, वे हाउस में बैठे होंगे। मैं बताना चाहूंगा कि जो तकनीकी विशेषज्ञ कमेटी थी उसने फ्रांस की फर्म को ठेका देने की सिफारिश की थी लेकिन

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

बाद में कायदे कानून तोड़कर और तकनीकी समिति की रिपोर्ट को बदल कर भारुका को ठेका दे दिया। आज टी०ई०सी० ने अपनी दूसरी रिपोर्ट दी है। हरियाणा सरकार की बिजली पैदा करने वाली ''जैनको'' को पहले स्थान पर रखा यानि सारे कानून कायदे बदलकर उसको पहले स्थान पर रखा, उसके बाद टी०सी०आई० की सिस्टर-कंसर्न को दूसरे स्थान पर रखा और सीफीमैंट को तीसरे स्थान पर रखा। उसके बाद मुख्य सचिव ने अपनी रिपोर्ट देकर कहा कि चूंकि हरियाणा सरकार की 'जैनको' इतने बड़े काम नहीं करती है इसलिए हरियाणा बिजली बोर्ड यह काम नहीं करेगा, ''जैनको'' यह काम नहीं करेगी क्योंकि हम इतने बड़े काम नहीं करते हैं। जैनको ने 16-16 मेगावाट यूनिट के दो काम पहले भी किए हुए हैं। 'भारुका' टी०सी०आई० की सिस्टर-कंसर्न है और टी०सी०आई० प्रभुदयाल की कम्पनी है। इस बात का आपको ज्ञान है। पहले पुराने नाम बताए गए हैं। अब मैं नए नाम बता रहा हूं कि किस तरह से सारे कानून-कायदे तोड़कर भारुका को लिया गया है। आज प्रदेश में बिजली की स्थिति यह है कि बिजली मिल नहीं रही है, बिजली के दाम बढ़ाए जा रहे हैं, बिजली के कनैक्शन काटे जा रहे हैं। डिवैल्पमैंट के नाम पर प्रदेश में कोई ईंट नहीं लगाई जा रही है। लाखों रुपये बड़े-बड़े विज्ञापन छापने के लिए अखबार वालों को दिए जाते हैं। एक तरफ मुख्य मंत्री की तस्वीर होती है, दूसरी तरफ विभाग के मंत्री की तस्वीर होती है और लिखा होता है कि हमने यह-यह उपलब्धियां कीं। कुछ दिन पहले कृषि मंत्री जगन नाथ की तस्वीर छपी हुई थी। पहले दिन उसका विज्ञापन छपा और दूसरे ही दिन उसको * * * कर दिया गया।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * * नहीं तो डिसमिस तो कह सकते हैं या उसको भी आप रिकार्ड नहीं करवाएंगे। अब कोई कानून नहीं रहा, जब चाहे मंत्री बना लिए जाते हैं। साथ-साथ एक्सपैंशन की जाती हैं। राह चलते को वजीर बना दिया जाता है। पहले मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया जाता है और फिर सस्पेंड होने वाले कहते हैं कि ये लोग भ्रष्ट है। (विघ्न) मैंने नाम नहीं लिया।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आप बैठिए।

श्री धर्मबीर यादव : स्पीकर साहब, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। चौटाला साहब जी कह रहे हैं मैंने ऐसा कभी नहीं कहा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैंने किसी का नाम नहीं लिया। चोर की दाढ़ी में तिनका होता है। ये स्वयं अपनी एक्सप्लेनेशन दे रहे हैं। मैंने तो कहा कि ये मंत्री पहले दिन ओथ लेते हैं और फिर मुख्य मंत्री के पैर पकड़ते हैं। (विघ्न)

श्री धर्मबीर यादव : स्पीकर सर, समाज की संस्कृति रही है कि पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, मंत्री महोदय पर्सनल एक्सप्लेनेशन दे रहे हैं। आप अपना ब्यान पढ़ लीजिए, वह मैं सारा पढ़ूंगा तो बहुत समय लग जाएगा। यह ब्यान अखबार में छपा हुआ है। इसे मैंने नहीं छापा है।

श्री धर्मबीर यादव : स्पीकर सर, समय आने पर मैं इसका जवाब दूंगा। लेकिन जब जवाब का समय आता है तो ये उठकर चले जाते हैं। यह इनकी पुरानी आदत है।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, मुख्य मंत्री ने अपनी पुरानी रवायतों को कायम करना शुरू कर दिया है जिसका रैड्डी कमीशन ने विरोध किया था। बतौर डिफैंस मिनिस्टर चौधरी बंसी लाल ने जर्मनी की फर्म एम०ए०एन० से 50 हैवी रिकवरी वाहन खरीदे, बड़ी क्रेनें खरीदीं उसमें घपला हुआ है। रैड्डी कमीशन ने रिपोर्ट दी है, यह मैंने अपनी तरफ से नहीं कहा सैन्ट्रल गवर्नमैंट द्वारा वह रिपोर्ट पार्लियामैंट के समक्ष रखी गई थी और सी०बी०आई० ने पर्चा दर्ज किया था। यह एफ०आई०आर० 10-11-78 को दर्ज हुई थी। यह एफ०आई०आर० भ्रष्टाचार और कानून को तोड़ने पर आई०पी०सी० 120 बी के तहत 5/5/23 ए बी के तहत भी केस दर्ज हुआ है।

श्री अध्यक्ष : उस केस का फेट क्या हुआ यह भी बता दें ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं वही बताने जा रहा हूं। इसी प्रकार से आज की मौजूदा सरकार ने हरियाणा रोडवेज जो कि मुनाफाबख्श अदारा था उसकी हालत यह कर दी है कि आज उसके अन्दर 100 करोड़ से ज्यादा का घाटा है। यह घाटा इसलिए है कि बसों के जो परमिट दिए गए हैं वे अपने रिश्तेदारों, भाइयों और चहेतों को दिए गए हैं और हरियाणा रोडवेज के कण्डक्टर्ज उन बसों की सवारियों को ढोने का कार्य करते हैं। (विघ्न एवं शोर) यह काम इस हद तक हुआ कि अगर कोई सरकारी अधिकारी इन नाजायज बसों का चालान करते हैं तो उनकी पिटाई होती है। कमिश्नर रैंक के एक ऑफिसर को चौधरी बंसी लाल ने स्वयं भेजा। एक्साईज एण्ड टैक्सेशन कमिश्नर श्री प्राशर को चौधरी बंसी लाल ने स्वयं यह कह कर भेजा कि इस प्रकार की बसों में अगर कोई बेकायदगी हो तो उनके खिलाफ एक्शन लें। * * * (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं इस पूरे सदन में विश्वास से कहता हूं कि मेरी कोई बस नहीं है। हम इनकी तरह की बात नहीं करते हैं। अगर चौटाला साहब यह सिद्ध कर दें कि मेरी कोई बस है या कोई गाड़ी है तो मैं खुली चुनौती देता हूं और इस हाऊस के अन्दर कहता हूं कि मैं अपने पद से रिजाईन कर दूंगा। अगर यह सिद्ध कर दें कि मेरी कोई गाड़ी है या मेरा कोई हिस्सा है या मेरे बेटे की कोई बस है तो मैं रिजाईन करने के लिए तैयार हूं नहीं तो इन्हें रिजाईन दे देना चाहिए। (विघ्न) हम इन की तरह से नहीं हैं। श्री राम विलास जी कहा करते थे कि इनकी 18 बसें चलती हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बात सिद्ध करें या चौटाला साहब रिजाईन करें। अगर ये इस बात को सिद्ध कर देंगे तो मैं रिजाईन दे दूंगा। इनके बात करने का यह तरीका ठीक नहीं है। (विघ्न) इन्होंने जो बस वाली बात कही है उसको रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपको मेरी बात सुननी पड़ेगी। यह मामला आपसे सम्बन्धित है इसलिए एक्सपंज नहीं होगा। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं कह रहा हूं कि रिकार्ड नहीं होगा, आपके कहने से क्या होता है। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपने जो चुनौती दी है उसको भी बरकरार रखिए।

श्री अध्यक्ष : आप पहले अपनी कही बात को सिद्ध करें उससे आगे तभी बात होगी। (विघ्न एवं शोर)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप पहले मेरी बात सुनिए। (विघ्न) आपने इस प्रकार की बेनामी ट्रांजेक्शन्ज की हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक और बात बताऊं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : पहले आप अपनी कही बात को सिद्ध करें, फिर आगे बढ़ेंगे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आप किसी पर भी कोई भी लांछन लगा दें, यह कोई तरीका नहीं है। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बेनामी सौदे सिद्ध नहीं होते। (विघ्न) मैं अपनी बात कहने जा रहा हूं आप इनको बिठाइये। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप हुक्म देने वाले कौन होते हैं ? (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं हुक्म देने वाला नहीं हूं मैं तो अपनी बात कहने वाला हूं।

श्री अध्यक्ष : पहले आप अपनी बात को सिद्ध कीजिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : बेनामी सौदे सिद्ध नहीं होते। आपके दोस्तपुर में पहाड़ की लीज़ भी आपके रिश्तेदार भूपेन्द्र सिंह पुत्र मदन पाल सिंह गांव बापौड़ा को दी हुई है। आप दूसरों पर उंगली उठाते हैं। (विघ्न) आप मेरी बात सुनिये। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप मेरी बात सुनिये। पहले आप बस की बात सिद्ध करिए मैंने आपको खुली चुनौती दी है। यह बात नहीं कि आप लांछन लगा दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके बेनामी सौदे हैं, सारा रिकार्ड तलब किया जाए। रिकार्ड में वाकायदगी से है कि किस-किस के नाम से परमिट है। दोस्तपुर गांव की पहाड़ की लीज़ भूपेन्द्र सिंह सन ऑफ मदन पाल सिंह की है और वह छतर सिंह, स्पीकर का रिश्तेदार है और बापोड़ा गांव का है। मैं कौन कौन सा किस्सा आपको बताऊं कोई एक हो तो बताएं। यह तो सारा घपला यहां पर है जो गदर मचा हुआ है उसके बारे में क्या कहूं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए। श्री कर्ण सिंह दलाल जी का प्वाईंट आफ आर्डर है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से ओम प्रकाश चौटाला जी से निवेदन करना चाहता हूं कि अगर वाकई में उनके पास कोई तथ्य है, कोई सबूत है या कोई कागजात हैं कि स्पीकर साहब ने, हरियाणा सरकार के वजीर ने या मैंने घोटाला किया है तो हमारी सरकार ने लोकपाल नियुक्त कर रखा है ये उनके पास जाएं और वे सबूत या कागजात जो इनके पास हैं उनको दिखाएं। यहां पर हाउस का समय नष्ट न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था ..... (घंटी)

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आपका समय खत्म हो गया है। अब आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा टाईम कैसे खत्म हो गया है। मैंने तो10 मिनट भी नहीं बोला है। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : मैं बहन करतार देवी जी से निवेदन करूंगा कि वे बोलें। वे सदन में नहीं हैं। श्री बीरेन्द्र सिंह जी बोलें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे यह बताएं कि मेरा समय कैसे खत्म हो गया। हमारी पार्टी का 33 मिनट का समय है और मैं तो दस मिनट भी नहीं बोला हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी 4.35 पर बोलना शुरू हुए थे और अब आप समय देख लें। जबकि इनको बीच में इन्ट्रप्ट भी किया गया है। (विघ्न)

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, जब बीच बीच में दूसरे बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं तो वह समय कहां पर जाएगा। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, एच०बी०पी० वाले बीच में खड़े होकर प्वायंट आफ आर्डर पर बोलेंगे तो क्या वह समय भी हमारे समय में क्राउंट होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैं माननीय चौटाला साहब को बताना चाहूंगा कि उन्होंने 4.16 पर बोलना शुरू किया था और अब ये घड़ी देख लें कि क्या समय हो गया है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे तो बोलने ही नहीं दिया गया है।

श्री अध्यक्ष : आप दो मिनट में कन्क्लूड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, मुझे कम से कम अपने समय तक तो बोलने के लिए टाइम मिलेगा।

श्री धीरपाल सिंह : सर, आप जो प्वायंट आफ आर्डर पर बार बार बोलने दे रहे हैं वह समय किस के खाते में जाएगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। मेरा चौटाला साहब से निवेदन है कि 5 मिनट में कन्क्लूड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पांच मिनट में कन्क्लूड करूंगा लेकिन 33 मिनट जरूर लूंगा। अध्यक्ष महोदय, ऐशियन वराउन भाम की एक जर्मन की फर्म को हरियाणा इलैक्ट्रीसीटी बोर्ड ने पानीपत के 110-110 मैगावाट के थर्मल प्लांट का आधुनिकीकरण और नवीनीकरण के लिए 300 करोड़ रुपए का ठेका दिया है। हमने पिछले सदन में भी इस बात का विरोध किया था लेकिन हमारे विरोध की अनदेखी करके भी ठेके दिए गए। अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने सभी बिजली बोर्ड्ज को लिखकर दिया है कि हम सस्ते दामों पर आपके सारे काम करवा सकते हैं लेकिन उनकी पेशकश को भी ठुकराकर उस कम्पनी को यह काम दे दिया गया। जिस कम्पनी को तीन सौ करोड़ रुपये में यह काम दिया गया था उसने अब तक भी वह काम पूरा नहीं किया है। अब वह समय भी और मांग रही है और पैसा भी और मांग रही है। इसमें बहुत बड़ा घपला हुआ है।

इसी प्रकार से पानीपत की 210 मेगावाट की क्षमता की छठी इकाई के लिए सरकार दावा करती है कि मार्च दो हजार तक हम इसको चालू कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सात सौ या आठ सौ करोड़ रुपये का प्रौजेक्ट है और दो फर्मों के टैंडर की फाईलें अब तक मुख्यमंत्री के पास ही पड़ी हुई हैं क्योंकि इन्होंने उनसे मोटा पैसा ले लिया जबकि दूसरी फर्मों के भी कम रेट के टैंडर्ज आए थे लेकिन उनको नहीं माना गया। अध्यक्ष महोदय, कायदे कानून के मुताबिक यह फाइलें जैनको के पास जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के पास इनके जाने का कोई कायदा नहीं है लेकिन इस प्रदेश की सरकार ने कायदे कानून ताक पर रख दिए हैं। इनकी सोच केवल एक ही है कि पैसा कमाना है और देश को लूटना है इसलिए ही ये फाईलें मुख्यमंत्री अपने पास दबाए बैठे हैं और जैनको के पास ये फाईलें नहीं जा रही हैं।

इसी प्रकार से मैंने आपको माईंज के बारे में बताया है लेकिन कई और भी ऐसी माईंज हैं जो कुर्सी बचाने के लिए दी गयी हैं। जबकि इसी सदन में जब यह सरकार बनी थी तो इन्होंने कहा था कि सारी की सारी माईंज और मिनरल्ज हरियाणा मिनरल्ज और माईंज लिमिटेड को दिए जाएंगे लेकिन उसको एक भी नहीं दी गयीं। मेरा एक साथी करतार सिंह यहां पर बैठा है उसने इसी सदन में कहा था कि इनकी ओपन आक्शन कर दी जानी चाहिए ताकि सरकार के खजाने में ज्यादा पैसा आ सके। परन्तु उस बेचारे की बात नहीं मानी गयी क्योंकि उसके बारे में इन्होंने यह समझ लिया कि यह तो कहीं नहीं जा सकता। अध्यक्ष महोदय, इन माईंज के ठेके मई के लास्ट वीक में दिए गए हैं। ये बेनॉमी हैं। अगर मैं इस बारे में कहूंगा तो फिर ये कहेंगे कि सबूत पेश करें। अध्यक्ष महोदय, मुख्तार सिंह जो बादशाहपुर गांव का रहने वाला है और जो सोमवीर सिंह का आदमी है उसको भी माईंज का ठेका दिया गया।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये साबित करें। अगर ये साबित कर देंगे तो मैं इस्तीफा दे सकता हूं लेकिन ये तो बिल्कुल गलत बात कर रहे हैं। ये इस बारे में कोई सबूत तो दें। लेकिन इनके पास कोई सबूत ही नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जब समय आएगा तो साबित भी कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहें कि ये चेयर के माध्यम से बात करें और मेरी तरफ न देखें। यह बेनॉमी सौदा है।

श्री सोमवीर सिंह : या तो आप साबित करें या फिर इस्तीफा दें।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप आंखें दिखाना छोड़ दें क्योंकि इनसे सबको डर लगता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी आंखें देखकर ही मुझे ऐसी आदत पड़ गयी है। इसी तरह से एक और माईंज का ठेका जितेन्द्र सिंह को दिया गया है फिर लाठर साहब कहेंगे कि वह मेरा आदमी नहीं है। यह बेनॉमी सौदा है। अध्यक्ष महोदय, मैं किस किस के बारे में बताऊं। शहराबण गांव के बलवीर सिंह सैनी को भी एक माईंज दी गयी है। यह आदमी अत्तर सिंह सैनी का है। इसी प्रकार से रणवीर सिंह कादयान जो विजेन्द्र सिंह कादयान का आदमी है, को भी एक माईंज का ठेका दिया गया है। यह गैबर गांव का रहने वाला है। ये ठेके मई के लास्ट वीक में दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बातें हैं इसलिए इन्हें कोई झुठला नहीं सकता। इसी तरह से महेन्द्र सिंह नाम के एक व्यक्ति को जो बहरामपुर का रहने वाला है उसको माईंज का ठेका दिया गया है। यह आदमी रामभजन अग्रवाल का है। इसी तरह से श्रीराम मिनरल्ज जो कि सेठ सिरीकिशन दास की है, को भी माईंज का ठेका दिया गया है। अब आखिरी उम्र में क्या खाक मुसलमां होंगे ? इसी तरह से पलड़ी गांव की एक मिनरल नारायण सिंह को दी गयी है। बेचारे इस बूढ़े की आखिरी उम्र में धोले बालों में धूल पड़ने जा रही

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

है। इनको यह माईंज का ठेका विक्रम एंड कम्पनी के नाम से दिया गया है। मैं किस किस के किस्से सुनाऊं। यह तो ऑवा ही ऊत हो गया है। यह सोचा गया है कि इस प्रदेश को दोनों हाथों से लूटकर खा जाओ। इस प्रदेश को हमने बड़ी मुश्किल से बनाया था इसके लिए बड़ी बड़ी लड़ाईयां लड़ी थीं बड़े बड़े आंदोलन किए थे। अध्यक्ष महोदय, अब आप हुडा को ही ले लीजिए। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपको बोलते हुए पांच मिनट हो गये हैं, अब आप बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो अब बोलने की स्पीड भी बढ़ा दी और काम भी कम कर दिया फिर भी जितने महकमे हैं उनके बारे में थोड़ी थोड़ी बात मुझे बतानी ही पड़ेगी। आप सुनकर हैरान होंगे कि प्राईवेट लीज होल्डर्ज को जो कमर्शियल के लिए और ग्रुप हाऊसिंग के लिए लाईसेंस दिए गए हैं उनकी फीस चार परसैंट से बढ़ाकर 6 परसैंट कर दी गयी है। करोड़ों रुपये का इसमें घपला किया गया है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, अब आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हुडा में हजारों एकड़ जमीन पैसे ले ले कर रिलीज कर दी जाती है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, कृपया आप बैठिये। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं कानून और व्यवस्था पर तो आया ही नहीं हूं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपने बोलने के लिये पांच मिन्ट मांगे थे जबकि आप को बोलते हुये छः मिन्ट हो चुके हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कानून और व्यवस्था की हालत के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं जो कि श्री मनी राम गोदारा जी का महकमा है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं कहूंगा। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, कानून और व्यवस्था की हालत यह है कि इस सरकार ने धारा 352 के केसिज़ भी विदड्रा किये हैं जिनकी विश्व के इतिहास में कोई मिसाल नहीं मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, 352 में मर्डर के केस होते हैं जो कि विदड्रा हुये हैं। चाहे उनमें कोई भी आदमी है। गुरमेश बिश्नोई का और वलबीर का केस जो कि 302 के तहत कत्ल के केस थे, विदड्रा किये गये हैं। इसी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त एल०डी० दुरेजा, इंस्पैक्टर एक्साइज एण्ड टक्सेशन और अजय सिंह हवलदार, बड़ौदा के केस विदड्रा किये हैं। पानीपत का प्रमोद कुमार जिसका डाबरी का केस विदड्रा हुआ है। इसी प्रकार मैं सारी लिस्ट गिनाने की बजाय मनी राम जी को वैसे ही लिस्ट दे दूं क्योंकि इसमें सैंकड़ों नाम हैं। (घण्टी)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप अब बैठ जाएं क्योंकि आपका टाइम हो चुका है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, मैं पांच मिन्ट में कन्कलूड कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, सी०एम० साहब का रवैया कितना विडिक्टिव है, इसकी मिसाल आपके सामने है कि भिवानी के घण्टा घर के मामले को लेकर कितना विवाद और बखेड़ा खड़ा हुआ था, पी०एल० गोयल, सैशन जज के परिवार को मीसा में बन्द रखा गया।

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. Mr. Chautala your time is over. Please take your seat. Now, I would request Ch. Birender Singh to speak. (Interruptions) चौधरी धीरपाल जी, अगर आप में हिम्मत होती तो आप पहले कभी तीन साल में नो-कोन्फीडैन्स मोशन लाये होते। यह नो-कोन्फीडैन्स मोशन नहीं है, आपको पता होना चाहिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : सर, हम तो नो-कोन्फीडैन्स मोशन लाते थे लेकिन आप हमारे सदस्यों को सस्पैंड कर देते थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी तो केवल 10 मिन्ट हुये हैं—(शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आपने 4 बजकर 14 मिन्ट पर बोलना शुरू किया और कह रहे हैं कि अभी 10 मिन्ट हुये हैं। पता नहीं क्या वजह है या तो आपकी घड़ी धीरे चलती है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सर, इन्होंने मुख्य मंत्री बनने के बाद कहा था कि अब मैं विंडिक्टिव नहीं रहा हूं और इन्होंने किस प्रकार से विंडिक्टिव बन कर काम किया है। अध्यक्ष महोदय, ईश्वर चन्द्र जो जिला रोजगार अधिकारी हैं (घण्टी) * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो कह रहे हैं, उसे रिकार्ड न किया जाए। Nothing to be recorded. I would request Shri Om Parkash Chautala to take his seat please. Now Shri Birender Singh will speak.

श्री सम्पत सिंह : सर, मेरी आपसे एक सबमिशन है। I want to seek your permission to speak.

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, मेरा एक निवेदन सुन लें। मैंने एक निवेदन किया था कि दो घण्टे रखे हैं और एक सदस्य के हिस्से में डेढ़ मिन्ट आता है और आपके 22 सदस्य हैं जिसके हिसाब से आपके हिस्से में 33 मिन्ट आते थे और आपकी पार्टी की ओर से 4 बज कर 14 मिन्ट पर श्री चौटाला जी बोलना शुरू हुये थे।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो पार्लियामैन्टरी प्रोसीज़र है चाहे वह पार्लियामैन्ट का हो या असैम्बली का हो और आप भी पार्लियामैन्टरी मिनिस्ट्री के विहप वगैरा के बारे में स्पीकर्ज़ कॉन्फैरन्सिज़ में गये होंगे और मुझे भी जाने का मौका मिला है। ऐसी-ऐसी स्टेट्स है जहां 5-5 घण्टे विपक्ष के लीडर्ज़
17.00 बजे बोलते हैं। यू०पी० के अन्दर 425 सदस्य हैं और वहां अपोज़ीशन के लीडर लगातार पांच-पांच घंटे बोलते रहते हैं लेकिन स्पीकर ने उन्हें बीच में कभी नहीं टोका। अध्यक्ष महोदय, हाउस में लीडर ऑफ दि हाउस और लीडर ऑफ दि अपोज़ीशन को अपनी बात कहने के लिए पूरा समय दिया जाना चाहिए ताकि वे सभी डिपार्टमैंट्स के बारे में अपनी बात कह सकें। अभी तो चौटाला साहब ने सिर्फ एक डिपार्टमैंट के बारे में अपनी बात कही है यदि आप बार-बार उन्हें इस तरह से बीच-बीच में इंट्रप्ट करेंगे और इस तरह से समय सीमा में बांध देंगे तो पार्लियामैंट्री डैमोक्रेसी के लिए आप कोई हैल्दी ट्रैडीशन नहीं डाल रहे हैं। यदि इस तरह से अपोज़ीशन लीडर का गला घोंट दिया जाएगा और वह भी उस पार्टी के लीडर का जो कि मेन अपोजीशन पार्टी है और जो स्टैपिंग करती है और यदि गवर्नमैंट कांफीडैंस लूज़ करती है तो अपोज़ीशन लीडर जो कि स्टैपिंग ओहदे पर बैठा हुआ है, उसका महत्वपूर्ण रोल है। अध्यक्ष

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री सम्पत सिंह]

महोदय, इस तरह से आप यदि लीडर आफ दि अपोजीशन को दस मिनट या आधे घंटे की समय सीमा में बांधकर रखेंगे और मुद्दों को इस तरह से टालेंगे, इस तरह की बातें करेंगे तो इस तरह की बातें करना शोभा नहीं देता है। बल्कि लोगों में बात आनी चाहिए and the Government should be ready to reply. अध्यक्ष महोदय, आप इनकी बात सुनें। अभी तो इन्होंने सिर्फ इरैगुलैरिटीज के बारे में बताया है which is the duty of the leader of the Opposition to tell about the irregularities. अपोजीशन लीडर की जिम्मेदारी होती है।

श्री अध्यक्ष : पहले आप यह बताएं कि have you sought the permission of the Chair ?

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, यह बात आज सारा देश देख रहा है। मैंने आपसे बाकायदा परमीशन ली है उसके बाद ही मैं बोला हूं। पहले तो आपकी मर्जी का कानून चला करता था लेकिन आज तो दुनियां देख रही है। मैंने परमीशन ली है आप रिकार्ड देख लें। अध्यक्ष महोदय, इसलिए आपको चाहिए कि आप लीडर ऑफ दि अपोजीशन को बोलने के लिए पूरा टाइम दें, यह डैमोक्रेसी का तकाजा है।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, अब आप बैठ जाइए।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि अपोजीशन चीफ मिनिस्टर के बाद शैडो चीफ मिनिस्टर होता है। शैडो चीफ मिनिस्टर को पूरा टाइम दिया जाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि you are to defend only the Government, Sir. ऐसा आपको नहीं करना चाहिए, मेरी आपसे यही सबमिशन है।

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि विश्वास प्रस्ताव बंसी लाल जी की सरकार ने हाउस में रखा है और विश्वास प्रस्ताव पर लीडर ऑफ दि अपोजीशन और दूसरे ग्रुप के पार्टीज के लीडर्ज पार्टिसिपेट करते हैं और उन्हें अपनी बात कहने के लिए यदि दस मिनट या आधे घंटे की समय सीमा में बांधा जाए तो सारी बातें सदन में नहीं आ सकती हैं। You are to conduct only one business i.e. the Confidence Motion which has been moved by the Leader of the House. आपने इस चर्चा के लिए दो घंटे का समय दिया है लेकिन यदि तीन या चार घंटे का समय भी इस चर्चा के लिए लग जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। यही मेरी सबमिशन है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने माननीय सदस्यों को बोलने देने के बारे में समय की बात कही है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि ये रिकार्ड निकलवा कर देख लें। विगत् तीन वर्षों से आप इस महान सदन के आदरणीय अध्यक्ष हैं। जितना समय आप हमारे माननीय सदस्यगण को बोलने के लिए देते हैं उतना समय आज तक किसी भी अध्यक्ष ने नहीं दिया।

Shri Birender Singh : This is the first time when there is a motion of Confidence moved by the Leader of the House. It is for the first time you are to set the convention about this important issue. इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता। आधा घंटा या एक घंटा फालतू समय भी लग जाएगा तो क्या फर्क पड़ता है ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह बात आप विपक्ष के नेता ओम प्रकाश चौटाला जी को समझाएं कि विपक्ष की भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। ये हमें बताएं, अच्छे रचनात्मक सुझाव दें। अपोजीशन एक दूसरे पर सिर्फ आरोप प्रत्यारोप के लिए नहीं होता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमें हमारी जिम्मेदारियों का अच्छी तरह से ज्ञान है। दलाल साहब हमें हमारी जिम्मेदारियों के बारे में समझा रहे हैं। ये खामखाह सदन का समय खराब न करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मेरे कहने का मतलब यह है कि सभी सदस्यों को आदरणीय अध्यक्ष महोदय द्वारा दिये गये समय का सदुपयोग करना चाहिए। अगर ये हमारे नेता या हमारे किसी साथी मंत्री पर आरोप लगाते हैं तो अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में जितने भी मुख्यमंत्री या मंत्री रहे हैं उनका अपना एक इतिहास है और इतने आरोप तो सभी पर लगते रहे हैं। जैसे इनके नेता किसी के बारे में जिक्र करके सदन का समय खराब कर रहे हैं उससे क्या फायदा। अगर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के पास अच्छे सुझाव हैं तो वे हमें बतायें, हमने अगर कोई गलतियां की हैं तो वे बतायें। अगर इनके पास इस बात का कोई सबूत है तो इसके बारे में इनको शिकायत दर्ज करानी चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आप पांच मिनट में कंक्लूड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कर्ण सिंह दलाल की बात से पूरी तरह से सहमत हूं। अगर वे गहराई से मेरी बात सुनेंगे तो उन्हें एक-एक लफ्ज का फायदा होगा, इसलिए आराम से सुनें। मुझे चिन्ता है मेरे प्रदेश की कि इस प्रदेश की कितनी बुरी हालत है। अध्यक्ष महोदय, आखिर हम हरियाणा प्रदेश की जनता के प्रति जवाबदेह हैं और हमसे भी ज्यादा जवाबदेह आप हैं। आपकी जिम्मेवारी ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम इस सरकार का गठन हुआ तो इस सरकार ने शराबबंदी की आड़ लेकर इस प्रदेश के लोगों पर 850 करोड़ रुपये के टैक्स लगाये। कोई भी ऐसी चीज नहीं छोड़ी जिस पर टैक्स नहीं लगाये हों। चाहे फूड ग्रेंज हो, चाहे कपड़ा हो, चाहे जनरल मरचेंटस हो, चाहे जूते की दुकान हो, चाहे दवाइयां हों, लकड़ी हो, या पत्थर हो। जिन लोगों ने रास्ते में ढाबे खोल रखे थे उन पर भी टैक्स लगा दिए, किसी ने अगर क्लीनिक खोल ली तो उस पर टैक्स लगा दिया। अगर किसी बेरोजगार टीचर ने प्राईवेट स्कूल खोल कर बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया तो उस पर भी टैक्स लगा दिया। कोई लाइसैंस ऐसा नहीं छोड़ा जिसकी रिन्यूवल फीस दस प्रतिशत से बढ़ाकर 500 प्रतिशत नहीं कर दी हो। अध्यक्ष महोदय, किसानों की फर्द के दाम बढ़ा दिए। इन्तकाल की फीस बढ़ा दी और तो और हिन्दू कोड बिल के तहत बाप के मरने के बाद उसकी जायदाद में बेटा और बेटी बराबर के हिस्सेदार होते हैं। परन्तु हमारी सभ्यता और संस्कृति के अनुसार बहन भाई का हक नहीं रखती है। बहन अदालत में जाकर दरखास्त दे देती थी और अदालत डिक्री कर देती है और बहन की जमीन भाई के नाम हो जाती थी। बहन और भाई का एक पवित्र रिश्ता कायम रहता था। लेकिन मौजूदा सरकार ने कानून बना दिया कि कोई भी जमीन जायदाद बिना रजिस्ट्रेशन के ट्रान्सफर नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, रजिस्ट्रेशन फीस को मौजूदा सरकार ने 15 प्रतिशत बढ़ा दिया। (विघ्न)

बागवानी और विपणन राज्यमंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक) : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस प्रकार की कोई डिक्री पास नहीं की है और सोनीपत लेबर कोर्ट भी ऐसी डिक्री पास नहीं कर सकती क्योंकि इससे राईट एट दी डैट टाईम ट्रांसफर होता है और उस समय स्टैम्प ड्यूटी रिक्वायर्ड होती है। इस वजह से कोर्ट ने डिक्री बन्द कर दी है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 15 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस बढ़ाई गई है। टैक्स लगाते हैं लेकिन उस टैक्स से विकास के कोई काम नहीं हुए हैं। शराबबन्दी की आड़ लेकर टैक्स लगाये गये, लेकिन बाद में शराबबन्दी को ओपन कर दिया परन्तु जो टैक्स लगाये थे वे वापस नहीं लिए गये।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, 15 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस बढ़ाने के लिए सरकार ने कोई आदेश नहीं दिए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * वजीर तो बन गया लेकिन सरकार से तो पूछ लिया होता कि बढ़ाये हैं या नहीं।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, शराब खोल दी गई और शराबबंदी की ऐवज में जो टैक्स जनता पर लगाये थे वे वापिस भी नहीं लिये गए। इसके अतिरिक्त मैं कहना चाहूंगा कि महाराजा अग्रसेन कालेज को सरकार की तरफ से कुछ ग्रांट मिलती थी वह भी बंद कर दी गई। एजुकेशन से संबंधित दूसरी ग्रांट्स भी बंद कर दी गई।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में सड़कों की हालत भी बहुत खराब है उनकी मुरम्मत नहीं कराई गई। सत्ता पक्ष के भाई कहते थे कि हम नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचायेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी कहते थे कि हम आगरा कैनाल का कंट्रोल तीन महीने में अपने हाथ में ले लेंगे लेकिन आज इनकी सरकार को बने तीन साल हो गये, आगरा कैनाल का कंट्रोल इनके हाथ में नहीं आया है। मेरे सत्ता पक्ष के भाई कहते थे कि एस०वाई०एल० नहर इन्होंने बनवाई थी और ये ही इसको शुरू करेंगे, लेकिन यह काम भी नहीं हुआ। जगन्नाथ जी कहते थे कि तौशाम का बहाड़ मोहर सिंह ने बनवाया था लेकिन अब उन्होंने ऐसी बातें कहनी छोड़ दी। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो आदमी हाउस का सदस्य न हो उसका नाम नहीं लेना चाहिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने हरियाणा की जनता पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाये। लेकिन इसके बावजूद भी तीन साल के अर्से में स्वास्थ्य सेवाओं में एक भी पी०एच०सी० और सी०एच०सी० नहीं बनी।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कैसे कह सकते हैं कि एक भी पी०एच०सी० नहीं बनी, पी०एच०सी० मेरे हल्के में बनी है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही कंक्लूड कर दूंगा लेकिन आप सांगवान साहब को बैठायें, मेरा समय वेस्ट हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश का औद्योगिक उत्पादन 1.1 प्रतिशत गिर गया और उद्योग राज्य से पलायन करके बाहर जा रहे हैं, लेकिन मेरे सत्ता पक्ष के भाई बड़ी-बड़ी डींग मारते थे कि ये हरियाणा प्रदेश में बड़े-बड़े कारखाने स्थापित करेंगे, एन०आर०आई० से सम्पर्क स्थापित किया जायेगा, बड़े-बड़े दावे किये गये थे, परंतु हुआ कुछ नहीं।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में खेती-बाड़ी की उपज में वृद्धि भी नगण्य है बल्कि तिलहन, दलहन, गेहूं आदि सभी फसलों की उपज में कमी आई है। जबकि हरियाणा प्रदेश की लाखों एकड़ भूमि बिना बोई रह गई, किसानों के खेतों में अब भी पानी खड़ा है लेकिन इस सरकार ने वह पानी निकालने का प्रयास नहीं किया। जिन किसानों के खेत में पानी खड़ा है उन किसानों को सरकार की तरफ से मुआवजा तक नहीं दिया गया, जबकि पंजाब सरकार ने ऐसे किसानों को 8-8 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया है। अध्यक्ष महोदय, अभी ताजा ही हमारे एरिया के किसानों ने नरमा कपास बोई थी। ओलावृष्टि के कारण किसानों की वह फसल खराब हो गई, इससे किसानों का काफी नुकसान

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

हो गया, लेकिन सरकार ने उनको मुआवजा नहीं दिया। जो किसान गन्ना बोते हैं उनके हालात आज ऐसे हो गये हैं कि मिल तक गन्ना पहुंचाने के लिए किराया भी किसानों को स्वयं देना पड़ता है। जबकि पहले शूगर मिल्ज द्वारा दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त में अगर सात महीने तक किसान का पैसा शूगर मिल की तरफ बकाया रह जाता था तो उस सात महीने का किसान को ब्याज मिलता था लेकिन आज दो-तीन साल तक के बकाया पैसे का भी किसानों को ब्याज नहीं मिलता।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की सरकार ने बाल्मीकि भाईयों के साथ भी बहुत ज्यादतियां की हैं। भारत सरकार ने 16 करोड़ रुपये मैला ढोने वाले लोगों को राहत देने के लिए सरकार को दिये थे लेकिन हरियाणा सरकार ने उस पैसे में से 10 करोड़ रुपये एच०एस०आई०डी०सी० को दे दिये ताकि बड़े औद्योगिक घरानों को उस पैसे का लाभ मिल सके और उस पैसे का इन बाल्मीकि भाईयों को कोई लाभ नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश को जो पैसा भारत सरकार से मिलता है आज वह भी लैप्स होता जा रहा है। मैचिंग ग्रांट के तहत 250 करोड़ रुपया हरियाणा प्रदेश का इसलिए लैप्स हो गया क्योंकि सरकार उसमें स्टेट के हिस्से का पैसा नहीं दे पाई। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जिप्सम पर भी सबसिडी बंद कर दी और हरियाणा प्रदेश में बहुत सी जमीन ऐसी है जिस पर पानी खड़ा रहता है। सारी जमीन सफेद हो गई थी। उन जमीनों को जिप्सम की सहायता से इस प्रदेश के किसानों ने मेहनत करके काश्तिलेकाश्त बनाया था तथा ये जमीनें सोना उगलने लगी थीं। लेकिन आज जिप्सम तथा बिजली इत्यादि की सबसिडी खत्म कर दी गई है। जहां तक प्रशासन की बात है, मैं कहना चाहूंगा कि आज प्रदेश के अंदर प्रशासन बिल्कुल निष्क्रिय एवं पंगु बन गया है। चारों ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मैं इस सरकार की किस-किस मद को लेकर चर्चा करूं ? (घंटी) मैं जल्दी ही अपनी बात पूरी कर लूंगा। आज भी सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि इस सरकार ने बहुत कुछ किया है, सरकार की उपलब्धियां गिनवाई जा रही हैं। लेकिन दूसरी ओर सिंचाई और बिजली की हालत को देखिए। आज नहरों में पानी नहीं है। सिंचाई के दाम दस प्रतिशत बढ़ा दिए गए हैं। टैक्स लगाए जा रहे हैं और उत्पादन घट रहा है।

आज प्रदेश के अंदर सड़कों की बहुत बुरी हालत है। कहां तो पहले हरियाणा प्रदेश में सड़कों की यह हालत होती थी कि जब भी कोई व्यक्ति दूसरे प्रदेश से इस प्रदेश के अंदर दाखिल होता था तो मुसाफिर को नींद आ जाती थी। दूसरी और आज इस प्रदेश के अंदर दाखिल होते ही मुसाफिर का सिर उसकी कार की छत में जाकर लगता है। पहले जब हरियाणा प्रदेश के अंदर रेल या हवाई जहाज से कोई सफर करता था तो पूरा हरियाणा जगमगाता हुआ दिखाई देता था। हरियाणावासियों का सीना भी गौरव से ऊंचा हो जाता था लेकिन आज जब कोई व्यक्ति रेल अथवा हवाई जहाज से इस प्रदेश में सफर करता है तो उसे 1965 जैसा "ब्लैक-आउट" प्रदेश में दिखाई देता है। कोई भी दिया टिमटिमाता हुआ दिखाई नहीं देता है। 30 जून, 1999 से प्रदेश में 24 घंटे बिजली देने के नाम पर हरियाणा की जनता को गुमराह कर रहे हैं। प्रदेश की जनता के गाढ़े पसीने की कमाई को ये अपनी कुर्सी बचाने हेतु बार-बार विधायकों को चेयरमैन और मंत्री पद देकर लूट रहे हैं। ये आज अपने चहेतों को मिनरल्ज और माईन्ज दे रहे हैं तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी जमीनों पर नाजायज कब्जे करवा रहे हैं। अभी हाल ही में 1800 सिपाही भर्ती करने का निर्णय लिया गया है। इस भर्ती का रेट प्रति सिपाही 2 लाख रुपए निर्धारित किया गया है। ये तो जाते-जाते भरपूर वसूली करना चाहते हैं।

श्री जगननाथ : अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं कि रेट बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन मैं कहता हूं कि अब तो रेट कम हुए हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अब मैं कुछ कहूंगा तो अटपटा सा लगेगा। लेकिन मुझे कहना पड़ता है। किसी गांव में बेचारा एक चौकीदार था, उसकी मृत्यु हो चुकी थी। उस चौकीदार का एक बेटा था। वह अपनी बेवा मां से पूछने लगा कि मां, गांव का नंबरदार मर गया है तो अब नंबरदार कौन बनेगा, मां ने कहा कि फलां आदमी बनेगा। बेटे ने पूछा कि अगर वह भी मर गया तो फिर नंबरदार कौन बनेगा ? मां ने कहा कि बेटा, फलां आदमी नंबरदार बनेगा। बेटे द्वारा कई बार पूछने पर आखिरकार मां ने बताया कि बेटा, चाहे सारा गांव मर जाए, लेकिन तेरा नंबर कभी नहीं आएगा। इसलिए इनके लिए वह बात दुबारा आने वाली नहीं है, चाहे ये कितने भी पांव क्यों न पकड़ लें।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब पहले भी कह रहे थे कि जगन नाथ को कलम कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि डिस्मिसल लीगली और कंस्टीच्यूशनली हुई है। वास्तव में बात यह है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में मंत्रीगण बहुत ज्यादा परिश्रम करते हुए थक जाते हैं इसलिए इन को छुट्टी पर भेज दिया जाता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि पूरे प्रदेश में आज प्रशासन और कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। सब कुछ ठप्प हो चुका है। आज नौकरियां नीलाम हो रही हैं। ट्रांसफरों के अन्दर पैसे खाये जा रहे हैं। आज प्रदेश में लूटपाट और चोरी व कत्ल हो रहे हैं। किसी का जीवन आज के दिन सुरक्षित नहीं है। मुख्य मंत्री प्रदेश की सम्पति लुटाने में लगा हुआ है। आज हरियाणा प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। इसलिए इस सरकार को नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए, अन्यथा इसको डिसमिस कर देना चाहिए। मैं इस विश्वास मत के खिलाफ अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से विरोध करता हूं और चाहता हूं कि इस सरकार को जल्दी से जल्दी चलता कर देना चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां) : अध्यक्ष महोदय, शायद 3 साल के इतिहास में पहली बार कांग्रेस पार्टी को बड़ी उत्सुकता के साथ इन्तजार हो रही है। हमारे कुछ सम्मानित सदस्य जो सदन में उपस्थित हैं और दूसरे लोग हैं उनको इस बात की खुशी है कि पीछे का जो 3 साल का समय बी०जे०पी० व एच०वी०पी० की सरकार का रहा है, वह ठीक नहीं रहा। यह सरकार गठबन्धन की सरकार अल्पमत की सरकार थी क्योंकि इस प्रदेश की जनता ने किसी भी पार्टी को पांच साल शासन चलाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं दिया था। बी०जे०पी० की सरकार, एच०वी०पी० की सरकार को जो बहुमत हासिल था वह निर्दलियों की वजह से था। निर्दलियों को लेकर ही यह सरकार बनाई गई थी। बंसी लाल जी की सरकार जो अल्पमत में आई वह इसलिए आई कि इस सरकार का एक प्रमुख घटक जो बी०जे०पी० था वह अलग हो गया। इसी वजह से गवर्नर महोदय ने एक नया इतिहास रचा और लीडर आफ दी हाऊस को यह कहा कि आपकी सरकार अल्पमत में आ गई इसलिए आप सदन में अपना बहुमत प्राप्त करें। इसी कड़ी में ओम प्रकाश चौटाला जी ने बड़े विस्तार से पिछले 3 साल तक जो सरकार इस प्रान्त में रही उसकी जो कमजोरियां थीं उनकी ओर सरकार का ध्यान दिलाया। इन्होंने एच०वी०पी० की सरकार बता कर ही अपना सारा ध्यान लगाया लेकिन ये भूल गए कि इस सरकार में जो एक प्रमुख घटक बी०जे०पी० था, जिसकी केन्द्र में भी सरकार थी, उनकी मिली जुली सरकार, यानि उनके गठबन्धन की सरकार थी वे भी बराबर के हिस्सेदार थे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) पिछली 3 साल की सरकार की विफलताओं का जो विवरण विपक्ष के नेता ने दिया उस टिप्पणी से मैं पूर्णतः सहमत हूं। लेकिन इसके पीछे इतिहास क्या है ? क्यों यह विचित्र स्थिति खड़ी हुई कि हरियाणा के लोगों ने जो राष्ट्रीय दल हैं चाहे वह कांग्रेस पार्टी है, चाहे भारतीय जनता पार्टी है उनको महत्वपूर्ण न मानकर या उनके गठबन्धन को

महत्वपूर्ण न मानकर ऐसी सरकार बनाने के लिए अपना मैण्डेट दिया जिससे कि मैं यह कहता हूं वह सरकार बहुमत की सरकार नहीं थी उसमें 2-3 मुख्य कारण थे और उस कारण की जननी उस समय की राजनीतिक दल का गठबन्धन भारतीय जनता पार्टी या हरियाणा विकास पार्टी का नहीं बल्कि उनकी जननी चौ० ओम प्रकाश चौटाला की अपनी पार्टी थी, इनके पिता श्री थे जिन्होंने इस हरियाणा की जनता को सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नारे दिए जिससे कि जनता यह समझ बैठी कि जो नारे किसी राजनीतिक दल के नेता का कोई कद है उसके मुताबिक वह नारा भी लगाता तो शायद उसमें सत्यता होती। यहां तक नारे लगे कि मुझे जिताओ, मुझे केन्द्र में भेजो मुझे हरियाणा की सत्ता सौंपो, मैं ऐसी नोट बनाने की मशीन दूंगा जिसे आप एक दिन अपने गांव में रखोगे और जितने नोट जिसको जरूरत हो, वह हासिल कर लेगा और उस प्रथा का बी०जे०पी० और हरियाणा विकास पार्टी के नेताओं ने चुनाव के समय पालन किया। उन्होंने सोचा कि इतने सस्ते नारों से अगर हरियाणा की जनता को अपनी तरफ आकर्षित किया जाता है तो हम क्यों न वह नारे लगाएं ? वे नारे लगे। शराब बन्दी होगी, कोई एक पव्वा लेकर आ जाए या लाते हुए पकड़ा जाए तो हम राजनीति से सन्यास ले लेंगे। चुंगी बी०जे०पी० का नारा था। हमें सत्ता सौंपो हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम हरियाणा में बंसी लाल से गठबन्धन करके चुंगी खत्म कर देंगे। चुंगी ओवरद्राय नाम की कोई चीज नहीं बचेगी। हरियाणा के नौजवानों से वादा किया कि हमें मौका दो हम हर घर में नौकरी देंगे, आपको गैस के कनैक्शन देंगे, आपको बसों के परमिट देंगे, गैस एजैन्सिज देंगे। कोई आदमी ऐसा नहीं बचेगा जिसकी यह गुहार हो कि मैं बेकार या बेरोजगार हूं। इन नारों से हरियाणा की जनता में यह चीज घर कर गई और जिसे मैं पिछले 15 सालों से देख रहा हूं कि जो नेता सस्ते से सस्ते और लुभावने नारें दें, सस्ती लोकप्रियता के नारे दें, उन नारों से प्रभावित होकर उन्हीं नेताओं को जनता सत्ता सौंपती रही है, उन नेताओं को राजनीतिक तौर पर यह मोहर लगाती है कि आपको हम अख्तियार देते हैं कि आप हरियाणा में राज करो। उपाध्यक्ष महोदय एक-एक करके आप उनको गिनो तो वे सारे नारे फेल हो गए और इन नारों के फेल होने की वजह हम यह नहीं मानते कि सरकार ने प्रयत्न नहीं किए। नारों की नाकामयाबी की वजह थी कि गठबन्धन की सरकार तालमेल से इस देश में चल ही नहीं सकती। इस देश के इतिहास में कोई ऐसा प्रान्त नहीं है जिसमें गठबन्धन की सरकार ने पूर्णतः सफलता हासिल की हो। मैं मानता हूं कि बंगाल के अन्दर गठबन्धन की सरकार है। लैफ्ट पार्टी के 3-4 छोटे-छोटे इन-सिगनिफिकैन्ट सी०पी०एम० के महत्वहीन घटक हैं, इसलिए उनके वहां गठबन्धन की सरकार कामयाब है। लेकिन ऐसे कई प्रान्त हैं जहां इस तरह की सरकारें बनीं लेकिन उन्होंने अपना समय पूरा नहीं किया। कोई 6 महीने में, कोई 3 साल में और कोई 2 साल में गिर गई। इसी कारण आज हम इस स्थिति पर हैं। क्योंकि सरकार की जो दिशा है उस दिशा पर सरकार काम नहीं कर सकती। मैं बड़े अदब से कहना चाहता हूं कि इस सदन में जब हम शुरू-शुरू में पहले या दूसरे सदन में आए, एक बड़े अधिकारी के ऊपर इल्जाम था कि भजन लाल सरकार के जाने और बंसी लाल सरकार के आने के बीच की अवधि में कई दर्जन बड़ी-बड़ी लीज बिना किसी कानून कायदे के आवंटित कर दी गईं। मुख्य मंत्री का पहला कदम था कि उस अफसर को सस्पैंड किया गया। मैंने इनकी तारीफ की थी मैंने यह भी कहा कि मैं यह नहीं समझता कि आप गठबन्धन की सरकार में आकर इतने भीरू बन सकते हैं कि आप अपने ही फैसले को 3 दिन में बदलने पर मजबूर हो जाते हैं। ऐसे कैसे सरकार चलेगी ? राजस्थान के हमारे एक एम०एल०ए० नरेन्द्र भाटी को उन्हीं दिनों रिवाड़ी में इसलिए गिरफ्तार किया गया कि वे राजस्थान में बैठकर भैरोसिंह की मिनिस्ट्री को बचा रहे थे और उस पर शराब के मुकद्दमे भी बनाए गए। ये कारगुजारियां हुई और क्यों हुई क्योंकि भारतीय जनता पार्टी सरकार को अपने दबाव में लेकर एक दिशाहीन सरकार बनाकर छोड़ गई। कोई मुद्दों पर मतभेद होते या पोलिसीज़

[श्री बीरेन्द्र सिंह]
पर मतभेद होते तो हम भी इस बात की सराहना कर सकते थे लेकिन ऐसा नहीं है। श्री राम बिलास शर्मा जी उस दल के नेता थे जब भारतीय जनता पार्टी यह कहती थी कि बंसी लाल जी की हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० का गठबन्धन कोई सत्ता के लिए नहीं है, हम सत्ता लोलुप नहीं हैं, हम सत्ता के लालची नहीं हैं बल्कि यह तो आत्माओं का गठबन्धन है (विघ्न) लेकिन आत्मा का मिलन तो मरने के बाद होता है, उसे आत्मा की मिलन की बात कहते थे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या वह आत्माओं का मिलन था। हिन्दू संस्कृति के मुताबिक तो आत्मा कभी मरती नहीं है, इनकी वो आत्मा आज कहां ट्रांसफर हो गई ? आज वह आत्मा बंसी लाल जी से ट्रांसफर हो कर चौटाला साहब के पास चली गई है (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, वह आत्मा इधर से उधर प्रवेश कर गई है। उस आत्मा ने शरीर बदल लिया है। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आपसी मतभेद हो सकते हैं और यह मतभेद मुद्दों के आधार पर, नीतियों के आधार पर हो सकते हैं और उन मतभेदों का फैसला करने के लिए समय भी आ सकता है। आपने समय लिया और जब चौटाला साहब ने आपसे इशारा किया कि वे गठबन्धन के लिए इन्ट्रस्टिड हैं। मैं इनके साथ को ऐश्योर करने के लिए सबूत की थोड़ी सी झलक यहां हाउस में रखना चाहूंगा। चौटाला साहब को लोकसभा के सदस्यों को बार-बार कहना पड़ा कि उनके पास ऐसी करन्सी नहीं जो चौटाला को खरीद सके। उपाध्यक्ष महोदय, यह इनका अपना ब्यान था, मैं अपने आप से कुछ नहीं कह रहा हूं। जो पार्टी किसानों की हितैषी पार्टी न हो, जो गरीबों की हितैषी पार्टी न हो चौटाला साहब की पार्टी उसको कभी समर्थन नहीं देगी और कभी समर्थन नहीं कर सकती।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने मेरे मुताल्लिक और मेरी पार्टी के मुताल्लिक जिक्र किया है। मैं आज भी इस बात को दोहराता हूं कि विश्व के स्तर पर आज भी कोई ऐसी करन्सी नहीं बनी जो हमें खरीद सके । (विघ्न एवं शोर) हमने अपना निर्णय तब बदला जब कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता ने यह निर्णय ले लिया कि कांग्रेस पार्टी अपने तौर पर वैकल्पिक सरकार केन्द्र में बनाएगी और उस सरकार की मुखिया श्रीमती सोनिया गांधी होंगी, तब हमने यह कदम उठाया। हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं। हमारा देश नेपाल की तरह हिन्दू राष्ट्र नहीं है लेकिन इस देश के 100 करोड़ नागरिक, चाहे वे हिन्दू हों, चाहे सिख हों, चाहे मुसलमान हों और चाहे इसाई हों, अपने देश की आन-बान और मर्यादा के लिए किसी विदेशी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम किसी विदेशी को इस देश का प्रधान मन्त्री मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उन परिस्थितियों में जब कि परमाणु विस्फोट के बाद भारतवर्ष सातवीं परमाणु शक्ति के रूप में उभरा है हम किसी विदेशी महिला के हाथ में न्यूक्लीयर बमों का बटन दे कर भारतवर्ष की अस्मिता और स्थिरता को खतरे में नहीं डाल सकते। (विघ्न)

एक आवाज : श्रीमती सोनियां गांधी विदेशी नहीं है (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हां, वह विदेशी है आप * * की बात करते हैं (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात पूरी होनी चाहिए आपने मुझे पर्सनल एक्सप्लेनेशन के लिए समय दिया है। मैं इनको यह बताने जा रहा हूं कि यह बात सिर्फ मैं ही नहीं कह रहा हूं महीना भर पहले तक जो दिग्गज कांग्रेसी सोनिया को अपनी * * * * कहा करते थे आज वे भी कहते हैं कि सोनिया विदेशी है। इसी बात को ले कर कांग्रेस बाइफर्केट हुई है और कांग्रेस पार्टी दो धड़ों में बंटी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कह रहा हूं कि इसी सदन में बैठे हुए सदस्यों में से पता नहीं कौन किस कांग्रेस में जाएगा। (विघ्न एवं शोर) (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब ने जो शब्द कहा है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न) इन्होंने सोनिया गांधी जी को जो बुआ कहा है वह भी कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणवी में बुआ शब्द बहुत ही आदरणीय शब्द है। यह संसदीय शब्द है। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है। (विघ्न) मेरे को चाहे बुआ जी कहो, चाहे माता जी कहो मुझे कोई एतराज नहीं है। मैं तो सिर्फ एक बात कहना चाहती हूं कि जो व्यक्ति सदन में उपस्थित नहीं है अपनी बात नहीं कह सकता है उसके बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए उसका नाम नहीं लेना चाहिए। ये अपनी बात का जवाब देने की बजाए एक नया ईशू सदन में लाना चाहते हैं जोकि कंट्रोवर्शियल है। मैं तो यह कहती हूं कि जो सोनिया जी को विदेशी कहते हैं वे भारतीय संविधान की और भारतीय संस्कृति की बेइज्जती करते हैं। सोनिया जी को बीच में क्यों लाया जाता है। मेहरबानी करके चौटाला जी यह बताएं कि बी०जे०पी० वाले चुनाव अलग लड़ रहे थे और आप अलग लड़ रहे थे तो बी०जे०पी० के बारे में आपकी क्या राय थी। जो अब आप बार-बार * * * * जी का नाम लेते हो।

श्री अध्यक्ष : यह जो सोनिया जी का नाम लिया है यह एक्सपंज कर दिया जाए क्योंकि वे सदन की सदस्य नहीं हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप भी अपनी पार्टी के मैम्बर्ज से कहें कि वे भी चौधरी देवी लाल जी का नाम न लें।

श्रीमती करतार देवी : मैं कब कहती हूं कि उनका नाम लें। अगर किसी ने नाम लिया है तो आप उसको भी कार्यवाही से निकलवा दें लेकिन सोनिया गांधी जी के लिए इतना आपत्ति-जनक शब्द इस्तेमाल करेंगे तो हम उसको अपोज करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

विश्वास प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप कन्टीन्यू करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा, मैंने यह कहा कि चौधरी देवी लाल जी ने उनके कद के मुताबिक जो नारे हरियाणा की जनता को दिए और जनता ने उन नारों पर विश्वास किया।

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैंने भी कांग्रेस अध्यक्ष कहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपने सोनिया जी का नाम लिया है। (विघ्न) मैं आप सब से यह कहना चाहूंगा कि कंट्रोवर्सी को अवाईड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो इंडियन करन्सी का जिक्र किया था। इन्होंने तो यह कहा था कि कोई भी इन्टरनैशनल करन्सी ऐसी नहीं बनी है जो चौटाला को खरीद सके। अध्यक्ष महोदय, इस बात में सत्यता है। लेकिन मैं इनको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि समर्थन वोट देने के समय दिया था। यह सवाल बाद में आया था कि अगर कांग्रेस क्लेम स्टेक करती है तो प्रधान मंत्री कौन बने वह बाद का समय था। यह यहां पर गलत ब्यानी कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सपलेनेशन है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप भी इनके ऊपर बात कहते हैं, आप भी वैसा न कहें तो ठीक रहेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुन लीजिए। अध्यक्ष महोदय, यह बात जग-जाहिर है कि जब हमने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में समर्थन दिया था तब वोट बक्सों में बंद था और आपको याद होगा जब खाद के दाम बढ़े थे, राशन के गेहूं और चावल के दाम बढ़े थे तब हमने समर्थन वापिस भी लिया था। हमने दोबारा यह भी कहा था कि हम भारतीय जनता पार्टी को समर्थन नहीं देंगे लेकिन साथ-साथ यह भी कहा था कि हम कांग्रेस को कतई समर्थन नहीं देंगे। (विघ्न) आप समर्थन मांगने वाले नहीं हैं आप तो समर्थन देने वाले हो और आज भी देने जा रहे हो। (इस समय मेजें थपथपाई गईं।)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बात कही है वह चौटाला जी ने रेडियो पर नहीं बल्कि टैलिविजन पर कही थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं यह बात अब भी कह रहा हूं। आप यह बताएं कि आप चाहते क्या हैं ?

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी आप बैठ जाएं। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * * ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी जो कुछ भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो उन्हीं शब्दों का उच्चारण कर रहा हूं जो इन्होंने कही हैं। (विघ्न)

श्री वीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आप बैठें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम यहां पर अपने अधिकार से हैं किसी के रहमो करम से नहीं हैं। (विघ्न) अगर मेरा नाम यहां पर लिया जाएगा तो मैं बार-बार बोलूंगा ही। मेरे बोलने के अधिकार से आप मुझे कैसे वंचित कर सकते हैं ?

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : उन्होंने आपका नाम नहीं लिया है इसलिए अब आप बैठिए।

श्री बीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं। पहले तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह आल इंडिया रेडियो से बोला करते थे लेकिन आज वे बी०बी०सी० से बोल रहे हैं। आज पता नहीं इनको क्या हो रहा है ? ये आदमी तो बढ़िया हैं पर हालात इनको ऐसा बोलने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता था कि जब चौटाला जी ने समर्थन वापस लिया था तो इन्होंने हरियाणा के किसानों के हित की बात, गरीबों के हित की बात कही थी कि जो सरकार यूरिया के किलो के हिसाब से दाम बढ़ाती है, जो सरकार गेहूं और चावल के दाम बढ़ाती है वह सरकार किसान विरोधी, गरीब विरोधी है। इसलिए ही इनकी पार्टी ने तब उनको समर्थन नहीं दिया था लेकिन बाद में जब समर्थन देने की बात आयी तो पुनर्विचार, पुनर्राष्ट्रीय हित पता नहीं इनका "पुनर" पर इतना जोर क्यों था कहा नहीं जा सकता ? (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। मैं यह बात बहुत दफा पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं और अब फिर स्पष्ट कर रहा हूं। मैंने जहां यह कहा था कि हम इनको समर्थन नहीं देंगे वहां मैंने यह भी कहा था कि कांग्रेस को भी हम समर्थन नहीं देंगे। जहां तक ये पुनर्मिलन की बात कर रहे हैं तो मेरा ख्याल है कि इनका निशाना कहीं और है, निगाहें कहीं हैं लेकिन ढालकर ये मुझ पर कह रहे हैं इसलिए मुझे इनकी बात पर कोई आपत्ति नहीं है। तीन साल पहले उन्होंने मजे लूट लिए अब इनकी मर्जी ये भी लूट लें।

विश्वास प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समय से ही कांग्रेस की एक विचारधारा रही है और वह विचारधारा यह रही है कि कांग्रेस ने राष्ट्रवादी और वह भी प्लूरल नेशनेलिज्म की बात कही है, बहु राष्ट्रवादिता की बात कही है और बहु राष्ट्रवाद का प्रतीक यह है कि इस देश के अंदर अगर सौ करोड़ लोग बसते हैं और यदि उनमें से बीस करोड़ लोग अल्पसंख्यक यानी क्रिश्चयन, जैन, सिख, मुस्लिम समुदाय के भाई हैं तो उनको भी इस देश के संविधान के अंदर सारे अधिकार हैं वह भी इस देश के उतने ही गौरान्वित नागरिक हैं जितना हिन्दुत्व का ठेका उठाने वाला हमारा कोई दूसरा भाई है। लेकिन स्पीकर सर, यह इनकी संकीर्ण भावना का ही परिचायक है कि श्रीमती सोनिया गांधी, जिन्होंने 32 साल पहले जिस दिन इस देश के नागरिक से, इस देश के पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी से विवाह किया, उसी दिन वह इस देश की बहु बन गयीं तथा इस देश की संस्कृति में रच गयीं। परन्तु इनके द्वारा इस बात को उठाना इनकी छोटी भावना का ही परिचायक है और कांग्रेस पार्टी हमेशा इसी विचारधारा के विरोध में रही है कि हमारे जो बी०जे०पी० के भाई अल्ट्रा नेशनेलिज्म की बात करते हैं या जिनकी पार्टियां जातिवाद पर आधारित हैं जैसे आई०एन०एल०डी० ऐसी पार्टियों के बारे में कांग्रेस हमेशा हरियाणा की जनता को खबरदार करती रही है कि ऐसी पार्टियों को कभी भी मौका नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस हमेशा इस विचारधारा को लेकर लड़ती रही है। स्पीकर सर, बदकिस्मती से हमारी

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

स्लिंग पार्टी ने भी तीन साल तक इनके साथ रहने का तजुर्बा हासिल किया होगा। ऐसी पार्टियां जाति के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करती है ऐसी पार्टियां धार्मिक उन्माद पैदा करके इस देश को तोड़ने की कोशिश करती हैं इस देश के सामाजिक ताने बाने को तोड़ने की कोशिश करती हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ऐसी पार्टियों का विरोध किया है और आज भी हम यह कहते हैं कि हम हरियाणा के अंदर कोई ऐसी परिस्थिति नहीं बनने देंगे जिसमें जातिवाद और साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिले। इस फिलोस्फी के साथ हमेशा कांग्रेस समर्पित रही है और यही एक कांग्रेस की ताकत रही है कि गरीब आदमी को भी कांग्रेस पार्टी में संरक्षण नज़र आता है उसको यह नज़र आता है कि इस देश के अन्दर कांग्रेस पार्टी अगर सत्तासीन है तो कांग्रेस पार्टी उन शक्तियों से लड़ती रही है जो शक्तियां इस देश के अन्दर जाबर हैं, जो तगड़ी है और लोगों का शोषण कर सकती हैं। यही कांग्रेस की शक्ति का प्रमाण है। हमने कभी यह नहीं कहा कि चौटाला साहब राजस्थान से चलकर चौटाला गांव में आये। अगर ये 100 साल पहले आ गये होंगे तो श्रीमती सोनिया गांधी 30 साल पहले आई। 100 साल पहले आने वाले नागरिक को अगर हम यह कहें कि ये राजस्थान से हैं और हरियाणा के लोगों इनसे बचना कि ये हरियाणावी नहीं हैं, इनके तो रीति-रिवाज़ भी और हैं। (शोर) इसलिये इनकी यह तो कोई दलील नहीं है कि श्रीमती सोनियां गांधी विदेशी हैं। अध्यक्ष महोदय, हमें इसीलिये दुःख होता है कि ऐसी परिस्थिति हरियाणा में जब बनती है कि हरियाणा के अन्दर ऐसी ताकतें हैं जो साम्प्रदायिकता के आधार पर अपनी जड़ें मज़बूत करना चाहती हैं, जातिवादियों से सहारा लेकर अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती हैं उन पार्टियों ने हरियाणा की जनता का तीन साल तक शोषण किया और अगर इनका कोई नीतिगत मतभेद था तो फैसला ले लेना चाहिए था लेकिन कम से कम इतना तो सब्र करते कि इस वक्त हमारा देश संकट में है और देश की सीमाओं पर शत्रु छः-छः किलोमीटर, 8-8 किलोमीटर अन्दर घुस आया है। मुझे तो कई बार ताज्जुब होता है कि इस सरकार को पोखरन में आणविक विस्फोट करने की क्या जरूरत थी और दुनिया को यह कहा कि यह काम श्री अटल बिहारी वाजपेयी और भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है और हमने कर के दिखाया। जब कि यह काम 26 साल पहले श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने करके दिखाया था लेकिन उस समय उन्होंने यह सिद्ध करने की कोशिश की थी यह जो पोखरन का विस्फोट है, यह हम ने अपने तकनीकी ज्ञान और साइंटिफिक इम्प्रूवमैन्ट के लिये तथा मानव जाति की भलाई के लिये किया और विश्व के अन्दर एक संदेश गया कि जो भारत देश है वह एक परमाणु शक्ति है। अध्यक्ष महोदय, गांव में भी अगर कोई बड़ा चौधरी हो, वह अगर छोटी-छोटी बातों पर लोगों से पंगे लेना शुरू कर दे तो जिस दिन कोई उससे उलझ जाएगा तो उसकी औकात का पता लग जाता है। इसलिये परमाणु विस्फोट करने की क्या जरूरत थी, हमने तीन विस्फोट किए तो उन्होंने पांच विस्फोट किए। आज वही पाकिस्तान जिसकी हिन्दुस्तान के सामने कोई सैनिक शक्ति नहीं है, उसने आज यह सिद्ध कर दिया कि हमारे पास भी परमाणु शक्ति का जवाब है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यहां परमाणु विस्फोटों का बहुत भारी जिक्र हो रहा है कि किसने परमाणु विस्फोट किए और कितने किये लेकिन आज कौन सा विस्फोट होने जा रहा है, उसका भी तो ये जिक्र करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं विस्फोट की बात इसलिये कर रहा था कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने एक ओर जहां पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के साथ मित्रता के सम्बन्ध स्थापित करने की कोशिश की वहां दूसरी ओर गुप्तचर विभाग की खबरें हैं कि सिर्फ 800 मर्सनरिज़ और पाक एडिड सैनिक जो हाईटस पर बैठे हैं उनके साथ लड़ते हुये हम अपने 175 सिपाही खो चुके हैं और 250 से ज्यादा सिपाही जख्मी हो चुके हैं। इसकी जिम्मेवारी किसकी है, यह सरकार इससे लोकप्रियता हासिल करना चाह

रही है। देश भक्ति के लिये कोई कार्य हो तो हम उसकी सराहना करेंगे, प्रशंसा करेंगे लेकिन सिर्फ अपनी लोकप्रियता हासिल करने के लिये हम देश को एक्सपोज़ कर दें तो गलत बात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये सैन्टर की बात कर रहे हैं और श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की बात कह रहे हैं तो क्या ये बताएंगे कि पोखरन टैस्ट्स जिसने इस देश को सारे विश्व भर में सातवीं शक्ति बनाया, उन पोखरन टैस्ट्स का ये विरोध कर रहे हैं, क्या इस तरह का ही इनका कल्चर है। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, पोखरन विस्फोट से भारत सातवीं या छट्ठी परमाणु शक्ति नहीं बना। भारत देश परमाणु शक्ति पिछले 25 साल से है। आपने हमारी परमाणु शक्ति का प्रदर्शन करके दुश्मनों की निगाहें और पैनी कर दीं और आठ सौ आदमी हमारे देश की सीमाओं पर घुस आए। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह उन जवानों की भावनाओं का निरादर है। पूरा देश इस समय कारगिल की लड़ाई लड़ रहा है, ये हरियाणा के शहीदों की बात का निरादर है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह विदेश नीति पर बोलें। परन्तु इस लड़ाई के बारे में इस तरह से न बोलें। इस लड़ाई के बारे में इनकी नेता भी कह चुकी हैं। निरादर इस बात पर भी है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर इनको इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से मैं दरख्वास्त करूंगा कि इनको उधर जाना हो तो जाएं लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर न बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, सारा हाउस इस बात से सहमत होगा कि कारगिल में जवान लड़ाई लड़ रहे हैं और बीरेन्द्र सिंह जी यह बात कह रहे हैं कि इस लड़ाई के लिए जिम्मेदार कौन है ? मैं कहना चाहूंगा कि कारगिल में हो रहे युद्ध जैसी स्थिति के बाद आप जिम्मेदारी तय कर लेना लेकिन अभी तो इस मामले पर सभी को सहमति प्रकट करनी चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी नेता ने यह कहा कि जो घुसपैठिए हैं उनको खदेड़ने के लिए यह सरकार जो भी कदम उठाएगी कांग्रेस पार्टी उनके उस कदम का समर्थन करती रहेगी और तब तक करती रहेगी जब तक कि घुसपैठिए पूरी तरह से उस क्षेत्र से खदेड़ नहीं दिये जाते। मैं यह कह रहा हूं कि जब कि 25 परसैंट से ज्यादा कैजुएलिटीज हमारे प्रान्त में हैं जहां हम गौरवान्वित हैं कि सबसे पहले हमारे हरियाणा के सेनानी हरियाणा के जवान मुठभेड़ में आगे थे चाहे वे ग्रेनेडियर्स हों, चाहे राजपूताना रायफल्स के हों, चाहे जाट रेजिमेंट के हों, इस सरकार की नीति से हम अपने सैनिकों को हाथ बांधकर मरवाना नहीं चाहते। हम केन्द्र की सरकार की इस नीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो एक तरफ यह कहती है कि एल०ओ०सी० को क्रॉस नहीं करो और दूसरी तरफ यह कहती है कि इनको भगाओ भी। आज देश यह मांग करता है कि अगर उनके इरादे इतने खतरनाक हैं तो हमें चाहे एल०ओ०सी० को क्रॉस भी करना पड़े तो करना चाहिए और जनरल मलिक भी यही कहते हैं कि हमको एल०ओ०सी० को क्रॉस भी करना पड़ा तो हमको पीछे नहीं रहना है। मैं तो यह बात भी कहता हूं कि जब देश ऐसी विकट स्थिति में है युद्ध जैसा वातावरण है तो आपको बंसी लाल जी की सरकार से समर्थन वापस लेने की इस वक्त क्या जरूरत पड़ी, आप हमें तो कहते। अब आप यह बात क्यों कह रहे हैं ? आप महीने दो महीने इंतजार नहीं कर सकते थे ? क्या आप सत्ता प्राप्ति के लिए ऐसे उतावले थे ? चौटाला साहब के साथ गड्ड मड्ड कर रहे थे कि कैसे सरकार को गिराया जाए ? यह सरकार गिरती है या नहीं गिरती है परन्तु हम हरियाणा प्रदेश के अंदर किसी ऐसी सरकार को नहीं बनने देंगे जो जातिवाद या सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन। बीरेन्द्र सिंह का मन तो साफ है ही नहीं।

श्री अध्यक्ष : आप पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन के बारे में बताएं ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी तरफ आंख काढ के न देखा करें। यह मुझे अच्छा नहीं लगता है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह को पता नहीं मुझसे क्या पीड़ा है। मैं तो बर्दाश्त कर लूंगा लेकिन जिनको आप समर्थन करने जा रहे हैं उस व्यक्ति को जब 1977 में कांग्रेस से निष्कासित किया गया था (विघ्न)

Mr. Speaker : Chautala ji, please give your personal explanation otherwise, I will have to ask you to take your seat.

Shri Om Parkash Chautala : Speaker Sir.....

Mr. Speaker : Please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेनशन दे रहा हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जो चौटाला साहब कह रहे हैं उसको रिकार्ड न किया जाये। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप बोलिये।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सर, मैंने सिर्फ यह कहा है कि आज देश में युद्ध जैसी विकट स्थिति बनी हुई है। मेरे कहने का भाव सिर्फ यह था कि ये थोड़ा इंतजार कर सकते थे। बाकी हरियाणा की रवायत रही है। (विघ्न)

श्री ओ. प्रकाश चौटाला : * * *

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंह : चौटाला साहब का मैं इस बात के लिए सम्मान करता हूं कि जहां-जहां शहीद हुए ये वहां पर गये। मैं कहता हूं कि यह उनका बड़प्पन है। यह उनकी अच्छाई है। जो सही बात होगी वह तो कही ही जायेगी और लोग भी उसको सही कहेंगे। इन्होंने एक घण्टे के भाषण में यही बात कही है कि इस सरकार ने पिछले तीन सालों में कितने कहर ढाये हैं। कहर ढाने में इनकी कितनी भूमिका होती थी इनको इस बात का पता नहीं है (विघ्न) मैं तो अध्यक्ष महोदय, यह कह सकता हूं कि हम यह कह रहे हैं कि सरकार को समर्थन देंगे। हम यह नहीं कह रहे कि सरकार का पूरा टैन्योर समर्थन करेंगे। हमारा कहना यह है कि हरियाणा के अन्दर ऐसी स्थिति न बने कि जहां जातिवाद और साम्प्रदायिक ताकतें मिलकर सरकार बनाने का प्रयास करें। मुझे तो वह दिन अच्छी तरह से याद है जब चौटाला साहब मुख्य मंत्री होते थे तो कहा करते थे कि जब एक हजार और दो हजार आदमी इकट्ठे होकर यह न कहें कि चौटाला आ गया, चौटाला आ गया तब तक कोई बात नहीं बनती।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * *

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब ने जो कुछ कहा या कहेंगे, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * *

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यहां तक कहूंगा कि भ्रष्टाचार, ज्यादतियां, जुल्म कोई सरकार अगर करेगी तो चाहे हम विपक्ष में बैठें हों, चाहे सत्ता पक्ष में बैठें हों जुल्म करने वालों के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ेंगे। मैं तो यहां तक कहता हूं कि जो मुख्यमंत्री सत्ता का केन्द्रीयकरण करेगा हम उसका विरोध करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं। जो कड़वाहट पैदा करेगा, रीजनल इम्बैलेंस पैदा करने की कोशिश करेगा हम उन शक्तियों से लड़ेंगे। जो जनता के लिए इन्साफ नहीं करेंगे हम उनके खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। चौटाला साहब ने कहा कि जो बिजली का वायदा किया था वह पूरा नहीं किया। मैं यह मानता हूं कि बिजली का वायदा सबसे लाईट डोज थी। बड़ी डोज तो यह थी कि हम प्रोहिबीशन को लागू 18.00 बजे करेंगे। स्पीकर सर, पता नहीं कितने हजारों, लाखों रुपये उन पोस्टरों और होर्डिंग्ज पर इन्होंने खर्च किये। जहां जिस सरकार में बिल न हो और बिल न होने का सबसे बड़ा कारण कई दलों को मिलाकर बनाने वाली ऐसी सरकार जिसमें महाजन जी जैसे लोग यह कहें कि बी०जे०पी० तो उसका मायका है और एच०बी०पी० उसका पीहर है। अध्यक्ष महोदय, जिस दल में ऐसे लोग हों उस दल में ऐसी स्थिति होना स्वाभाविक है और मैं नहीं मानता कि अगर आज हम समर्थन कर भी दें तो ज्यादा दिन यह सरकार चल पायेगी। मैं साफ कहता हूं कि हरियाणा की जनता चुनाव चाहती है। (शोर एवं व्यवधान) हरियाणा की जनता चाहती है कि हरियाणा विधान सभा के चुनाव लोक सभा चुनावों के साथ हों ताकि गरीब जनता पर दो बार चुनाव का भार न पड़े। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता यह भी नहीं चाहती कि ऐसी परिस्थितियां पैदा हों कि सरकार बने और चार दिन बाद फिर गिर जाए, चार को निकाल दिया और 2 को रख लिया। कांग्रेस भी ऐसी स्थिती की पक्षधर नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हम यह भी नहीं चाहेंगे कि हरियाणा में साम्प्रदायिक और जातिवादी ताकतों को सरकार बनाने का मौका मिले। साम्प्रदायिक और जातिवादी ताकतों से हरियाणा की जनता की रूह कांपती है। स्पीकर सर, आज हरियाणा की गरीब जनता को प्रोटेक्शन की जरूरत है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि हरियाणा की जनता चाहती है कि हरियाणा विधान सभा के चुनाव भी लोक सभा के चुनावों के साथ हों। इस बारे में मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी से पूछना चाहूंगा कि वे अपनी स्थिति भी स्पष्ट कर दें।

श्री वीरेन्द्र सिंह : आप लोग तैयारी करें चुनाव जल्दी ही होंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्र निवेदन है कि हरियाणा की जनता को झूठे और होपलैस नारों से बचाया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि हरियाणा की राजनीति में परिवक्वता और मैजोरिटी आये तथा जनता की समस्याओं का समाधान सही ढंग से हो। जो पार्टी यह सब कुछ कर सकती है उसी पार्टी को आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। उस पार्टी को हरियाणा की जनता भी अपने साथ लेकर चलेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी नहीं चाहती कि हरियाणा में इन परिस्थितियों में ऐसी ताकतों की सरकार बने जिससे हरियाणा में अव्यवस्था हो जाये। जो साम्प्रदायिक ताकतें लॉ एंड आर्डर की दुहाई देती हैं अगर उनको सरकार बनाने का मौका मिल गया तो हरियाणा में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रहेगी। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब जब मुख्यमंत्री थे तब यह कहते थे कि हरियाणा पुलिस तो अलग है मैं अपनी ऐसी पुलिस 4-5 हजार लोगों की बनाऊंगा जो लोगों की अक्ल ठीक कर दे। ऐसी परिस्थितियों में कांग्रेस कभी भी जातिवादी और साम्प्रदायिक ताकतों का साथ नहीं देगी। जो ताकतें हरियाणा की कानून व्यवस्था को बिल्कुल चरवाद कर सकती हैं

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री बीरेन्द्र सिंह]
ऐसी ताकतों को कांग्रेस समर्थन नहीं देगी और इसलिए हमने फैसला किया है कि जो भी प्रस्ताव इन ताकतों को दूर रखने का होगा, उसका हम समर्थन करेंगे और इन ताकतों को रोकने की कोशिश करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अब श्री राम बिलास शर्मा बोलेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगा कि 22 जनवरी, 1998 को शर्मा जी ने जो स्पीच इस हाऊस में पढ़ी थी वह दोबारा पढ़ी जाये।

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब जब आपका नंबर आये तब आप बोलना।

श्री रामबिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष महोदय, आज 25 जून, 1999 है। 25 जून, 1975 का दिन हमें याद है जिस दिन इस देश में एक काली रात एमरजैंसी के नाम से आई थी। (विघ्न) स्पीकर सर, या तो सांगवान साहब को ही बोलने दें या फिर मुझे। (शोर)

श्री अशोक कुमार : स्पीकर सर, यह कौन सा तरीका है ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : अशोक कुमार जी, आप बैठिए।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, पहले ये 22 जनवरी की बात बताएं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, कृपया आप रामबिलास शर्मा जी को बोलने दें। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं। *******

श्री अध्यक्ष : श्री धीरपाल सिंह जी जो कुछ भी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं विघ्न) मैंने आपको व श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को भी पता नहीं कितनी बार कहा है लेकिन पता नहीं आपका क्या पूर्वाग्रह है ?

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, एक-आध दफा आप हमें भी प्लीज कह दिया करो।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, मैं आप सभी को प्लीज नहीं, सर कहता हूं। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आज 25 जून, 1999 को हरियाणा का यह महान सदन एक बड़ी ऐतिहासिक बात की गवाही दे रहा है। बहुत से माननीय साथियों ने बड़ी बड़ी बातें कहीं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता-जनार्दन की कृपा से मैं इस सदन में चौथी बार विधायक बनकर उपस्थित हूं। मैं एक ऐसी जिम्मेवार पार्टी का समर्पित सिपाही हूं जिसका1952 से लेकर आज तक जन-आंदोलन का इतिहास है। आज शादी व हनीमून की तैयारी हो रही है। (विघ्न) आज एक नापाक शादी होने जा रही है। (विघ्न) मैं माननीय साथियों को बताना चाहता हूं कि यह हरियाणा है और इस में अलग-अलग लोगों की अलग-अलग पहचान है। भारतीय जनता पार्टी ने 3 साल तक हरियाणा विकास पार्टी के साथ दोस्ती का जो धर्म निभाया उसको पूरा सदन जानता है और सबसे अधिक अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं। जब चौधरी बंसी लाल जी को कांग्रेस पार्टी से निकाल दिया गया तो 1996 में हविपा-भाजपा गठबंधन हुआ और दोनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा। अध्यक्ष महोदय, हमारा अपना इतिहास है, हमारा भूत है, भविष्य है। हम कोई दुकान तो हैं नहीं। अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे। (विघ्न) स्पीकर सर, या तो सांगवान साहब को 2-4 घंटे के लिए बोलने का समय

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

दे दिया जाए अथवा इनको कहें कि ये बीच में रोका-टोकी न करें। (शोर) पहली बार इनका विधायक बनने का सिप्पा लगा है। (विघ्न) जो बातें सांगवान साहब, कह रहे हैं, वे मैदान में होंगी।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये सतपाल का क्या मुकाबला करेंगे। (विघ्न) इन्होंने तो लोगों का बेवकूफ बनाया है। (शोर)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, सतपाल जी को 4-6 घंटे बोलने दीजिए। (विघ्न) ये बीच में बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं, यह इनका कोई तरीका है ?

श्री अध्यक्ष : सांगवान जी आप बैठिये। आप बीच में डिस्टर्ब न करें।

श्री राम बिलास शर्मा : रामबिलास शर्मा की आवाज को कोई दबा नहीं सकता। जिन दिनों एमरजैंसी की काली रात थी और हम बिहार की गया जेल में थे तब भी यह आवाज दबी नहीं थी। भारतीय जनता पार्टी मौलिक अधिकारों की लड़ाई लड़ रही थी। स्पीकर साहब हमने पूरी निष्ठा के साथ और श्रद्धा के साथ इनका साथ दिया। सांगवान साहब मेरे पुराने भाषण की चर्चा कर रहे थे। वह भाषण इस बात का सबूत है कि हमने पूरी दोस्ती का धर्म निभाया। स्पीकर साहब इन पिछले 3 वर्षों में एक एक कदम पर हमने देखा कि हत्या हो रही है, संस्थाओं को समाप्त किया जा रहा है, मंत्रियों को डिसमिस किया जा रहा है, कोई मंत्री बोल नहीं सकता तो इन हालात को देखते हुए हमें अपना समर्थन वापस लेना पड़ा। (विघ्न) चौधरी बंसी लाल जी के साथ एक बार दोस्ती जुड़ जाए तो उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि ये दोस्ती के लिए मशहूर नहीं है चौधरी बंसी लाल दुश्मनी के लिए मशहूर हैं। जिस आदमी के साथ ये जुड़ते हैं, जो इनके साथ जुए में जुड़ता है उसकी ये जान लेने में विश्वास रखते हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, यह क्या बात हुई, ये बड़े उछल कूद कर बोल रहे हैं यह ठीक नहीं है। स्पीकर साहब, यह क्या बात हुई कि ये बोलने ही नहीं दे रहे।

श्री अध्यक्ष : मेरा आपसे अनुरोध है कि आप थोड़ा संयम बरतें और वे शब्द भी आज रिकार्ड में हैं जो आपने इसी सदन में चौधरी बंसी लाल जी के लिए कहे थे। आप थोड़ा ठीक बोलें।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, मैं कभी इरैलेवेंट या असंसदीय भाषा नहीं बोलता। मैं ऐतिहासिक और संसदीय भाषा बोलता हूं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप बहुत पुराने विधायक हैं बहुत अच्छा बोलना जानते हैं। इसलिए निवेदन है कि आप थोड़ी सी कन्ट्रोवर्सी पैदा न करें और ऐसी कोई बात न कहें जिससे कन्ट्रोवर्सी हो।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि आपने सभी को खुल कर बोलने का मौका दिया। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी बोले, बीरेन्द्र सिंह जी बोले तो फिर यह रोक हमारे ऊपर ही क्यों है। सांगवान जी बार-बार बीच में खड़े होकर बोलना शुरू कर देते हैं। आप इनको 5-7 घंटे बुलवा लो हम पूरी रात सुनने के लिए तैयार हैं या आप उनसे प्रार्थना करें कि हमारी बात सुने। यह सदन किसी एक का नहीं है। यह सदन पूरे हरियाणा की जनता का है। अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी चर्चा करके चले गए और वे बोलते हुए परमाणु परीक्षण पर भी चर्चा कर गए। सारी दुनिया, हिन्दुस्तान की 100 करोड़ जनता अटल बिहारी बाजपेयी जी को बधाई दे रही है कि आपने समय पर यह परीक्षण किया। हमारे प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कारगिल की लड़ाई में विदेश नीति में ऐसा पीछे छोड़ा कि वह एक कोने में खड़ा होकर रह गया। ऐसा बाजपेयी जी की विदेश नीति के कारण हुआ है और इस काम के लिए पूरी दुनिया उनको बधाई दे रही है।इंडियन एक्सप्रैस आज का बहुत

[श्री राम बिलास शर्मा]

सम्मानित अखबार है। आज पहली बार भारत की जनता ने पाकिस्तान को अहसास कराया है कि हिन्दुस्तान का प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी है। हरियाणा प्रदेश के नौजवानों की वहां पर शहादतें हुई, उन नौजवानों ने यह दिखा दिया है कि आज हरियाणा की जनता उनकी पीठ के पीछे किस तरह से खड़ी है। हम रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव जिलों के उन शोक संतप्त परिवार के घरों में उनको सांत्वना देने के लिए गए जिन परिवारों के नौजवान वहां पर शहीद हुए थे, वहां से सीधे हम ने यहां आकर 4 जून को महामहिम राज्यपाल महोदय से शहीदों को दी जाने वाली राशि को बढ़ाने के बारे में कहा था। हमने यह भी कहा था कि उनके आश्रितों को कोई प्रोत्साहन दिया जाए। बी०जे०पी० प्रजातंत्र की हामी है। बी०जे०पी० प्रजातंत्र के लिए उसकी पहचान है। बी०जे०पी० मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए उसकी पहचान है। जब कुलपतियों की पिटाई हुई, जब अग्रोहा मैडिकल कालेज की बात आई, आन्दोलित कर्मचारियों के साथ वार्ता की। सफाई कर्मचारी सबसे छोटी इकाई है, गरीब इकाई है, हमारे पास यह विभाग आदरणीय डा० कमला वर्मा के पास था। हमने बार-बार आग्रह किया कि सफाई कर्मचारी से छोटा कर्मचारी कोई नहीं इसलिए उनके वेतन की मांग छोटी सी मांग है। वे अपनी छोटी सी मांग पर आन्दोलनरत हैं। जब सरकार का कोई कर्मचारी अपनी कोई मांग को लेकर, अपनी छोटी-मोटी शिकायत को लेकर सरकार के पास जाए तो वार्ता से उनकी समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। स्पीकर सर, बी०जे०पी० ने जब भी अपने मुद्दों की कोई इस तरह की बात कही, कितनी बार आग्रह किया कि यूनिवर्सिटी ऐसी संस्थाएं हैं जो आटोनोमस बॉडी है और उसका कुलपति वह भी सेना का रिटायर्ड जनरल जिसने कारगिल का सफल आप्रेशन किया हो। हमने कितनी बार माननीय मुख्य मंत्री से कहा जिसको हमारे यहां बैठे सभी साथी जानते हैं और इस बात को हमने मंत्रिमंडल में भी उठाया कि आप किसी आदमी को नौकरी नहीं देते तो उसके प्राण तो नहीं लिए जा सकते हैं। कर्मचारी की तनख्वाह बन्द कर देना, यूनिवर्सिटी का मौलिक अधिकार बन्द कर देना, हमने अपनी पीड़ा अपनी पार्टी लाई कमान से व्यक्त की। 8-8 मंत्रियों को डिसमिस कर दिया, चौ० जगन्नाथ को डिसमिस कर दिया, डाक्टर धर्मवीर यादव को डिसमिस कर दिया, जसवंत सिंह बाबल को डिसमिस कर दिया, बहन कृष्णा गहलावत को डिसमिस कर दिया, राव नरबीर सिंह को डिसमिस कर दिया, बृज मोहन सिंगला को डिसमिस कर दिया, जसवंत सिंह नारनौद वाले को डिसमिस कर दिया, हरियाणा की छवि क्या बन गई थी। एक तरफ मंत्रीमंडल के प्रमुख साथी दलित वर्ग के साथी अहीरवाल के साथी बिना किसी कारण के हटाए। कितने मंत्री साथी हैं जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए, बृज मोहन सिंगला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, डा० धर्मवीर यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। स्पीकर सर, कितने लोग ऐसे हैं जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। राम बिलास जी ने अभी उल्लेख किया कि मेरे ऊपर मुकदमा दर्ज किया गया। मेरे खिलाफ अगर कोई पर्चा देता है चाहे वह गलत हो चाहे सही हो, एक बार एफ०आई०आर० तो लोज होती है, इन्कवायरी बाद में होती है कि वह सही है या गलत है और फैसला बाद में होता है। दूसरा जैसा कि इन्होंने कहा कि मंत्रीमंडल से बर्खास्त किया गया। फौज में भी एनुअल लीव दी जाती है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने भी मुझे एनुअल लीव दी थी। मैं वह लीव काटकर वापस आ गया था (हंसी)

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, प्रो० साहब सियाने तो हुए परन्तु हरियाणा की एक कहावत है कि दादी सियानी तो हुई लेकिन रांड होकर हुई (हंसी)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, अब कांग्रेस के हमारे मित्र चौ० बीरेन्द्र सिंह जो बहुत वरिष्ठ नेता हैं, उनकी आवाज से, उनके लहजे से, उनके वाक्य के एक-एक शब्द से दुविधा प्रकट हो रही थी। आज 6 बजे तक यह अच्छा हो गया। आने वाले समय में इस सारी बात का पता लग जाएगा। स्पीकर साहब, भाजपा अपने इतिहास से धोखा कर सकती, प्रजातंत्र से धोखा नहीं करती। जब संस्थाओं का जनान्दोलन का जहां पर मान न हो, जहां इन्सान में विश्वास नहीं, जहां भगवान में विश्वास नहीं जहां विद्वान में विश्वास नहीं, गुणवान में विश्वास नहीं, यह दोस्ती का पैमाना नहीं है। स्पीकर सर, इन परिस्थितियों में हमें मजबूर हो कर सोचना पड़ा। आज हरियाणा की जनता ने हमको मिलाजुला विश्वास दिया है। जहां तक जयललिता के प्रति बात आई। स्पीकर सर, हम तीन साल तक दोस्ती निभाते रहे, एक-एक अक्षर दोस्ती का धर्म निभाते रहे और उनकी वजह से 17 तारीख को अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार एक मत से हार गई उस वक्त तीन-तीन दिन तक विकास पार्टी की चिट्ठी के लिए लगातार हॉर्स-ट्रेडिंग की गई। चौधरी सुरेन्द्र सिंह की पार्टी के साथ हम तीन साल तक रहे लेकिन हमें अपमान का जहर उस समय पीना पड़ा (विघ्न)

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल) : स्पीकर सर, इन्होंने कहा कि विकास पार्टी ने तीन दिन तक चिट्ठी रखी। अध्यक्ष महोदय, जो श्री अटल बिहारी बाजपेयी हैं उनके चेले हैं श्री राम बिलास शर्मा। बाजपेयी ने आज तक किसी के साथ नहीं निभाई। श्री बलराज मधोक, जो सबसे पहले आर०एस०एस० के सीनियर नेता थे, ने दो-तीन महीने पहले हिन्दुस्तान टाईम्ज में एक आर्टिकल लिखा था जिसमें बाजपेयी की सारी कहानी लिखी थी। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जब हरियाणा विकास पार्टी के एम०पी० सुरेन्द्र सिंह को बाजपेयी ने फोन किया उससे 24 घण्टे पहले बाजपेयी हमारे साथ धोखा कर चुके थे, चौबीस घण्टे पहले हमारे साथ बेईमानी कर चुके थे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी एक्सप्लेनेशन पूरी तरह से दे देता हूं। सब को पता लग गया था कि क्या बात हुई है। अध्यक्ष महोदय, सुब्रामण्यम स्वामी ने हाउस में खड़े हो कर कहा था कि सुरेन्द्र सिंह यह समझौता तुम्हारी लाश पर हुआ है। हम आपस में चर्चा लाए, आज दिल्ली में हर आदमी को पता है कि बाजपेयी ने हमारे साथ धोखा किया है लेकिन शायद हरियाणा की जनता को पता नहीं होगा कि बाजपेयी ने हमारे साथ धोखा किया। अगर सुरेन्द्र इनके खिलाफ वोट दे देता तो यह कह सकते थे कि सुरेन्द्र सिंह ने पहले धोखा दिया है। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद क्या हुआ, हमने कहा कि धोखा खाना अच्छा है लेकिन धोखा देना अच्छा नहीं है। हमारी पार्टी ने बी०जे०पी० को वोट दिया और केवल वोट दिया ही नहीं बल्कि श्री चन्द्र शेखर जी, हिन्दुस्तान के भूतपूर्व प्रधान मन्त्री रहे हैं, सुरेन्द्र सिंह ने उनका वोट भी मांगा और उनसे कहा कि अंकल वोट दे दो। उसके बाद इनके एक मन्त्री ने, भारत सरकार के एक मन्त्री ने तीन दिन के बाद एक चिट्ठी भेज दी। तब नई सरकार बनने की कोशिश चल रही थी। उस चिट्ठी में यह लिखा कि इस पर दस्तखत कर दो, सुरेन्द्र सिंह ने वह चिट्ठी उठा कर रख ली, दो-तीन घण्टे बाद दूसरी चिट्ठी आ गई उसने वह चिट्ठी भी रख ली। वोट तो सुरेन्द्र सिंह पहले ही दे चुका था। सारी दिल्ली में यह बात साफ हो गई थी कि बाजपेयी ने हरियाणा विकास पार्टी के साथ धोखा किया है। अगर उन्होंने चौटाला साहब से वायदा किया था तो हमारे साथ भी जब हमने सरकार बनाई थी पांच साल का समझौता हुआ था, क्या वह समझौता नहीं था? अध्यक्ष महोदय, क्योंकि उसको कुर्सी चाहिए थी इसलिए कुर्सी के लिए पूंछड़ी हिलाता फिर रहा था। फिर उस समय क्या हुआ कि सुरेन्द्र सिंह ने चिट्ठी देने से इन्कार कर दिया। उसके बाद प्रधान मन्त्री ने खुद सुरेन्द्र सिंह को बुलाया आध-पौन घण्टा गप्प लगाई और सुरेन्द्र इजाजत ले कर चल पड़ा तो बाजपेयी जी कहने लगे, सुरेन्द्र साथ रहना है। सुरेन्द्र बगैर कोई जवाब दिए वापिस चला आया। उसके घण्टे डेढ़ घण्टे के बाद सुषमा जी ने फोन किया कि सुरेन्द्र मैं और आडवानी कहते हैं कि चिट्ठी दे दो। सुरेन्द्र ने दस्तखत

[श्री बंसी लाल]

करके सुषमा जी के घर चिट्ठी भिजवा दी। ये वाजपेयी जी की तारीफ करते हैं, वाजपेयी राजनीति का मोरल जानता है क्या ? इन्होंने जयललिता की पार्टी तोड़ने की कोशिश की, बीजू पटनायक की पार्टी तोड़ने की कोशिश की, इतना ही नहीं चौटाला की पार्टी को भी तोड़ने की कोशिश की। तोड़ने की क्या, वह तो टूट ही गई थी। ये तो चौटाला साहब खुद मौके पर पहुंच गए और पार्टी को टूटने से बचा लिया। इन्होंने समता पार्टी को भी तोड़ने की कोशिश की। एक साल जब वाजपेयी को प्रधान मंत्री बने हुए हो गए तो राम विलास शर्मा जी हमारे मंत्री तोड़ने में लग गए। इन्हें मुख्यमंत्री की सीट का लालच था। इनको यह नहीं पता था कि इनकी अपनी सीट भी चली जाएगी। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये तो स्पीच ही देने लग गए। ये प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं, पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोल रहे है या किस मुद्दे पर बोल रहे हैं ? ये बता दें।

श्री अध्यक्ष : राम विलास शर्मा जी, आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये जो बोल रहे हैं क्या यह कांग्रेस पार्टी की आक्सीजन का प्रभाव है ? यह क्या है ?

श्री अध्यक्ष : राम विलास जी, आप बहुत पुराने मंत्री रहे हैं। आप यह बात करते रहे हैं कि लीडर ऑफ दि हाउस इन्टरवीन कर सकता है। आपने इस सदन में रहते हुए कहा था कि Leader of the House can intervene at any time while he wants. Please take your seat.

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पहले मेरी बात तो पूरी होने दें। ये अपने जवाब में पूरी बात कह लेंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद मुख्यमंत्री बनने हेतु कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। कभी किसी को लालच दिया और कभी किसी को लालच दिया। इन सब कोशिशों के बावजूद ये मुख्यमंत्री तो नहीं बन पाए लेकिन आज वहां पर बैठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब इनकी पार्टी ने एम०एल०एज० की राय जाननी चाही तो उस बारे में मेरी इत्तलाह यह है कि 11 में से 9 मैम्बर्ज ने मेरे हक में लिखकर दिया। ये चाहें तो इस बात की तसल्ली कर लें। मगर एक आदमी बज़िद्द था क्योंकि वाजपेयी जी ने इनको भड़का रखा था कि यह सरकार तोड़नी है और ये तोड़ने के लिए मैदान में आ गए। मैं सोनिया जी का धन्यवाद करता हूं कि वे मेरी सरकार बचाने के लिए आ गईं। मैं उनका कभी अहसान नहीं भुला पाऊंगा। मैं इनकी तरह अहसान फरामोश नहीं हूं। अध्यक्ष महोदय, जब मैं स्पीच दूंगा तो उसमें बताऊंगा कि 1991 के चुनावी मैनीफैस्टो में भारतीय जनता पार्टी ने श्री ओम प्रकाश चौटाला जी और चौधरी देवी लाल जी के बारे में क्या लिखा था, वह मैं आपके सामने दिखाऊंगा भी तथा पढ़कर भी सुनाऊंगा। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने श्रीमन् वाजपेयी जी के बारे में जो बातें कहीं हैं वे बे-बुनियाद एवं निराधार हैं। इन्होंने अपनी बात से ही यह साबित कर दिया है कि किस तरह से सत्ता प्राप्ति के लिए आदमी एक घंटे में अपनी बात बदलता है। यह बात सारी जनता जानती है कि इनके बेटे की सांठगांठ के लिए कांग्रेस से लगातार बात चल रही थी। यह तो भारतीय जनता पार्टी की, हम लोगों की हिम्मत थी कि हम इनको निभा रहे थे।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्यमंत्री (श्री बंसीलाल) : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन। अध्यक्ष महोदय, चाहे मेरा बेटा हो और चाहे मैं हूं, कांग्रेस में हम पैदायश से हैं। मेरा बाप भी कांग्रेसी था और सभी कांग्रेसियों से हमारे संबंध मधुर रहे हैं। इनके पिता भी मुझे कांग्रेसियों के पास भेजते रहे हैं और मैं उनके पास गया भी हूं। मैंने कभी भी किसी कांग्रेसी से अपने व्यक्तिगत संबंध नहीं तोड़े। मेरे बेटे ने भी कभी भी किसी कांग्रेसी से अपने व्यक्तिगत संबंध नहीं तोड़े। यह तो इनके साथ ही रहा होगा कि अगर वह हमारे साथ नहीं हैं तो उसके पास न जाओ। मेरी आज भी बी०जे०पी० के नेताओं से दोस्ती है। इसलिए, अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी दोस्ती किसी से नहीं तोड़ता। इनकी तो बातें घड़ने की आदत है। जब मैं बोलूंगा तो इनका घड़ा घड़ाया फोड़ूंगा।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो आदमी अपना घड़ा फोड़कर दूसरे के घड़े में जाने की तैयारी कर रहा हो वह किसी का क्या घड़ा फोड़ेगा ? अभी भी इन्होंने 6 बजे भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को लिखकर यह दरख्वास्त दी कि सात दिन के बाद मैं स्टैप-डाउन कर दूंगा। इस बारे में तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी डायरैक्टली या इनडायरैक्टली सारी बातें कह गये। ये अपना सर्वस्व न्यौछावर करके अटल बिहारी वाजपेयी जी के बारे में ऐसी बातें कर रहे हैं। इस बात का यह सबूत है कि एक घंटे में किस तरह से इनमें परिवर्तन हुआ है ? (विघ्न) मैं आपके सामने बापू आसाराम जी की बात कह रहा था कि संतों का आशीर्वाद हमारे साथ है। अगर संतों का आशीर्वाद हमारे साथ रहता है तो इसमें किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। अगर मैं कांवड़ लाता हूं तो इसमें किसी को क्या एतराज है ? यह तो मेरी व्यक्तिगत आस्था का सवाल है। मैं सत्ता के लिए इस तरह से पल्टी नहीं मारता हूं। भारतीय जनता पार्टी के लोगों को अभी भी इस बात का फ़क्र है। अध्यक्ष महोदय, हमने इस तानाशाही का मुकाबला 1975 में भी किया है। पिछले तीन सालों में चौधरी बंसीलाल ने हरियाणा में किसी भी गैरतमंद इंसान को बख्शा नहीं चाहे वह आई०ए०एस० हो या कोई और हो। इन्होंने आठ-आठ मंत्रियों तक को बर्खास्त कर दिया।

विश्वास प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। स्पीकर सर, भाजपा के नेता रामबिलास शर्मा जी ने अपनी पार्टी के बारे में बहुत लम्बी चौड़ी बातें कहीं। लेकिन मैं उनका ध्यान 11 मार्च, 1997 की विधानसभा की कार्यवाही की तरफ दिलाना चाहता हूं जिसमें उन्होंने यह कहा था कि—

> "जिस वक्त चौधरी बंसीलाल जी पहले मुख्यमंत्री थे उस वक्त वे 40 साल की आयु में मुख्यमंत्री बने थे और उन्होंने हिन्दुस्तान की राजनीति में 30 साल के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। जय प्रकाश नारायण जी ने कहा था कि आदमी परिवर्तनों से बहुत कुछ सीखता है। पहले बंसीलाल कांग्रेस के बंसीलाल थे जबकि आज ये विकास पार्टी और बी०जे०पी० के बंसीलाल हैं। ओमप्रकाश चौटाला बुजुर्ग हैं। मैं उनको एक सलाह देता हूं कि आदमी को समय के साथ अपने व्यवहार को बदलना चाहिए। मैं इनको कहूंगा कि यदि इन्होंने कुछ सीखना है तो ये बंसीलाल जी से सीखें। किसी को आंख नीच करने से या डर दिखाने से कोई आदमी बड़ा नहीं हो जाता।"

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

चौधरी साहब, यह इन्होंने उस समय आपके बारे में कहा था। आगे यह कहते हैं कि—

"23 साल से जिस कांग्रेस के साथ चौधरी बंसीलाल थे, उनको पूरी तरह से परखे बिना केवल कुछ मुद्दों के बिना पर अलग कर दिया। इनके टेलेंट को परखा नहीं गया।"

आगे फिर इन्होंने कहा—

"भारतीय जनता पार्टी का हमेशा जोड़ने का इतिहास रहा है, टूटने का अगर इतिहास रहा है तो वह कांग्रेस का रहा है हमारा इतिहास टूटने का नहीं रहा है।"

अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तटस्थता की बात की थी, इसलिये मैं इनका ध्यान इस ओर आकर्षित कराना चाहता था।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में तो बड़े-बड़े ग्रन्थ हैं। मैंने जो बात कही थी उस समय के अनुसार सही कही थी। (शोर) हमने कोशिश की थी कि चौधरी बंसी लाल भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों में ढल जाएं परन्तु उनमें परिवर्तन नहीं आया। इनमें तो 1975 की इमरजैन्सी वाले संस्कार फिर से जग गए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : अब आपके कहने की जरूरत नहीं है। श्री राम विलास जी ने खुद ही मान लिया है कि change is the law of nature.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : "सीता ने रावण की अकल हारी, बी०जे०पी० की अकल राम विलास ने मारी।" (हंसी)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, राम विलास जी ने 11 मार्च की प्रोसीडिंग पर अपने विचार रखे हैं जिसमें उन्होंने कहा है कि जो श्री रणदीप सुरजेवाला कह रहे हैं (शोर)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर है तो बताएं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सर, यह मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री राम बिलास शर्मा : सर, यह क्या प्वायंट ऑफ आर्डर है ? पिछले सदन की कार्यवाही यहां पढ़ कर सुनाना तो कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : सर, प्रदेश की जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है जो इन्होंने बी०जे०पी० और एच०वी०पी० के बारे में कही थी कि हम दो जिस्म और एक जान हैं। (शोर) आज इनके इस बारे में क्या विचार हैं? (Interruptions)

(इस समय बहुत से सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker : I request all the Hon'ble members to please take their seats. No interruption please. Capt. Ajay Singh Ji, please take your seat.

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे अज़ीज़ कैप्टन अजय सिंह यादव और श्री रणदीप सुरजेवाला पुरानी प्रोसिडिंग्ज़ दिखा रहे थे और चौपाईयां पढ़ी जा रही थीं, लेकिन जब तक चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी नहीं बोल थे और उनकी तरफ से समर्थन अनाऊंस नहीं किया गया था तब तक इन सब के चेहरों पर मायूसी थी। यहां तक कि सदन के नेता में भी खड़े होने की हिम्मत नहीं थी। अब एकदम तेजी से इनको ऑक्सीजन मिली है और पिछली प्रोसिडिंग्ज़ भी इनको याद आने लगी हैं। इन प्रोसिडिंग्ज़ की

बातों के ऊपर मैं भी एक बात यहां कहना चाहता हूं कि मेरे अज़ीज़ रणदीप सुरजेवाला को अपनी वे प्रोसिडिंग्ज़ भी पढ़नी चाहिएं जब इनके पिता श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला, सोनिया गांधी से मिले थे और उनको नरवाना लेकर आए थे कि इस सरकार से तंग आ कर लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं। इस बारे में वहां कमेटी भी बिठाई गई थी और इन्क्वायरी भी हुई थी। क्या ये वे प्रोसिडिंग्ज़ भूल गए और अब यह सरकार दूध की धुली हो गई ? इसी सरकार के मिसडीड्ज़ के खिलाफ ही ये सोनिया जी को वहां लेकर गए थे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठिए। श्री राम बिलास जी, कृपया आप कन्क्लूड कीजिए।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह जो नई बात हुई है, यह चार दिन की चांदनी है फिर एक अंधेरी रात इनके सामने आ कर खड़ी होगी। जब प्रजातंत्र की हत्या हो, जब जन प्रतिनिधियों को कटघरे में खड़ा किया जाए, जब आई०ए०एस० ऑफीसर्ज़ के खिलाफ मुकदमें दर्ज हों, बी०सी० के खिलाफ मुकदमें दर्ज हों, कर्मचारियों की तनख्वाहें बन्द हों, एम०एल०एज़० के खिलाफ मुकदमे दर्ज हों व मंत्रियों की डिसमिसल हो तो हमें इन परिस्थितियों में ज्यादा देर रहना स्वीकार नहीं था। जब हमारी कोई बात नहीं मानी गई। (शोर एवं व्यवधान) जिस दिन हमारे साथियों को, अहिरवाल के लोगों को डिसमिस किया गया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, आप तो भूतपूर्व वरिष्ठ मंत्री रहे हैं। आप तो जानते हैं कि काउंसिल आफ मिनिस्टर्ज़ की ज्वॉइंट रिस्पॉसिबिलिटी होती है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो उसी दिन इस बात का विरोध किया था जिस दिन चौधरी जगन्नाथ, राव नरबीर सिंह जी व उनसे पहले श्री धर्मबीर यादव को व श्री जसवन्त सिंह बावल को मंत्रिमण्डल से निकाला गया था। मैंने उसी दिन तावडू में इस बात का विरोध किया था। हम इस पाप में भागीदार नहीं हो सकते थे। चौधरी बंसी लाल जी को फिर से कांग्रेस मुबारिक हो। जनता ने जो कांग्रेस के खिलाफ जनादेश दिया था, अपनी कुर्सी बचाने के लिए चौधरी बंसी लाल जनता के उस जनादेश की भावनाओं को बेचना चाहते हैं। यह विश्वासघात हरियाणा की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसके साथ ही मैं इस विश्वास प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूं। यह सरकार हरियाणा की जनता की भावनाओं को रिप्रैजेंट नहीं करती। यह उस जनादेश के साथ विश्वासघात है। यह जो नया लेन देन हुआ है, एकदम जो निष्ठाएं बदली हैं, एकदम जो विश्वास बदले हैं इनको हरियाणा की जनता माफ नहीं करेगी। मैं इस विश्वास प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूं।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि हविपा के पांच मंत्री डिसमिस हो गए, दो के इस्तीफे मंजूर हो गए, परंतु भारतीय जनता पार्टी का कोई मंत्री डिसमिस नहीं हुआ। चौधरी बंसी लाल हमारे नेता हैं, पार्टी के नेता हैं, सदन के नेता हैं, ये हमें डिसमिस करेंगे, हमें गोली मरवाएंगे, ये पूछने वाले कौन होते हो ?

श्री संपत सिंह : स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट आफ ऑर्डर है। सदन के नेता को पूरा अधिकार है कि किसी को कैबिनेट में ले या किसी को न ले अथवा किसी का महकमा चेंज करे। यह उन्हें पूरा अधिकार है लेकिन स्पीकर सर, अभी दो चार दिन पहले चौधरी जगन्नाथ ने कहा था कि हरिजनों और दलितों का कत्ल हो रहा है उन्हें दबाया जा रहा है। (विघ्न) * * * *

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : जो कुछ संपत सिंह जी कह रहे हैं, उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री जगन नाथ : स्पीकर सर, मैंने तो बड़े लाइट-वे में कहा था इसके बारे में पंडित लखमी चंद जी की एक लाईन है कि— "देवर भाभी लड़या करें से या ऊ सी लड़ाई ना सै"।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

मुख्य मंत्री द्वारा

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। राम विलास शर्मा जी ने जो मेरी बीमारी के बारे में कहा है यह ठीक है कि मैं बीमार हूं और यह भी ठीक है कि 17 तारीख को मुझे हर्ट-टर्बल हुई थी। जब मुझे हर्ट-टर्बल हुई तो मैं अपने घर में क्वारंटाईनड था। पी०जी०आई० के तीन डाक्टर्ज 24 घण्टे मेरे पास रहते थे और अब भी आपकी इजाजत से तीनों डॉक्टर्ज आफिसर्ज गैलरी में बैठे हुए हैं। रामविलास शर्मा जी अपने नेता अटल जी की तारीफ कर रहे हैं, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थन वापस लेने से पहले दिन साढ़े आठ बजे मुझ से टेलीफोन पर बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब, आपसे कुछ बात करनी थी। मैंने कहा कि जैसे ही डाक्टर मुझे सफर करने की इजाजत देंगे मैं दिल्ली आऊंगा और आपसे मिलूंगा। उनका 24 तारीख को पानीपत आने का प्रोग्राम था। तब अटल जी ने कहा कि मैं अपना पानीपत का प्रोग्राम कैन्सिल कर दूं तो मैंने कहा कि डाक्टर जैसे ही मुझे सफर करने की इजाजत देंगे, मैं 23 तारीख को पानीपत ठहरूंगा और 24 तारीख को आपका फंक्शन अटैंड करूंगा जो कि एक घण्टे के लिए तय हुआ है और जैसे ही डाक्टर मुझे आगे की इजाजत देंगे मैं दिल्ली आ जाऊंगा। तब उन्होंने कहा, ठीक है। उन्होंने सोचा कि अब मौका है, यह तो हर्ट पेशैंट होकर चारपाई में लेट गया। क्योंकि मैं तो चारपाई पर ही लेटा हुआ था और उससे बात भी चारपाई पर से ही कर रहा था। उस समय मुझे कोई भी टेलीफोन पास-ऑन नहीं हो रहा था। केवल वाजपेयी जी का ही टेलीफोन पास-ऑन किया गया था। उन्होंने अगले दिन 11 बजे मीटिंग तय कर ली और यहां भारतीय जनता पार्टी को आदेश दे दिए कि सरकार से समर्थन वापस ले लो क्योंकि वे जानते थे कि मैं तो कोई एक्टीविटी कर नहीं सकता और इससे बढ़िया मौका और कोई नहीं हो सकता। मुझ से पक्की तसल्ली कर ली गई कि मैं बीमार हूं। पहले फोन किया और बाद में पीठ में छुरा घौंप दिया। (विघ्न)

श्री रामविलास शर्मा : स्पीकर सर, * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ रामविलास शर्मा जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री निर्मल सिंह (नग्गल) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं हाउस में रखे गये विश्वास मत के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे से पूर्व दोनों तरफ से पहले चौटाला साहब, फिर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और फिर राम विलास शर्मा जी बोले और उनको बोलने के लिए आपने काफी समय दिया। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे भी थोड़ा समय देंगे। स्पीकर सर, मैंने किसी भी सदस्य को बोलते वक्त बीच में डिस्टर्ब नहीं किया, इसलिए मेरी भी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि वे मुझे भी बोलते वक्त बीच में डिस्टर्ब न करें। स्पीकर सर, मैं यह भी ध्यान में रखूंगा

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कि मैं कोई भी ऐसी बात न कहूं जिससे हाउस की मर्यादा भंग होती हो और जो भी बात कहूंगा वह सही कहूंगा। स्पीकर सर, हाउस की आज की कार्यवाही पर हरियाणा प्रदेश की जनता ही नहीं बल्कि पूरे देश के लोग यहां के फैसलों और हालातों पर नजर रखे बैठे हैं और उन्हें बेचैनी है कि हाउस में आज क्या होगा ? स्पीकर सर, आज बड़ी ऊंची आवाज में राम विलास जी ने अपनी बात कही। मैं तो यह कहूंगा कि राम बिलास जी के पास आज बोलने के लिए कुछ नहीं है। चौटाला साहब ने भी आज हाउस में, पिछले सालों में हरियाणा में क्या हुआ, उसका ब्यौरा दोहराया, लेकिन उन्होंने मेहम की चर्चा नहीं की। उनके राज में किस तरह से भाई-भतीजावाद होता था, उसके बारे में चर्चा नहीं की। किस तरह से लोगों से झूठे वायदे करते थे उसका जिक्र नहीं किया। मेहम के बारे में भी कमीशन बैठा था उसके बारे में इन्होंने चर्चा नहीं की।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, ऑन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन। स्पीकर सर, मेहम के बारे में शायद मेरे माननीय साथी को पता नहीं कि क्या हुआ था ? मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब मैं मुख्य मंत्री था तब मैंने स्वयं इनकी सारी भ्रांतियां दूर करने के लिए सबसे पहले हाई-कोर्ट के सिटिंग जज से इन्क्वायरी कराने का निर्णय लिया था। हाई कोर्ट के सिटिंग जज माननीय जस्टिस ग्रेवाल ने मेहम कांड के ऊपर रिपोर्ट दी थी, शायद यह बात मेरे माननीय साथी निर्मल सिंह को भी मालूम होगी और अगर नहीं है तो ये किसी से पूछ लें। माननीय जस्टिस ग्रेवाल की रिपोर्ट हमारे पक्ष में आई थी जिसमें दूसरे भाईयों को दोषी ठहराया गया था। इसलिए इनको ऐसी अनर्गल बात हाउस में नहीं करनी चाहिए।

एक आवाज : स्पीकर सर, इनको कहो कि ये सैकिया कमिशन की रिपोर्ट के बारे में भी बतायें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हाउस में कई सदस्य बैठे-बैठे बोलते हैं, उन्हें ज्ञान ही नहीं है कि हाउस में किस तरह बोलना चाहिए। मैं सैकिया कमीशन की रिपोर्ट के बारे में कहना चाहता हूं कि सैकिया कमिशन की रिपोर्ट और ग्रेवाल आयोग की रिपोर्ट दोनों ही सदन के पटल पर रखी जायें और जो लोग दोषी हों, उन्हें सजा दी जाये क्योंकि जिन्होंने जुल्म किये हैं उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए।

श्री निर्मल सिंह : चौटाला साहब, हम आपकी बात मान लेते हैं लेकिन लोगों को कौन समझायेगा?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हरियाणा के लोगों को क्या आप समझाकर आयेंगे ? वह भी हम ही समझायेंगे।

श्री निर्मल सिंह : आपके बारे में दुनिया जानती है, हमें समझाने की जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, अब आप बैठिये, आपको पर्सनल एक्सप्लेनेशन का मौका दे दिया गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप दूसरों को तो छूट दे देते हो। अगर हम बोलते हैं तो आपत्ति करते हो। दूसरों को बैठने के लिए नहीं कहते, हमें बैठने के लिए कह देते हो। (शोर एवं व्यवधान) मेरी समझ में नहीं आता कि आपका क्या इलाज होगा ? सत्ता पक्ष के भाई विश्वास मत के बारे में बात न करके कटाक्ष की बातें कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) * * * *

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : श्री ओम प्रकाश चौटाला जी जो कुछ बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, मैं भी यही चाहता हूं कि हर मैम्बर आपके माध्यम से ही बात करे लेकिन इस परम्परा को, इस मर्यादा को हर बार चौटाला साहब ही तोड़ते हैं। (शोर)

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : नहीं, नहीं, आप बैठिए। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, श्री बलबीर सिंह जी मेहम से चुनाव जीतकर आज इस सदन में विराजमान हैं और प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने के लिए आपसे समय मांग रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : वे भी तो एक जिम्मेवार विधायक हैं तथा उनकी बात मुझे भी सुन रही है।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं तो इतनी सी प्रार्थना कर रहा हूं कि आप कृपया उनकी बात सुन लें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, बलबीर सिंह जी, आप बोलिए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भाई निर्मल सिंह जी को कहना चाहूंगा कि कोई बात कहने से पहले कम से कम अपने गिरेबान में झांककर देख लेना चाहिए, शीशे में खुद को देख लेना चाहिए। स्पीकर सर, धारा 302 के अंतर्गत इनके ऊपर मुकदमा चला है, जेल काटकर ये आए हैं तथा दूसरों को ये दोषी बता रहे हैं। (शोर) * * * * को * * * * ही दिखाई देता है। कम से कम इनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : श्री बलबीर सिंह जी ने जो * * * * शब्द कहा है वह सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता व सभी माननीय सदस्यों से अर्ज करना चाहूंगा कि आज कारगिल और द्रास क्षेत्रों में हमारे जवान शहीद हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप उनकी बात तो सुनिए वह तो अपनी बात की भूमिका बांध रहा है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप इनको सिखाकर लाया करो कि प्वायंट ऑफ आर्डर क्या होता है ? (शोर) यह कोई क्लासरूम नहीं है। (शोर)

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : बलबीर सिंह जी, आपको बोलने के लिए सिर्फ 2 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवादी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए 2 मिनट का समय दिया है। मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता, विपक्ष के नेता, सभी माननीय सदस्यगण एवं मंत्रिगण तथा भाई निर्मल सिंह जी को बताना चाहता हूं कि हरियाणा के लिए आज गौरव की बात है तथा जिस बात को सभी माननीय सदस्य भी खड़े होकर कबूल करते हैं, वह यह है कि कारगिल, द्रास एवं बटालिक क्षेत्रों में सबसे ज्यादा शहीद हरियाणा के जवान हुए हैं तथा हरेक की छाती में ही गोली लगी है। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो सहायता और सुविधा साथ लगते राज्य अपने प्रदेश के शहीदों के परिवारों को दे रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा हमारी सरकार को हमारे शहीदों के परिवारों को देनी चाहिए। धन्यवाद।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

19.00 बजे **श्री निर्मल सिंह** : मेरे भाई ने मेरे बारे में कहा कि मैं 302 का मुजरिम हूं। शायद इनको यह नहीं पता कि मैं कोर्ट से सर्टिफिकेट ले कर आया हूं कि मैं 302 का मुजरिम नहीं हूं। (विघ्न) आप डांगी से बच कर रहना। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, कारगिल में जो हमारे जवान लड़ रहे हैं यहां पर उनके बारे में जिक्र आया। हमें उनका हौंसला बढ़ाना चाहिए, उनकी तारीफ करनी चाहिए। वे जवान अपनी जान की बाजी लगा कर अपनी सीमा की रक्षा करते हुए शहीद हो रहे हैं। ऐसे वक्त में हमारी सभी पार्टियां, राजनीतिक विचारधारा से अलग हटकर, उनके साथ एक साथ खड़ी हैं, यह एक बहुत ही अच्छी बात है। लेकिन ऐसे मौके पर जब देश में ऐसे हालात हों, बी०जे०पी० के भाईयों ने हरियाणा में जो घिनौना खेल खेला, वह इस वक्त नहीं खेलना चाहिए था। उनकी वजह से ही आज की सरकार को विश्वास का मत हाउस में लेना पड़ रहा है। 1996 में जब चुनाव हुए थे तो चौधरी बंसी लाल जी और बी०जे०पी० के भाई जनता से यह वायदा करके आए थे कि हम कम से कम 5 साल के लिए यह सरकार चलाएंगे। आज तक बी०जे०पी० ने कभी भी किसी का पूरा साथ नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, इसी हाउस में आपने देखा कि चौधरी बंसी लाल जी ने 3 साल तक इनको ढोया है। इन्होंने पलट कर इनकी पीठ में छुरा घौंपा है। जयललिता ने केन्द्र में इनकी सरकार से समर्थन वापस लिया। उसने चुनाव मिलकर नहीं लड़ा था। उसने केवल मुद्दों के आधार पर ही समर्थन देने की बात कही थी। जब उन्होंने देखा कि बी०जे०पी० के भाई उनकी पार्टी के सदस्यों को और दूसरे एलाएंस के सदस्यों को तोड़ने में लगे हैं तो उसने केन्द्र सरकार से अपना समर्थन वापिस ले लिया। वही इतिहास ये यहां पर दोहराना चाहते थे। चौधरी बंसी लाल जी का कोई कसूर हो तो ये बताएं। कभी तो चौटाला साहब और कभी रामविलास शर्मा जी मुख्य मंत्री बनने की चाल चल रहे थे लेकिन इनका सपना साकार नहीं होगा। दरअसल ये कुर्सी के लिए लड़ रहे थे। मैं बी०जे०पी० के भाईयों को याद दिलाना चाहता हूं कि ये वही चौटाला साहब हैं जब इन्होंने इनके सीनियर लीडर डॉ० मंगल सैन जी को * * * * दिया था और दूसरे मंत्रियों की गाड़ियां वापिस ले ली थीं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमारे स्वर्गीय नेता जो इस सदन के 7 बार माननीय सदस्य रह चुके हैं, उनके बारे में कम से कम इनको अपनी भाषा संभाल कर कोई बात कहनी चाहिए। (विघ्न) यह ठीक है कि चार दिन की जो रोशनी है, उसमें पाप करके ये डूब लें।

श्री अध्यक्ष : डा० मंगल सैन जी के बारे में कोई असंसदीय शब्द कहा गया हो तो वह कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम कोई पाप नहीं कर रहे हैं, पाप तो ये कर रहे हैं। हम इण्डीपैण्डैंट जीतकर आए थे और हमने कहा था कि हम इस सरकार को 5 साल बिना शर्त समर्थन देंगे और दे रहे हैं। हम तो अपनी बात पर स्थिर हैं। पाप तो इन्होंने किया है (शोर एवं व्यवधान) जो इण्डीपैण्डैंट कैंडीडेट चुनाव लड़ता है, वह किसी न किसी के खिलाफ जीतकर तो आता ही है। लेकिन तय तो यह हुआ था कि सांझी सरकार को समर्थन देंगे। इण्डीपैण्डैंटस डटे हुए हैं। कभी किसी इण्डीपैण्डैंट ने कोई फायदा उठाने की कोशिश नहीं की। किसी को ब्लैकमेल करने की कोशिश नहीं की। किसी ने हालात का फायदा उठाने की कोशिश नहीं की। वे तो अपने पांव पर हैं और हरियाणा के लोगों को एग्जाम्पल दे रहे हैं। जो बड़ी पार्टियां हैं, उनका हाल देखो कि क्या हो रहा है ? आज आप देश में वोटों के लिए गए हो। वोट भी पड़ने वाले हैं। यह जो आपने किया है इसका मैसेज दुनिया में क्या जाएगा, पूरे देश में क्या जाएगा और स्टेट में क्या जाएगा ? आज आपने अपना फायदा देखकर ओम प्रकाश चौटाला साहब से दोस्ती कर ली कि 4 वोट आपको ज्यादा मिल जाएंगे। (शोर)

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री राम विलास शर्मा : * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ राम विलास जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। राम विलास जी से मेरी प्रार्थना है कि वे एक वरिष्ठ विधायक हैं। कम से कम without permission of the Chair please do not try to intervene.

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में फिर से चुनाव होने जा रहे हैं। जैसा चौटाला साहब ने कहा कि सोनिया जी तो विदेशी हैं। इसके अलावा भी इनके पास कहने को और कुछ है ? सोनिया जी कांस्टीच्यूशन के तहत ही चुनाव क्षेत्र में जाएंगी, लोगों में जाएंगी। वे कांस्टीच्यूशन की मर्यादा का ख्याल रखेंगी। सोनिया जी इस देश की बहू हैं। हमने अपने संस्कारों, अपनी संस्कृति से पूरी दुनिया में नाम कमाया है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन पर बोलना चाहता हूं। मेरे सम्मानित सदस्य बार-बार मेरा ही नाम लेते हैं। सोनिया जी के प्रति मैं नहीं कह रहा हूं, हिन्दुस्तान की लोकसभा के कांग्रेस पार्टी के स्पीकर श्री संगमा जी कह रहे हैं। (विघ्न) आप पहले मेरी बात सुन लें।

श्री अध्यक्ष : यह कोई पर्सनल एक्सप्लेनेशन नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी जो कुछ भी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री जय सिंह सणा : स्पीकर साहब, सोनिया गांधी इस सदन की सदस्य नहीं है इसलिए बार-बार इस सदन में उनका नाम लेना कोई अच्छी बात नहीं है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनका नाम कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मेरा आप सभी से पुनः अनुरोध है कि आप कंट्रोवर्सी को अवायड करें।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, इन्हीं मुद्दों पर ही चुनाव लड़े जाने हैं। हिन्दुस्तान का आदमी जिस लड़की के साथ विवाह करके लाता है, उसको अपनी मालकिन बनाता है। हमने अपनी संस्कृति के दम पर राज किया है। बन्दूकों, तोपों और एटम बमों से न राज किया है और न किया जा सकता है। एटम बम तो और देशों के पास हम से भी ज्यादा होंगे। हमारे देश में 15 करोड़ मुसलमान भी हैं, क्या वे किसी चुनाव में हिस्सेदार नहीं हो सकते हैं। हरियाणा में बेशुमार संख्या पंजाबियों की है क्या वे किसी चुनाव में हिस्सेदार नहीं हो सकते। हिन्दुस्तान में किसी विशेष समुदाय की बातों को लेकर चुनाव नहीं लड़ा जाएगा। (विघ्न) बीरेन्द्र सिंह ने ठीक फरमाया। कारगिल में लड़ाई जारी है। यह लड़ाई क्यों हुई, इसके ठोस कारण क्या थे ? लड़ाई कितनी जरूरी थी, इसका खुलासा तो जब लड़ाई शान्त हो जाएगी, उसके बाद होगा। अभी तो हम इस बात पर एक मत है कि कहीं हमारी फौज डिमोरेलाइज न हो। सब एकता दिखा रहे हैं। लड़ाई कितनी जरूरी थी, कितनी नहीं थी इसका खुलासा तो जंग के बाद आएगा। जार्ज फर्नांडीज का ब्यान था कि 2 दिन में घुसपैठियों को निकाल देंगे। कितनी नादानी कर रहे हैं। पोखरण एटम बम बनाकर सारी दुनिया में पतासे बांटे। मैं कहता हूं कि बम क्या एक दिन में बना लिया था। इतनी जल्दी उसका बटन दबाने की जरूरत क्या थी, वाह-वाही लूटने की जरूरत क्या थी, थोड़ा इंतजार कर लेते। यहां के विधान को जान लेते कि बम चलाना जरूरी भी है या नहीं है। एक तरफ दुश्मन को

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौकन्ना कर दिया दूसरी तरफ बार्डर पर झांक कर नहीं देखा कि कहां घुसपैठिए घुस रहे हैं ? फौज और विजीलैंस आफिसर्ज के रिकार्ड की फाइलों के 3-3 महीनों तक जवाब नहीं दिए। आज यह बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं और ये उस लड़ाई को कैश करना चाहते हैं। लेकिन अभी तो यह मुद्दा लोगों के बीच में आना है अभी तो इकट्ठा लोगों के बीच में जाना है। चुनाव के अन्दर जब यह मुद्दा उठेगा तो पता लगेगा कि कौन ठीक है, कौन गलत है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैं सभी माननीय सदस्यों से नम्र निवेदन करता हूं कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और देश की सुरक्षा तथा इन्टैग्रिटी संकट में है I would request all the Hon'ble members to avoid such references.

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जैसे नेता से इन्होंने दुश्मनी की है और हरियाणा की जनता से धोखा किया है और इनके धोखे की सजा हरियाणा की जनता इनको देगी। हरियाणा की जनता के साथ इन्होंने जो दुश्मनी की है उसकी पूरी सजा इनको मिलने वाली है (विघ्न) आज उधर से बोलते हुए कहा गया और पुरजोर शब्दों में कहा गया कि बंसी लाल जैसा दुश्मन नहीं है, मैं इनसे नम्र शब्दों में कहूंगा कि यह बड़ा ऊंचा बोल गए, गलत कह गए। चौधरी बंसी लाल इनके साथ तीन साल तक दोस्ती निभाते रहे और इनको बर्दाश्त किया। पहले जिन लोगों ने हरियाणा की जनता के साथ उनके हितों के साथ धोखा किया उनका क्या हश्र हुआ वह सबको पता है। अब इस धोखे की बात इसी हाउस में जाएगी क्योंकि जनता के साथ जो वायदे किए गए थे उनको पूरा करने के लिए इनको बंसी लाल जी का साथ देना चाहिए था लेकिन ऐसा न करने के कारण इनकी बदनामी होगी और जनता को इनको जवाब देना पड़ेगा। हरियाणा की जनता इस बात की आशा करती है कि चौधरी बंसी लाल की सरकार उनके हितों के लिए काम कर रही है इसलिए जनता की मोहर चौधरी बंसी लाल जी की बात पर लगेगी और इन लोगों को जनता से दण्ड मिलेगा। स्पीकर सर, इन शब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और मुझे बोलने के लिए जो समय आपने दिया उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

लोक निर्माण (भवन एवम् सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, आज सदन के नेता ने जो विश्वास प्रस्ताव सदन के पटल पर रखा है, मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आज से तीन साल पहले हरियाणा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बनाई थी। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में दोनों पार्टियों ने हरियाणा के लोगों से वायदे किए थे और उन सभी वायदों को पूरा करने के लिए पिछले तीन साल से हम लगे हुए हैं। स्पीकर सर, आप अच्छी तरह से जानते हैं और आज चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने भी एक बहुत अच्छी बात कही थी कि पांच साल के लिए प्रदेश के लिए सरकार बड़ी उम्मीदों के साथ बनाई जाती है कि यह सरकार देश के लिए और प्रदेश के विकास के लिए काम करेगी और जो जनता की कठिनाईयां हैं, उनको दूर करेगी। स्पीकर सर, मैं पिछले आठ साल से सदन के अन्दर बैठा हुआ हूं। जहां हमें हरियाणा की जनता की कठिनाइयों के बारे में चिन्ता करनी चाहिए, जहां हम हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए सुविधाएं जुटाने की बात कर सकते हैं, मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि पिछले आठ सालों में हमारे प्रदेश के जितने भी मुख्य मन्त्री रहे हैं वे सारे सैशन में एक-दूसरे पर आरोप लगा कर और जवाब दे कर सारा समय खराब करते हैं। इन सारी बातों से नुकसान तो हरियाणा की जनता का ही होता है। आज हमारे भारतीय जनता पार्टी के साथी हम से अलग हो गए। स्पीकर सर, उनकी कोई भी योजना रही हो, लेकिन जो मुद्दा है वह यह है कि इस प्रदेश की जनता को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में भारतीय जनता

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी से जो उम्मीद थी इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले तीन सालों में उन पर विचार किया गया। जितने काम इन 3 सालों में किए गए या सरकार ने करने की कोशिश की है, आज हरियाणा की जनता ने उन कामों की प्रशंसा करनी शुरू कर दी है। मिसाल के तौर पर सबसे बड़ी समस्या इस प्रदेश में बिजली की थी। आप सब अच्छी तरह जानते हैं कि जब हमारी पार्टी सत्ता में आई थी तो उससे पहले बिजली के कितने खराब हालात थे ? आज चौटाला जी ने बोलते हुए कहा कि हरियाणा की इन्डस्ट्रीज यहां से पलायन करके दूसरी जगहों पर जा रही हैं। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि अगर यहां से कोई उद्योग गया भी है तो क्या उसके लिए कसूरवार यह सरकार है ? जिस हरियाणा का नाम इस देश के अन्दर बड़ी इज्जत से लिया जाता रहा तो क्या बात है कि आज ये हालात हैं। क्या यह सही नहीं है कि इन्होंने ही ये हालात यहां पर पैदा कर दिए जिस वजह से यह सब कुछ हुआ है।

चौटाला जी ने बोलते हुए सड़कों के बारे में भी जिक्र किया कि सारे हरियाणा में सड़कें टूटी हुई हैं। स्पीकर साहब, आज से 20 साल पहले चौधरी बंसी लाल जी जो सड़कें बनवा गए थे उसके बाद जितनी भी सरकारें आईं, किसी ने भी कोई सड़क नहीं बनवाई और न ही उनकी ठीक तरीके से देखभाल की। आज उसी का खामियाजा हरियाणा की जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्पीकर सर, पिछली सरकार के वक्त जब हम अपोजीशन में बैठते थे और हम अपोजीशन वाले अपने अपने हल्कों के बारे में बात कहते थे तो जान बूझ कर हमारी बातों को सुना नहीं जाता था। जब हमारी सरकार आई और मेरे पास यह विभाग आया तो मैंने मुख्यमंत्री जी से कहा कि अगर हम उन सड़कों को ठीक नहीं करवाएंगे तो यह हमारी पार्टी के लिए अच्छा नहीं होगा। स्पीकर सर, तमाम एम०डी०आर० जो एक जिले को दूसरे जिले से जोड़ती हैं, जो सड़क एक गांव को दूसरे गांव से जोड़ती है चाहे वह किसी विपक्ष के हल्के की सड़क हो या पक्ष के हल्के की सड़क हो। हमें पक्ष-विपक्ष का ध्यान न रखकर उनको ठीक करवाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपकी मर्जी जैसा मर्जी कर लें। स्पीकर सर, कोई भी विपक्ष का एम०एल०ए० आज यह नहीं कह सकता कि मेरे हल्के में काम नहीं हुआ है।

श्री बलवन्त सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर सर,माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि इन्होंने सड़कें ठीक करवाई हैं लेकिन मैं कई बार इनसे मिला और कहा कि मंत्री जी हमारे जिले के अन्दर सड़कों की खस्ता हालत है। तो मंत्री जी ने एक ही जवाब दिया था कि हमारे पास पैसा नहीं है। मैंने इनसें कहा था कि जब आपकी सरकार ने शराब बंद की थी और जो टैक्स लगाए थे तथा उन टैक्सों से जो पैसा आया था वह कहां गया। मंत्री जी यहां पर बैठें हैं आप इनसे पूछ लें कि मैंने इनसे यही बात कही थी या नहीं कही थी। अध्यक्ष महोदय, झज्जर से रोहतक, झज्जर से साम्पला, खरखोदा होते हुए जो सड़क सोनीपत डिस्ट्रिक्ट को मिलती है उसकी बहुत ही खस्ता हालत है।

श्री अध्यक्ष : मायना जी आप बैठ जाएं, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। कृपया अपनी सीट पर बैठें।

श्री बलवन्त सिंह : * * * * * * * *।

श्री अध्यक्ष : ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बलवन्त सिंह : * * * * * * * *।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : मायना जी आप बैठ जाएं। चौधरी साहब कृपा करके आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मायना जी ने जिन सड़कों का जिक्र किया है, ये उस बारे में अच्छी तरह से जानते हैं कि 15-20 सालों से उनकी तरफ किसी ने भी नहीं देखा है। अब हो सकता है कि एक दो सड़कें ऐसी हों। (शोर एवं व्यवधान) आप मुझे उन सड़कों के बारे में बता दें क्योंकि एक एक बात का जवाब मैं कहां से दूंगा ? अध्यक्ष महोदय, हमारा यह कार्यक्रम है कि जितने भी स्टेट हाइवे और एम०डी०आर० हैं चाहे वह झज्जर जिले के हों या रोहतक जिले के हों, जो हम ठीक कर सकते थे वह हमने ठीक किए हैं लेकिन जो ठीक नहीं हो सके हैं उनके लिए टैंडर्ज हो चुके हैं इसलिए जो भी थोड़ी बहुत दिक्कतें रही हैं उनको भी हम ठीक करेंगे। हां, यह ठीक है कि जो गांव के लिंक रोड्ज हैं उनको भी ठीक करने का कोई प्रोग्राम हमने नहीं चलाया है क्योंकि अगर हम गांवों की सड़कों को ठीक करने का प्रोग्राम चलाएंगे तो उसके लिए हमें दो हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश नाजुक आर्थिक दौर से गुजर रहा है यह आप जानते ही हैं। लेकिन हमारी पूरी नीयत है कि हम हरियाणा की तमाम सड़कों को आने वाले वर्ष में और उससे आगे आने वाले वर्ष में ठीक करेंगे।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि ये जो भी सदन में कह रहे हैं कम से कम उसको तो सच कहें। जिस तरह से ये रोड्ज की बात कह रहे हैं वह ठीक नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं तो स्टेट हाई-वे और एम०डी०आर० की बात कह रहा हूं। अगर इनके हल्के में ये गुजरते हों तो ये बताएं।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, जी०टी० रोड की रिपेयर तो ये करवाते हैं लेकिन हमारे हल्के में एक सड़क दिल्ली को मिलाती है लेकिन उस पर आज तक भी कोई काम नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्ष : आप इनको इस बारे में लिखकर दे दें।

श्री सूरजमल : जो काम हो रहे हैं उनके बारे में भी सबको पता है लेकिन यहां पर खड़े होकर झूठ बोलना तो ठीक नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनको शायद यह नहीं पता कि मैं तो केवल स्टेट हाई-वेज और एम०डी०आर० की ही बात कर रहा हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लेकिन ये तो एक सूबे से दूसरे सूबे की बात कर रहे हैं यानी आपसे भी आगे बढ़कर बात कर रहे हैं। इनके हल्के की एक सड़क हरियाणा को दिल्ली से जोड़ती है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है। पिछले 15-20 सालों में पिछली सरकारों ने किसी भी नहर या नालों की सफाई पर कोई काम नहीं किया इसलिए आप जानते हैं कि हर साल इस प्रदेश में बाढ़ का प्रकोप होता रहा है और लाखों करोड़ों रुपये की किसानों की फसलें बर्बाद होती रही हैं। पिछले बीस पच्चीस सालों में पहली दफा इन नहरों और नालों का रख रखाव या सफाई की गयी है। पिछले बीस पच्चीस सालों में जब गांवों के किसान अधिकारियों से या मंत्रियों से अपने अपने कामों के लिए मिला करते थे तो उनकी बात कोई नहीं सुनता था लेकिन हमारी सरकार ने प्रदेश के तमाम नालों और नहरों की सफाई करवायी है चाहे वे विपक्षी विधायक के हल्के में हों या सत्ता पक्ष के विधायक के हल्के में हों हमने सबकी सफाई कराने की एक मुहिम चलायी है। श्री ओम प्रकाश चौटाला जी बोलते हुई आगरा नहर के बारे में कह रहे थे। स्पीकर सर, मैं उस इलाके से संबंध रखता हूं जिस इलाके के लोग भावनात्मक रिश्ता कायम रखने में विश्वास रखते हैं। जब हम पहले

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

भजन लाल जी की सरकार में विपक्ष में बैठते थे तो आप जानते ही हैं कि हमें बार बार यह कहना पड़ता था कि फरीदाबाद जिले में और मेवात के इलाके में बहुत पिछड़ापन है बच्चों की शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है तथा वहां के किसानों एवं मजदूरों की कोई सुनवाई नहीं होती। आप जानते ही हैं कि पिछली सरकारों ने इन इलाकों की बहुत अनदेखी की है लेकिन अब पहली दफा वहां के लोगों को 20-25 सालों में आगरा नहर में पानी दिखाई दिया है। जो लोग वहां पर उदास हो गये थे या जिन लोगों ने वहां की नहरों को मिट्टी से भर दिया था अब उन्हीं ने उन नहरों के पानी से अपने खेतों में फसलें उगायी हैं। स्पीकर सर, जहां-जहां हमारी आगरा नहर के रजबाहे जाते हैं उन गांवों में आज एक अलग किस्म की खुशहाली देखने को मिलती है। इसी तरीके से जिला फरीदाबाद के अन्दर से गुजरने वाले जितने भी नाले हैं उनके ठीक तरीके से रख-रखाव के लिये पिछले तीन साल से एक मुहिम चली हुई है और जब हम अपने हल्के के गांवों में जाते हैं तो लोग इस बात के लिये हमारी सरकार और मुख्य मंत्री जी की प्रशंसा करते हैं कि कम से कम इन नहरों के अन्दर पानी लाने की जो ना-उम्मीद हो चुकी थी वहां इस सरकार ने पानी ला कर दिखाया। स्पीकर सर, इसी तरीके से जिला फरीदाबाद में जब हम शहरों से गुजरते हुये गांवों में जाते हैं तो वहां लोगों को एक विश्वास दिलाते हैं और उनसे वायदे करते हैं कि हम तुम्हारे ये काम करेंगे, सड़कें बनायेंगे, बैकवर्ड भाइयों की चौपालें बनायेंगे। हरिजन भाइयों की चौपालें बनाएंगे, गांवों के स्कूलों के दर्जे बढ़ायेंगे तो उन लोगों को बड़ी हैरानी होती है क्योंकि इस से पहले ऐसी चीजें वहां बनाई नहीं गई। इसलिये स्पीकर सर, तीन साल के अर्से में जिला फरीदाबाद में ही नहीं बल्कि तमाम हरियाणा के अन्दर समान रूप से विकास करने की कोशिश की गई है। प्रदेश के अन्दर रहने वाली 36 बिरादरियों के सम्मान को बहाल करने की कोशिश की गई है। स्पीकर सर, विकास के अलावा जो हमारे बेरोजगार नौजवान भाई हैं उनको बसों के रूट देने का प्रयास किया गया और नौजवान भाइयों को कानून और व्यवस्था के तहत मातहत रहने के लिये सरकार की तरफ से और प्रशासन की तरफ से प्रयास किया गया।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह चेयर पर पदासीन हुये)

सभापति महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारी सरकार आने से पहले कालेजों और विश्वविद्यालय में छात्रों के चुनावों के नाम पर कितनी बड़ी गुण्डागर्दी हुआ करती थी, कितने बड़े अपराध हुआ करते थे, स्कूलों और कालेजों में जाने वाले छात्र किताबों की जगह हथियार ले जाया करते थे। छात्रों के चुनाव एक साल बाद हुआ करते थे लेकिन कई-कई साल तक उन छात्रों में दुश्मनी निभाई जाती थी। हमने तमाम प्रदेश के जो वुलपति हैं उनके साथ बैठ करके बात की और उनको इस बात के लिये राजी किया कि छात्रों के चुनावों पर रोक लगनी चाहिए और सभापति महोदय तीन साल के बाद हरियाणा के अन्दर कितने अच्छे नतीजे सामने आए हैं। आज स्कूलों में और कालेजों में जाने वाले छात्र इस बात को महसूस करते हैं कि सही मायनों के अन्दर कोई पढ़ाई का माहौल इतने लम्बे अर्से के बाद विश्वविद्यालयों और कालेजों में देखने को मिल रहा है। सभापति महोदय, आपको पता है कि पहले नौकरियां किस तरह से मिला करती थी जब नौकरियां निकलती थी तो हम तो सुना करते थे कि मंत्रियों और विधायकों की जेबों में नियुक्ति पत्र हुआ करते थे जिसको चाहे वे अपनी मर्जी से नौकरी दे देते थे। यह बात सही है कि आज हमारे हरियाणा के क्षेत्रों के लोग हम से नाराज हैं और इस बात पर गुस्सा जाहिर करते हैं कि अगर पिछली सरकारों में मनचाहे तरीके से नौकरियां दी जाती थीं तो तुम क्यों नहीं दे सकते ? आज पूरे हरियाणा प्रदेश के अन्दर चाहे पटवारियों की भर्ती हो, चाहे अध्यापकों की भर्ती हो, चाहे दूसरे पदों की भर्ती हो, हमने बिल्कुल ईमानदारी और बिना किसी भेदभाव के योग्यता के आधार पर ही युवकों को भर्ती करने की कोशिश की है। हमारे साथियों ने सड़कों के बारे में जो कहा, सभापति महोदय आप अच्छी तरह

से जानते हैं कि हमने वर्ल्ड बैंक को एक स्कीम बना कर भेजी थी अगर वर्ल्ड बैंक से पैसा मिल जाता तो निश्चित रूप से हमारे प्रदेश की वे सड़कें ठीक हो सकती थीं। (शोर) सभापति महोदय, जो परमाणु विस्फोट हुए उसकी वजह से वर्ल्ड बैंक ने हमारे प्रदेश और देश के ऊपर प्रतिबन्ध लगा दिये। यह बात प्रदेश और देश की जनता अच्छी तरह से जानती है कि यह मिलता हुआ पैसा हमें मिलने से चूक गया और उसकी वजह से सड़कों के मामले में हमें बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जो बातें दूसरे माननीय साथियों ने कहीं। मैं आपको इस बात का विश्वास दिला सकता हूं और आप अच्छी तरह से जानते हैं कि आपस में मतभेद भी होते हैं मनमुटाव भी होते हैं लेकिन हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए इस सरकार के प्रयासों में कोई कमी नहीं है और मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में यह सरकार अगर बनी रही तो जो हमारे वायदे अभी अधूरे हैं उनको भी हम पूरा करेंगे और इन शब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव) : धन्यवाद चेयरमैन साहब, इस डेमोक्रेटिक सैटअप के अंदर यह हर पार्टी का दायित्व है कि वह नो-कॉफीडेंस मोशन दे। हरियाणा के इतिहास में इन तेतीस सालों में यह पहला मौका है कि जब एक पार्टी द्वारा सपोर्ट विदड्रा करने के बाद यह हालत हुई है और आज हम उस पर बहस कर रहे हैं स्पेशल सैशन बुलाया गया है। बी०जे०पी० की वजह से यह सारा कुछ हो रहा है। डिसकशन हो रही है ये बार-बार दोस्ती के दावे भी करते हैं और तीन साल के बाद इस दोस्ती को ताक पर रख दिया, सारे वायदे भी भूल गए। मैंने रामविलास जी को पहले भी कहा था और अब भी कहना चाहता हूं कि वे समझते हैं कि जितना ऊंचा बोला जाए, उतना सच हो जाता है लेकिन ऐसा नहीं है इनका कद ऊंचा है और जोर से बोलते हैं लेकिन इस बात को भूल गए जिसकी गोद में जा रहे हैं उसकी गोद में सन् 1987 में भी गए थे लेकिन जब 1991 में आए तो अकेले आए थे अबकी बार जा रहे हैं तो एक भी आ पाएगा या नहीं यह पता नहीं है ? यह हालत अपने लिए ये पैदा कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि बंसी लाल जी की लिनियैंसी समझो या कोई और वजह हो सकती है जितनी छूट इनकी दी गई और जो सत्यानाश इन्होंने मेरी कांस्टीच्यूएंसी गुड़गांव का किया इसके लिए इन्हें वहां की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मैं आपको दावे के साथ कह सकता हूं कि गुड़गांव में सौ से ऊपर काम्पलैक्स बने हैं अगर इसकी जांच का काम विजिलैंस को दे दिया जाए तो सारी बात सामने आ सकती है उसका पैसा लेकर कौन खा गया यह तो बी०जे०पी० के मंत्री बता सकते हैं या ऑफीसर बता सकते हैं। मैंने कई बार कहा कि ये आप गलत कर रहे हैं कल को कोई बात आ सकती है आपके खिलाफ विजिलैंस इंक्वायरी हो सकती है लेकिन उसके बाद भी कोई बात नहीं हुई। ये लोग धर्म का नारा लगाते हैं मुझे यह बात कहते हुए शर्म आती है।

श्रीमती कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है जिस गुड़गांव की ये बात करते हैं वहां की म्यूनिसपैलिटी में कांग्रेस की अध्यक्षा है जिसके माध्यम से सारे पाप हो रहे हैं।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैंने कई बार कहा कि हमारे प्रैजिडैण्ट की वहां नहीं चलने दी जा रही है लेकिन उसके बावजूद भी कोई कहलवाना चाहे तो मैं कह देता हूं कि वहां के ई०ओ० की चार बार ट्रांसफर कैंसिल की गई। मैं भी लोकल बॉडीज में मिनिस्टर रहा हूं एक बार किसी की ट्रांसफर कैंसिल कर दी तो कर दी लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी एक आदमी की ट्रांसफर चार बार कैंसिल की गई हो। किसी आदमी की ट्रांसफर यदि चार-चार बार कैंसिल करेंगे तो वह आदमी अपने आप मनमानी करेगा। ये लोग बड़ा धर्म का नारा लगाते हैं कि हम करप्शन नहीं करेंगे। बड़ा नारा लगाते हैं कि

[श्री धर्मवीर गाबा]

हम तो बड़े डैमोक्रेट हैं मैं कहता हूं कि कर्ण सिंह दलाल यहां बैठे हैं ई०आई०सी० के साथ एक मीटिंग करा दी, उसके बाद चीफ इंजीनियर के साथ एक मीटिंग करा दी उसके बाद एस०ई० के साथ एक मीटिंग करा दी और दो बार खुद के साथ मीटिंग कर ली। मैंने दलाल साहब से कहा कि दलाल साहब मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए बस एक सड़क बनाने की मांग करता हूं इसको बनवाने की कृपा करें। लेकिन तीन साल का समय बीत गया, दलाल साहब यही कहते रहे कि उस सड़क को आज सैंक्शन करता हूं कल सैंक्शन करता हूं परन्तु आज तक मेरे इलाके की उस सड़क को नहीं बनाया गया। मुझे अफसोस हुआ कि जिस आदमी को चौधरी बंसीलाल जी ने पूरी पॉवर दे रखी हो और वह यह कहे कि जब बी०जे०पी० वाले कहेंगे, तभी उस सड़क को बनायेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि यह सड़क इसलिए नहीं बन सकती क्योंकि इस इलाके के लोगों ने बी०जे०पी० को वोट दिया है। इस इलाके के लोगों के साथ इससे बड़ी गद्दारी और क्या हो सकती है जिस इलाके में एक एम०एल०ए० रहता हो और उस इलाके की सड़क न बन सके इससे ज्यादा और क्या हो सकता है। गुड़गांव नगर परिषद की अध्यक्ष एक महिला को बनाया गया था परन्तु उस महिला का चुनाव बाद में अनैक्ष घोषित कर दिया गया। यह सब मेरे अमरीका चले जाने के बाद हुआ और जब मैं अमरीका से आया तो पता चला कि उस महिला को फिर से अध्यक्षा बना दिया है। आज हमारी पार्टी के सामने यह समस्या खड़ी हो गई है कि एक तरफ खाई है और दूसरी तरफ कुआं है। आज हमारी पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गान्धी जी के खिलाफ इस सदन में काफी कन्ट्रोवर्सी पैदा हुई और उनके बारे में काफी कुछ कहा गया। इस सदन में इतने पढ़े लिखे महानुभाव बैठे हैं। चौटाला साहब मुझे इस बात का जवाब दे दें कि सिक्किम जिसकी हिन्दुस्तान में अमलगमेशन हुई है उससे पहले सिक्किम हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं था। क्या आज सिक्किम का आदमी चुनाव लड़ने का हकदार नहीं है। क्या गोवा और पांडीचेरी जो पहले हिन्दुस्तान से अलग थे और अब हिन्दुस्तान में मिल गये हैं क्या उनका आदमी चुनाव लड़ने का हकदार नहीं है। क्या श्रीमती सोनिया गान्धी जी ने यही कसूर किया है कि वे हिन्दुस्तान में पैदा नहीं हुई। मैं तो अपने घर की बात कहता हूं। मेरा एक ही लड़का है और वह आजकल फ्रान्स में सैटल है। अगर कल उसका लड़का जो फ्रान्स में पैदा हुआ है हिन्दुस्तान में आकर गुड़गांव से चुनाव लड़े तो क्या वह चुनाव नहीं लड़ सकता ? ये लोग क्या उसका एतराज करेंगे कि यह तो फ्रान्स में पैदा हुआ है इसलिए चुनाव नहीं लड़ सकता। इनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं है। किसी ढंग को अपनाकर तो ये लोग चलें। अपना तो एक ही उसूल है कि लोगों को ढंग की बात बताई जाये। आज चौटाला साहब और बी०जे०पी० वाले कहते हैं कि हम हरियाणा को हरियाली देंगे और अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो हरियाणा को स्वर्ग बना देंगे। 1987 में जब लोकदल और बी०जे०पी० की मिलीजुली सरकार थी उसके बारे में भी आज कई मिसालें दी गईं। श्री रामविलास शर्मा जी ने 11 मई को अखबार में अपनी एक स्टेटमैंट दी थी मैंने उस अखबार को पढ़ा है। अध्यक्ष महोदय, आज मुझे समझ नहीं आ रहा कि इन्होंने चौटाला साहब से दोस्ती कैसे कर ली ? आज चौटाला साहब और शर्मा जी एक होने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी को अपनी बात पर रहना चाहिए। जो बात इन्होंने हाउस में कही उसका लिहाज तो रखना चाहिए, उसका पालन करना चाहिए। आज ये उस बात को भूल गये, इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। आज श्री राम बिलास शर्मा यह कहते हैं कि हमने यह कर दिया, हमने वह कर दिया। कोई भाई मुझे बताये कि इन्होंने मेरे हल्के में क्या कार्य किया ? अध्यक्ष महोदय, मैं कर्ण सिंह दलाल जी को भी कहना चाहूंगा कि ये हाउस के अंदर वही बात करें, जो पूरी कर सकें।

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, प्लीज कंक्लूड करें।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने आज हाउस में दावा किया है कि इन्होंने एक जिले से दूसरे जिले की सभी सड़कें मिला दी हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि गुड़गावां में पांव चन्दू से लेकर झज्जर तक की सड़क टूटी पड़ी है। उसमें दो-दो फुट के गड्ढे पड़े हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब जिस रोड की बात कर रहे हैं वह लिंक रोड है। मैंने एम०डी०आर० के बारे में कहा है।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने अब तक न तो हमारी कोई सड़क बनवाई है, न ही बनवायेंगे और हमें उम्मीद भी नहीं है।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

लोक निर्माण (भवन व सड़कें) मंत्री द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। स्पीकर सर, गाबा साहब ने कहा कि हम सड़कें नहीं बनायेंगे। मैंने कोई डींग नहीं मारी कि हमने हरियाणा प्रदेश की सारी सड़कें ठीक करवा दी जो सही तथ्य है वही सदन के सामने रखे हैं। हरियाणा प्रदेश की सारी सड़कें ठीक करवाने के लिए दो हजार करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इतना पैसा हम कहां से लायेंगे ?

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने गुड़गावां कांस्टीच्यूंसी के अंदर कोई भी सड़क नहीं बनवाई। अगर कोई बनवाई है तो ये हमें बतायें ? दलाल साहब, आपने गुड़गावां के अंदर मेन बाजार से रेलवे स्टेशन को जो रोड जाता है, वह भी नहीं बनवाया। अध्यक्ष महोदय, गुड़गावां डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर है, मैं एक लास्ट बात कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा प्रदेश के अंदर लॉ एंड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। हरियाणा प्रदेश के अंदर लैंड माफिया तैयार हो रहे हैं। अभी 8-10 दिन पहले की बात है गुड़गावां के अंदर स्वर्ण पब्लिक हैल्थ के सामने एक धर्मशाला है उस पर कब्जा करने के लिए 20 आदमी पहुंच गये और कहने लगे कि हम इस पर कब्जा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर पंचायत के साढ़े पांच हजार मैंबर हैं, वे सभी आ गये और कहने लगे कि आप किस-किस को गोली मारेंगे, क्योंकि वह कॉमर्शियल जगह है। हमने वहां पर इस बारे में डी०सी० और एस०पी० से रिक्वैस्ट की कि हमारे साथ यह हो रहा है। मैंने उनको एक बात यह भी कह दी कि इस पंचायत के साढ़े पांच हजार मैंबर हैं और एक-एक मैंबर के गोली लगने के बाद ही इस धर्मशाला पर कब्जा मिलेगा तथा उन साढ़े पांच हजार में मैं भी शामिल हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास उसका बिजली और पानी का बिल है, रजिस्ट्री है लेकिन फिर भी कहते हैं कि हमने कब्जा करना है। ऐसे लैंड माफियों को दूर करना चाहिए, इससे सरकार की अच्छाई नहीं होगी बल्कि बदनामी होगी। मैं तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की आवाज में अपनी आवाज मिलाकर यह कहना चाहता हूं कि अगर हमारे अंदर थोड़ी सी भी सैंस है, तो हम किसी भी कीमत पर ऐसे लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो जात-पात व धर्म का नारा लगाते हों। धन्यवाद। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो सदन का विश्वास-मत हासिल करने के लिए सदन के अंदर प्रस्ताव पेश किया है, उसके समर्थन में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आज सारे देश की निगाहें कारगिल पर लगी हुई हैं। भारत-माता के सपूत, अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश की सीमाओं की रक्षा करने में लगे हुए हैं। आज तमाम समाचार-पत्र, तमाम

[श्री अनिल विज]

इलैक्ट्रोनिक मीडिया भी पूरी तरह से कारगिल पर फोकस किए हुए हैं। अगर 30 मिनट समाचार आते हैं तो उस में से लगभग 20 मिनट केवल कारगिल की चर्चा की जाती है। ऐसे समय में हम हरियाणा के लोग, हम हरियाणा के चुने हुए प्रतिनिधि, हम देश के उस प्रांत के प्रतिनिधि, जिस प्रांत के लोगों ने देश की एल०ओ०सी० की रक्षा करने के लिए सबसे अधिक बलिदान, सबसे आगे बढ़-चढ़कर दिया, तमाम पार्टी-पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर उन सेनानियों के पीछे एकजुट होकर खड़े होने की बजाए, आज हम इस सदन में इकट्ठे होकर इस सदन की कुर्सी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक तरफ तो शहीदों की संख्या गिनी जा रही है और दूसरी तरफ दिन-रात एम०एल०एज० की संख्या गिनी जा रही है। केवल ऐसे प्रांत से आज की तारीख तक, जैसे कि सरकारी रिकार्ड में बताया गया है, 40 सेनानी शहीद हो चुके हैं। आखिर सोचना कि ऐसी क्या मजबूरी होगी कि आज बजाय इसके कि हम कोई विशेष सत्र बुलाते और उस में बैठकर यह विचार करते कि सीमाओं पर जो शहीद हो रहे हैं, हमें उनके लिए क्या करना चाहिए, उनको क्या सहायता देनी चाहिए, लेकिन उस गंभीर समस्या पर विचार करने की बजाय, आज हम विश्वास-मत पर विचार करने के लिए यहां पर एकत्रित हुए हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी। अध्यक्ष महोदय, पीछे चुनावों में हविपा और भाजपा को जो मैंडेट मिला था, वह मैंडेट हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को अलगअलग नहीं मिला था, वह मैंडेट ज्वाएंट था। वह मैंडेट हविपा-भाजपा गठबंधन को मिला था। हम तो आजाद उम्मीदवार के नाते जीतकर आए हैं। हम तो सदन में तमाम पार्टियों के खिलाफ जीतकर आए हैं। यह जो सरकार थी यह पिछले 3 साल से हमारे प्रदेश में विकास के कार्य कर रही थी। जो मौजूदा सरकार थी उसका चुनाव एच०बी०पी० ने और बी०जे०पी० ने मिलकर लड़ा था। बी०जे०पी० के जो उम्मीदवार थे उनके लिए विकास पार्टी के नेताओं ने वोट मांगे और जो विकास पार्टी के उम्मीदवार थे, उनके लिए बी०जे०पी० के प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर तक के नेताओं ने वोट मांगे थे। वह मिला जुला मैन्डेट था। वह सैपरेट मैन्डेट नहीं था। उस वक्त इस ऐलाएंस ने प्रदेश में पूरे 5 साल तक प्रदेश की बागडोर संभालने की बात कही थी। जनता ने जिस बात को माना था जिस ऐलाएंस को बहुमत दिया था उसको पांच साल तक सरकार चलाने का मैन्डेट दिया था। इस तरह से बी०जे०पी० के साथियों द्वारा बीच में समर्थन वापस लेना हरियाणा की जनता के साथ विश्वासघात है। आज देश में लोगों की सबसे बड़ी चिन्ता उठा-पटक से सरकारें जो चल रही हैं उसके बारे में है। देश की जनता रोज की उठापटक से तंग आ चुकी है। वह इसको अच्छा नहीं मानती। जो अब हुआ है उसको भी प्रदेश की जनता उचित नहीं मानती। आज लोगों की सबसे बड़ी चिन्ता स्थाई सरकार के प्रति भी है। लोग चाहते हैं कि जो भी सरकार बने वह पूरे 5 साल तक चले। यहां पर तमाम पार्टियों के नेता बैठे हैं। आज के माहौल में कोई भी पार्टी अकेले सरकार चलाने या बनाने में सक्षम नहीं है। आज ऐलाएंस का युग है। आज मिली-जुली सरकार का वक्त है। आज लोगों को विश्वास हो चला है कि ऐलाएंस की सरकार का युग है। लोग चाहते हैं कि जो भी सरकार हो वह पांच साल तक चले इसी बात को देखते हुए आने वाले लोक सभा के चुनावों के लिए एक नया गठजोड़ "नैशनल डैमोक्रेटिक फ्रंट" नाम से नया दल बनाया जा रहा है। इस फ्रंट को छोटी-मोटी पार्टियों को जोड़ कर बनाया जा रहा है और लोग सोच रहे हैं कि इस फ्रंट को मौका दिया जाये ताकि सरकार पूरे पांच साल चले लेकिन अब जैसे हालात हो रहे हैं उनको देखते हुए इस पर भी एक प्रश्नचिह्न लग कर रह गया है। अब लोग सोचने पर मजबूर हो रहे हैं कि क्या यह ऐलाएंस आने वाले चुनाव में हिन्दुस्तान में कामयाब हो सकता है ? लोगों के विश्वास को इस निर्णय से एक धक्का लगा, धोखा हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं खुद भी भारतीय जनता पार्टी में रहा हूं। चाहे मैं आजाद चुनाव लड़ूं लेकिन मैं इस बात को मानता हूं कि मेरा राजनीतिक घराना भाजपा है इसलिए मैं

मानता हूं कि मुझे भी भारतीय जनता पार्टी के इस निर्णय से अत्याधिक कष्ट और दुःख हुआ है। क्योंकि ये तमाम बातें इसके साथ-साथ जुड़ी हुई हैं और जिस प्रकार का खेल खेला गया है। ये रिश्तों की पवित्रता की बात को जता रहे हैं। कहा जाता है कि शरीरों का मेल नहीं बल्कि आत्माओं का मेल है। एक तरफ तो भारतीय जनता पार्टी और विकास पार्टी के रिश्तों की पवित्रता की बात कही जाती रही और अन्दर-अन्दर ही ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी के साथ सांठ-गांठ की जाती रही। एक पत्नी के होते हुए जो दूसरी स्त्री से सम्बन्ध रखता है, उसे अपराध माना जाता है अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ * * * * * का मुकद्दमा चलाया जाना चाहिए कि इन्होंने पवित्र गठबन्धन को तोड़कर अपवित्र गठबन्धन कायम करने की कोशिश की है और वह भी उस पार्टी के आदमी से जिसे शब्दों का बाजीगर कहा जाता रहा है। (शोर) 10 मार्च 1997 की दो लाइनें पढ़कर सुनाता हूं जिसमें रामबिलास शर्मा जी कह रहे हैं कि अध्यक्ष महोदय आप जानते हैं कि ओम प्रकाश चौटाला शब्दों के कलाकार और बाजीगर हैं और मामले को टविस्ट कर देते हैं। मुझे दुःख है कि सब कुछ जानते हुए भी रामबिलास जी किस बाजीगर के शब्दजाल में फंस गए ?

श्री राम बिलास शर्मा : सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। * * * * * * * *

Mr. Speaker : No point of order. Nothing to be recorded.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी ने जो नारे हरियाणा की जनता को दिए थे, मैं समझता हूं कि वे नारे गठबन्धन ने दिए थे। जो गठबन्धन के नेता के माध्यम से कहा गया कि 30 20.00 बजे जून तक हम अपने प्रान्त को 24 घण्टे बिजली प्रदान करेंगे। (शोर) अध्यक्ष महोदय, सारा हरियाणा बड़ी बेताबी से 30 जून का इन्तज़ार कर रहा है। 24 घण्टे बिजली मुहैय्या करवाने के लिए अनेकों उपाय भी किए गए हैं और अनेकों नये सन्यन्त्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि प्रदेश को 24 घण्टे बिजली दिलाई जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली की बात सदन की कार्यवाही में लाना चाहता हूं। हरियाणा में बिजली की व्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाने जरूरी हैं। इस बात से हम सभी सहमत होंगे कि किसी भी देश और प्रदेश की प्रगति सबसे अधिक बिजली पर ही निर्भर करती है। क्योंकि अगर बिजली होगी तो खेतों में अधिक पानी जाएगा, यदि खेतों में पानी जाएगा तो अनाज ज्यादा पैदा होगा, खेतों में अधिक अनाज होगा तो किसानों की जेब में अधिक पैसा जाएगा, किसानों की जेब में अधिक पैसा जाएगा तो अधिक खरीददारी करेगा, अगर वह अधिक खरीददारी करेगा तो दुकानदार की सेल अधिक होगी, अगर दुकानदार की सेल अधिक होगी तो बाज़ार में मांग अधिक होगी, अगर बाज़ार में मांग अधिक होगी तो कारखानों का उत्पादन बढ़ेगा, अगर कारखानों में उत्पादन बढ़ेगा तो मजदूरों को अधिक उजरत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब है कि किसी भी देश या प्रदेश की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण बिजली होती है। इसलिए प्रदेश के नेता चौधरी बंसी लाल ने बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए सराहनीय पग उठाए। हरियाणा सरकार द्वारा इस दिशा में जो कदम उठाए जा रहे हैं उसके बारे में देश के प्रधान मन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हरियाणा सरकार को एक प्रशंसा पत्र भी लिखा था। वह प्रशंसा-पत्र पिछले सैशन में राम बिलास शर्मा जी ने पढ़ कर सुनाया था। उस में इस सरकार द्वारा बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए इस सरकार की प्रशंसा की गई थी। इस पत्र को मैं यहां पर पढ़ कर सुना देता हूं :—

"The Prime Minister had expressed satisfaction in regard to the performance of the Thermal Plants in particular and the overall performance of the sector in general. He had desired that we should

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री अनिल विज]

convey his appreciation to the workers and the officers in the power plants which have performed well during the first six months of the year."

अध्यक्ष महोदय, प्रधान मन्त्री जी ने बिजली के सैक्टर में इस सरकार द्वारा जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनकी प्रशंसा की है और मुख्य मन्त्री जी ने उसके लिए 30 जून की तारिख निर्धारित की थी कि 30 जून के बाद हम 24 घंटे बिजली देंगे। अटल बिहारी वाजपेयी जी के अनुयायियों ने 30 जून तक का समय भी इस सरकार को नहीं दिया (घण्टी) कि प्रदेश की जनता जो बिजली का इन्तजार कर रही थी वह काम पूरा किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, इस का क्या कारण है, इन्होंने किस लिए समर्थन वापिस लिया यह तो आने वाला समय ही बताएगा ? सारे प्रदेश की जनता अच्छी प्रकार से जानती है और मुझे पूरी उम्मीद और विश्वास है कि समय आने पर जनता इसका माकूल जवाब भी देगी। अध्यक्ष महोदय, इससे ज्यादा न कहते हुए सदन के नेता ने जो प्रस्ताव पेश किया है उसका मैं समर्थन करता हूं ताकि यह सरकार प्रदेश के विकास के लिए काम करती रहे, प्रदेश की प्रगति के लिए काम करती रहे। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद) : स्पीकर सर, अभी सदन के नेता ने जो वोट ऑफ कॉन्फिडैंस का प्रस्ताव रखा है, जिन हालात में यह प्रस्ताव आया है उसके बारे में अभी चर्चा हुई है। मैंने समझा इस प्रस्ताव के मूवर इसे मूव करके चले गए उसके बाद वोट ऑफ कान्फिडैंस की शुरूआती बहस आदरणीय महाजन साहब ने की। इस सरकार द्वारा जो उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं उनके बारे में भी कुछ विचार हो जाता तो ठीक रहता। बजाए इसके इधर उधर भटक गए, कहीं कारगिल के ईशू को छेड़ा जा रहा है, कहीं समय उचित नहीं है उसको छेड़ा जा रहा है और कहीं कुछ छेड़ा जा रहा है। इस तरह की भावनाओं को लेकर यह सरकार चलने की कोशिश कर रही है। इनको कौन पूछने वाला है। स्पीकर सर, पहले इनकी किसी ने रोका था। 3 सालों में पहले कहीं पर कोई कारगिल का मुद्दा नहीं था, कोई ऐसी सैंसिटिव बात नहीं हो रही थी। इन 3 सालों में इनको काम करने का पूरा मौका मिला। इन्होंने इन तीन सालों में क्या किया ? मैं इनको यह कहना चाहता हूं कि केवल मात्र मजाक करने से बात नहीं बनती कि मेरे मायके वाले। महाजन साहब का मतलब यह है कि इनका मायका आर०एस०एस० है। महाजन साहब, 1982 में आजाद कैंडिडेट के रूप में जीत कर आए थे और चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री बने थे तो ये उनके साथ हो गए। पहले ये हमारे साथ थे और बाद में उनको सपोर्ट दे दिया। स्पीकर साहब, तब भी इन्होंने कहा था कि आर०एस०एस० मेरी मां है और चौधरी भजन लाल मेरा बाप है। आज आर०एस०एस० भी इनका मायका है और भजन लाल वाला भी इनका मायका है। स्पीकर सर, तो इनकी ससुराल कौन सी हुई। इसका मतलब यह हुआ कि चौधरी बंसी लाल वाली इनकी ससुराल है। क्या अब ये अपनी ससुराल में आए हैं। स्पीकर सर, इस तरह से बातें कहने से बात नहीं बनेगी। ये अपने अन्दर झांक कर देखें कि ये वोट कहां से लेकर आते हैं और जाते कहां हैं ? ऐसे आदमी से इन्होंने मोशन मूव करवाया है और वह केवल मात्र दो बातें कहकर के बैठ गया। इन्होंने 30 जून को 24 घंटे बिजली देने का वायदा किया था इसलिए इनको यह बातें जची नहीं और कारगिल का मुद्दा छेड़ कर बैठ गए। ये सिर्फ चार मिनट में अपनी बात खत्म करके गए थे। स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि इन तीन सालों के अन्दर यह सरकार हर फ्रंट पर फेल हुई है। सर, कुछ लोगों की जो टिप्पणियां हैं वह भी मैं आपको बताऊंगा। सबसे पहले पोलिटिकल लैवल पर यह जो अनस्टेबलिटी की बात करते हैं कि स्टेबल गवर्नमैंट होनी चाहिए। इस अनस्टेबलिटी के क्रियेटर कौन हैं। बार बार मंत्री मण्डल के सदस्यों को निकालना उन

पर भ्रष्टाचार के चार्ज लगाना और उनके परिवार के लोगों पर भ्रष्टाचार के चार्ज लगाना फिर उन्हीं लोगों को वापिस मंत्री मण्डल में ले लेना। स्पीकर सर, आप बताएं क्या इससे पहले कभी ऐसा हुआ है ? अगर अनस्टेबलिटी किसी ने की है तो खुद मुख्यमंत्री ने की है। वर्ना यह सरकार तो स्टेबल चल रही थी, कौन इनको रोक रहा था ? हमारी तो संख्या सरकार को रोकने की नहीं थी। आज बार बार कह रहे हैं कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने मुख्यमंत्री बनने के लिए यह सारा खेल रचा दिया। हम तो बार बार कहते आ रहे हैं कि आज हम इस पोजिशन में नहीं हैं। स्पीकर सर, हमारी सरकार बनेगी। लेकिन पब्लिक का मेनडेट लेकर बनेगी। हम तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह के शुक्रगुजार हैं, अगर ये अपनी बात पर आ जाएं। इन्होंने जो अपनी बात कही है कि हरियाणा की जनता पार्लियामैंट के साथ ही चुनाव चाहती है। ये चाहे 2, 4 और 6 दिन के लिए अपना समर्थन दे दें, लेकिन चुनाव पार्लियामैंट चुनावों के साथ ही हो। अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट के चुनावों के साथ चुनाव हो सकता है और आज से ही उसकी शुरूआत हो सकती है। अगर आप असैम्बली के डिजोल्यूशन का रिजोल्यूशन लेकर आओ तो हम आपको सपोर्ट करेंगे। सबको पता लग जाएगा कि लोग क्या चाहते हैं और किसको लाना चाहते हैं। एक बहाना लेकर आपने अपना समर्थन इनको दिया है। एक अनहोनी एलायंस करने की आपने कोशिश की है। मैं उन बातों पर नहीं जाऊंगा कि चौधरी बंसी लाल जी ने कांग्रेस के अध्यक्ष के बारे में क्या कहा या उन्होंने इनके बारे में क्या कहा। वे बातें फिर तलखी बातें हो जाएंगी। इसलिए मैं ये बातें नहीं कहना चाहूंगा। मैं तो सिर्फ यह कहूंगा कि इनको अपने शब्दों पर टिके रहना चाहिए। लोग पार्लियामैंट के साथ चुनाव चाहते हैं और आप उनकी इच्छाओं को ऑनर करें तथा कान्फीडैंस मोशन की बजाए डिजोल्यूशन का मोशन लाएं तो स्पीकर सर सारा झंझट ही मिट जाएगा। लोगों की विशिज भी पूरी हो जाएंगी। स्पीकर सर, मैं गवर्नमैन्ट के फेल्योर की बात करता हूं, आपने भी इनका मैनीफैस्टो देखा होगा, यह एच०वी०पी० का मैनीफैस्टो है। इसके ऊपर आज के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी का फोटो है और दूसरी तरफ दो बच्चों की फोटो है। स्पीकर सर, यह कवरिंग पेज सरकार को इतना अट्रैक्टिव लगा कि ये सही देखते रहे। कभी मुख्यमंत्री की तरफ देखते रहे और कभी दूसरी तरफ देखते रहे। अगर इन्होंने इसके अन्दर झांक कर देखा होता कि इसके अन्दर 12 पेज हैं, उन 12 पेजों की तरफ इनका ध्यान ही नहीं गया। सबसे पहले मैं बिजली का जिक्र करना चाहूंगा। इन्होंने इस बारे में मैनीफैस्टो में लिखा है और ये भूल गए होंगे। इन्होंने लिखा है, "हरियाणा विकास पार्टी सत्ता में आने के बाद दो मास में 24 घंटे हरियाणा में बिजली उपलब्ध करवाएगी।"

स्पीकर सर, इन्होंने 24 घंटे बिजली दो महीने के अन्दर उपलब्ध करवाने की बात कही थी। स्पीकर सर, इस बारे में आपको भी मालूम होगा क्योंकि आपसे भी इस बारे में कन्सलट किया होगा। अध्यक्ष महोदय, आज 3 साल से ऊपर हो गए हैं लेकिन इनके दो महीने अब तक पूरे नहीं हो रहे हैं। सवाल दो महीने का नहीं है, सवाल यह है कि इस मैनीफैस्टो को इस सरकार ने उठाकर ही नहीं देखा है। आज कौन सा ऐसा फील्ड है जिसमें सरकार बची रही है। किसानों की हालत भी आपने देख ली है। 15 लाख एकड़ जमीन में किसानों की खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। बार बार मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुआवजा देंगे, मुआवजा देंगे लेकिन हरियाणा प्रदेश के लोग तरसते ही रह गये और उनको एक भी नया पैसा मुआवजे के रूप में नहीं दिया गया। स्पीकर सर, यह तो आपकी सरकार है इसलिए आपको भी इस बारे में पता होगा ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सम्पत सिंह जी जो मुआवजा देने वाली बात कह रहे हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि यह ठीक है कि काफी एकड़ जमीन

[श्री हर्ष कुमार]

में पानी भरा था, जिसकी वजह से फसलों का भी नुक्सान हुआ था लेकिन सरकार ने बड़ी तत्परता के साथ किसानों के खेतों का पानी निकाला है। जहां तक किसानों को मुआवजा देने की बात है सरकार ने तो उनको पूरी कोशिश मुआवजा देने की की है। सैंट्रल गवर्नमैंट की एक टीम मि० नेगी, आई०ए०एस० के नेतृत्व में आयी थी जिसने पूरे हरियाणा का सर्वे किया था। सर, आपको पता ही है कि पहले की सरकारों ने भी जो मुआवजा दिया है उसका पैसा सैंट्रल गवर्नमैंट ने ही दिया है। अटल बिहारी बाजपेयी के प्रधान मंत्री होते हुए और उस समय की हमारी सहयोगी भाजपा के होते हुए भी जान बूझकर इन्होंने हरियाणा के किसानों को मुआवजा नहीं देने दिया ताकि यहां के किसान खुशहाल न हों। जिस पार्टी से इन्होंने गठजोड़ किया है उस पार्टी की बदौलत ही हरियाणा के किसान को बाढ़ से हुए नुक्सान का मुआवजा नहीं मिल सका।

श्री सम्पत सिंह : अब तो सारी बुराई इनकी ही है। अगर कोई काम नहीं कर पाए तो वह इनकी वजह से और अगर कर पाए तो वह अपनी वजह से। क्या बात है ? अध्यक्ष महोदय, एक नया पैसा भी इन्होंने लोगों को नहीं दिया। इसी तरह से जीरी की जो फसल हुई वह मंडियों में ही सड़ती रही क्योंकि उसकी खरीद करने वाला कोई नहीं था। उस वक्त किसान रोता रहा और अंत में वह औने पौने दामों पर अपनी जीरी को लुटाकर चला गया तो यह हालत आज उन लोगों की है। यही हालत लेबर की भी है। दलाल साहब ने कहा कि रोड्ज की मरम्मत के लिए हमारे पास पैसा नहीं आया है न तो वर्ल्ड बैंक से और न ही गवर्नमैंट ऑफ इंडिया से। लेकिन तीन सालों तक आपने एक भी सड़क पर काम क्यों नहीं किया। यह ठीक है कि इस बार आपने पांच दस सड़कों पर काम शुरू कर दिया लेकिन इससे बात नहीं बनती क्योंकि यह तो एक कंटीनुअस प्रौसेस है सड़कें बनती हैं लेकिन उसके बाद वे रिपेयर मांगती हैं। ये हमें बता दें कि इन दो तीन महीनों को छोड़कर अगर इन्होंने सड़कों पर कोई पैसा खर्च किया हो। अगर अब आप इनको ठीक भी करेंगे तो यह आपके काबू में नहीं आएंगी बल्कि उससे फालतु ही टूटेंगी। आज 90 परसैंट सड़कों पर व्हीकल्ज नहीं चल सकते हैं क्योंकि ये बहुत ही बुरी तरह से टूटी हुई हैं। अगर इस देश के अंदर अमरीकन या यूरोपियन कंट्रीज की तरह कानून होते तो सरकार के खिलाफ क्रिमिनल केस किया जा सकता था क्योंकि खराब रोड्ज की वजह से कितने ही लोगों की मशीनरी खराब हुई हैं या कितने ही बीमार लोग इनकी वजह से समय पर अपना इलाज नहीं करवा सके लेकिन यहां पर ऐसा कोई कानून नहीं है इसलिए ये लोग मजे ले रहे हैं और गुमराह कर रहे हैं।

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, अभी जब थोड़ी देर पहले मैं अपनी बात कह रहा था तो शायद आदरणीय सम्पत सिंह जी ने सुना भी होगा। मैंने तो कोई गुमराह करने वाली बात नहीं कही थी। मैंने खुद माना है कि गांवों की रोड्ज को हम ठीक नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन सम्पत सिंह ने इस बात को जरूर देखा होगा कि हमने स्टेट हाई-वे और एम०डी०आर्ज० को ठीक करने की जरूर कोशिश की है। जब इनका अपना राज था तब भी सड़कें ठीक नहीं हो पायी थीं। इन्होंने कहा है कि सड़कों की मरम्मत पर कोई पैसा खर्च नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, जब से यह विभाग मेरे पास आया है तब से अब तक कम से कम सवा सौ करोड़ रुपये हम खर्च कर चुके हैं और हरियाणा प्रदेश के तमाम जिलों में काम चलता नजर आ रहा है। सड़कों की हालत खराब है इसलिए इनको पूरी तरह से ठीक करने में समय जरूर लगेगा।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आज डिवैल्पमैन्ट की वर्क्स न होने की वजह से इम्पलौयमैन्ट भी घट रही है जिसके आंकड़े मैं आपको बाद में बताऊंगा, प्राईवेट सैक्टर्ज के भी और पब्लिक सैक्टर्ज के

भी। इसी तरह से इन्होंने अपने मैनीफैस्टो में ट्रेडर्ज के टैक्स का सरलीकरण करने की भी बात कही है कि हम यह कर देंगे, वह कर देंगे। स्पीकर सर, प्रजातंत्र में सरकार रैस्पोन्सिव होती है, रैस्पोंसिबल भी होती है और असैसिबल भी होती है, अनफोरचुनेटली ये तीनों चीज़ें आज ये लैक कर रहे हैं। मेरे पास "दि ट्रिब्यून" का यह आडिटोरियल है और इसमें साफ लिखा है, लॉ एण्ड आर्डर का इसमें जिक्र है—

> "Police force in the State today is close to demoralisation. The same may be true of the bureaucracy..... Mr. Bansi Lal was once known for his drive, dynamism and vision to build a new Haryana. Today, he seems to have become prisoner of his own obsessions. In politics, signs of arrogance are invariably taken as signs of weakness."

आज यह पोजिशन आ रही है। कोई भी बात करें उसको ये अदरवाइज ले लेते हैं। अगर कोई आवाज़ उठाये, उसके प्रति ये रैस्पोंसिब हों, तब तो बात ठीक है। जिन ट्रेडर्ज ने आवाज़ उठाई उन पर लाठियां चलाई गई और 307 तक के मुकदमें दर्ज किये गये और यही हाल कर्मचारियों का बनाया गया है। जब सफाई कर्मचारियों ने आवाज उठाई तो उनको जेलों में ठूंस दिया गया। महिलाओं तक को और गरीब और दलित समाज के लोगों को बच्चों सहित जेलों में ठूंस दिया गया। इसी तरह की पोजिशन नर्सिंज की हुई और यही पोजिशन बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की हुई। आज तो बिजली बोर्ड के कर्मचारियों और पब्लिक में ये सिविल वार करवाना चाहते हैं। सरकार कहती है कि हम तो बिजली दे रहे हैं। इनको पकड़ो, मारो और पीटो। जब पकड़ो, मारो और पीटो की सिचुएशन आ जायेगी तो स्टेट का क्या एंड होगा ? अगर कानून लोगों के हाथ में दे दिया तो इससे सारा सिस्टम गड़बड़ा जाएगा। इसलिये अध्यक्ष महोदय, ये टकराव की बातें तो टलनी चाहिएं।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, चौ० सम्पत सिंह जो मारने पीटने की बातें कह रहे हैं, सब असत्य हैं, इनकी तो असत्य बातें करने की और ड्रामा करने की आदत है। इस ड्रामें में कोई असलीयत नहीं है।

श्री सम्पत सिंह : Now, I would like to draw the attention of the House towards the article written in "The Economic Times", New Delhi dated 10th May, 1999 in which it is written :—

> "Haryana records lowest revenue growth at 1.75%." It is the lowest.
>
> "Haryana has recorded the lowest-ever growth of 1.75 per cent in its income from state taxes, the mainstay of Haryana's finances, during 1998-99 as compared to the average growth of around 15 per cent per annum. According to the final date of tax income now available, 1998-99 proved to be the worst year in the Haryana's 32-year-old history."

स्पीकर सर, ये तो कमैन्ट्स हैं और जहां तक ग्रोथ रेट की बात है (धण्टी) अभी मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि इण्डस्ट्रीज आ रही हैं। स्पीकर सर, मैं ग्रोथ रेट बताना चाहता हूं, मैं तो आंकड़े दे रहा हूं। मैं कोई पोलिटिकल बात या कोई ऐसी बात नहीं कह रहा हूं जिससे अन-ईजीनैस हो। मैं यह कह रहा था कि जब यह सरकार आई तो उस वक्त मैनुफक्चरिंग सैक्टर में ओवर-आल ग्रोथ 1996-97 के खत्म होने पर 8.31% रही, 1997-98 में जाकर 6.6% हो गई। इसी तरह ट्रेडिंग में 1996-97 में 21.9% और 1997-98 में जाकर 8.5% हो गई। अध्यक्ष महोदय, जो यह ग्रोथ रेट कम हुई है, इसके लिये कौन

[श्री सम्पत सिंह]

रैस्पोंसिबल है ? इसी तरह से रवैन्यू ग्रोथ 1.75% आई और लैण्ड रवैन्यू में बहुत बढ़ौतरी हुई है। अध्यक्ष महोदय 1995-96 में लैण्ड रवैन्यू 1.31 करोड़ था जो अब बढ़ कर 7.16 करोड़ हो गया था। इसका मतलब यह हुआ कि इस सरकार में आबियाना छः गुणा बढ़ा है। इसीलिये इनका लैण्ड रवैन्यू कुछ ज्यादा है। अध्यक्ष महोदय, मैं विशेष कर आपको पावर सैक्टर के बारे में बताना चाहूंगा क्योंकि सरकार बार-बार पावर सैक्टर की डींग मार रही है कि 24 घण्टे बिजली दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, कोई अलाद्दीन का चिराग नहीं है कि ये 24 घण्टे बिजली दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज 25 तारीख हो चुकी है और केवल चार दिन बीच में शेष हैं। आज अगर बिजली की पोजिशन खराब है तो चार दिन में कौन सी पोजिशन ठीक हो जाएगी। स्पीकर सर, पावर के तीन सैक्टर हैं— एक जनरेशन, दूसरा ट्रांसमिशन और तीसरा डिस्ट्रीब्यूशन। सरकार हवाई डींगे मार रही है और जहां दफ्तरों को मजबूत किया जा रहा है वहां उच्चाधिकारियों की कारें, गाड़ियों और कोठियों पर इतना खर्चा हो रहा है। हैवी इस्टैबलिशमैन्ट यानी टॉप इस्टैबलिशमैन्ट खर्च बड़े-बड़े ब्यूरोक्रेट्स बिठा कर हो रहा है जबकि टैक्नोक्रेट्स को इग्नोर कर रहे हैं। स्पीकर सर, आप हैरान होंगे कि जहां इतना खर्चा ब्यूरोक्रेट्स पर किया जा रहा है उसके दूसरी ओर नीचे के सिस्टम पर कुछ भी नहीं हो रहा है, जनरेशन पर क्या खर्च हो रहा है ? ये कह रहे हैं कि प्राइवेट सैक्टर में ले जाकर निजीकरण करके कंपनियां बनाएंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। चौधरी संपत सिंह जी विपक्ष के सदस्य होने के नाते कोई बात कहें लेकिन बिजली के मामले में तमाम हरियाणा प्रदेश की जनता इस बात की सराहना करती है कि पिछले तीन सालों में और कोई काम चाहे हुआ हो या न हुआ हो लेकिन बिजली का काम ठीक हुआ है इनकी सरकार के समय में और पिछले राज में लोगों को जो बिजली की दिक्कत थी, वह अब नहीं है। हां किसी डिस्ट्रिक्ट में प्रौब्लम थोड़ी बहुत हो सकती है वरना आज के दिन बिजली की हालत बहुत अच्छी है। गांव के लोगों को तो बहुत शिकायत रहती थी कि गांव में बिजली नहीं आती, शहरों में आती है। परन्तु अब ऐसी कोई शिकायत नहीं है।

श्री संपत सिंह : सर, होम मिनिस्टर साहब की कांस्टीच्यूएंसी का कंक्रीट ऐग्जाम्पल दे कर बता देता हूं।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है चौधरी संपत सिंह जगलरी ज्यादा करते हैं असलियत कम कहते हैं क्योंकि असलियत का इनको पता नहीं है मेरे हाथ में यह लैटर जून 18, 1999 का है यह लैटर जो हिन्दुस्तान के वर्ल्ड बैंक के प्रौजैक्ट का इन्चार्ज है उसने चीफ सैक्रेटरी श्री आर०एस० वर्मा को लिखा है— I am reading some portion of the letter written by Mr. Edwin R. Lin, Country Director, India to Mr. R.S. Verma, Chief Secretary, Government of Haryana, Haryana Civil Secretariat, Sector 17-B, Chandigarh. In this letter it is written—

"Dear Mr. Verma,

Haryana Power Sector Reform and Development Programme.

It gives me great pleasure to inform you that the Haryana Power

restructuring project has been chosen as one of the ten best projects of the hundred projects evaluated for excellent quality at the entry stage by the Bank's Quality Assurance Group (QAG). This demonstrates the high level of commitment of the Government of Haryana. I would like to congratulate Messrs. Quaraishi, Issar and their staff for their remarkable contribution in leading the preparation and implementation of the reform."

वर्ल्ड में जो 10 प्रोजैक्ट अच्छे समझे गए हैं उन दस में से एक हरियाणा का बिजली बोर्ड है। इनको क्या पता ! हालांकि ये पढ़कर इनके पास थोड़े दिन रह लिया। लेकिन इनको पता नहीं है। चूहे को हरड़ मिल गई तो वह अपने आप को पंसारी समझ बैठा।

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री संपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनको तो जो पब्लिक रिलेशन वाले या दूसरे डिपार्टमेंट वाले कागज पकड़ा देते हैं उसे ये पढ़ देते हैं इनको क्या ज्ञान है ? वाटर रिसोर्सिज के बारे में डेविन का जो लैटर पड़ा हुआ है उसको ये पढ़ें लेकिन इनको तो जो सूट करता है वही लैटर है। जो सूट नहीं करता वह बेकार चला जाता है। आज जनरेशन की बात है (घंटी) इन्होंने कौन सा नया प्लान्ट लगाया है इन तीन सालों में कौन सी औन जनरेशन की है एन०टी०पी०सी०. जो गैस प्लान्ट लगा रही है, उससे हम परचेज करेंगे और जो जनरेशन 1.25 पैसे में पड़ती है वह हम 3 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से उससे परचेज करेंगे। तीन गुना रेट पर आप मार्किट से परचेज कर रहे हो।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इस भाई को कुछ पता नहीं है।

श्री संपत सिंह : जैसे पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट की बात है तो तीस जून तक थर्मल पॉवर प्लांट की छठी यूनिट आ जाएगी और जो 143 मैगावाट की एन०टी०पी०सी० की यूनिट है उससे हमारी जनरेशन बढ़ जाएगी, लेकिन तीस जून तक नहीं बढ़ने वाली। जहां तक डिस्ट्रीब्यूशन का सवाल है तो उसमें कोई पोल लाइन बन रही है तो उसका उद्‌घाटन हो रहा है, कोई ट्रांसफार्मर लग रहा है तो उसका उद्‌घाटन हो रहा है बिजली मंत्री जी नोट कर लें। 1995-96 में जो नये सब-स्टेशन बने थे उनमें 63 नये थे इनकी सरकार आने के पहले साल 53 सब-स्टेशनों की ऑगमैन्टेशन हुई थी। इस साल जब वर्ष 1998-99 कंप्लीट हो गया है। इसमें नये सब स्टेशन 11 बने हैं और 36 की औगमैंटेशन हुई है टोटल 47 बनता है और उस साल थे 63 । ये जितना चाहें क्लेम करते जायें परन्तु सब स्टेशन की संख्या हर साल कम होती जा रही है। औगमैंटेशन और नये सब स्टेशन कम लगाये जा रहे हैं। (विघ्न)

बिजली राज्य मन्त्री (श्री अत्तर सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी की जानकारी के लिए इन्हें बताना चाहता हूं कि 39 सब स्टेशन नये लगा दिए गये हैं जिनमें 220 के०वी०ए०, 132 के०वी०ए०, 66 के०वी०ए० और 33 के०वी०ए० के हैं और 182 सब स्टेशन के करीब 30 जून तक औगमैंट हो जायेंगे। टोटल 415 सब स्टेशन हमारे हरियाणा में हैं। इसी तरह से डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम है और उसके आगे का जो काम होना है वह सारे का सारा पूरी तरह से कर लिया गया है। 30 जून तक 24 घण्टे प्रदेश के लोगों को बिजली देने का इंतजाम कर लिया गया है। इसीलिए इन विपक्ष के भाइयों को तकलीफ हो रही है कि जब प्रदेश के लोगों को 24 घण्टे बिजली मिलने लग जायेगी तो ये क्या कहेंगे ? (विघ्न)

गृह मन्त्री (श्री मनीराम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा जोर से तो बोल नहीं सकता लेकिन मैं सामने बैठे भाइयों को बताना चाहता हूं कि ये जितने कान्फीडैंस के साथ, भरोसे के साथ फिगर्ज पेश किये जा रहे हैं, ये सब झूठे फिगर हैं। मैं सारे हरियाणा की बात तो नहीं कहता परन्तु एक बात मैं दावे के साथ कहता हूं। चौधरी सम्पत सिंह जी भी बैठे हुए हैं। फतेहाबाद जिले में पिछले दस सालों में इतना विकास का काम नहीं हुआ जितना इस एक साल में बिजली का काम हुआ है। इस बात में अगर झूठ हो तो I am prepared to face any action from the House and the Hon'ble Speaker. (विघ्न) मेरी बात को सुनो। दूसरी बात यह है कि 20 साल के अन्दर वाटर वर्क्स से पानी की सप्लाई नहीं पहुंची थी जोकि इन तीन सालों में पहुंच गई है। यह बात मैं दावे के साथ कहता हूं और यह मैं मेरे हल्के की बात नहीं बल्कि सारे फतेहाबाद जिले के बारे में कह रहा हूं जो कि चौधरी सम्पत सिंह का हल्का और चौधरी देवीलाल जी जब इस प्रदेश के मुख्य मंत्री थे उनका भी हल्का था। तीसरी बात यह है कि आज के दिन फतेहाबाद जिले के अन्दर भट्टू से ठारा खेड़ी की सड़क को छोड़कर सारे फतेहाबाद जिले की सड़कों का काम पूरा हो चुका है और इन दोनों सड़कों का भी एस्टिमेट बन कर तैयार हो चुका है और ये सड़कें भी जल्दी ही बना दी जायेंगी। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप जल्दी कंक्लयूड करें।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, गोदारा साहब ने फतेहाबाद जिले का जिक्र किया। इनकी अपनी कांस्टीच्यून्सी जिसको मैंने तीन बार रिप्रेजेंट किया है। इनके दो गांवों का मैंने 19 तारीख को दौरा किया था। पिछले दस दिनों के अन्दर उन गांवों में बिजली न होने के कारण लोगों को वाटरवर्क्स से पानी भी नहीं मिला। ये दो गांव बनमन्दोरी और बनावाली हैं। इस बात का आप वायरलैस से पता करवा सकते हैं क्योंकि आप गृह मन्त्री हैं। ये तीन साल की बात कर रहे हैं और मैं तो आज की बात कह रहा हूं। 1996-97 में 54, 1997-98 में 59 और 1998-99 में 47 यानी 160 और इससे पहले के तीन सालों में 167 सब स्टेशन नये और औगमैंटेशन किए गये हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर आंकड़ों की बात करेंगे तो इनको तकलीफ होगी और इनकी तकलीफ का मेरे पास कोई इलाज नहीं। अब मैं ट्रांस्फार्मर्ज की बात करना चाहता हूं।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, जो आंकड़े मेरे माननीय साथी बता रहे हैं पता नहीं ये आंकड़े ये कहां से ले आये।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, फतेहाबाद के अंदर एक-दो गांवों में पानी की समस्या होगी, इसका मतलब यह नहीं है कि सारे गांवों में ही पानी की समस्या है। जैसा कि मेरे माननीय साथी चौधरी सम्पत सिंह जी ने अभी कहा।

बागवानी व वाणिज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक) : अध्यक्ष महोदय, अभी पीछे आंधी आई थी जिसके कारण बिजली के खम्बे टूट गये थे और उन गांवों में बिजली की सप्लाई न होने के कारण पानी की समस्या हो गई थी।

लोक निर्माण (भवन व सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी संपत सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि ये बिजली के मामले में न बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री संपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : संपत सिंह जी ने जो कुछ कहा वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) संपत सिंह जी अब आप अपनी सीट पर बैठिये।

श्री संपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कंक्लूड कर रहा हूं। * * * * *

श्री अध्यक्ष : संपत सिंह जी आगे जो कुछ भी कहें वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : श्री ओम प्रकाश चौटाला और इनकी पार्टी के अन्य सदस्य जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, किसी भी बात का समापन तो करना ही होता है। (शोर एवं विघ्न) (इस समय बहुत से सदस्य अपनी सीटस पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker : I request you all to kindly take your seats. (Interruptions)

Shri Sampat Singh : Sir, let me conclude. (Noise & Interruptions)

श्री अध्यक्ष : संपत सिंह जैसा आदमी हाउस के अंदर यह कहे कि मारेंगे, शोभा नहीं देता है। (शोर)

श्री संपत सिंह : मुख्य मंत्री * * * * * शब्द कहे तो कोई बात नहीं। आप उस समय यहीं सदन में बैठे थे। (शोर एवं विघ्न) * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ संपत सिंह जी कह रहे हैं, रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं विघ्न)

श्री संपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने * * * * * शब्द कहा है।

श्री अध्यक्ष : जो भी अनपार्लियामैंटरी भाषा, चाहे वह किसी की भी हो, उसे कार्यवाही से निकाला जाए। (शोर एवं विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये * * * * * मारने की बात कर रहे हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, ऐसा लगता है, आप कुछ और कहना नहीं चाहते हैं। आप हाउस छोड़कर जाना चाहते हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज जिस भी वक्ता को बोलने के लिए अनुमति देते हैं, आखिर वह अपनी बात कन्कल्यूड तो करेगा। जब तक वह अपनी बात कन्कल्यूड नहीं करेगा तो जनता को व इस सदन को कैसे पता चलेगा कि वह सरकार के पक्ष में बोला अथवा विपक्ष में। (शोर)

श्री अध्यक्ष : फिर क्या वे * * * * * मारकर अपनी बात कन्कल्यूड करेंगे। (शोर)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सदन में * * * * * मारने की बात नहीं कही है। इन्होंने तो यह कहा कि इस सरकार से लोग संतुष्ट नहीं है, तथा लोग * * * * * मारेंगे। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : आप मुझे कंकलयूड तो करने दें।

श्री अध्यक्ष : आप कनक्लूलयूड कर ही नहीं रहे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपने जिस मैम्बर को बोलने के लिए समय दिया है, उसको अपनी बात खत्म भी तो करने देंगे।

श्री अध्यक्ष : मैं इनको 100 बार कह चुका हूं कि आप कंकलयूड करें। लेकिन ये कर नहीं रहे। (शोर) आप केवल अपनी बात 2 मिनट में कनक्लयूड करें। (शोर) जो पार्लियामेंट प्रोसीजर है उसको तो ऐडोप्ट करना ही पड़ेगा। सम्पत सिंह जी, आप केवल 2 मिनट में अपनी बात खत्म करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब मैंने संपत सिंह जी को कोई गलत बात नहीं कही। मैं तो बड़ी सरल भाषा में बिजली पर चर्चा कर रहा था। मैं कह रहा था कि ये बिजली के बारे में ऐसी कोई बात न करें क्योंकि बिजली के बारे में हरियाणा के लोग मौजूदा सरकार से पूरी तरह संतुष्ट हैं। ये बीच में * * * * पर पता नहीं कहां से आ गए। * * * * तो इनकी सरकार में लगा करते थे और इनके मंत्रियों पर लगा करते थे।

श्री वीरपाल सिंह : जब आप सदन से बाहर जनता के बीच में जाएंगे तो आपको जनता से * * * * लगेंगे।

श्री सम्पत सिंह : कौन सी सरकार थी, कौन * * * * मारता था, हमें तो कुछ पता नहीं।

श्री अध्यक्ष : इस शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के ट्रांसफारमर के बारे में चर्चा कर रहा था। इस सरकार के आने के बाद ट्रांसफारमर्ज की एवरेज पर-ईयर की 4 हजार रह गई है जबकि पहले यह पर-ईयर 5 हजार थी। फिर ये कैसे कह सकते हैं कि हम 24 घंटे बिजली देंगे। ये गांव में आल्टरनेटिव डेज पर बिजली दे रहे हैं। यह बिजली भी केवल 4 घंटे के लिए दे रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, ऐग्रीकल्चर सैक्टर में बिजली देने की बात है वह 24 घंटे से घटा कर 8 घंटे कर रहे हैं। यानि दो तिहाई बिजली कम दे रहे हैं। ये बता दें कि पिछले तीन सालों में कितने टयूबवैल्ज के कनैक्शनज़ दिए गए हैं। यह आप भी बता सकते हैं या गोदारा साहब आप बता दें। गोदारा साहब आप बता दें यदि आपकी अपनी कांस्टीच्युएंसी में पिछले 3 सालों में एक भी टयूबवैल को बिजली का कनैक्शन मिला हो। इनकी कांस्टीच्युएंसी में पिछले 20 साल में बिजली के जितने काम नहीं हुए वे इन 3 सालों में पूरे हुए हैं। अगर आपके हल्के में एक भी टयूबवैल को कनैक्शन मिला हो क्योंकि आपका भी टयूबवैल का एरिया है। आपने कहीं भी पिछले 3 सालों में एक भी टयूबवैल नहीं लगाया, उल्टे कनैक्शन काटे ही हैं। स्पीकर साहब, टोटल लैन्थ आफ लाइन 11 के०वी० और एल०टी० की लाइन 11 के०वी० की जो लाइन थी उसकी 1000 किलोमीटर की पर-इयर की स्ट्रैन्थन होती थी, एल०टी० की 2000 किलोमीटर की पर-इयर की स्ट्रैन्थ होती थी। स्पीकर साहब, अब कहां आ गई है— 447 और 620 किलोमीटर पर-ईयर की स्ट्रैन्थ आ गई है। अब इनका कहां है वह लोन, कहां है वह पैसा। ये बार-बार 2400 करोड़ रुपए की बात करते हैं। 240 करोड़ रुपया आ गया है, 11600 करोड़ रुपए आने वाले हैं।

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

240 करोड़ रुपए में से केवल 80 करोड़ रुपए की रि-इम्बर्समैंट हुई है। इस बारे में प्रैस नोट अखबारों में छप जाते हैं। मंत्रियों को पता नहीं होता कि उस प्रैस नोट में क्या लिखा हुआ है ?

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप कन्क्लूड करें।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मंत्री कहां होते हैं ? कोई मंत्री गांव में बैठा है, कोई मंत्री शहर में बैठा है। प्रैस नोट यहां जारी हो जाता है। मंत्री से पूछते हैं कि आपने आंकड़े कहां से दे दिए। कभी सेम की समस्या के हल के लिए 2600 करोड़ रुपए दे रहे हैं, कभी 2300 करोड़ रुपया दे रहे हैं। फ्लड कंट्रोल की मीटिंग होती है, उसमें केवल 45 करोड़ रुपये का जिक्र आता है। स्पीकर साहब, इसका मतलब ये लोग अनभिज्ञ हैं, इसका मतलब या तो ये लोग मूकदर्शक बने रहते हैं या सारा मामला सैन्ट्रलाइज है। इनको बोलने का कोई भी राइट नहीं है। अगर कोई बोलेगा तो दलितों की बोलेगा, अपने इलाके की बोलेगा (घंटी)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप कृपया बैठ जाएं।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं 2 मिनट में खत्म करता हूं। सरकार की वजह से तो सरकार ही बीमार हो रही है।

Mr. Speaker : Now, the time of Mr. Sampat Singh is over. Nothing to be recorded. Please take your seat.

श्री सम्पत सिंह : * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरी किसी से हमदर्दी नहीं है। मैं सबको बराबर टाईम देता हूं। आप कृपया अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री खुर्शीद अहमद (नूंह) : आज बहुत से राज खुल रहे हैं। पता लगता है कि सरकार ने 3 साल पहले राज शुरू किया। जैसा मेरे साथी चौ० वीरेन्द्र सिंह ने कहा, बहुत सारे लुभावने वायदे इन्होंने अपने इलैक्शन मैनिफैस्टो में किए। चौ० सम्पत सिंह जी के पास इनके मैनिफैस्टो की कापी है लेकिन मेरे पास वह कापी नहीं है। उन लुभावने वायदों के ऊपर इस सरकार को चुना गया। इन्होंने ही अपने मैनिफैस्टो के वायदे नहीं पढ़े तो मैं क्या करूं। आज जब हम स्टेट की हालात देखते हैं तो एक ऐसी सूरत नजर आती है कि जितनी चीजों के बारे में इम्प्रूवमैंट का दावा किया गया था कि हम इन को इम्प्रूव करेंगे, ये-ये चीज देंगे आज उनमें से कोई चीज पूरी नहीं हो पाई। मियाद आगे बढ़ा देते हैं, पीछे कर देते हैं। 24 घण्टे बिजली देने का 2 महीने का वायदा था और यह कहा था कि 2 महीने में पूरी कर देंगे (विघ्न) आप इस बात को रहने दें, अगर मैं बता दूंगा कि कितने घण्टे बिजली आती है तो आपको शर्मिन्दगी होगी क्योंकि हम भुगतते हैं कि कितनी-कितनी देर कट लगता है या कितनी-कितनी देर बाद बिजली आती है। कहीं कोई वायदा ऐसा नहीं है जो आज इस सरकार ने किसी भी फील्ड में पूरा किया हो। आज ऐसे हालात में जब हम खड़े होते हैं तो दोनों तरफ से देखना पड़ता है। इधर के जितने भी अचीवमैंट हैं, वे सब अधूरे हैं। सिर्फ वायदे हैं और वायदों की बिनाह पर आज सरकार चल रही है। कितनी देर और चले या न चले लेकिन स्टेट को तो आज काम करने वाले की जरूरत है। चौधरी कर्ण सिंह दलाल जी ने सड़कों के बारे में जिक्र किया है कि एम०डी०आर० और स्टेट हाईवेज सारे पूरे कर दिए गए हैं। भाई, 90%

*Not recorded as ordered by the Chair.

[श्री खुर्शीद अहमद]

जनता गांवों में रहती है और जो भी आदमी अपनी चौखट से बाहर निकलता है और सड़क पर कदम रखता है वह आपको दुआएं नहीं दे सकता है (विघ्न) मैं नहीं कहूंगा कि क्या देता है लेकिन कुछ देता जरूर है (विघ्न) आपका लेन-देन बहुत बढ़िया है इनकी भी सुध लो। यह कोई बात नहीं है कि पोखरन की वजह से वर्ल्ड बैंक ने लोन बन्द कर दिया। अगर एक रास्ता बन्द हो गया तो आप दूसरा खोलिये। जिन्होंने यह बन्द करवाया था वे इधर बैठे हैं अब शायद आपका रास्ता साफ है। अब ऐसी कोई रुकावट नहीं है (विघ्न) हम को चाहिए कि हरियाणा की जनता को कोई सहूलियत दें। जब कोई आदमी घर से बाहर निकलता है तो सबसे पहली जरूरत सड़क की है। अगर आप उनकी इग्नोर करते चले गए और स्टेट हाईवेज़ और एम०डी०आर० में ही लगे रहे तो इसका खामियाज़ा आपको भी भुगतना पड़ेगा और हम को भी भुगतना पड़ेगा। इन्होंने तो भुगता ही है और ये लोग भी भुगत कर देख चुके हैं। यहां पर सब की हालत खराब होगी। आप कोई न कोई स्कीम लीजिए चाहे किसी प्रकार से भी लीजिए लेकिन विलेज रोडज़ की रिपेयर इस वक्त बहुत जरूरी है वरना अब उनके सिर्फ निशान बाकी हैं अब भी अगर इनको ठीक नहीं किया गया तो ये निशानियां भी मिट जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, अब न तो सड़कों का वायदा पूरा हुआ और न भ्रष्टाचार हट पाया। मैं यह नहीं कहता कि किसने किया लेकिन आज भी टाईम है। आपसे लॉ एण्ड आर्डर की हालत नहीं सुधर पाई। मुझ से कहा जाता है कि यह गठबन्धनों का युग है। भाई गठबन्धनों के युग में अगर कन्फ्यूज़न ही रहेगा एक दूसरे से रिस्पोंसिब्लिटी शिफ्ट होती रहेगी तो पब्लिक तो सारे कामों से महरूम रहेगी। सरकार गठबन्धन की हो या अकेली पार्टी की हो यह उसका दायित्व है कि हरियाणा के लोगों को जो सहूलियतें देने का वायदा किया गया था वे लोगों को मिलें और अगर नहीं पहुंची हैं तो सहूलियतें न पहुंचने की वजुहात बताएं। स्पीकर सर, हम कहां जाएं ? मेरे साथ तो ऐसा है कि इधर खाई है और इधर कुंआ है और वह कुंआ भी महेन्द्रगढ़ वाला है, 300 फुट नीचे, मैं कहां जाऊं। अगर आपकी तरफ रह पाऊंगा तो इस उम्मीद से कि कुछ काम कर पाएं। अगर काम करें तो आप लोगों का बचाव हो सकता है (विघ्न) लेकिन कितने दिन, यह बड़ा भारी संकट आ जाएगा अगर काम नहीं करेंगे। (विघ्न) देखिये, हमारे तो जो वायदे होते हैं वे काम के लिए होते हैं आत्माओं का मिलन नहीं है कि तीन दिन बाद टूट जाए। यह तो काम की बात है। तब तक काम खत्म नहीं होगा जब तक स्टेट के लोगों को राहत नहीं मिलेगी। हमारा और इनका यह गठबन्धन तब तक चलता रहेगा (विघ्न) आत्माओं का मिलन तो हमने किया ही नहीं है, वह तो टूट सकता है। हमें तो जो मालूम है वह यह उम्मीद है कि सरकार काम करेगी। सरकार को इनस्टेबल रखना सूबे के साथ इन्साफ नहीं है। तरक्की का कोई भी काम हम तभी मान सकते हैं जब सरकार तसल्ली से काम कर सके, एक-दूसरे पर शक करते रहे तो कोई काम नहीं होगा। (विघ्न) भाई, आप लोगों का कुछ भी तजुर्बा रहा हो और तीन साल में कुछ भी किया हो अब आप यह कर लीजिए कि आपने काम करना है और काम तभी होगा जब काम करने का इरादा होगा। (विघ्न) आज आपसे यह उम्मीद है कि हरियाणा स्टेट के लोगों के साथ जो वायदे किए गए थे उनको पूरा करें। अब तक आपके कदम बंधे थे। कहीं सैन्टर का जिक्र आ जाता है कि वहां से कूलेम नहीं मिला और कहीं आपस का कलह आ जाता है। अब आप इन सभी को छोड़कर स्टेट की बात सोचें। हमारा गुड़गांव जिला पीसफुल था लेकिन वहां पर भी टैलिफोन आ जाता है कि मैं दाऊद इब्राहीम का आदमी बोल रहा हूं और फलानी जगह पर पांच लाख रुपए भिजवा दो। वह तो छोटी सी असामी है कहीं आप लोगों की तरफ भी टैलिफोन नहीं आ जाए।

इसके बाद मैं बिजली के बारे में कहना चाहता हूं। अभी अतर सिंह सैनी जी की और भाई सम्पत सिंह की बिजली के बारे में वार्तालाप हुई थी। आपने कहा था कि हम 30 जून तक बिजली 24 घंटे देंगे।

मैं यह कहना चाहता हूं कि इसमें कट वाला मामला नहीं होना चाहिए। आप लोगों ने आज यह बता दिया कि आपके कदम रुके हुए थे। मैं मानता हूं कि सौहबत का असर पड़ता है। आज के हालात में आप उससे भी आजाद कर दिए गए हैं। आज के हालात में आप यह देख लीजिए कि हर आदमी का पोटैंशियल ठीक तरह से एक्सप्लॉयट करें। चौधरी बंसी लाल जी के बारे में जब से इन्होंने बी०जे०पी० के साथ काम करना शुरू किया है वे सारी धारणाएं खत्म हो गई जो धारणाएं हमारे साथ काम करते वक्त इनके बारे में हुआ करती थी। (विघ्न) सोने का बिस्कुट भी कबाड़ी की दुकान में जाएगा तो उसका रंग भी नहीं पहचाना जाता है। (विघ्न) बंसी लाल जी, अब आपके साथ कांग्रेस आ गई है। कांग्रेस पार्टी ने आपको समर्थन दिया है, आपको मदद दे रही है अब आपके पास पारस की पत्थरी आ गई है। कम से कम आप अब सोना बन जाएं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर ये अब संभल सकते हैं तो संभल जाएं। अगर जिद्द करते हैं और कबाड़ में ही रहना चाहते हैं तो हम भी डिसअप्वांयट हो जाएंगे। आप थोड़ा संयम रखो, लोगों के हितों की बात करो। मैं यह कहना चाहता हूं कि भाई साहब की बात याद रखो, इन्होंने कहा कि बी०जे०पी० अपने इतिहास को कभी नहीं भूलती। तो आप भी नहीं भुलो। हमने बहुत से एक्सपैरिमैंट बी०जे०पी० के साथ मिलकर किए हैं। बी०जे०पी० के 1984 से लेकर 1989 तक लोक सभा में दो मैम्बर हुआ करते थे। जब जनता दल से बी०जे०पी० ने एलांयस किया तो उसके बाद बी०जे०पी० के 85 मैम्बर्ज लोकसभा में आए। सैन्टर में वी०पी० सिंह की सरकार बनी और उसको ऐसा मारा कि उसको कहीं भी पीने को पानी नहीं मिला। जयललिता के साथ जो किया है वह तो आपने सुन ही लिया है और आपका दर्द तो आज दोपहर बाद ही खत्म हुआ है, नहीं तो सांस ही नहीं आ रही थी। 21.00 बजे (हंसी) यह बात मैंने सच्चाई की की है अब आप काम कीजिए। काम का इनाम मिलेगा। अगर काम नहीं करेंगे तो अब तक तो आप इनको बदनाम कर सकते थे लेकिन कल से आप ही बदनाम हो जाएंगे। (विघ्न) हम तो इनको सिर्फ यह कहना चाहते हैं कि ठंडे दिल से, दिमाग से यह सोच लें कि पोखरन विस्फोट के बाद जो वर्ल्ड बैंक से पैसा मिलना रुक गया था, तो वह कहीं और से मिले। इसी तरह से बिजली का वायदा भी आपका ही है मेरा नहीं है इसलिए आप इसको भी पूरा कीजिए। अब आप यह नहीं कह सकते कि फलां ऐलीमैंट की वजह से हम यह पूरा नहीं कर पाए। शराबबंदी का वायदा आपने किया था लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाया लेकिन उसकी वजह से क्रिमिनल माफिया पैदा हो गया जो आज जगह-जगह पर लॉ एंड आर्डर को खराब कर रहा है। (विघ्न) असल बात तो नीयत की होती है नीति की नहीं होती है। अगर नीयत साफ होगी तो आप लोग सुधर जाएंगे जिससे हरियाणा भी सुधर जाएगा और जितने भी संकट हम पर आए हुए हैं, वह सब दूर हो जाएंगे। आज जिस संकट की घड़ी को हम भुलाना चाहते हैं यानी जिस कारगिल की तरफ सारे मुल्क की नजर लगी हुई है कि यह कब खत्म हो लेकिन हमारे कुछ साथियों ने ऐसी सिचुएशन पैदा कर दी कि बजाए कारगिल पर डिसकशन करने के हम आज कॉफीडैन्स मोशन पर डिसकशन कर रहे हैं। हम सरकार से एक ही बात कहना चाहते हैं कि अब आपको मौका है इसलिए अब आप अपने आपको सुधारिये और हरियाणा की जनता की भलाई के काम में जुट जाईये। इससे आपको कुछ मिल जाएगा। फिजूल कामों में कुछ नहीं है। आप चौधरी बंसी लाल जी की पौटेंशियल का पूरा इस्तेमाल कीजिए जैसा हमने किया था। अगर आप हरियाणा को तरक्की के रास्ते पर ले जा सकते हैं तो यह आपके लिए अच्छा मौका है। हमारी मजबूरी आज के दिन हो सकती है लेकिन हमेशा किसी की मजबूरी नहीं होती है। अगर आप यह चाहते हैं कि आपको काम करने का मौका मिले तो आप काम करिए। हम आपके साथ हैं क्योंकि हमें दूसरी तरफ कम्यूनिज्म और कास्टीज्म का खतरा नजर आता है। हम उनको दबा सकते हैं आप लोगों का यह दायित्व बनता है कि आप हरियाणा को स्वच्छ प्रशासन दें और जो कमियां हैं उनको दूर करें। कर्ण सिंह दलाल ने अंडरटेकिंग दी है कि

[श्री खुर्शीद अहमद]

एम०डी०आर० ठीक कर दी हैं लेकिन जब तक देहात का रोड्ज नेटवर्क ठीक नहीं होगा तब तक हरियाणा के आम आदमी को तसल्ली नहीं होगी। आप पूरी ताकत लगाकर इनको ठीक कीजिए ताकि हरियाणा के लोगों को राहत मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि आज जो प्रस्ताव यहां पर समर्थन के लिए पेश किया गया है हम उम्मीद करते हैं कि आप इस बात की महसूस करेंगे कि जो वायदे आपने किए थे उनको आप पूरा करने की तरफ सीरियसली कदम बढ़ाएं ताकि हरियाणा का भला हो सके। इन्हीं शब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, आज जो सदन के सामने सदन के नेता ने विश्वास मत के लिये प्रस्ताव रखा है उसकी चर्चा पर बोलते हुए कुछ हमारे माननीय साथियों ने बिजली के बारे में जिक्र किया उनका मैं जवाब देना चाहूंगा। विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने एक बात तो यह कही कि सोफीमैन्ट फ्रैन्स कम्पनी को टैण्डर नहीं दिया गया जबकि उसका हक बनता था। अध्यक्ष महोदय, उस कम्पनी का थर्मल प्लांट का अनुभव तो है लेकिन हाइडल का अनुभव उस कम्पनी को नहीं था जबकि यह प्रोजैक्ट हाइडल का था, उसमें असैसमैन्ट गलत हुई थी जिसके लिए एक हायर कमेटी बनाई गई और उसमें उसकी असैसमैन्ट करवाई गई। दूसरी बात इन्होंने जैनको को टैण्डर न देने के बारे में कही। पिछली सरकार से ही यह पौलिसी है कि जनरेशन के मामले में सरकार पैसा नहीं लगाएगी। यह हमारी सरकार की पोलिसी है इसीलिये जैनको को काम नहीं दिया गया। एक बात इन्होंने और कही कि मुख्य मंत्री जी ने दो फाइलें रुपया लेने के लिये रोकी हुई हैं। यह बात इन्होंने बिल्कुल गलत कही है, असत्य और निराधार है। उन फाइलों में कुछ कंपनियों की तरफ से रिप्रैजेन्टेशन आई थीं उनकी जांच पड़ताल के लिये एक कमेटी बनाई गई और उस कमेटी के हवाले वह फाइलें की गई कि आप इसमें देखें कि कोई गलती न हो। अगर सरकार के पास कोई शिकायत आती है तो सरकार का यह फर्ज बनता है कि उसकी पूरी तरह से जांच पड़ताल करवाये। विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला ने एक बात यह कही कि फरीदाबाद वाली जो 143 मैगावाट की यूनिट है वह अभी नहीं चलेगी, उसमें टाईम लगेगा उनका रोटेटर टूटा हुआ है। इस सम्बन्ध में, मैं इस महान सदन के सभी माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि वह 143 मैगावाट की यूनिट आधा घण्टा चला कर देख ली गई है, उसकी टैस्टिंग हो गई है और उसको ठण्डा करके उसकी चैकिंग की जा रही है ताकि वह पूरे लोड पर चल सके और 143 मैगावाट की दूसरी यूनिट का रोटर टूटा था यह बात ठीक है लेकिन अब वह मौके पर ठीक होकर आ चुका है उसमें समय ज्यादा नहीं लगेगा। हमारे माननीय साथी चौ० सम्पत सिंह जी ने एक बात कही कि एन०टी०पी०सी० की जो बिजली मिलेगी, वह 3 रुपये यूनिट से भी ज्यादा कीमत पर मिलेगी। पता नहीं ये कहां से फिगर ले आते हैं या अपने आप ही कह देते हैं, वह बिजली 2 रुपये 19 पैसे प्रति यूनिट पड़ेगी।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अदरवाइज जनरेशन की कौस्ट अदर दैन एन०टी०पी०सी० क्या है, इससे पहले क्या कौस्ट आ रही थी ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : सर, एक यूनिट बिजली उत्पादन के ऊपर सरकार के 2 रुपये 87 पैसे खर्च होते हैं।

श्री सम्पत सिंह : सर, उसमें तो लौसिज़ भी शामिल होते होंगे ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : हां सर, उसमें सारे खर्चे शामिल होते हैं।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो सिर्फ जनरेशन की कौस्ट पूछ रहा हूं ?

श्री अतर सिंह सैनी : सर, थर्मल प्लांट की जनरेशन की अलग कौस्ट है, हाइडल की अलग कौस्ट है और एवरेज 1 रुपया 50 पैसे के करीब पड़ती है।

श्री सम्पत सिंह : सर, आज इनको 1 रुपया 50 पैसे पड़ रही है और मैंने पिछले साल की 1 रुपया 25 पैसे कही थी, कोई गलत तो नहीं कहा था। आज ये खुद कह रहे हैं कि दो रुपये से भी फालतू पड़ेगी।

श्री अतर सिंह सैनी : प्रो० सम्पत सिंह जी, कृपया मेरी बात सुन तो लें। अध्यक्ष महोदय, इनके जिले फतेहाबाद में 24-6-99 को एक 25 एम०वी०ए० का ट्रांसफार्मर कमीशनड हुआ है और इनके हल्के में ही एक और 6.3 एम०वी०ए० का ट्रांसफार्मर कोई आयालकी गांव है वहां 15-6-99 को कमीशनड हुआ है। शायद इनको पता नहीं होगा, मैं इनकी जानकारी के लिये यह बता रहा हूं। इसके अलावा 8 एम०वी०ए० का एक और ट्रांसफार्मर 28-5-99 को कमीशन हुआ था।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो कोई खास बात नहीं है, रूटीन में ट्रांसफार्मर्ज लगते रहते हैं।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, आज से तीन साल पहले आम चुनाव में हरियाणा की जनता ने एच०वी०पी० और बी०जे०पी० के गठबन्धन को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में सत्ता दी थी। उस वक्त चुनाव में जो वायदे किये गये थे, वह वायदे पूरे करने में सरकार लगी हुई थी, अचानक बीच में हमारी जो सहयोगी पार्टी थी उसने सपोर्ट विद-ड्रा कर ली। जिसकी वजह से आज का यह दिन आया उसमें हमारी जो सहयोगी पार्टी थी उसके नेता राम बिलास शर्मा थे। उन्होंने जो सरकार के बारे में, मुख्य मंत्री जी के बारे में इस महान सदन के अंदर कहा उसके बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा सबसे पहले इन्होंने कहा था— "चौधरी बंसी लाल जी की सरकार कायदे कानून की सरकार है" और यह कई बार रिपीट किया और जिनके साथ ये हाथ मिलाना चाहते हैं उन नेताओं को इन्होंने सलाह दी थी कि श्री ओम प्रकाश चौटाला जी बुजुर्ग हैं और मैं इनको सलाह देता हूं कि यदि इन्होंने कुछ सीखना है तो चौधरी बंसी लाल जी से सीखें।

श्री संपत सिंह : यह रिपीटीशन है यह बात ऑन रिकार्ड आ चुकी है।

श्री अतर सिंह सैनी : जो बिजली के बारे में इन्होंने बोला, वह बता देता हूं। हमारे माननीय साथी श्री राम बिलास शर्मा जी ने बिजली के बारे में जो कहा वह यह है— इतने थोड़े समय में बिजली पैदा करने का काम और किसी के बस की बात नहीं यह सिर्फ चौधरी बंसी लाल जी के बस की बात थी। आगे इन्होंने कहा— उपाध्यक्ष महोदय, इस काम के लिए हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी बधाई के पात्र हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : हमने दोस्ती का धर्म अक्षरश निभाया और जो बातें हुई उन्होंने हमें मजबूर कर दिया। हम अपनी बात को फिर से दोहराते हैं कि हमारी जो ग्रीवैंसिज थी। ट्रिब्यून जो इस उत्तर भारत का सबसे सम्मानित अखबार है। 1998 में हम चुनाव में जा रहे थे तो चौधरी बंसी लाल जी को जो वाजपेयी जी आज कड़वे लगने लगे हैं अपने बेटे की जीत के लिए (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देने का पूरा अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी, आप बैठ जाएं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने की इजाजत आपको देनी पड़ेगी।

श्री अध्यक्ष : राम बिलास जी अब जो कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। यह कोई पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन नहीं है जो आप बोल रहे हैं।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, इनकी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन हो चुकी। अब मुझे समय दीजिए। स्पीकर साहब, राम बिलास शर्मा जी ने कहा कि हमारे गठबंधन के बारे में किसी को कोई वहम हो जाए तो उसका कोई इलाज नहीं है। वहम का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं था। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में चल रही सरकार ऐसे लग रही है जैसे जापे वाली औरत को गूंद लगता है। यह बात श्री शर्मा जी ने सदन में कही थी। आज ये सारी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो राम बिलास शर्मा जी कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाये।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, आज जो नया साथी इन्होंने ढूंढा है और इन्होंने बोलते हुए अपने भाषण में कहा था कि हम नया हनीमून मनाने जा रहे हैं। ये उनके साथ हनीमून मनाने जा रहे हैं। मैं इस सदन को बताना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी सत्यानाशी के लिए जाने जाते हैं यह बात श्री राम बिलास शर्मा जी ने इस सदन में कही थी। इन्होंने यह भी कहा था कि चौटाला साहब ने डिजनी लैंड के नाम से जमीन एक्वायर की और फिर मनाली में होटल बना लिया। अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी ने इस सदन में यह भी कहा था चौटाला जी के बारे में कि छाज तो बोले छालनी भी क्या बोले। इन्होंने एक बात और इस सदन में कही थी कि हम श्री चौटाला साहब की तरह नहीं जिनको चौधरी देवी लाल जी ने कहा था कि मैं अपने बेटे को डिस ऑनर करता हूं क्योंकि यह सुभाषलिंग में पकड़े गये थे। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, * * * * *

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूं यह तो रिकार्ड की बात है। रिकार्ड की बात ही मैं इस सदन में बता रहा हूं यह तो पब्लिक डॉक्यूमेंट है। एक बात और इन्होंने श्री चौटाला जी के बारे में कही थी कि श्री चौटाला जी का मुख्य मंत्री काल 2 दिसम्बर 1989 को शुरू हुआ था और 173 दिन तक उनका कार्यकाल रहा। उस वक्त की उनकी जो उपलब्धियां हैं आज उनको याद करके आदमी आंसू बहाता है। यह बात भी श्री राम बिलास शर्मा जी ने इस सदन में कही थी। इसके साथ-साथ आज यह हमारे ऊपर इल्जाम लगा रहे हैं (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ राम बिलास शर्मा कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मेहम में 24 आदमी मारे गये थे ये लोग किसी दुर्घटना में नहीं मरे थे बल्कि गोलियों से मारे गये थे। ये सब इस जिद के कारण मारे गये थे कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने यह कहा था कि मुख्य मंत्री मैं बनूंगा। (विघ्न) उनके समय में 110 बसें जलाई गयीं। ये सभी बातें राम बिलास शर्मा जी ने इस सदन में कही हैं। रेलवे स्टेशन पर खड़ी नौ ट्रेनों को जला दिया।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : सैनी साहब, जो कुछ जिसने कहा है सबने सुना है। प्लीज आप अपनी स्पीच कंक्लूड कीजिए।

श्री जतर सिंह सैनी : स्पीकर सर, मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि आज इस हाउस में जो यह दिन आया है इसके लिए कौन जिम्मेवार है ? इसके लिए किसका कसूर है। केन्द्र में वाजपेयी जी की सरकार से जय ललिता ने समर्थन वापिस ले लिया और वाजपेयी जी की सरकार गिर गई। मेरे भाजपा के भाईयों ने दिल्ली के अंदर बड़े-बड़े पोस्टर लगा दिये कि इस आदमी का क्या कसूर था ? मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी का क्या कसूर है ? अध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी का क्या कसूर है। चौधरी बंसी लाल जी का कसूर यह है कि ये हरियाणा प्रदेश को 24 घंटे बिजली देना चाहते हैं, हरियाणा प्रदेश का विकास करना चाहते हैं। चौधरी बंसी लाल जी का कसूर यह है कि ये किसान के हर खेत तक पानी पहुंचाना चाहते हैं। चौधरी बंसी लाल जी का कसूर यह है कि इन्होंने राम विलास शर्मा जी से हरियाणा में 751 स्कूल अपग्रेड करवाये। जो कि एक रिकार्ड है, आज तक किसी भी सरकार ने इतने स्कूल अपग्रेड नहीं किये। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी श्री राम बिलास शर्मा जी से यह पूछना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी एक रिकार्ड टाईम में हथनी कुण्ड बैराज बनाना चाहते हैं, क्या यही उनका कसूर है ? क्या चौधरी बंसी लाल जी का यह कसूर है कि इन्होंने हरियाणा की जनता को बाढ़ से बचाने के लिए सभी ड्रेनों की सफाई करवाई है ? क्या यह कसूर है चौधरी बंसी लाल जी का कि इन्होंने किसानों के लिए स्लैब प्रणाली लागू की ? क्या यह कसूर है चौधरी बंसी लाल जी का कि ये हरियाणा प्रदेश से भ्रष्टाचार खत्म करना चाहते हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने भ्रष्टाचार दूर करने के लिए लोकपाल बिल पास किया और लोक आयुक्त की नियुक्ति की। अध्यक्ष महोदय, ये बातें मेरे विपक्ष के भाईयों को पसंद नहीं आई। (शोर एवं व्यवधान) विपक्ष के भाईयों ने मिलकर हमारी सरकार के प्रति षड़यंत्र रचा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमारी पार्टी ने किसी भी तरह का षडयंत्र नहीं रचा।

Mr. Speaker : I would request you to kindly conclude as soon as possible.

श्री जतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं राम बिलास जी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह कसूर था चौधरी बंसी लाल जी का कि इन्होंने हरियाणा के अहीरवाल क्षेत्र के किसानों के लिए पानी का इंतजाम किया ? क्या यह कसूर था चौधरी बंसी लाल जी का कि इनकी सरकार के समय में विधवाओं, विकलांगों और वृद्धों को हर महीने की 7 तारीख तक पैंशन मिल जाती है ? अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियों को चौधरी बंसी लाल जी द्वारा जो विकास कार्य किये गये हैं या करने जा रहे हैं वे हजम नहीं हुए। चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की जनता को बयान दिया था कि ये 30 जून तक हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली और हथनी कुण्ड बैराज का इनआग्रेशन कर देंगे। इस बयान पर मेरे विपक्ष के भाईयों ने कहा कि काम तो तभी होंगे जब हम 30 जून तक सरकार चलने देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, सरकार को चलाना या गिराना इनके बस में नहीं है। सरकार इनके रहम पर नहीं चलती। अध्यक्ष महोदय, किसी ने ठीक ही कहा है कि "जिसको राखे सांईयां मार सके ने कोय"। अध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेस के भाईयों का बहुत आभारी हूं कि इन्होंने मौके पर हमारा साथ दिया और चौधरी बंसी लाल जी जो विकास कार्य करना चाहते हैं, उनको समझा। अब मैं सभी माननीय सदस्यों से पुरजोर अपील करता हूं कि जिसके हृदय में थोड़ी सी भी हरियाणा की जनता के लिए, हरियाणा प्रदेश के विकास के लिए जगह हो, वे चौधरी बंसी लाल जी द्वारा सदन में रखे गए प्रस्ताव का समर्थन करें। धन्यवाद।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा मेरी सरकार से समर्थन वापिस लिये जाने के कारण मुझे इस सदन का विश्वासमत हासिल करने के आदेश दिए हैं। उनके आदेशों का सम्मान करते हुए मैं इस महान सदन के समक्ष विश्वास का मत लेकर आया हूं। अध्यक्ष महोदय, आज देश के लिए बड़ा नाजुक समय आया है। कारगिल के इलाके में दुश्मन हमारी सीमा में 8 किलोमीटर अंदर तक घुस आया है। देश के बहादुर सैनिक बर्फीली चोटियों पर देश की रक्षा करने के लिए अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं। उन्हें ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि पिछले कई महीनों से दुश्मन हमारे इलाके में घुसता रहा और केन्द्रीय सरकार सोई रही। आज पूरा देश यह कह रहा है कि सब मिलकर कारगिल से दुश्मन को बाहर निकालें तथा बाकी मसलों को बाद में देखेंगे लेकिन ऐसे नाजुक समय में भी देश के प्रधान मंत्री ने हरियाणा सरकार को अस्थिर करना ज्यादा जरूरी समझा। देश शहीदों के शव गिन रहा है (विघ्न एवं शोर)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक नहीं है।* * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ श्री राम विलास शर्मा जी बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आज देश शहीदों के शव गिन रहा है और प्रधान मंत्री गिनती कर रहे हैं अगली लोकसभा की सीटों की। अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस देश का रक्षा मंत्री रहा हूं और इस देश के बॉर्डर के चप्पे-चप्पे को मैंने देखा है। अध्यक्ष महोदय, पहले मैं लड़ाई की खबर पढ़ता था। अब तो लगभग 8 दिन से मैंने अखबार नहीं पढ़ा है, तथा जिन-जिन चोटियों का अखबार में जिक्र आता था, वे सब मेरी आंखों के सामने आ जाती थीं क्योंकि वे सब मैंने देखी हुई थीं। उस समय देश के बॉर्डर पर दुश्मन दूरबीन से भी दिखाई नहीं देता था। आज दुश्मन महीनों से हमारे इलाके के भीतर आकर बैठा हुआ है। एक बार पहले भी ऐसा हुआ था जब 1962 में चीनियों ने देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र नेफा में हमारे ऊपर हमला किया था। 26 अक्तूबर, 1962 को श्री अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में जनसंघ का एक शिष्ट-मंडल प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू से मिला था और उस ने मांग की थी कि रक्षा मंत्री श्री कृष्ण मेनन को बर्खास्त किया जाए। उस समय शिष्ट-मंडल ने यह भी मांग की थी कि रिटायर्ड जनरलों को वापिस बुला लिया जाए तथा उन्हें लड़ाई की बागडोर सौंपी जाए। उस समय उन्होंने यह भी मांग की थी कि तुरंत संसद का आपातकालीन अधिवेशन बुलाया जाए। अध्यक्ष महोदय, उन महान प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू जी ने रिटायर्ड जनरल थिमैया और हिम्मत सिंह जी को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् में शामिल कर लिया था। नेहरू जी ने उस मांग पर पार्लियामेंट के राज्य सभा का सैशन फौरन बुलाने के आदेश दिए। उस आदेश पर राज्यसभा का सैशन बुलाया गया। उस अधिवेशन में नेहरू जी रोजाना रोज की लड़ाई के हालात राज्यसभा में बताया करते थे कि आज यह पोजीशन रही है। उस अधिवेशन में जनसंघ की तरफ से सबसे प्रमुख वक्ता राज्य सभा के उस अधिवेशन में अटल बिहारी वाजपेयी थे। उस वक्त उन्होंने प्रधान मंत्री से सवाल किया था कि मैं यह जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री को क्या यह मालूम था कि हमारी नेफा में पूरी तैयारी है या नहीं ? उस समय अटल जी ने आगे कहा था यदि प्रधान मंत्री को यह मालूम नहीं था तो फिर सवाल यह उठता है कि उन्हें किसने अंधेरे में रखा ? अध्यक्ष महोदय, आज समय का चक्र पूरा घूम चुका है लेकिन प्रधान मंत्री के रूप में श्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं, अब उनमें वह हिम्मत नहीं है जो कि श्री जवाहर लाल नेहरू में थी। वे कहते हैं कि राज्य सभा का अधिवेशन बुलाने का समय नहीं है, लेकिन उनके पास हरियाणा की सरकार तोड़ने का समय है। रक्षा मंत्री कहते हैं कि पाकिस्तान सरकार और आई०एस०आई० का हाथ नहीं है फिर कहते

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

हैं कि दुश्मन को सेफ पैसेज दे देंगे ताकि दुश्मन सही सलामत वापस चला जाये। परन्तु प्रधान मंत्री कहते हैं कि रक्षा मंत्री बेकसूर हैं। प्रधान मंत्री को लगता है कि राज्य सभा का अधिवेशन तो बुलाने का वक्त उनके पास नहीं है लेकिन यह वक्त बंसी लाल सरकार को गिराने का है।

अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार ने इस 30 जून से हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने का वायदा किया था जो इसी बुधवार को पूरा हो जाएगा। श्री ओम प्रकाश चौटाला को 24 घंटे मिलने वाली बिजली का करंट अभी से सपने में लग रहा है। चौटाला साहब कहते हैं कि 4 घंटे से ज्यादा स्टेट में कहीं पर बिजली नहीं आती। जैसे ही मैंने ऐलान किया कि हम 30 जून को 24 घंटे बिजली देंगे तो अगले दिन लीडर ऑफ का अपोजीशन का यह ब्यान आ गया कि हम 30 जून तक यह सरकार रहने ही नहीं देंगे क्योंकि इन्होंने तो भारतीय जनता पार्टी से लिखवा कर ले रखा था। ये मेरी तरह नातुजर्बेकार नहीं थे, इनको पूरा तुजर्बा था, इसलिए लिखवाकर पहले ही ले लिया था। इन्होंने हर संभव प्रयास किये कि किसी तरह मेरी सरकार गिरे। इन्होंने हमारी पार्टी में फूट डालने की कोशिश की और कई अलोकतांत्रिक प्रयास करते रहे ताकि यह सरकार 24 घंटे बिजली न दे और बिजली के वायदे को पूरा न कर पाये और हम इसी पचड़े में उलझे रहें। मैं सदन के माध्यम से हरियाणा की जनता को यह विश्वास दिलाता हूं कि उन्हें इसी बुधवार से 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, विश्व बैंक के प्रतिनिधि ऐडवर्ड लिम ने हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखा है जिसकी प्रति मेरे पास है। जो कि मैं पढ़कर सुना चुका हूं। यह संसार के 100 अच्छे से अच्छे और बढ़िया से बढ़िया काम करने वालों में से जो 10 प्रोजैक्ट हैं उनमें से पूरी दुनिया में हरियाणा में एक है। अध्यक्ष महोदय, आज मुझ पर यह आरोप लगाया जाता कि मेरी सरकार ने विकास के कोई काम नहीं किए, कोरा झूठ नहीं तो और क्या है। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण हमने समर्थन वापस लिया है। यह भी बड़ी खुशी की बात है कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भाजपा ने श्री ओम प्रकाश चौटाला से समझौता किया। आपकी भ्रष्टाचार की लड़ाई में श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को और आपको शुभ कामना देता हूं। अध्यक्ष महोदय, भाजपा के प्रवक्ता ने हरियाणा सरकार से यह समर्थन वापस लेने के बाद कहा था कि हम गंगा नहा लिए। यह बिल्कुल ठीक बात उन्होंने कही। हम सब जानते हैं कि हमारे यहां गंगा कब नहाया जाता है। मैं तो यह कह सकता हूं कि ईश्वर इनकी आत्मा को शान्ति दे (हंसी) अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दि अपोजीशन कारगिल में शहीद हुए जवानों को सरकार से और ज्यादा पैसा देने की मांग कर रहे हैं लेकिन हाल ही में उनकी बावल, रिवाड़ी में रैली थी उसमें उन्हें 4 लाख की थैली मिली जो कि उन्होंने अपनी जेब में डाल ली और उस क्षेत्र के उप-कमांडैंट शहीद सुखबीर सिंह का उस थैली में से एक पैसा भी देने की जरूरत नहीं समझी। जबकि उस थैली में पैसे सुखबीर सिंह के इलाके के लोगों के ही थे।

श्री धीरपाल सिंह : हमारी पार्टी के सभी विधायकों ने यह निर्णय लिया है कि हम अपना एक दिन का वेतन शहीदों के परिवार वालों को देंगे।

श्री बंसी लाल : यह निर्णय तो हमने आपसे पहले ले लिया था। हम आपकी बात मानते हैं कि आप देशभक्त हैं। हम यह नहीं कहते कि आप देशभक्त नहीं हैं। हमने पहले ही ऐलान कर दिया था कि हम एक महीने का वेतन देंगे। रक्षा मंत्री कहते हैं इसके पीछे पाकिस्तान और आई०एस०आई० का हाथ नहीं है, फिर कहते हैं कि हम घुसपैठियों को सेफ पैसेज दे देंगे। प्रधान मंत्री कहते हैं कि सेफ पैसेज देने पर विचार किया जा सकता है। अगर ये प्रशासन के बारे में कुछ सीख लें तो बहुत अच्छी बात है कि प्रशासन कैसे चलता है। उसी दिन प्रधान मंत्री तो कह रहे थे कि सेफ पैसेज पर बात सोची जा सकती है और दिल्ली के मिलिट्री अस्पताल में टी०वी० पर उन जवानों का इंट्रव्यू आया, जो जख्मी थे। उनसे

[श्री घेसी लाल]

टैलिविजन वालों ने पूछा कि आपका क्या हाल है तो एक जवान कहने लगा कि जख्मी हो गया था, उसको कहा कि अब आपके लिए क्या किया जा सकता है तो कहने लगा कि अगर मुझे अस्पताल वाले जल्दी छुट्टी दे दें तो मैं फिर मोर्चे पर जाना चाहता हूं और फिर हम दुश्मनों को मारेंगे और पीछे से कुमक आने नहीं देंगे, ऐसी है एक जवान की सोच। रक्षा मंत्री और प्रधान मंत्री जी की सोच दूसरी है। हरियाणा में अक्तूबर में आई बाढ़ से सम्बन्धित कई आंकड़े मेरे पास उपलब्ध हैं। यदि आप चाहेंगे तो मैं बता दूंगा। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, 15 जून, 1999 के इंडियन एक्सप्रेस में under the heading of "Accountability in the Year of War" and "The guilty men of 1999" में मनी शंकर अय्यर ने लिखा है कि :—

> "the Jan Sangh demanded the dismissal of Defence Minister Krishna Menon. "If reinforcements had been sent on time," they said, "the Chinese advance could have been halted." Criticising the armed forces for being "passsive", the Jan Sangh advised the army to "concentrate on a few points" and "take the initiative to attack Chinese positions and supply lines"."

आगे यह लिखा है—

> "Concerned at the poor quality of the army leadership, the delegation further demanded that retired generals be recalled and put in "overall charge of strategy"."

On which Pandit Nehru agreed and implemented it. In the said article, Sh. Mani Shanker Aiyar has further stated—

> "The delegation was led by one Atal Behari Vajpayee."

Sh. Aiyar states that his source is. "The Hindustan Times" of October 27, 1962. He further states—

> "Nehru had the grace to induct retired generals Thimayya and Himmatsinh ji into the National Defence Council. In 1999, any opposition suggestion falls on deaf ears. In 1962, the Rajya Sabha was convened on November 8, within a fortnight of Vajpayee asking for it; in 1999, the same Vajpayee who insisted in 1962 on a Rajya Sabha session in the middle of a war has refused a Rajya Sabha session to deal with armed incursions across the Line of Control."

इस आर्टिकल में आगे और लिखा है :—

> "Vajpayee 1962 then thundered, "In neglecting the nation's security, we committed a crime against the country, leaving the country's frontiers insecure was a great sin on our part."

I want to ask Vajpayee ji what is his position today ? Were they prepared ? Did they send some reinforcements ? I happened to be a former Defence Minister of India and I know a lot but this is not proper time to mention all those things. Those things will be mentioned at a proper time, when we will get rid of infiltrators. At this moment, we are with the Government and we are at the back of the Jawans who are fighting on the fronts. आगे जा कर मणिशंकर लिखते हैं :

"I would like to know whether the Prime Minister was informed whether in NEFA we were fully prepared or not ?" He then added : "And if we are told that the Prime Minister was not in the know, the next question will have to be answered as to who it was who kept him in the dark ?"

अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि प्रधान मन्त्री जी जब लाहौर में नवाज़ शरीफ की दावत खा रहे थे, उस समय इनफिलट्रेटर्ज हमारे यहां बंकर्ज बना रहे थे (विघ्न) और हमारे देश की टैरिट्री पर कब्जा कर रहे थे। (विघ्न)

डा० वीरेन्द्रपाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ ऑर्डर है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि पांच दिन पहले यह सारी की सारी नैतिकता कहां चली गई थी ? इनको पता था कि प्रधान मंत्री जी में इतनी कमियां हैं तो ये उनको पेश करते (विघ्न) * * * * *

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वांयट ऑफ ऑर्डर नहीं है, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) जो ये बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ ऑर्डर नहीं है, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से दरख्वास्त करना चाहता हूं (विघ्न एवं शोर) * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए।

Mr. Speaker : Sharma Ji, I will request you to kindly seek the permission of the Chair. आप जैसे वरिष्ठ विधायक को ऐसी बात शोभा नहीं देती है।

श्री राम बिलास शर्मा : * * * * *।

Mr. Speaker : Nothing to be recorded, what is being said by Shri Ram Bilas Sharma. (Interruptions) Take your seat, please.

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको देश के सम्मान की एक छोटी सी बात की मिसाल देता हूं। बाजपेयी जी को किसी ने लाहौर नहीं बुलाया था, उन्होंने अपने आप ही कहा था कि मैं जाऊंगा इनविटेशन तो बाद में आया था क्योंकि वे तो बंकर बनाने में लगे हुए थे। अध्यक्ष महोदय, एक वक्त ऐसा भी था जब हमारे प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी थे। उन्होंने अमेरिका और कनाडा में जाने का टूर बनाया। उस वक्त अमेरिका गवर्नमैंट ने एक ऐसी बात कह दी जो कि भारत की शान के खिलाफ थी। लाल बहादुर शास्त्री जी ने अमेरिका जाने का टूर कैंसिल कर दिया और कनाडा गए। न्यूयार्क में उनका जहाज रि-फ्यूल किया गया। मगर वे जहाज में ही बैठे रहे। अमेरिकन्ज ने कहा कि आप वी०आई०पी० लौन्ज में आइए और चाय तथा कुछ स्नैक्स लीजिए। उन्होंने कहा कि मेरे जहाज में सब कुछ है। अमेरिका की धरती पर उन्होंने पांव नहीं रखा। अध्यक्ष महोदय, एक वक्त वह था और एक वक्त आज का है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में अक्तूबर 1998 में आई बाढ़ से करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। हमने भारत सरकार से 757 करोड़ 29 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की मगर काफी समय तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। हमारे बार-बार सहायता मांगने पर हमको 13 करोड़

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री बंसी लाल]

27 लाख रुपए अभी कुछ हफ्ते पहले मिले। जोकि ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर भी नहीं है। जबकि हमारे पड़ौसी राज्यों को कई अरब रुपए आर्थिक सहायता के रूप में दिए गए। भाजपा की केन्द्र सरकार ने हरियाणा की जनता के हितों में कोई रूचि नहीं दिखाई और अब कह रहे हैं कि हमने समर्थन वापिस लेने का फैसला हरियाणा की जनता के हित में किया है। हमने इनकी टीम को यहां बुलाकर दिखाया कि कितना नुक्सान हुआ है। मैं प्रधान मंत्री जी से मिला, चेयरमैन प्लानिंग कमिशन से मिला, फाईनांस मिनिस्टर को मिला और मैं इनके सब कर्ता धर्ताओं को मिला। सबने हमको सिम्पथी दिखाई और पैसा हमको एक भी न मिला। सारा पैसा पड़ौसी राज्यों को देते रहे, जहां पर नुक्सान भी हमारे मुकाबले $^{1}/_{10}$ भी नहीं था। मैं प्रधान मंत्री जी को, फाईनांस मिनिस्टर जी को चिट्ठी पर चिट्ठी लिखता रहा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बी०जे०पी० का 1991 का घोषणा पत्र मेरे पास है और इसकी पहली 5 लाईनें इस प्रकार है :

> "गत विधान सभा चुनाव में राजनीतिक दल होने के नाते भाजपा ने तत्कालीन लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। किन्तु लोकदल के नेतृत्व द्वारा अपने ही परिवार-वाद, अकुशल प्रशासन के कारण मतदाताओं के साथ किए गए चुनावी वायदे पूरे करने में हम असफल रहे।"

यह भाजपा ने 1991 में अपने मैनिफैस्टो में कहा। इससे आगे कहा—

> "किन्तु भाजपा को इस बात का गर्व भी है कि चौधरी देवी लाल के उप-प्रधान मंत्री बन जाने की स्थिति में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने हरियाणा की बागडोर सम्भाली तो उनकी कार्यशैली का पूर्वानुमान लगाते हुए और हरियाणा की जनता की भावनाओं का आदर करते हुए भाजपा नेतृत्व ने उनके मंत्रिमण्डल से बाहर रहने का निश्चय किया।"

अध्यक्ष महोदय, मैं यह दिखा भी देता हूं कहीं शर्मा जी को यह याद न हो। (विघ्न) यह चुनाव घोषणा पत्र भारतीय जनता पार्टी का 1991 का है। इसमें ओपनिंग पैरा में लिखा है— एक मुक्ति ऐलान। इसमें लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के मतदाताओं से सर्वप्रथम इस बात के लिए क्षमा चाहती है कि गत विधान सभा चुनावों में संघर्ष समिति के प्रमुख हिस्सेदार राजनीतिक दल होने के नाते भाजपा ने तत्कालीन लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। अध्यक्ष महोदय, तत्कालीन लोकदल के बारे में हरियाणा भाजपा ने क्षमा याचना की है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अब तो ये पाप का घड़ा आपके सिर पर ही फोड़ेंगे।

श्री बंसी लाल : हां, यह बात ठीक है कि ये पाप का घड़ा मेरे सिर पर फोड़ेंगे लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि मुझे तो इनका तजुर्बा नहीं था परन्तु चौटाला साहब को तो इनका पूरा तजुर्बा है इसलिए ये मार नहीं खाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं भाजपा के 1991 के घोषणा पत्र के बारे में बता रहा था जिसमें इन्होंने यह भी कहा था कि लोकदल नेतृत्व द्वारा अपनाए गए परिवारवाद एवं अकुशल प्रशासन के कारण मतदाताओं के साथ किए गए चुनावी वायदे पूरे करने में ये असफल रहे किन्तु भाजपा को इस बात का गर्व भी है कि चौधरी देवीलाल के उप-प्रधानमंत्री बन जाने की स्थिति में जब चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने हरियाणा की बागडोर संभाली तो उनकी कार्यशैली का पूर्वानुमान लगाते हुए हरियाणा की जनता की भावनाओं का आदर करते हुए भाजपा नेतृत्व ने उनके मंत्रिमंडल से बाहर रहने का निश्चय किया। अब तक राज्य में हुए गठबंधनों के कड़वे अनुभवों के दृष्टिगत इस बार भाजपा ने अकेले ही अपने

बूते पर चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। पहली बार हरियाणा भाजपा लोकसभा की सभी दस सीटों तथा विधानसभा की 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अध्यक्ष महोदय, यह 90 सीटों पर लड़ लें चाहे ये दस सीटों पर लड़ें लेकिन ये किसी न किसी के पिछलग्गु बनकर ही असैम्बली या लोकसभा में घुस सकते हैं अपने दम पर आज तक नहीं घुस पाए और न ही आगे घुसेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एक और भारे का ये बड़े जोर से शहरों में प्रचार करते हैं कि मुख्य मंत्री ने चुंगी समाप्त नहीं की। जबकि चुंगी समाप्त करने का वायदा इनके 1996 के मैनीफैस्टो में था। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास भारतीय जनता पार्टी का 1996 का घोषणा पत्र है इसलिए मैं इसको शर्मा जी को भी दिखा दूं ताकि इनकी कोई गलत फहमी न रह जाए। अध्यक्ष महोदय, इसमें शहरी क्षेत्र के विकास के नाम से एक हैडिंग है जिसमें लिखा है कि केन्द्र सरकार से अनुदान की व्यवस्था करवाकर चुंगी कर समाप्त करवाना। अध्यक्ष महोदय, मैंने तो कभी नहीं रोका कि चुंगी को माफ न करो लेकिन इन्होंने ही अपने चुनाव घोषणा पत्र में लिख रखा कि केन्द्र सरकार से अनुदान की व्यवस्था करवाकर चुंगी को खत्म करेंगे। अगर अब तक ये केन्द्र सरकार से अनुदान ले आए होते तो उसी दिन हम चुंगी माफ कर देते। मैंने तो इनको कभी नहीं रोका ये अब ले आएंगे तो हम माफ कर देंगे।

श्री राम बिलास शर्मा : हम तो तीन साल से कह रहे थे।

श्री बंसी लाल : अगर आप तीन साल से कह रहे थे तो गलत बात कहने से तो कोई फर्क नहीं पड़ता। अध्यक्ष महोदय, मैंने तो चुंगी हटाने के लिए एक कमेटी भी बनायी थी जिसमें दोनों पार्टियों के आदमी थे। इस कमेटी के गोदारा साहब चेयरमैन थे और राम बिलास जी, कमला वर्मा, गणेशीलाल एवं शशिपाल मेहता इसके मैम्बर्ज थे। इस कमेटी ने सिफारिश की थी कि चुंगी हटायी नहीं जा सकती बल्कि इसको बढ़ाओ। इसके बाद जब कैबिनेट में यह केस आने लगा तो उसके पांच मिनट पहले शर्मा जी ने मेरे पास आकर कहा कि बाबू जी आज इसको पास न करें मैंने कहा बहुत अच्छा लेकिन फिर ये उल्टी वाणी पढ़ने लगे। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद भी हमने कमला वर्मा जो इस महकमे की इंचार्ज थीं, की चेयरमैनशिप में एक और कमेटी बना दी तो आप ही बताएं कि मैं बीच में कहां से आ गया, मैं कहां से बीच में घुस गया ? तो इसलिये ये कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इनकी कथनी और करनी में बहुत अन्तर है। (शोर)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चुंगी का मुद्दा तो हमने मंत्रिमंडल की प्रोसिडिंग्ज में डैफर किया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जब जयललिता ने समर्थन वापिस लिया तो इन्होंने वाजपेयी जी का पोस्टर दिखा कर पूछा कि इस आदमी का क्या कसूर था ? अब वाजपेयी जी से पूछो कि मेरा क्या कसूर था कि उन्होंने समर्थन वापिस लिया। बी०जे०पी० द्वारा समर्थन वापिस लेना पूर्णतः स्वार्थ से भरा कदम है। भाजपा के वाईस-प्रेजिडैन्ट श्री के०एल० शर्मा ने कहा कि समर्थन वापिसी का निर्णय 8 जून को लिया गया था जबकि समर्थन वापिसी का फोरमल डिसिज़न तो इन्होंने गई महीने के पहले सप्ताह में ही ले लिया था और असली डिसिज़न तब लिया था जिस दिन चौटाला साहब ने इनको समर्थन दिया और इन्होंने समर्थन लिया और चौटाला साहब को पता था कि ये जुबान से फिर सकते हैं इसलिये उन्होंने लिखवा कर चिट्ठी ले ली और अपने कब्जे में कर ली। (शोर) यह सौदा तो 17 अप्रैल को ही हो गया था और समर्थन वापिसी से संबंधित पत्र श्री ओम प्रकाश चौटाला को केन्द्र सरकार की सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर मतदान से एक दिन पहले ही दिया गया था। मेहम सैकिया आयोग की रिपोर्ट पर भाजपा का स्टैण्ड

[श्री बंसी लाल]

यह रहा है कि आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। मेहम के लोगों को उसका बेसब्री से इन्तजार है और अध्यक्ष महोदय, कहो तो मैं असैम्बली की डिबेट पढ़कर सुना दूं, लम्बी-चौड़ी है और इसकी तीन-चार फाइलें हैं जिसमें राम विलास शर्मा जी ने मेहम के बारे में क्या कहा ? अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने तो हाई कोर्ट के जज की चर्चा की लेकिन मैं सैकिया कमीशन जिसमें सुप्रीम कोर्ट के जज थे, की चर्चा करता हूं। मैं सुप्रीम कोर्ट के जज की सैकिया की रिपोर्ट का यहां जिक्र करता हूं जिसमें लिखा था कि—

> "Actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men resulted in the death of Shri Amir Singh. Even though the commission on appreciation of the affidavits and arguments rejected the hypothesis of conspiracy between Mr. Chautala, Mr. Tomar and Mr. Vijay Singh. It has no alternative than to arrive at the finding that the actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men have resulted in the death of Mr. Amir Singh during the fateful night.

इसके आगे सैकिया कमीशन की रिपोर्ट का जो कनक्लूडिंग पैरा है उस कनक्लूडिंग पैरे में लिखा है कि—

> "There was nobody to deny the same. The Commission, therefore reasonably arrived at the finding that the actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men resulted in the death of Mr. Amir Singh during the fateful night."

चौटाला साहब रैड्डी कमीशन का हवाला दे रहे थे, यह तो बहुत बाद की बात है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उसमें तो इनको क्लीयर कट गुल्टिम करार दिया है और उसी आधार पर इनके खिलाफ एफ०आई०आर० दर्ज हुई है। (शोर) अगर रैड्डी कमीशन के आखिरी पैरे को पढ़ा जाए तो उसमें इनकी इतनी भद्द पीटी कि कोई भी खुद्दार आदमी एक क्षण भी अपने पद पर नहीं रह सकता। (शोर) उसने कहा कि इससे बड़ा करप्शन का कोई सबूत नहीं हो सकता। यह रैड्डी कमीशन की फाईंडिंग है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इसमें सब कुछ लिखा हुआ है, काफी लम्बी रिपोर्ट है, अगर सारी पढ़ूं तो बहुत टाइम लगेगा। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा और फिर कहता हूं कि सैकिया कमीशन या प्रेवाल कमीशन की जो भी रिपोर्ट आई हैं सरकार उसके आधार पर ऐक्शन ले। (शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह केस सी०बी०आई० के पास था और भारत सरकार की जूरिडिक्शन में था, हरियाणा की जूरिडिक्शन में नहीं था। (शोर) अध्यक्ष महोदय, डीज़ल का भाव जो एक रुपया प्रति लिटर केन्द्र सरकार ने घटाया था उसे कुछ दिन बाद फिर बढ़ा दिया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनके खिलाफ तो सीधा चार्ज है— शोर * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए क्योंकि वह मेरी परमिशन के बगैर बोल रहे हैं।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, यह क्या तरीका हुआ, आप जैसे मर्जी मुझे बोलेंगे (शोर) जब आपके 22.00 बजे मन में आता है तो आप खड़े हो जाते हैं। आप आराम से बैठ जाइए। (शोर) दुरुपयोग आप कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप बैठ जाइए। जो कुछ भी चौटाला साहब ने मेरी परमिशन के बगैर कहा है उसे बिल्कुल डिलीट कर दीजिए। यहां आंखें दिखाने से काम नहीं चलेगा।

श्री अतर सिंह सैनी : यहां रिकार्ड मौजूद है अगर परमिशन ली है तो बताएं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, भाजपा का चौटाला के प्रति दृष्टिकोण-1977-78 के नारनौल उपचुनाव में स्वर्गीय डाक्टर मंगलसैन जी को पी०डब्लू०डी० रैस्ट हाउस से बाहर फेंक दिया। (विघ्न) जबकि वे मंत्री थे और अपनी पार्टी के प्रचार के लिए गए थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ऑन ए पाइंट ऑफ ऑर्डर, अध्यक्ष महोदय, एक आदमी जो इस संसार में नहीं है, उसके बारे में इस सदन में बात नहीं कही जानी चाहिए।

श्री बंसी लाल : मैं उसकी बात नहीं कह रहा हूं मैं आपकी बात कह रहा हूं। मैं डाक्टर मंगलसैन जी की बात नहीं कह रहा हूं। इनकी करतूतों की बात कह रहा हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उसी मंगलसैन के साथ आपने क्या व्यवहार किया था मुझे तो बताने में भी शर्म आएगी। आपकी करतूत रेडी कमीशन में छपी हैं * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, 20 जनवरी, 1998 को श्री राम बिलास शर्मा ने हरियाणा विधान सभा में कहा था कि चौटाला सन्यास ले लेते (शोर एवं व्यवधान) लेकिन श्री चौटाला सन्यास कैसे लेते क्योंकि सन्यास लेने के लिए किसी गुरू की आवश्यकता पड़ती है और कोई गुरू श्री चौटाला जैसे व्यक्ति को चेला बनाने के लिए तैयार नहीं है। इसी सदन की कार्यवाही में यह बात है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कहते हैं कि मुझे मेरी करतूतें बताओ और बताते हैं तो बताने नहीं देते। वाजपेयी जी की सरकार ने जब विश्वास मत लिया था उससे एक दिन पूर्व श्री चौटाला का ब्यान था कि किसी कीमत पर हम वाजपेयी जी की सरकार को समर्थन नहीं देंगे। यह बात इन्होंने टैलीविजन पर बड़े जोर शोर से कही थी। मेहम का उपचुनाव रद्द करवाने के लिए उम्मीदवार अमीर सिंह की हत्या की गई और चुनाव के दौरान बैंसी और मदीना में, बैंसी में नौ और मदीना में तीन निर्दोष लोगों की हत्या की गई। महामहिम राज्यपाल श्री जी०डी० तपासे जी के साथ बदतमीजी की गई। श्री कृपा राम पूनिया का मुंह काला किया गया यह मैं इनका हरिजनों के प्रति प्रेम बता रहा हूं। चौधरी देवीलाल जी ने बनियों और पंजाबियों को वोट डालने के अधिकार से वंचित कर देने की बात कही थी। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन में अपनी स्टेटमैंट नहीं दे सकता, उसके बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, उस समय के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और भूतपूर्व उप-प्रधानमंत्री ने बनियों और पंजाबियों को वोट डालने के अधिकार से वंचित कर देने की बात कही थी। महात्मा गान्धी

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री बंसी लाल]

राष्ट्रपिता थे मगर उन्होंने बनिए के घर जन्म लिया था। उनके नाम का पैम्फलैट इन समुदायों के बारे में नफरत पैदा करने के लिए बांटे गये थे। 22 अक्तूबर 1978 को जब भूतपूर्व मुख्यमंत्री और भूतपूर्व उप-प्रधान मंत्री हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तो श्री ओम प्रकाश चौटाला को कस्टम अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर 58 स्विस घड़ियों और 47 फाउण्टेन पैन की तस्करी में पकड़ लिया तो श्री ओम प्रकाश जी के पिता श्री ने इन्हें अपने बेटे से डिस ओन कर दिया। 1998 के लोकसभा चुनाव में चौटाला साहब के बेटे को भूतपूर्व मुख्यमंत्री और बी०एस०पी० ने समर्थन दिया। आदमपुर के चुनाव में भाजपा के लोगों ने श्री सुरेन्द्र सिंह का विरोध किया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की राजनीति में पहली बार ग्रीन ब्रिगेड द्वारा हिंसक वारदातें शुरू की गई थीं। और मुझे भाजपा द्वारा छोड़ देने की कोई हैरानगी नहीं है क्योंकि ये लोग तो सब कुछ छोड़े बैठे हैं। जिस राम के नाम पर वोट लिया उसी को छोड़ दिया तो बेचारा बंसी लाल कहां बचता। जनसंघ नाम छोड़ दिया, दीपक निशान छोड़ दिया, केसरिया झण्डा छोड़ दिया। याद है वह नारा कि 'देश धर्म के नाम पर गऊ हमारी माता है' वह भी अब छोड़ दिया। आर्टीकल 370 का क्या हुआ, वह भी छोड़ दिया। कॉमन सिविल कोड को भी छोड़ दिया। डा० हेडगेवर और गोवलकर को छोड़कर गान्धी जी को पकड़ लिया। फिर बेचारा राम हाथ आ गया। चुनाव जीत लिया तो उसे छोड़ दिया। ये किस-किस को छोड़ेंगे और कहां-कहां तक छोड़ते जायेंगे। मन्त्री हटाना और बनाना मुख्यमंत्री का अधिकार है और मेरे वे साथी इस बात को मानते हैं और आपके सामने भी उन्होंने कहा है। प्रधानमंत्री जी ने अभी हाल ही में श्री जगमोहन जी को संचार मन्त्रालय से क्यों हटाया ? और हटाने का कोई कारण भी नहीं बताया। परन्तु कारण सारा देश और देश की जनता जानती है। क्योंकि सेलूलर फोन वालों की तरफ साढ़े चार या पांच हजार करोड़ रुपये बकाया थे और श्री जगमोहन जी उस पैसे की वसूली पर लगे हुए थे और उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये की वसूली भी कर ली थी कि अचानक उनके महकमें को बदल दिया गया। मुझे कहते हैं और खुद क्या कर रहे हैं। भ्रष्टाचार की बात तो प्रधानमंत्री जी ने कह दी मगर 24 जुलाई 1999 के हिंदुस्तान टाईम्स अखबार के अडिटोरियल में "अप फार ग्रेब्स अगेन" में लिखा है

> "Prime Minister would not be believing his own words when he talked of "serious charges of corruption and other acts of commission and omission" against the Government to justify the withdrawal of support to the Haryana Government."

अध्यक्ष महोदय, आगे और भी बहुत कुछ लिखा हुआ है लेकिन मैं इतनी ही बात कहूंगा। भाजपा ने अब तो चौटाला साहब से गठजोड़ कर लिया है उनके बारे में ये क्या-क्या कहते रहे हैं यह बात भाजपा के लोग जानते हैं। 1977 और 1987 में स्वर्गीय डाक्टर मंगलसैन और दूसरे साथियों के साथ क्या-क्या हुआ तथा 1991 में भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में चौटाला साहब के बारे में क्या कहा था यह बात भी सबको मालूम है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब भी कहते थे कि जिस आदमी की शादी नहीं हुई, घर-बार नहीं है वह आदमी देश कैसे चला सकता है। इन लोगों ने हरियाणा प्रदेश की भलाई के बारे में नहीं सोचा और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार तोड़ने के लिए गठजोड़ कर लिया। भाजपा ने मेरे से गठजोड़ इसलिए तोड़ा क्योंकि मैं प्रदेश की जनता को बिजली देना चाहता हूं, सड़क बनाकर देना चाहता हूं और प्रदेश में अमन चैन लाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं भाजपा वालों से पूछना चाहता हूं कि ये बतायें कि मेरा क्या कसूर था जबकि इनका समझौता हमारे साथ पांच साल के लिए हुआ था और मैंने यह समझौता ईमानदारी के साथ निभाया। अध्यक्ष महोदय, मेरा कसूर सिर्फ इतना था कि मैंने भाजपा की सांप्रदायिकता की लाईन स्वीकार नहीं की और भाजपा की सभाओं में भी हमेशा

समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता तथा राष्ट्र एकता की बात की, जो भाजपा को नहीं भाई। हिसार में चर्च के आगे इन्होंने चर्च के खिलाफ नारे लगाये और 50-50 इश्तहार फैंक दिये। चर्च वालों ने रिपोर्ट दर्ज करा दी। मेरे से डी०सी० ने पूछा कि सर ऐसा हो गया क्या करें ? मैंने डी०सी० को कहा कि जो भी दोषी है उसे गिरफ्तार करो। डी०सी० ने मुझे कहा कि इस पर तो भाजपा वाले ऐतराज करेंगे, मैंने कहा कोई कुछ भी कहे तुम दोषी व्यक्तियों को गिरफ्तार करो। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से फरीदाबाद के अंदर भी चर्च के पास जाकर नारे लगाये, रात का समय था पुलिस आई तब तक जिन्होंने नारे लगाये थे वे भाग गये। फरीदाबाद के एस०पी० का मेरे पास टैलीफोन आया और उसने कहा कि सर अगर बात बढ़ जाये तो मैं क्या करूं ? मैंने कहा जो कानून में है वही करो। जो गड़बड़ी करे उसे गिरफ्तार करो। अध्यक्ष महोदय, ये बातें इनको अच्छी नहीं लगीं। अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रधानमंत्री जी को प्रदेश से जुड़ी समस्याओं को लेकर अनेक बार पत्र लिखे, जो एस०वाई०एल०, बिजली का हमारा सही हक दिलाने बारे, बाढ़ राहत, बेरोजगारों की सहकारिता समितियों को एजैंसियां और पैट्रोल पंप दिलाने बारे थे। लेकिन इन्होंने कोई भी काम नहीं किया। बाढ़ राहत के लिए थोड़ी बहुत राशि जरूर दी थी। अध्यक्ष महोदय, मैं राम विलास जी से पूछना चाहता हूं कि क्या इन्होंने कभी हरियाणा प्रदेश के इन हितों के बारे में प्रधानमंत्री जी से बात की। कभी एस०वाई०एल० बनवाने की बात की। इसका क्या कारण था, कारण यह था कि लोक सभा में हमारी एक वोट थी और चौटाला साहब के चार वोट थे तथा बादल साहब के 8 वोट थे। इसलिए 12 के आगे 1 की कैसे चले ? मैं क्या करता ? मेरी मजबूरी थी। सरकार की फाईलें देख लो मैंने इस बारे में कितनी चिट्ठियां लिखी हैं। इतना ही नहीं, एक और बात बड़े ताज्जुब की है, वह यह है कि पंजाब में जो लेवी-शूगर है, उसका भाव 48-49 रुपए प्रति क्विंटल हरियाणा की शूगर से ज्यादा है। हरियाणा की शूगर का रेट कम है। मैं पूछना चाहता हूं कि पंजाब की शूगर और हमारी शूगर में क्या फर्क है जबकि कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन तो हमारा ज्यादा है। पंजाब के किसानों को बिजली मुफ्त मिलती है, पानी मुफ्त मिलता है, लेकिन हमारे किसानों को बिजली और पानी दोनों के पैसे देने पड़ते हैं और रेट हमारे किसान के नाम का कम और पंजाब के किसान के नाम का ज्यादा। मैंने प्रधानमंत्री जी को इस बारे में एक डिटेल्ड चिट्ठी लिखी है, जिसकी आज तक अकनोलेजमैंट नहीं आयी है। चीनी पाकिस्तान से मंगवाते हैं। दूसरी तरफ हमारे पास एक लाख टन लेवी फ्री चीनी उपलब्ध है, जिसको बेचने नहीं दे रहे हैं। कहते हैं कि हमारे हुक्म के अनुसार बेचनी है। हमें भारत सरकार से यह इन्साफ मिला है। भाजपा की दिल्ली सरकार से हमें यह इन्साफ मिला है। इस बारे में मैंने चिट्ठी पर चिट्ठी लिखी। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा चर्चा में जाना नहीं चाहूंगा। कारगिल के इशू पर हम सरकार के साथ हैं। केन्द्रीय सरकार हमलावरों को देश से बाहर निकालने के लिए जो कदम उठा रही है, उसका हम पूरा समर्थन करते हैं। इस के लिए जो भी कुर्बानी देनी पड़ेगी, हम तैयार हैं लेकिन पिछले दिनों हमारे आर्मी चीफ ने एक बात कही कि हमारे जवानों के पास लड़ने के लिए सही अर्थात् अप-टू-डेट हथियार नहीं हैं, पहाड़ों में पहनने के लिए जुराबें नहीं हैं, कपड़े नहीं हैं तथा रात को जब जवान सोते हैं तो वे सोने वाले बैग में तो पांव डालते हैं और बाहर सोते हैं। यह बात आर्मी चीफ ने 4-5 दिन पहले कही है। इस बात को मैं डिस्क्लोज नहीं कर रहा हूं। इस बात को आर्मी चीफ ने डिस्क्लोज किया है, जो डिसिपलिन का पक्का होता है। वक्त आने पर ये सारी बातें हम वाजपेयी जी से जरूर पूछेंगे। जब लड़ाई इतने दिनों से कारगिल में चल रही है तो हमारे जवानों को माडर्न वैपन क्यों न मिलें, उनको अच्छे कपड़े क्यों न मिलें ? आज हरियाणा का आम आदमी यह बात कहता है बाहर के किसी आदमी से मिलने का तो मेरा मौका नहीं लगा है, कि एक बात का जवाब दो कि पिछले 50 सालों में कारगिल में 8 किलोमीटर अंदर तक कभी भी पाकिस्तानी नहीं घुस पाए। एक साल में ही कैसे घुस गए ? वे पूछते हैं कि क्या तुम्हारी दिल्ली की सरकार सो रही थी ? अब

[श्री बंसी लाल]

हम उनको कैसे बताएं कि दिल्ली की सरकार सो रही थी या बैठी थी ? वह उठी थी या बैठी थी हमको क्या पता मगर देश के साथ तो धोखा हुआ है। यह बात आम आदमी सड़क पर खड़े होकर पूछता है। (शोर एवं विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, मेरे पास इण्डियन एक्सप्रैस अखबार है। इसको आप देखें (शोर एवं विघ्न) अब रात रात में वाजपेयी जी में सब बुराई आ गई। (शोर) रात-रात में हरियाणा में ईसाइयों पर अटैक हो गए। मुख्य मंत्री जी की मजबूरी समझी जा सकती है। (शोर एवं विघ्न) मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आज की स्थिति में इनको ये सारी बातें नहीं करनी चाहिएं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, पिछले साल 11 मई को परमाणु बम चलाया गया। यह ठीक है हम उस सांझा सरकार में शामिल थे और हमने भी कहा था कि अच्छा किया। एक बात मैं उस दिन से लेकर आज तक भी कह रहा हूं कि परमाणु बम तो 1974 में इन्दिरा जी ने चला दिया था, आज से 23-24 साल पहले। यह परमाणु बम वाजपेयी जी ने तो बनाया नहीं, यह तो साईंसदानों ने बनाया है। इन्होंने उस बम को ऐसे मौके पर फोड़ दिया, जो सही वक्त नहीं था क्योंकि इसके फोड़ने से हमारी सारी इमदाद बंद हो गई। हमारी सड़कें बननी बंद हो गईं और दूसरे विकास के जो कार्य थे वे सारे बंद हो गए। इससे संबंधित मेरे पास बहुत सारी बातें कहने को हैं, मैं कह सकता हूं लेकिन आज का दिन वह बातें कहने का नहीं है। मेरे पास बहुत कुछ कहने को रह गया है, मैं बहुत कुछ कह सकता हूं। आई सी मच मोर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी संपत सिंह जी पूछ रहे थे कि आप लोगों ने प्रदेश के लिए क्या किया पिछले तीन सालों में। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि प्रदेश में बिजली 24 घंटे देने के लिए हमने दिन रात मेहनत की। इन पिछले 37 महीनों में हमने 30 नए सब-स्टेशन बनाये और 154 सब स्टेशनों की क्षमता को बढ़ाया और 5200 किलोमीटर लम्बी ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन लाइनें बिछाई गई। वर्ष 1966 में हरियाणा बनने से लेकर अगले 32 वर्षों में राज्य का कुल बिजली उत्पादन 863 मैगावाट तक पहुंचा था। हमने बिजली उत्पादन बढ़ाने की अनेक योजनाओं पर काम शुरु किया। इस 30 जून तक 213 मैगावाट बिजली की बढ़ौतरी हो जाएगी। फरीदाबाद के एन०टी०पी०सी० के प्लांट से 143 मैगावाट, मारुति लि० से 20 मैगावाट, मैगनम से 25 मैगावाट और बी०बी०एम०बी० के साथ जो नवीनीकरण एग्रीमेंट हुआ है उससे हमारे हिस्से में 25 मैगावाट की और वृद्धि होगी। (विघ्न) एन०टी०पी०सी० से तो परचेज़ जो करते हैं, वह तो आप भी करते थे।

श्री सम्पत सिंह : मैं तो सिर्फ यह पूछ रहा हूं कि हमारी जो अपनी ओन जनरेशन है उसमें हमने कितने यूनिट और बिजली जोड़ी है। बी०बी०एम०बी० या एन०टी०पी०सी० से तो हम परचेज़ करते हैं। आप यह बताएं कि हमारी ओन जनरेशन कितनी है ?

श्री बंसी लाल : जो आप पूछ रहे हैं, वही मैं बता रहा हूं। अगले वर्ष में हमारे प्रदेश की बिजली क्षमता में 1289 मैगावाट और बढ़ौतरी हो जाएगी। हमारे 4 प्लांट तो री-फर्निश हो जाएंगे। 270 मैगावाट तो उनसे मिलेगी। इसके अलावा हमारा 210 मैगावाट का छठा प्लांट चालू हो जाएगा। चौधरी सम्पत सिंह जी, जब आप इरीगेशन एण्ड पावर मिनिस्टर थे उस वक्त बी०एच०ई०एल० से मशीनरी आ गई थी अगर उस वक्त आप उस प्लांट को बना देते तो वह प्लांट 238 करोड़ रुपए में बन जाता। आज वह प्लांट 640 करोड़ रुपए का हो गया। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री सम्पत सिंह द्वारा

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। जैसा मुख्य मंत्री बंसी लाल जी ने कहा मशीनरी के आर्डर बी०एच०ई०एल० को बकायदा कर दिए थे और एडवांस मनी भी जमा करा दी गई थी और इसी तरह से कंस्ट्रक्शन वर्क जो कि जमीन का है आलमोस्ट वह भी कम्पलीट हो गया था। जिस पर 30-32 करोड़ रुपए खर्च हो गए थे। स्पीकर सर, यह ऑन गोइंग प्रोजैक्ट है। एक दिन में तैयार नहीं होता। आपकी सरकार आए भी 3 साल हो गए हैं। 3 साल में तो अभी तक तैयार नहीं हो पाया। टाइम लग रहा है। स्पीकर सर, हमारी सरकार चली गई, जाने के बाद आज जिस पार्टी का समर्थन इन्होंने लिया है उस पार्टी की सरकार आई और उन्होंने 5 साल तक वह मशीनरी नहीं छुड़वाई। इसलिए हमारा इसमें कोई दोष नहीं क्योंकि हमारा प्रोसैस चल रहा था यह बीच में सरकार जाने की वजह से, इनकी अपनी एलायंस पार्टी की वजह से हुआ है, हमारी वजह से नहीं हुआ है।

विश्वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लाल : एक वर्ष में प्रदेश की बिजली की क्षमता 1289 मेगावाट थी और आगे और बढ़ौतरी हो जाएगी।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। जैसा मुख्य मंत्री जी ने कहा कि पानीपत थर्मल प्लांट का जो छठा यूनिट है, उसमें आपने क्या किया। 1989-1990 के अन्दर जब चौ० देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे, 157.6 करोड़ रुपए के वर्क आर्डर किए थे जिसमें 100 करोड़ रुपए का सामान आ गया था (विघ्न) 5 साल तक कांग्रेस पार्टी ने इस काम को हाथ नहीं लगाया और 3 साल तक वर्तमान मुख्य मंत्री ने उस काम को नहीं छेड़ा। फाइलिंग वर्क हंड्रेड परसैंट पूरा हो गया था (विघ्न एवं शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चरखी क्षेत्र के लिए बिजली सबसिडी में वृद्धि की गई। वर्ष 1998-99 में साढ़े 8 करोड़ रुपए की सबसिडी दी गई जो कि चालू वित्त वर्ष में 900 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशा है। किसानों के लिए बिजली की दरों की स्लैब प्रणाली लागू की है। पहले यह प्रणाली केवल दक्षिणी हरियाणा में ही लागू थी, इससे केवल 62 हजार किसानों को ही लाभ होता था और अब एक लाख 25 हजार किसानों को इसका फायदा मिलता है। इतना भारी बिजली सुधारीकरण कार्यक्रम शुरू करने के बावजूद भी हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को रियायती दरों में बिजली मिलती रहेगी। सिंचाई तथा ड्रेनेज प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए तथा बाढ़ नियंत्रण कार्यों पर 1069 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लगभग सभी टेलों पर पानी पहुंचने लगा। सिंचित क्षेत्र में 6 लाख एकड़ की वृद्धि हुई है। पहले जो जमीन बैराश होती थी, इससे ड्रेनेज और नहरें साफ करने से 6 लाख एकड़ अतिरिक्त सिंचाई हो रही है। इससे हरियाणा के किसानों की 325 करोड़ रुपया साल की आमदनी बढ़ी है। प्रदेश में 240 नए रजबाहों का निर्माण किया गया है और 26 रजबाहों का विस्तार किया गया। हरियाणा को आगरा नहर के चैनलों के रख-रखाव का कार्य हरियाणा सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। इससे मेवात क्षेत्र के सिंचित क्षेत्र में बढ़ौतरी हुई है। हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण कार्य हमने पूरे जोरशोर से शुरू किया और निर्धारित समय से भी 3 महीने पहले ही इसका निर्माण कार्य पूरा कर दिया। अब इसे केवल विधिवत चालू किया जाना है। 202 करोड़ रुपए की लागत से बने इस बैराज से प्रदेश की नहरों को 6000 क्यूसिक अधिक पानी मिलेगा और यह हथनीकुण्ड बैराज 17 जून को बनकर तैयार हो चुका है

[श्री बंसी लाल]

जबकि हमने कहा था कि यह हथनीकुण्ड बैराज 30 जून तक बन जाएगा लेकिन 17 जून को बनकर तैयार हो गया है। नाबार्ड द्वारा बाढ़ नियंत्रण की 77 करोड़ रुपए की लागत की 22 स्वीकृत स्कीमों में से 150 स्कीमें पूरी हो गई और 40 स्कीमों पर काम चल रहा है। नाबार्ड ने नए रजबाहे बनने व वर्तमान रजबाहों का विस्तार करने पर 132 करोड़ रुपए की लागत की 200 स्कीमें स्वीकृत की थी जिनमें से 116 स्कीमों पर कार्य हो चुका है और 48 पर कार्य प्रगति पर है। इसमें से लिफ्ट नहर प्रणाली के अन्तर्गत 122 माइनर्ज के निर्माण कार्य पर 77 करोड़ 19 लाख रुपए खर्च होने हैं और यह कार्य दिसम्बर 1999 तक पूरा होने की आशा है। इनके पूरा होने से भिवानी, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, झज्जर जिलों में 84 हजार 500 एकड़ अतिरिक्त भूमि में सिंचाई होने लगेगी। इसके अलावा गुड़गांव, रिवाड़ी और झज्जर जिलों के 99 गांवों की 78790 एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रिवाड़ी उठान योजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण पर 46 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत आएगी। इस योजना में 15 माइनर्ज में से 7 माइनर्ज का निर्माण कार्य शुरु हो चुका है। बाढ़, रिसाव तथा लवणता की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए 2278 करोड़ रुपये की एक मास्टर प्लान तैयार की गई है। हमने महम ड्रेन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। लाखन माजरा ड्रेन का काम अन्तिम चरण में है और यह कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाएगा। 25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली ड्रेनों से महम हल्के के 51 गांवों को फायदा होगा। किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के तहत वर्ष 1996-97 तथा 1997-98 में जिन किसानों की फसलें प्राकृतिक आपदाओं के कारण 50% या उससे अधिक खराब हो गई थीं उनका आबियाना हमने माफ किया और हमने उनके कर्जों की वसूली स्थगित की। किसानों को 3916 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर्जे दिए गए और ब्याज की दर भी 16% से घटा कर 14%की गई। फसली ऋणों की अधिकतम सीमा 50 हजार रुपये से बढ़ा कर 60 हज़ार रुपये की गई और गन्ने का देश भर में सब से अधिक 95/- रुपये प्रति क्विंटल का भाव हमने दिया। किसानों के गन्ने की कीमतें हम बराबर वैसे तो देते रहे हैं अब 18-20 करोड़ रुपये बाकी हैं वह भी जल्दी ही चुका देंगे। किसानों के लाभ के लिए किसान सहारा स्कीम चालू की गई। इस स्कीम के तहत हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के गोदामों में रखी गई किसानों की उपज पर ब्याज की रियायती दरों पर कर्जा दिया जाता है। किसान गोदाम में रखी गई उपज के 75% मूल्य के बराबर कर्ज ले सकता है। अब किसानों को मजबूरी में सस्ते भाव पर अपनी उपज नहीं बेचनी पड़ेगी। ट्रैक्टर व कृषि मशीनों तथा ट्यूबवैल्ज़ भूमि सैम्पल करने और भूमि सुधार, बागवानी भूमिगत पाईप लाइन बिछाने, आदि के काम के लिए 3 लाख रुपये के कर्ज की स्टाम्प ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन फीस से छूट दी गई, सहकारी कर्जों की वसूली के लिए गिरफ्तारियां बन्द की गईं। किसानों को अपनी फसल सुविधापूर्वक बेचने में मदद करने के लिए 3 नई मार्किट कमेटियां स्थापित की गईं और ग्रामीण क्षेत्रों में 6 नये खरीद केन्द्र स्थापित किए गए तथा 14 नई मण्डियों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। हमने राज्य में 5 राजमार्गों तथा एक जिला सड़क को जिसकी लम्बाई 690 किलोमीटर होगी, नैशनल हाईवे बनवा लिया जिसका खर्चा भारत सरकार वहन करेगी। राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा 278 किलोमीटर लम्बी नई सड़कों का निर्माण किया गया, 1073 किलोमीटर लम्बी सड़कों को तोड़ कर सुदृढ़ किया गया और 5205 किलोमीटर लम्बी सड़कों पर बजरी व तारकोल की नई परत बिछाई गई। इसके अलावा हरियाणा मार्कीटिंग बोर्ड ने 766 किलोमीटर लम्बी नई सड़कें बनाई हैं। चण्डीगढ़ में सैक्टर-17 में बस स्टैंड के समीप आठ मंजिला सिविल सचिवालय का निर्माण लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से एक साल के रिकार्ड समय में पूरा किया गया है। इसके बन जाने से राज्य सरकार को हर माह लाखों रुपये के किराये की बचत हुई है वहीं आम जनता को सभी कार्यालय एक छत के नीचे आ जाने

से बहुत भारी सुविधा हुई है। पंचकूला, अम्बाला चरण-II और कैथल में लघु सचिवालय का निर्माण किया गया है। यमुना नगर, रोहतक, रिवाड़ी, फतेहाबाद, झज्जर, करनाल, तथा दादरी में लघु सचिवालयों का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है। न्यायिक परिसर डिविजनल कम्पलैक्स, पंचकूला का निर्माण हो चुका है। यमुना नगर, कैथल, रिवाड़ी करनाल, लोहारू तथा दादरी में न्यायिक परिसरों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है और अम्बाला में शीघ्र शुरू होने वाला है। 781 स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है। प्रत्येक जिले में एक-एक स्कूल को आदर्श स्कूल बनाया गया है। आठ राजकीय कॉलेज तथा 8 सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज स्थापित किए गए हैं। अहिरवाल के नांगल चौधरी और अटेली मण्डी स्थित दो कालोनियों का प्रबन्ध सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। किसान नगर, नारनौल में सरकारी कालेज खोला गया है। महेन्द्रगढ़ में लड़कियों के लिए राजकीय कालेज खोला गया है। नारनौल में एक सरकारी बी०एड० कालेज खोलने की सरकारी सहमति दे दी गई है। रतिया, जिला फतेहाबाद में, खालसा त्रि-शताब्दी कालेज स्थापित करने के लिए 75 लाख रुपए दिए गए हैं और इसमें आगामी सत्र से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। जे०बी०टी० की सीट्स 2180 से बढ़ाकर 3510 तथा ओ०टी० की सीट्स 300 से बढ़ाकर 850 कर दी गई हैं। 12,000 अध्यापकों की भर्ती की गई है। प्रदेश में 16 नए इंजीनियरिंग कालेज तथा 20 व्यावसायिक संस्थाएं शुरू की गई हैं। पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा दिया गया है। हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी स्थापित की गई है। वर्ष 1995 की बाढ़ से प्रदेश में जिन 539 गांवों के वाटर वर्क्स की खस्ता हालत हो गई थी उनकी मुरम्मत की गई है। पीने का साफ पानी सुनिश्चित करने के लिए नहरी पानी पर आधारित पेयजल योजनाओं की फिल्टर मीडिया की सफाई और इनकी मिट्टी निकालने की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश के 1957 गांवों की पेयजल सप्लाई में बढ़ौतरी की गई तथा 228 ढाणियों को पेयजल उपलब्ध करवाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी के 41,250 घरेलू कनैक्शन दिए गए हैं। अहिरवाल क्षेत्र में जहां भूमिगत क्षेत्र में फ्लोराईड की मात्रा अधिक है, के लिए नहरी पानी पर आधारित 21 पेयजल योजनाएं शुरू की गई हैं जिनमें से 6 पूरी की जा चुकी हैं। अम्बाला सदर, कैथल और सोनीपत में नई पेयजल योजना शुरू की गई है। अम्बाला छावनी में 15 करोड़ की लागत से नहरी पानी पर आधारित योजना तथा भिवानी शहर के लिए 20 करोड़ की लागत से जलधर बनाने की योजना लागू की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति योजनाओं पर 37 करोड़ 33 लाख रुपए की राशि खर्च की गई है। यमुना ऐक्शन प्लान के तहत यमुनानगर, जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव, पलवल, फरीदाबाद, छछरौली, रादौर, इन्द्री, घरौंडा और गोहाना में ट्रीटमैंट प्लांट लगाने पर 159 करोड़ 30 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। फरीदाबाद तथा गुड़गांव में एक-एक ट्रीटमैंट प्लांट तैयार हो गया है। सोनीपत में ट्रीटमैंट प्लांट तैयार हो गया है।

बड़ी तथा मध्यम स्तर की 168 यूनिट्स और 12,415 यूनिट्स स्थापित की गई हैं। इनमें 90,490 लोगों को रोजगार मिला है। जिला गुड़गांव में अहिरवाल क्षेत्र के गांव मानेसर में 450 करोड़ रुपए की लागत से उद्योग मिडिल टाऊन की स्थापना की जा रही है जोकि 1749 एकड़ के क्षेत्र में फैला होगा। रिवाड़ी जिले में अहिरवाल क्षेत्र के गांव धारूल में उद्योग केन्द्र के प्रथम चरण का कार्य पूरा किया गया है तथा दूसरे चरण का कार्य चल रहा है। सोनीपत के गांव बड़ी में 275 एकड़ भूमि पर हौजरी-कम-टैक्सटाईल से एस्टेट विकास का कार्य किया जा रहा है।

श्रमिकों को बढ़िया चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए अलग से इ०एस०आई० निदेशालय बनाया गया है। भिवानी में 1 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से इ०एस०आई० अस्पताल बनाया गया है। गुड़गांव और सोनीपत में भी इ०एस०आई० अस्पताल बनाया गया है। 1 जनवरी, 1999 से

[श्री बंसी लाल]

अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम वेतन 1901 रुपए प्रति-मास देना निर्धारित किया गया है। यह उत्तरी भारत में दिल्ली को छोड़कर सबसे ज्यादा है।

बे-रोजगार युवकों को आजीविका कमाने के लिए सक्षम बनाने के लिए उन्हें मैक्सीकैब की 6458 परमिट दिए गए हैं। स्वरोजगार की विभिन्न स्कीमों के तहत गत तीन वर्षों में 18911 लोगों को 62 करोड़ 78 लाख रुपयों के ऋण दिए गए। इसके अलावा दस हजार महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 1998-99 में चार करोड़ 48 लाख रुपये की हरियाणा महिला डेयरी योजना लागू की गयी है। हमने केन्द्रीय पट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से मांग की है कि शिक्षित बेरोजगार युवकों की सहकारी समितियों को रसोई गैस, मिट्टी के तेल एवं डीजल की डीलरशिप एजेंसियां दी जाएं।

बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों को वायदे के अनुसार हर महीने की सात तारीख को पेंशन दी जा रही है और ग्रामीण चौकीदारों का मासिक भत्ता तीन सौ रुपये से बढ़ाकर चार सौ रुपये किया गया तथा वर्दी भत्ता बढ़ाकर पांच सौ रुपये सालाना कर दिया है इस तरह से किसी भी वर्ग का हक नहीं मारा गया है। अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों के सामाजिक एवं आर्थिक दशा सुधारने के लिए 74 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि खर्च की गयी है। इसके अलावा इन्हीं वर्गों के लोगों को नौकरियों में आरक्षण का पूरा लाभ दिया गया है। इन वर्गों के लोगों को पुलिस भर्ती में शैक्षणिक योग्यता और शारीरिक मापदंडों में छूट दी गयी है। सिपाही की भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं से कम करके आठवीं की गयी और आयु में पांच वर्ष की छूट तथा ऊंचाई एवं छाती के माप में एक इंच की छूट दी गयी है। इन वर्गों का निर्धारित कोटा पूरा करने की पूरी कोशिश की गयी है और हमने पूरा किया भी है। इंदिरा आवास योजना के तहत 42 करोड़ 86 लाख रुपये खर्च करके 20690 मकानों का निर्माण किया गया है।

स्वतंत्रता सेनानियों और आजाद हिन्द फौज के सदस्यों की पेंशन बढ़ाकर 1400 रुपये प्रति मास और चिकित्सा भत्ता बढ़ाकर 125 रुपये प्रति मास किया गया है। प्लाट अलौट करने और शैक्षिक संस्थाओं में सर्विस आदि के लिए मुख्यमंत्री के स्वैच्छिक कोटे को हमने आते ही समाप्त कर दिया था। इसके अलावा झज्जर और फतेहाबाद दो नये जिले भी बनाये गये। साथ ही उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार रोकने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति की गयी। अध्यक्ष महोदय, हमने जो लोकायुक्त बनाया वह इलाहाबाद हाई कोर्ट का सिटिंग जज था रिटायर्ड जज नहीं। मैं पब्लिक मीटिंग्ज में कहता हूं कि कोई भी आदमी मुख्यमंत्री से लेकर नीचे तक अपने अधिकारियों के खिलाफ शिकायत करना चाहता है तो उसको लोकायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़ को लिखना चाहिए। इस लोकायुक्त ने पूरे हरियाणा का दौरा किया और हर जिले में जाकर उन्होंने यह कहा है कि चाहे सी०एम० के खिलाफ कोई शिकायत हो, चाहे मिनिस्टर के खिलाफ कोई शिकायत हो, चाहे एम०एल०ए० के खिलाफ कोई शिकायत हो या किसी अधिकारी के खिलाफ कोई शिकायत हो यानी सारी शिकायतें लोकायुक्त के पास की जा सकती हैं। उन्होंने कहा है कि मैं किसी के भातहत नहीं हूं। वे मेरे जिले में भी गये हैं। इसी तरह से व्यापारियों को राहत पहुंचाने के लिए कर नियमों एवं प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। कई वस्तुओं पर बिक्री कर कम किया गया है और व्यापारियों की दो रुपये से ढाई रुपये आढ़त भी मैंने ही की है।

छोटे व्यापारियों जिनका कि व्यावसायिक कारोबार 25 लाख से अधिक नहीं है उनके लिये स्वयं कर निर्धारण स्कीम लागू की गई है जिससे 60 हजार राजकीय पंजीकृत व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिये पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू की गई ।इससे सरकारी खजाने पर अब तक 2205 करोड़ 27 लाख रुपये का अतिरिक्त भार पड़ा है और अब हमारा 5वें पे-कमीशन प्लस डियरनैस अलाउंस पर जो सालाना खर्चा है, 1000 करोड़ रुपये साल का तनख्वाह का बिल बढ़ गया है। विश्वविद्यालयों और कालेजों के प्राध्यापकों के यू०जी०सी० की सिफारिशों के आधार पर भारत सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधित वेतन-मान 1 जनवरी, 1996 से दिये गये। अनुदान पाने वाले गैर- सरकारी कालेजों और सहायता प्राप्त विद्यालयों के कर्मचारियों के लिये 11 मई, 1998 से पैंशन योजना शुरू की गई। नगरपालिका कर्मचारियों को भी पांचवे वेतन आयोग के अनुसार संशोधित वेतनमान दिये गये। अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़ी देर पहले ही चौटाला साहब कह रहे थे कि ज़मीन कम काश्त हुई और फसल कम हुई। मैं उनको इतला के लिये बताना चाहूंगा कि हमारी स्टेट में 1997-98 में 20 लाख 64 हजार हैक्टेयर जमीन काश्त हुई थी, 1998-99 में यह बढ़ कर 22 लाख हैक्टेयर हो गई यानी 3 लाख 36 हजार हैक्टेयर जमीन में ज्यादा फसल काश्त हुई और 1997-98 में 75 लाख 54 हजार टन गेहूं पैदा हुई , 1998-99 में 86 लाख टन गेहूं की फसल पैदा हुई। गेहूं की प्रोक्योरमैन्ट 1997-98 में 31 लाख 58 हजार टन तथा 1998-99 में 38 लाख 65 हजार टन हुई। ये तीनों-चारों फिगर्ज जब से हरियाणा बना, तब से लेकर आज तक सबसे ज्यादा हैं। चौटाला साहब को पता नहीं कैसे ख्याल हो गया कि काश्त नहीं हुई और फसल कम हुई। हमने किसानों की जिन्स या अन्य किसी चीज की कोई सबसिडी बन्द नहीं की। बिजली के सब-स्टेशन के बारे में सब कुछ श्री अत्तर सिंह सैनी बता चुके हैं। इसके अलावा चौटाला साहब ने एक बात कही कि हमने ट्यूबवैलों के सभी कनेक्शन्ज डिस-कनैक्ट कर दिये। जब चौटाला साहब की सरकार थी तो 1987-88 में 3235 ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शन्ज डिस-कनैक्ट हुये, 1988-89 में 2399 ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शन्ज डिस-कनैक्ट हुये और 1989-90 में 1750 ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शन्ज डिस-कनैक्ट हुये। यह कोन्टीन्यूइंग प्रौसेस है, कटते रहते है और लगते रहते हैं। इसी तरह चौटाला साहब की सरकार में 1987-88 में 9966 डोमैस्टिक कनैक्शन्ज कटे और 1988-89 में 8184 व 1989-90 में 9961 डोमैस्टिक कनैक्शन्ज कटे यानी 28111 डोमैस्टिक कनैक्शन्ज भी इनके राज में कटे। अब जो ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शन्ज कटे हैं उसमें 1996-97 में 33411, 1997-98 में 15578 तथा 1998-99 में 19364 ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शन्ज कटे हैं।

उन ट्यूबवैल्ज़ के कनैक्शन्ज इसलिये कटे क्योंकि बाढ़ आ गई थी और ट्यूबवैल को बिजली नहीं दी जा सकती थी। किसानों ने अपने आप कनैक्शन कटवा लिए। बाकी हमने किसके काटे ? जो कभी भी बिजली का बिल न दे तो बगैर पैसे तो हम बिजली नहीं दे सकते।

श्री संपत सिंह : यह बताएं कि नये कनैक्शन्ज कितने दिए हैं ?

श्री बंसी लाल : इसके अलावा हमने 1996-97 में ट्यूबवैल के 1895 कनैक्शन्ज दिये,1997-98 में 960 और 1998-99 में 835 और कुल मिलाकर 2090 कनैक्शन्ज दिये। डोमैस्टिक कनैक्शन्ज 1996-97 में 1,55,309, 1997-98 में 1,36,934, 1998-99 में 1,24,172 और कुल मिलाकर नये डोमैस्टिक कनैक्शन्ज 4,16,415 दिये।

श्री संपत सिंह : ऐग्रीकल्चर सैक्टर में 1987 से 1991 तक कितने कनैक्शन्ज दिए ? आपने सिर्फ अपने टाइम के तीन साल के दो हजार कनैक्शन्ज के बारे में बता दिया।

श्री बंसी लाल : चौटाला साहब ने कहा था कि इन्होंने कोई नये कनैक्शन नहीं दिए, मैंने उसका जवाब दिया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : तीन साल में लगभग 67 हजार कनैक्शन्ज आपने काटे।

श्री बंसी लाल : हमने 68353 ट्यूबवैल डिसकनैक्ट किए और 2600 नये दिए। बाकी इनके वक्त के डयोढ़े ट्यूबवैल के कनैक्शन ऐसे हैं जो आज पैसे भर दें तो सुबह कनैक्शन लग जाएगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अब जिनका समर्थन आपने लिया है उनका फैसला यह है कि बिना पैसे बिजली और पानी देना पड़ेगा। नहीं तो सरकार नहीं चलेगी।

श्री बंसी लाल : आप भी यही वायदे रोज करते फिर रहे हो कि हम बिना पैसे बिजली और पानी देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अब जिनसे समर्थन ले रहे हो उनका फैसला भी यही है।

श्री बंसी लाल : ये कह रहे हैं तो हम देंगे। चौटाला साहब ने कहा कि हमने कोई वायदा पूरा नहीं किया हमने करीब-करीब सभी मेजर वायदे पूरे कर दिए। इन्होंने मैनडेट की बात कह दी। मैनडेट जो दिया था वह हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों को मिलकर दिया था और इस बात पर कि पांच साल मुख्यमंत्री बंसीलाल रहेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लोगों में यह शर्त नहीं थी। जनता में यह कोई शर्त नहीं थी।

श्री मनी राम गोदारा : मैं गलत बात नहीं करता। जनता से वायदे करके वोट लिए थे और एक बात का फैसला हुआ था कि चीफ मिनिस्टर हरियाणा विकास पार्टी के चौधरी बंसी लाल पूरे पांच साल रहेंगे और सैन्टर के अंदर जो कोई भी राज होगा उसका बी०जे०पी० का कोई भी ओहदेदार होगा। सैन्टर के अंदर प्राइम मिनिस्टर बी०जे०पी० का होगा।

श्री बंसी लाल : एक बात चौटाला साहब के बारे में कही गई थी पता नहीं किसने कही थी मेरे ख्याल से श्री राम विलास शर्मा ने कही थी कि चाहे सारा गांव मर जाए तुम सरपंच नहीं बनते। यह बात चौटाला साहब के बारे में श्री शर्मा ने कई बार इस सदन में कही थी लगता है वही आपको याद रह गई। चौटाला साहब लॉ एण्ज ऑर्डर की बात करते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप विधान सभा भंग करने का रेजोल्यूशन कर दो फिर सारा रोग कट जाएगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे ताज्जुब होता है कि चौटाला साहब जब मुख्यमंत्री थे तो महम में कितना लॉ एण्ड आर्डर हुआ था और कैसा लॉ एण्ड आर्डर था ? एस०पी० भिवानी के लिए इलैक्शन कमीशन की तरफ से ये हिदायतें दी गई थी कि एस०पी० भिवानी महम हल्के में नहीं जायेगा और न ही अपना स्टेशन छोड़कर कहीं जाएगा। लेकिन गवर्नमैंट की तरफ से चौटाला साहब की ये हिदायतें थी कि आई०जी० वही बात मानेगा जो एस०पी० भिवानी कहेगा। सारी गाड़ियां और वायरलैस उसी कांस्टीच्युंसी के नाम से चलते थे। वहां के कैंडीडेट सामने बैठे हैं। उसके बाद क्या हुआ जब अमीर सिंह के दाह संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी तो उसी समय श्री दांगी के मकान पर पुलिस ने हमला बोल दिया। एक लड़की जिसका कोई कसूर नहीं था जो अपने मकान से बाहर निकली और उसको भी गोली लग गई। वह लड़की मर गई इसके अलावा एक दो आदमी और भी मरे। मैंने खुद जाकर श्री दांगी का घर देखा तो क्या देखा कि श्री दांगी के घर पर इतनी ज्यादा गोलियां लगी हुई थी कि इतनी गोलियां तो जलियांवाला बाग की दीवारों पर भी नहीं लगी होंगी।

श्री धीरपाल सिंह : चौधरी साहब, आज इतनी हमदर्दी और तारीफ के शब्द आपकी जबान पर श्री दांगी के प्रति कहां से आ गये ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कभी किसी की बुराई नहीं की। ये तो मैं इनकी करतूतें बता रहा हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : और मण्डीयाली की करतूत किसकी थी।

श्री बंसी लाल : वे भी आपकी ही थी। रोज वहां जाकर लोगों को बहकाया करते थे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जमीन का जिक्र किया कि हमने सारे कायदे कानून ताक पर रखकर गुड़गांव की जमीन को टी०सी०आई० को दे दिया। जब ये लोग बोल रहे थे तब मैं अपने दफ्तर में बैठा इनकी बातें सुन रहा था। मैंने उसी वक्त टी०सी०आई० वालों को फोन किया और पूछा कि उन्होंने यह जमीन कब ली थी। टी०सी०आई० वालों ने मुझे बताया कि हमने यह जमीन 1995 में ली थी उस समय तो मैं मुख्यमंत्री नहीं था। तब मैंने उनसे पूछा कि 1995 में कौन से महीने में ली थी। तब टी०सी०आई० वालों ने कहा कि हम दस मिनट में टैलीफोन करते हैं। दस मिनट बाद उनका टैलीफोन आया और उन्होंने बताया कि मार्च, 1995 में हमने यह जमीन ली थी और उस समय हुडा ने अखबारों के माध्यम से एक विज्ञापन दिया था उस विज्ञापन में इस जमीन की कीमत निर्धारित की गई थी। हमने उसमें एप्लाई किया तो उसी विज्ञापन के माध्यम से हमें यह जमीन मिल गई। उस समय अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं था। अध्यक्ष महोदय, बादल साहब के लड़के को जमीन किसने दी ? किस रेट पर दी। उस जमीन की कीमत 150-200 करोड़ रुपये है और वह जमीन सारे कायदे कानून ताक पर रख कर दी गई।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। मेरे बारे में अनर्गल बातें कही गई हैं।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये, जो चौटाला साहब कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

23.00 बजे **श्री ओम प्रकाश चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : श्री ओम प्रकाश चौटाला जी जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। चौटाला साहब, आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : श्री ओम प्रकाश चौटाला जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। चौटाला साहब मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप बगैर इजाजत लिये न बोलें, आप बीच-बीच में खड़े होकर बोलना शुरु कर देते हैं, पता नहीं आपने इस हाउस को क्या समझा हुआ है। प्लीज आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब आपसे परमिशन लिये बगैर ही बोलते रहते हैं, यह हाउस की गरिमा नहीं है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, टी०सी०आई० ने वह जमीन 1995 में ली थी।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, इस जमीन के बारे में इन्क्वायरी होनी चाहिए। मुख्य मंत्री महोदय ने इस जमीन के बारे में पूरे सदन को गुमराह किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्राट के बारे में राम विलास जी ने कहा कि मैंने उसकी ग्राट बंद कर दी। इस बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं कि 11-7-95 को 11.30 बजे चौधरी भजन लाल जी की अध्यक्षता में उनके कमरे में एक मीटिंग हुई। चौधरी भजन लाल जी उस समय मुख्यमंत्री थे। उस मीटिंग में कौन-कौन हाजिर थे मैं बताता हूं। एक तो उसमें बनारसी दास गुप्ता, भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। श्री एल०सी० गुप्ता, रिटायर्ड आई०ए०एस०, एडवाईजर, श्री घनश्याम दास गोयल, श्री राम कुमार गुप्ता, श्री एफ०सी० सिंगल, श्री बी०डी० अग्रवाल। ये 6 आदमी तो कॉलेज की तरफ से थे। सरकार की तरफ से श्री मांगे राम गुप्ता, वित्त मंत्री हरियाणा, श्री धनेन्द्र कुमार, आई०ए०एस०, पी०एस०-सी०एम०, श्रीमति सुधा शर्मा, स्पैशल सैक्रेटरी, श्री धनपत सिंह, ज्वायंट सैक्रेटरी, हैल्थ, श्री शिव रमन भीड़, आई०ए०एस०, पी०एस०-सी०एम० उस मीटिंग में मौजूद थे तथा उस मीटिंग की प्रोसीडिंग्ज में यह लिखा हुआ है :—

"Shri Banarsi Dass Gupta, Ex C.M., Haryana and Patron of the society requested the Hon'ble C.M. that recurring expenditure to the tune of 99% be given by the Govt., to run the medical College as provided in the agreement vide condition No. 9. The Hon'ble C.M. told Shri B.D. Gupta and other office bearers of the Society that the State Govt. had spent an amount of Rs. 1.12 crores for acquisition of 267 acres and 14 marlas of land for the institute. Apart from this, another Rs. 4.94 crores have been given as matching grant by the State Govt. for construction of Medical College Building. No other private institute in the State has been given so much financial assistance. The agreement was inequitable and not just particularly keeping in view the decision of Hon'ble Supreme Court in the Writ Petition (C) No. 317/93 TMA Pai Foundation and others V/S State of Karnataka and others decided on 13-5-1994 whereby the Medical College was free to charge upto Rs. 1.10 lacs per annum from the students seeking admission against payment seats. The Medical College was also entitled to charge any amount from those seeking admission under NRI quota. Therefore, the society should run the Medical College and Hospital on its own without seeking any Govt. help for recurring expenses. A decision to this effect was taken by the Govt. and conveyed to the society.

Shri L.C. Gupta, IAS (Retired) Adviser of the Society requested that until the college became fully functional after getting recognition from Medical Council of India, the society will not be able to meet the recurring expenses from the capitation fee taken for payment seats. He requested on behalf of the society that for the current year, the Govt. may bear recurring expenses in the ratio of 99:1 from the existing budget provision as lot of medical equipments are to be purchased and salary of the staff working in the Medical College is to be provided. All other members of the Society also made similar request for sympathetic consideration.

After detailed discussion, it was agreed that the recurring expenditure for the current financial year i.e. upto 31-3-1996 will be borne by the State Govt. in the ratio of 99:1 from the existing budget provision. Matching grant for

construction will given to the society against the amount to be deposited by the society for construction work. This arrangement would be valid only for the current financial year. The amount of fee charged by the Medical Authorities against payment seats will be deducted from the grant while releasing the grant for recurring expenses. Since hostel expenses are chargeable from the students, no expenditure on account of hostel facility will be re-imburseable as recurring expenditure.

Before releasing the grant, Health Department would ensure that it is done in accordance with the norms after taking returns/details of expenditure from the society.

Meeting ended with a vote of thanks to the Chair."

अध्यक्ष महोदय, इस कालेज को ग्रान्ट देते समय ये सब शामिल थे। इसमें 12 आदमी मौजूद थे और इन 12 आदमियों में 8 आदमी अग्रवाल समुदाय के थे। पूरी डिटेल से डिस्कशन करने के बाद इतफाक राय से फैसला हुआ था। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरकार से अब तक इस कालेज को 10 करोड़ 30 या 40 लाख रुपये जा चुके हैं। हमने हरियाणा की दूसरी संस्था को इस राशि का 20वां हिस्सा भी आज तक नहीं दिया है। यह उस वक्त के चीफ मिनिस्टर ने फैसला किया था। उन्होंने सबसे बात करके और सबकी इतफाक राय से यह फैसला किया था। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं इस कालेज का पैट्रन हूं और फाउंडर मैम्बर भी हूं। अभी मुख्यमंत्री जी ने जिस मीटिंग का हवाला दिया वह 11-7-95 को हुई थी और उस मीटिंग के डिस्टोर्टिड मिनट्स 2-8-95 को जारी हुए थे। जैसा कि मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि तीनों किस्म की ग्रान्ट बन्द हो गई है। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : स्पीकर सर, इन्होंने तो यूं ही बीच में बोलते रहना है, ये हमें अपनी बात कहने नहीं दे रहे। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। मैं आपकी इजाजत से बोल रहा हूं। (शोर एवं विघ्न) मेरे पास लैटर की कापी है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, श्री राम बिलास शर्मा ने चर्चा की थी कि एम०डी०यू० रोहतक का खर्चा बन्द कर दिया। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप जो लैटर ले रहे हैं उसे सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंह : सर, मेरी बात तो सुन लें, यह गवर्नमैंट का लैटर है, मुझे पढ़ने तो दें।

श्री अध्यक्ष : मैंने कहा है कि इसे आप सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंह : पहले मुझे पढ़ने दें, बाद में सदन की टेबल पर रख दूंगा। इन्होंने तो अपनी सारी बात कह दी।

श्री अध्यक्ष : पहले आप यह लैटर सदन की टेबल पर रख दें, बाद में बोल लेना।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी कोई टाईम लिमिट है या इनको बोलने की पूरी छूट है। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपकी ऐसी क्या मजबूरी है कि आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे। (विघ्न) श्री राम विलास शर्मा ने एम०डी०यू० के खर्चे के बारे में कहा। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री सम्पत सिंह : सर, आपने ही मुझे समय दिया है, आप मुझे बोलने नहीं दे रहे। (शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये सबसे ज्यादा टाईम ले जाते हैं और फिर शोर भी सबसे ज्यादा मचाते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी आपसे एक रिक्वैस्ट है कि इस लैटर की कापी सदन की टेबल पर रख दें। (शोर) पहले आप लैटर की कापी सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंह : मेरे पास एक कापी है यदि मैं वह सदन की टेबल पर रख दूंगा तो फिर पढ़ूंगा क्या। मुझे पहले यह लैटर पढ़ने दें, फिर मैं यह लैटर सदन की टेबल पर रख दूंगा । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : पहले आप अपनी सीट पर बैठिये। (शोर)

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, ये अपनी बात तो पूरी कर गये और हमको बोलने देना नहीं चाहते। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री सम्पत सिंह : * * * *

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप सुनिए। अगर आप इसको जरूरी डीक्यूमैंट मानते थे तो जब आप तकरीबन 40 मिनट बोले तो you did not refer this letter at that time. Please take your seat. (interruptions)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, राम विलास शर्मा जी ने एम०डी०यू० का खर्चा बन्द करने की बात कही। हमने किसी यूनिवर्सिटी का कोई खर्चा बन्द नहीं किया। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। आप सभी काफी समय बोल चुके हैं। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आप मुझे बोलने का टाईम दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। आपको बोलने के लिए बहुत समय दे दिया।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं यह लैटर पढ़ देता हूं।

श्री अध्यक्ष : नहीं-आप कृपया बैठ जाएं (शोर) Nothing to be recorded without my permission. मैंने आपको यह कहा है कि जब आपको बोलने के लिए तकरीबन 45 मिनट का समय दिया गया था उस समय आपने इस लैटर को रैफर क्यों नहीं किया। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब * * *

Mr. Speaker : I warn you please take your seat. (interruptions)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री सम्पत सिंह : * * * * * * * * *

Mr. Speaker : Sampat Singh ji, I again warn you, please, take your seat. (interruptions)

श्री सम्पत सिंह : * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब मुख्य मंत्री भी रहे हैं। लीडर ऑफ दि हाउस जो कहता है that is a documentary proof. सम्पत सिंह जी ने जो कुछ कहा है वह रिकार्ड ना किया जाए।

श्री बंसी लाल : अगर मैंने गलत कहा है तो आप मेरे खिलाफ प्रिविलेज मोशन ले आएं। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री हाउस को गुमराह कर रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर बैठें (विघ्न एवं शोर) मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं कि अगर आप यह कहते हैं कि लीडर ऑफ दि हाउस, हाउस को गुमराह कर रहे हैं, फैक्टस से दूर हैं तो आप लिख कर दे दें और इनके खिलाफ प्रिविलेज मोसन ले आएं (विघ्न एवं शोर) मैं दोबारा आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि प्लीज़ अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं शोर) चौटाला साहब, आप एक बार नहीं बल्कि तीन बार मुख्य मंत्री रह चुके हैं इसलिए आपको अच्छी तरह से पता है कि लीडर ऑफ दि हाउस जो कहता है वह फैक्ट होता है। (विघ्न एवं शोर)

श्री बंसी लाल : मैं जो कह रहा हूं वह ऑफिशियल डौकुमैंट के बेसिस पर कह रहा हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैं आप सबसे रिक्वैस्ट करूंगा कि इस प्रकार से बोलने से बात नहीं बनेगी। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपनी सीटों पर बैठिये। (विघ्न एवं शोर) कोई डौकुमैंट की बात नहीं है, आप अपनी सीट पर बैठिये। (विघ्न एवं शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि 143 मैगावाट का प्लांट जून तक चालू नहीं होगा और इसमें गड़बड़ है। हमारा वह प्लांट सोलह आने सही है और 27 तारीख से हम को उससे पॉवर मिल जाएगी। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, आप बैठिए। (विघ्न एवं शोर) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं शोर) इनके पास अगर सारी रिपोर्ट है तो ये लिख कर दें और प्रिविलेज मोशन ले आएं। (विघ्न एवं शोर) Chautala Sahib, I request you to take your seat. (Interruptions) I warn you please take your seat (Interruptions).

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की पार्टी उस वक्त कहती थी कि भाजपा देश की सबसे बड़ी धोखेबाज पार्टी है। हमने भाजपा के साथ उस समय समझौता किया जब यह पार्टी सियासी तौर पर अछूत थी और सिवाय शिवसेना के इसे किसी ने मुंह नहीं लगाया था, आज ये लोग मुझे कहते हैं कि लोग हमारे साथ नहीं हैं। मैंने इनके जैसा ना-शुकरगुजार आज तक नहीं देखा। इन्हें तो मेरा अहसानमन्द होना चाहिए था कि मैं उस समय इनके साथ मिल कर चलने को राजी हो गया जब लोग इनके साथ मिलने से डरते थे, मैंने उस वक्त सोचा था कि शायद मेरी सोहबत का कुछ असर इन पर भी हो जाए पर ये तो जिनिटल धोखेबाज हैं। बेचारी जयललिता के खिलाफ पोस्टर छाप दिए। अध्यक्ष महोदय, ये लोग अपना इतिहास देखें। श्रीमती लक्ष्मी पार्वती के साथ इन्होंने मिल कर चुनाव लड़ा और बाद में ये

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री बंसी लाल]

चन्द्र बाबू नायडू के साथ लग गए। राजनीतिक बात तो अलग है परन्तु इन्होंने उस बेचारी की तरफ पलट कर हाल भी कभी नहीं पूछा। इन्होंने मायावती का साथ लिया और जब उसके साथ मतभेद हो गए तो इन्होंने उत्तर प्रदेश में उसकी पार्टी तोड़ दी, फिर इनकी बेशर्मी देखिए कि केन्द्र में अपनी सरकार बचाने के लिए उसी मायावती की चौखट पर जा कर खड़े हो गए लेकिन उसने भी इन्हें मौके पर अंगूठा दिखा दिया तो उसके भी पोस्टर निकाल दिए कि यह हमसे धोखा है। इनको अपने वायदे तो याद नहीं, परन्तु उसने कर दिया तो कहने लगे कि धोखा है। (विघ्न) जयललिता सांझे मोर्चे में शामिल हुई मगर उसके मुखालिफ पार्टी के साथ सौदाबाजी की, हमारी सरकार में शामिल होकर इन्होंने चौटाला के साथ सौदाबाजी की। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कभी किसी का साथ दिया ही नहीं। दो बार चौधरी देवी लाल के साथ धोखा किया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं अहसानमंद हूं श्रीमती सोनिया गांधी का जिन्होंने आज हमारी सरकार बचाई। इसके अलावा नेहरू खानदान के साथ मेरा पुराना सम्बन्ध है। पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने मुझे राज्य सभा का मैम्बर बनाया, इन्दिरा जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया और इन्दिरा जी ने ही मुझे रक्षा मंत्री बनाया और श्री राजीव गांधी ने मुझे हिन्दुस्तान के सबसे बड़े पोर्टफोलियो का मंत्री बनाया। अब सोनिया गांधी कम्यूनल फोर्सिज के खिलाफ लड़ रही है तो इसलिए हम भी उनका साथ डट कर देंगे। उनकी गाईडैंस में चलेंगे और उनके साथ रहेंगे। मैं सोनिया जी का बार-बार धन्यवाद करता हूं और जो इन भाइयों ने साथ दिया है उसके लिए मैं इनका भी धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार ने इस 30 जून को हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का वायदा किया था जो कि इसी बुधवार को पूरा हो जाएगा। श्री ओम प्रकाश चौटाला को 24 घंटे मिलने वाली बिजली का करन्ट अभी से लग रहा है। भाजपा ने हमारी पार्टी में फूट डालने की कोशिश की और अलोकतांत्रिक प्रयास करते रहे ताकि यह सरकार 24 घंटे बिजली देने के वायदे को पूरा न कर सके और इन्हीं पचड़ों में उलझी रहे। लेकिन मैं इस सदन के माध्यम से हरियाणा की जनता को यह विश्वास दिलाता हूं कि उन्हें इस बुधवार से 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अब इसके बाद मुझ पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि मेरी सरकार ने विकास के कोई काम नहीं किए हैं, यह असत्य और गलत बात है। अगर प्रधान मंत्री जी के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है तो वे मेरे खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लें, इन्क्वायरी कर लें, वे चाहे जो मर्जी कर लें। अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी के प्रवक्ता ने हरियाणा सरकार से समर्थन वापिस लेने के बाद कहा कि हम गंगा जी नहा लिए हैं यह बिल्कुल ठीक बात उन्होंने कही है। हम सभी जानते हैं कि हमारे यहां गंगा कब नहाया जाता है, मैं तो यही कह सकता हूं कि ईश्वर इनकी आत्मा को शांति दे। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय, के आदेश का सम्मान करते हुए आज हम इस सदन में विश्वास का मत लेकर आए हैं। लेकिन आज हमारा और देश के बाकी लोगों का दिल दिमाग देश की सीमाओं पर लगा है। लेकिन देश के प्रधान मंत्री का ध्यान सीमाओं की तरफ नहीं है तो यह देश का दुर्भाग्य ही है। यह लड़ाई खत्म हो जाए और देश की धरती से दुश्मन को खदेड़ दिया जाए तो मैं जनता के बीच में जाकर अपने हर नौजवान की शहादत का सवाल उठाऊंगा और प्रधान मंत्री से और उनकी पार्टी से जवाब मांगूंगा। फिलहाल मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि मेरी तकरीर के बाद अपने बहुमूल्य मत विश्वासमत के पक्ष में देने का निर्णय करें।

Mr. Speaker : Question is—

That this House expresses its Confidence in the Council of Ministers.

Shri Om Parkash Chautala : Sir, we want division.

(After ascertaining the votes of the members by voices, Mr. Speaker announced that "The Ayes have it". This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those members who were for "Aye and those who were for "No", respectively to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried. 55 votes were in favour of the motion and 33 votes were against the motion.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, Mr. Ramesh Kashyap has no right to vote as per the decision of the Hon'ble Supreme Court, therefore, his vote has not been included in the voting.

बिल्ज

(i) दि हरियाणा रूल्ज डिवल्पमैन्ट (अमैन्डमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker : Now, the Development Minister will introduce the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999 and will also move the motion for its considertation.

Development Minister (Shri Kanwal Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved —

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is —

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is —

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is —

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is —

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Development Minister will move that the Bill be passed.

Development Minister (Shri Kanwal Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) दि हरियाणा जनरल सैल्ज टैक्स (अमैन्डमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker : Now, the Prohibition & Excise Minister will introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is —

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Prohibition & Excise Minister will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move -

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is —

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the House stands adjourned *23.41 Hrs. *sine die.* (Then the Sabha *adjourned *sine die*)

31360—H.V.S.—H.G.P., Chd.